भूगोल
Geography

कक्षा / Class XII

2026-27

विद्यार्थी सहायक सामग्री
Student Support Material

केन्द्रीय विद्यालय संगठन~Kendriya Vidyalaya Sangathan

विकास गुप्ता, भा.प्र.से.
आयुक्त
Vikas Gupta, IAS
Commissioner

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
18, संस्थागत क्षेत्र, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110016
Kendriya Vidyalaya Sangathan
18, Institutional Area, Shaheed Jeet Singh Marg, New Delhi-110016

संदेश

शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित ज्ञान नहीं है; यह स्वयं को पहचानने, अपने विचारों को विस्तार देने और जीवन की चुनौतियों का आत्मविश्वास से सामना करने की सतत् यात्रा है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन का सदैव यह प्रयास रहा है कि प्रत्येक विद्यार्थी के लिए ऐसा शिक्षण वातावरण हो, जहाँ जिज्ञासा को प्रोत्साहन मिले, सीखना आनंददायी बने और प्रत्येक बालक अपनी अंतर्निहित क्षमताओं को पहचानकर उन्हें विकसित कर सके।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षा को सिर्फ रटने से समझने, सूचना से ज्ञान और ज्ञान से जीवनोपयोगी दक्षताओं की ओर अग्रसर किया है। आज का समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence – AI), डिजिटल नवाचार और निरंतर बदलती तकनीकों का है। ऐसे युग में केवल तथ्यों का ज्ञान पर्याप्त नहीं है; आवश्यक है कि विद्यार्थी मनन- चिंतन करना सीखें, प्रश्न पूछें, समस्याओं का समाधान खोजें और नए विचारों के साथ आगे बढ़ें। यही क्षमताएँ उन्हें भविष्य के लिए तैयार करेंगी।

इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए केन्द्रीय विद्यालय संगठन के पाँचों आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (ZIETs) के माध्यम से, समर्पित एवं अनुभवी शिक्षकों द्वारा कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए यह विद्यार्थी सहायक सामग्री तैयार की गई है। यह केवल परीक्षा की तैयारी की संकलन सामग्री नहीं है, बल्कि विषयों को सरलता से समझने, अवधारणाओं को स्पष्ट करने, नियमित अभ्यास करने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का एक विश्वसनीय साथी है।

इस सामग्री में विषय-वस्तु को विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप सरल, व्यवस्थित एवं दक्षता-आधारित दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया है। मुझे प्रसन्नता है कि इसे हमारे शिक्षकों के अनुभव, नवाचार और विद्यार्थियों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने समृद्ध बनाया है। मुझे विश्वास है कि यह सामग्री विद्यार्थियों की सीखने की यात्रा को अधिक सहज, रोचक और प्रभावी बनाएगी तथा उन्हें बोर्ड परीक्षाओं के साथ-साथ जीवन की व्यापक चुनौतियों के लिए भी तैयार करेगी।

मेरा विश्वास है कि जब एक जिज्ञासु विद्यार्थी, प्रेरित शिक्षक और सार्थक शिक्षण संसाधन एक साथ आते हैं, तब शिक्षा केवल उपलब्धि का माध्यम नहीं रहती, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की एक सशक्त प्रक्रिया बन जाती है। यही भावना इस विद्यार्थी सहायक सामग्री के केंद्र में है।

मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ हैं कि आप सभी सीखने की इस यात्रा में निरंतर आगे बढ़ें, अपने सपनों को नए आयाम दें और ज्ञान, संवेदनशीलता तथा नवाचार के साथ राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

शुभकामनाओं सहित।

(विकास गुप्ता)

संरक्षक

श्री विकास गुप्ता, आयुक्त, केविसं

सह संरक्षक-

सुश्री चंदना मंडल, अपर आयुक्त (शैक्षिक), केविसं (मु.)

समन्वयक

श्री सोमित श्रीवास्तव, संयुक्त आयुक्त (शैक्षिक), केविसं (मु.) एवं

श्रीमती पी बी एस उषा, संयुक्त आयुक्त (क्षणप्रशि), केविसं (मु.)

कवर डिजाईन

केविसं प्रकाशन विभाग

संपादक :

श्री सरदार सिंह चौहान, प्रभारी निदेशक, जीट भुवनेश्वर

श्री बी.एल. मोरोडिया, निदेशक, जीट ग्वालियर

श्रीमती श्रुति भार्गव, निदेशक, जीट चंडीगढ़

श्री पी आई टी राजा, निदेशक, जीट मैसूर

श्री टी प्रभुदास, निदेशक, जीट मुंबई

CONTENT CREATORS:

1. श्रीमती प्रेमा सिंह, स्नातकोत्तर शिक्षक (भूगोल), पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय अलवर
2. श्री प्रणव गुप्ता, स्नातकोत्तर शिक्षक (भूगोल), पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल खाजूवाला
3. श्री अभिषेक सिंह, स्नातकोत्तर शिक्षक (भूगोल),पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय रायबरेली प्रथम पाली
4. श्री आशुतोष पाण्डेय, स्नातकोत्तर शिक्षक (भूगोल), केन्द्रीय विद्यालय आर.डी.एस.ओ. लखनऊ
5. श्री संदीप कुमार जैन, स्नातकोत्तर शिक्षक (भूगोल), पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय सी.आर.पी.एफ. नीमच
6. श्री शिव कुमार, स्नातकोत्तर शिक्षक (भूगोल), पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय एएफएस सरसावा
7. श्री रितेश मिश्रा, स्नातकोत्तर शिक्षक (भूगोल), पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पीतमपुरा प्रथम पाली
8. श्री अभिषेक कुमार, स्नातकोत्तर शिक्षक (भूगोल), पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय अमहट सुल्तानपुर
9. डॉ.राजेन्द्र कुमार मीना, स्नातकोत्तर शिक्षक (भूगोल), पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1 ग्वालियर प्रथम पाली

अनुक्रमणिका

क्रमांक	विषय-सूची का नाम	पृष्ठ संख्या
1	पाठ्यक्रम संरचना	5
2	मानचित्र मदों की सूची	6-7
3	मानव भूगोल	8-10
4	विश्व जनसंख्या घनत्व वितरण और वृद्धि	11-14
5	मानव विकास	15-17
6	प्राथमिक गतिविधियाँ	18-22
7	द्वितीयक गतिविधियाँ	23-25
8	तृतीयक और चतुर्थक गतिविधियाँ	26-29
9	परिवहन और संचार	30-37
10	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	38-42
11	जनसंख्या वितरण, घनत्व, वृद्धि और संरचना	43-46
12	मानव बस्ती	47-49
13	भूमि संसाधन और कृषि	50-52
14	जल संसाधन	53-56
15	खनिज और ऊर्जा संसाधन	57-61
16	भारतीय संदर्भ में योजना और सतत विकास	62-66
17	परिवहन और संचार	67-71
18	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	72-74
19	चयनित मुद्दों और समस्याओं पर भौगोलिक परिप्रेक्ष्य	75-78
20	योग्यता आधारित प्रश्न	79-88
21	मानचित्र कार्य	89-91
22	सरकारी प्रमुख कार्यक्रम	92-103
23	हल सहित व बिना हल किये गये प्रश्न पत्र	104-141
24	अतिरिक्त दक्षता आधारित प्रश्न QR कोड द्वारा	142-143

कक्षा बारहवीं

पाठ्यक्रम संरचना

पुस्तक - मानव भूगोल के मूलभूत सिद्धांत

अध्याय संख्या	अध्याय का नाम	महत्व
	इकाई I	
1	मानव भूगोल	3
	इकाई II	
2	विश्व जनसंख्या घनत्व वितरण और वृद्धि	8
3	मानव विकास	
	इकाई III	
4	प्राथमिक गतिविधियाँ	19
5	द्वितीयक गतिविधियाँ	
6	तृतीयक और चतुर्थक गतिविधियाँ	
7	परिवहन और संचार	
8	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	
मानचित्र निर्माण कार्य (विश्व राजनीतिक मानचित्र पर मौजूद विशेषताओं की पहचान के आधार पर)		5
	कुल	**35**

पुस्तक - भारत के लोग और अर्थव्यवस्था

अध्याय संख्या	अध्याय का नाम	महत्व
	इकाई I	
1	जनसंख्या वितरण, घनत्व, वृद्धि और संरचना	5
	इकाई II	
2	मानव बस्ती	3
	इकाई III	
3	भूमि संसाधन और कृषि	10
4	जल संसाधन	
5	खनिज और ऊर्जा संसाधन	
6	भारतीय संदर्भ में योजना और सतत विकास	
	इकाई IV	
7	परिवहन और संचार	7
8	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	
	इकाई V	

9	चयनित मुद्दों और समस्याओं पर भौगोलिक परिप्रेक्ष्य	5
मानचित्र कार्य (भारत के राजनीतिक मानचित्र पर स्थानों का पता लगाने और उन्हें चिह्नित करने पर आधारित)		5
कुल		**35**

मानव भूगोल के मूलभूत सिद्धांत191

(मानचित्र कार्य)

अध्याय क्रमांक एवं नाम	मानचित्र आइटम
1. मानव भूगोल	शून्य
2. विश्व जनसंख्या घनत्व वितरण और वृद्धि	शून्य
3. मानव विकास	शून्य
4. प्राथमिक गतिविधियाँ	1. जीवन निर्वाह हेतु संग्रहण के क्षेत्र 2. विश्व में खानाबदोश पशुपालन के प्रमुख क्षेत्र 3. व्यावसायिक पशुपालन के प्रमुख क्षेत्र 4. व्यापक वाणिज्यिक अनाज खेती के प्रमुख क्षेत्र 5. विश्व में मिश्रित खेती के प्रमुख क्षेत्र
5. द्वितीयक गतिविधियाँ	शून्य
6. तृतीयक और चतुर्थक गतिविधियाँ	शून्य
7. परिवहन और संचार	<u>अंतरमहाद्वीपीय रेलवे के टर्मिनल स्टेशन-</u> ट्रांस-साइबेरियन, ट्रांस कैनेडियन, ट्रांस-ऑस्ट्रेलियन रेलवे <u>प्रमुख समुद्री बंदरगाह-</u> यूरोप: नॉर्थ केप, लंदन, हैम्बर्ग उत्तरी अमेरिका: वैंकूवर, सैन फ्रांसिस्को, न्यू ऑरलियन्स दक्षिण अमेरिका: रियो डी जनेरियो, कोलन, वालपराइसो अफ्रीका: स्वेज और केप टाउन एशिया: योकोहामा, शंघाई, हांगकांग, अदन, कराची, कोलकाता ऑस्ट्रेलिया: पर्थ, सिडनी, मेलबर्न <u>प्रमुख हवाई अड्डे-</u> एशिया: टोक्यो, बीजिंग, मुंबई, जेद्दा, अदन अफ्रीका: जोहान्सबर्ग और नैरोबी यूरोप: मॉस्को, लंदन, पेरिस, बर्लिन और रोम उत्तरी अमेरिका: शिकागो, न्यू ऑरलियन्स, मेक्सिको सिटी दक्षिण अमेरिका: ब्यूनस आयर्स, सैंटियागो ऑस्ट्रेलिया: डार्विन और वेलिंगटन <u>अंतर्देशीय जलमार्ग-</u> स्वेज नहर, पनामा नहर, राइन जलमार्ग और सेंट लॉरेंस समुद्री मार्ग
8. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	शून्य

पुस्तक: भारत, लोग और अर्थव्यवस्था

(मानचित्र कार्य)

अध्याय क्रमांक एवं नाम	मानचित्र आइटम
1. जनसंख्या वितरण, घनत्व, वृद्धि और संरचना	उच्चतम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य और निम्नतम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य (2011)
2. मानव बस्ती	शून्य
3. भूमि संसाधन और कृषि	निम्नलिखित फसलों के प्रमुख उत्पादक राज्य: (a) चावल (b) गेहूँ (c) कपास (d) जूट (e) गन्ना (f) चाय (g) कॉफ़ी
4. जल संसाधन	शून्य
5. खनिज एवं ऊर्जा संसाधन	खान: लौह-अयस्क की खदानें: मयूरभंज, बैलाडीला, रत्नागिरी, बेल्लारी मैंगनीज खदानें: बालाघाट, शिमोगा तांबे की खदानें: हज़ारीबाग़, सिंहभूम, खेतारी बॉक्साइट खदानें: कटनी, बिलासपुर और कोरापुट कोयला खदानें: झरिया, बोकारो, रानीगंज, नेवेली तेल रिफाइनरियाँ: मथुरा, जामनगर, बरौनी
6. भारतीय संदर्भ में योजना और सतत विकास	शून्य
7. परिवहन और संचार	शून्य
8. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	प्रमुख समुद्री बंदरगाह: कांडला, मुंबई, मर्मगाओ, कोच्चि, मैंगलोर, तूतीकोरिन, चेन्नई, विशाखापत्तनम, पाराद्वीप, हल्दिया अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे: अहमदाबाद, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, गुवाहाटी, दिल्ली, अमृतसर, तिरुवनंतपुरम और हैदराबाद।
9. चयनित मुद्दों और समस्याओं पर भौगोलिक परिप्रेक्ष्य	शून्य

पुस्तक - मानव भूगोल के मूलभूत सिद्धांत

<u>अध्याय-01: मानव भूगोल: प्रकृति और कार्यक्षेत्र</u> **(3 भारांक)**

अध्याय का सारांश

मानव भूगोल, मनुष्य और प्रकृति के बीच संबंधों का अध्ययन है।

यह बताता है:
प्रकृति मानव जीवन को कैसे प्रभावित करती है? मनुष्य प्रौद्योगिकी का उपयोग करके प्रकृति को कैसे बदलते हैं? मनुष्य और पर्यावरण एक दूसरे पर कैसे निर्भर हैं?

```
पृथ्वी
│
├── प्राकृतिक पर्यावरण (भूमि • जल • जलवायु • वन)
│
└── सांस्कृतिक वातावरण (गाँव • शहर • सड़कें • उद्योग)
```

विद्वानों द्वारा मानव भूगोल की महत्वपूर्ण परिभाषाएँ

1. **रैट्ज़ेल :**-मानव भूगोल, मानव समाजों और पृथ्वी की सतह के बीच संबंधों का संश्लेषित अध्ययन है।
2. **एलेन सेम्पल :**-"मानव भूगोल, चंचल मनुष्य और अस्थिर पृथ्वी के बीच बदलते संबंधों का अध्ययन है।"
3. **विदाल डे ला ब्लाश:**-"यह अवधारणा हमारी पृथ्वी को नियंत्रित करने वाले भौतिक नियमों और इस पर निवास करने वाले जीवित प्राणियों के बीच संबंधों के अधिक संश्लेषित ज्ञान से उत्पन्न होती है।"

क्र. सं.	**तुलना का आधार**	**पर्यावरण नियतिवाद**	**संभाव्यतावाद**	**नव-नियतिवाद**
1	कोर पावर डायनेमिक	प्रकृति ही सर्वोच्च शक्ति है; यह मानवीय कार्यों को निर्देशित करती है।	मनुष्य ही शक्ति के मालिक हैं; वे पर्यावरण को बदल और आकार दे सकते हैं।	दोनों में से कोई भी पूर्णतः सर्वोच्च नहीं है; यह पारस्परिक क्रिया का संबंध है।
2	स्वामी/दास संबंध	मनुष्य प्रकृति के निष्क्रिय कर्ता या "दास" हैं।	मनुष्य सर्वोपरि (सर्वशक्तिमान) हैं, जो सक्रिय रूप से प्राकृतिक सीमाओं को पार कर रहे हैं।	मनुष्य और प्रकृति समान साझेदार के रूप में कार्य करते हैं, और किसी क्षेत्र के भूगोल को आकार देने में सहयोग करते हैं।
3	प्रमुख समर्थक	एलेन चर्चिल सेम्पल, फ्रेडरिक रैट्ज़ेल	पॉल विडाल डे ला ब्लाचे	ग्रिफ़िथ टेलर
4	स्वतंत्रता बनाम आवश्यकता	यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति को पूरी तरह से प्रकृति की सीमाओं के अनुकूल ढलना होगा।	पूर्ण स्वतंत्रता की स्थिति; मनुष्य के पास प्रकृति को नियंत्रित करने की अनंत संभावनाएं हैं।	न तो यह पूर्ण अनिवार्यता की स्थिति है और न ही पूर्ण स्वतंत्रता की; स्वतंत्रता केवल प्राकृतिक सीमाओं के भीतर ही संभव है।
5	वैकल्पिक	मनुष्यों का	प्रकृति का मानवीकरण	रुक-रुक कर चलने वाला

	नाम / अवधारणाएँ	प्राकृतिककरण		नियतिवाद / मध्यम मार्ग / ट्रैफिक लाइट की अवधारणा।

**विकास प्रकृति को नुकसान पहुंचाए बिना होना चाहिए, संसाधनों का विवेकपूर्ण और टिकाऊ तरीके से उपयोग किया जाना चाहिए।

समय के विभिन्न गलियारों के माध्यम से भूगोल

समय के साथ मानव भूगोल का विकास कैसे हुआ, इसे समझना परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

अवधि	दृष्टिकोण	मुख्य सकेंद्रित
प्रारंभिक औपनिवेशिक काल	अन्वेषण एवं विवरण	नए क्षेत्रों और व्यापार मार्गों की खोज
उत्तर औपनिवेशिक काल	क्षेत्रीय विश्लेषण	क्षेत्रों का विस्तृत अध्ययन
1930 का दशक (युद्धों के बीच का काल)	क्षेत्रीय विभेदन	क्षेत्रों में अंतर को समझना
1950 के दशक के उत्तरार्ध से 1960 के दशक तक	स्थानिक संगठन	सांख्यिकी और मानचित्रों का उपयोग (मात्रात्मक क्रांति)
1970 के दशक	मानवतावादी, कट्टरपंथी और व्यवहारवादी स्कूल	मानव कल्याण, असमानता और व्यवहार
1990 के दशक	पोस्ट-आधुनिकतावाद	हर जगह अनोखी है

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. प्रौद्योगिकी मानव पर पर्यावरण के बंधनों को शिथिल करती है। यह कथन इसका समर्थन करता है।

ए. नियतिवाद

बी. संभाव्यतावाद

सी. नव-नियतिवाद

डी. इनमें से कोई नहीं

2. पर्यावरणवाद से संभाव्यतावाद की ओर प्रतिमान परिवर्तन निम्न कारणों से हुआ:

ए. वैश्विक तापमान वृद्धि

बी. वैश्वीकरण

सी. तकनीकी विकास

डी. वातावरण में परिवर्तन

संक्षिप्त उत्तर वाले प्रश्न

प्रश्न 1. 1970 में मानव भूगोल के दृष्टिकोणों का वर्णन कीजिए। मानव भूगोल में तीन विचारधाराएँ हैं?

क) कल्याणकारी या मानवतावादी विद्यालय-यह मुख्य रूप से लोगों के सामाजिक कल्याण के विभिन्न पहलुओं से संबंधित था।

b) मूल- यह मार्क्सवादी सिद्धांत पर आधारित था, जिसका उद्देश्य गरीबी, अभाव और सामाजिक असमानता के मूल कारणों की व्याख्या करना था।

ग) व्यवहारिक- इसमें जीवन के अनुभवों और स्थानों के बारे में दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

प्रश्न 2. "प्रकृति और मनुष्य सभी भौगोलिक अध्ययनों में अविभाज्य तत्व हैं।" इस कथन की जांच कीजिए।

- भूगोल प्रकृति और मनुष्यों के बीच एक वैध द्वैतवाद को मान्यता नहीं देता है क्योंकि भौतिक पर्यावरण और मानवीय गतिविधियाँ लगातार एक दूसरे के साथ प्रतिक्रिया करती हैं और एक दूसरे को आकार देती हैं।

- प्रकृति भौतिक ढांचा (भू-आकृतियाँ, जलवायु और मिट्टी) प्रदान करती है, जो संसाधन आधार का काम करता है। मनुष्य प्रौद्योगिकी के माध्यम से इस भौतिक वातावरण के साथ परस्पर क्रिया करते हैं, जो उनके सांस्कृतिक विकास के स्तर को दर्शाता है।
- भूगोलवेत्ता इस गहरे अंतर्संबंध का वर्णन करने के लिए जैविक रूपकों का उपयोग करते हैं:
- **भौतिक विशेषताऐं**मानव शरीर रचना का उपयोग करके इनका वर्णन किया जाता है (जैसे, पृथ्वी की सतह, तूफान की आंख, नदी का मुहाना और हिमनद का शिखर) ।
- **मानव निर्मित विशेषताएं** इनका वर्णन जैविक शब्दों का उपयोग करके किया जाता है (उदाहरण के लिए, क्षेत्रों, गांवों और कस्बों का अध्ययन जीवित जीवों के रूप में किया जाता है, और सड़कें या रेलवे परिसंचरण की धमनियों के रूप में कार्य करते हैं)।

क्योंकि प्राकृतिक संसाधनों के बिना मानव अस्तित्व असंभव है, और भौतिक पृथ्वी मानव उपस्थिति से लगातार संशोधित होती रहती है, इसलिए भौगोलिक अध्ययनों में ये दोनों कार्यात्मक रूप से अविभाज्य बने रहते हैं।

प्रश्न 3: "प्रौद्योगिकी के विकास के लिए प्रकृति का ज्ञान अत्यंत महत्वपूर्ण है।" तीन उदाहरण देकर इस कथन का समर्थन कीजिए।

यह जानना महत्वपूर्ण है कि मनुष्य किन उपकरणों और तकनीकों की सहायता से उत्पादन और सृजन करता है। प्रौद्योगिकी समाज के शैक्षिक विकास के स्तर को दर्शाती है। मनुष्य प्राकृतिक नियमों की बेहतर समझ विकसित करने के बाद ही प्रौद्योगिकी का विकास करने में सक्षम हुआ।

- घर्षण और ऊष्मा की अवधारणाओं की समझ ने हमें आग की खोज करने में मदद की।
- डीएनए और आनुवंशिकी के रहस्यों को समझने से हमें कई बीमारियों पर विजय प्राप्त करने में मदद मिली।
- वायुगतिकी के नियमों का उपयोग तेज गति वाले विमानों के विकास के लिए किया जाता है।
- प्रौद्योगिकी के विकास के लिए प्रकृति का ज्ञान अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रौद्योगिकी मानव पर पर्यावरण के बंधन को शिथिल करती है।

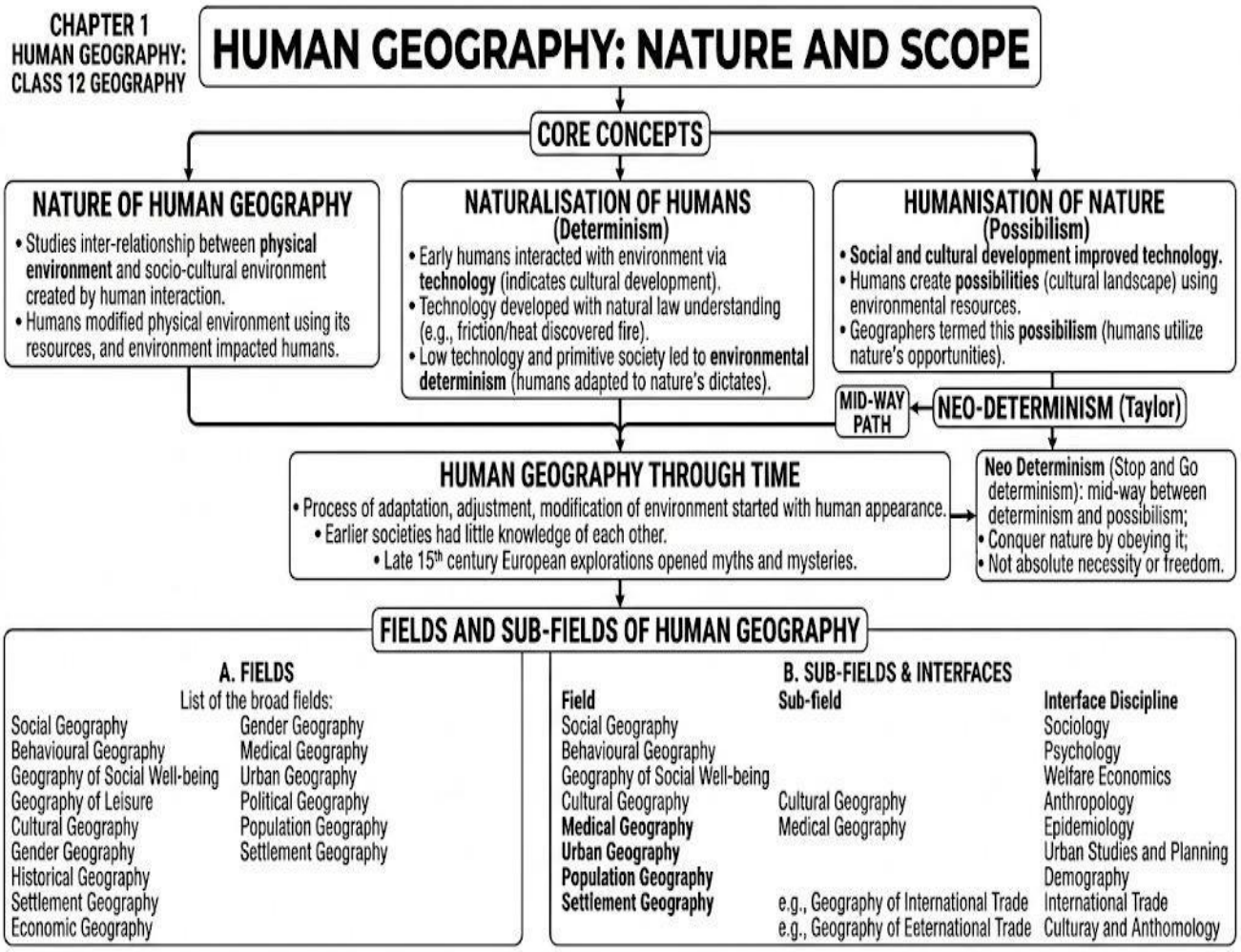

बहुविकल्पीय प्रश्न का उत्तर 1) B 2) सी

अध्याय-2: विश्व जनसंख्या का वितरण, घनत्व और वृद्धि

द्वितीय इकाई (अध्याय 2 और 3) भारांक -8

अध्याय का सारांश

विश्व में जनसंख्या वितरण के पैटर्न-

- जनसंख्या वितरण शब्द से तात्पर्य पृथ्वी की सतह पर लोगों के फैलाव के तरीके से है।
- "एशिया में कई ऐसे स्थान है जहाँ आबादी कम है और कुछ ही ऐसे स्थान हैं जहाँ आबादी बहुत अधिक है" – जॉर्ज बी क्रेसी
- मोटे तौर पर, विश्व की 90% आबादी इसके लगभग 10% भूभाग में रहती है।
- विश्व के 10 सबसे अधिक आबादी वाले देश विश्व की लगभग 60% आबादी का योगदान करते हैं।
- इन 10 देशों में से 6 एशिया में स्थित हैं।

जनसंख्या घनत्व-

जनसंख्या घनत्व = जनसंख्या / क्षेत्रफल

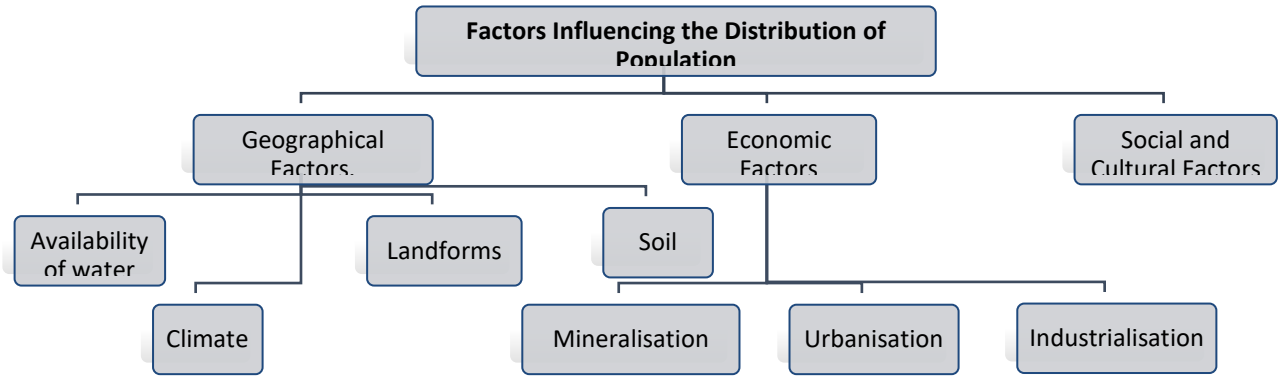

जनसंख्या भूगोल की कुछ बुनियादी अवधारणाएँ

- **जनसंख्या वृद्धि:**किसी विशेष क्षेत्र में दो समय बिंदुओं के बीच जनसंख्या में होने वाले परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि के रूप में जाना जाता है।
- **जनसंख्या वृद्धि दर:**यह जनसंख्या में प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया गया परिवर्तन है।
- **जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि:**

Natural Growth = Births – Deaths

Actual Growth of Population: = Births – Deaths + In Migration – Out Migration

Positive Growth of Population = birth rate > death rate

जनसंख्या परिवर्तन के घटक-जनसंख्या परिवर्तन के तीन घटक हैं –

I) जन्म II) मृत्यु III) प्रवासन

जन्म दर (सीबीआर)	क्रूड मृत्यु दर (सीडीआर)
CBR = Bi/P × 1000	सीडीआर = डी/पी × 1000
यहां, CBR = अशोधित जन्मदर ; Bi = वर्ष के दौरान जीवित जन्म; P = क्षेत्र की मध्य-वर्ष की जनसंख्या।	यहां, CDR = अशोधित मृत्यु दर ; D = मृत्यु की संख्या; P = वर्ष की अनुमानित मध्य-वर्ष की जनसंख्या।

प्रतिकर्ष कारक	**आकर्षण कारक**
ये कारक उत्पत्ति स्थल पर काम करते हैं और लोगों को उस स्थान को छोड़ने के लिए विवश करते हैं क्योंकि वह स्थान कम आकर्षक प्रतीत होता है।	ये कारक गंतव्य स्थान पर काम करते हैं और अन्य क्षेत्रों से लोगों को आकर्षित करते हैं क्योंकि वह स्थान अधिक आकर्षक प्रतीत होता है।
• बेरोजगारी • खराब जीवन परिस्थितियाँ	• बेहतर रोजगार के अवसर • बेहतर जीवन परिस्थितियाँ
• अप्रिय जलवायु • प्राकृतिक आपदाएँ / महामारियाँ	• सुहावना मौसम
• राजनीतिक उथल-पुथल • सामाजिक-आर्थिक पिछड़ापन	• शांति और स्थिरता • जीवन और संपत्ति ; की सुरक्षा

जनसांख्यिकीय संक्रमण-

पहला चरण : इस युग में उच्च प्रजनन दर और उच्च मृत्यु दर है क्योंकि लोग महामारियों और खाद्य आपूर्ति में उतार-चढ़ाव के कारण होने वाली मौतों की भरपाई के लिए अधिक प्रजनन करते हैं। दो सौ साल पहले दुनिया के सभी देश इसी अवस्था में थे।	**बीआर ↑↑ डीआर ↑↑ =वृद्धि (स्थिर)**
दूसरा चरण : प्रजनन दर उच्च बनी रहती है, लेकिन समय के साथ इसमें गिरावट आती है। स्वच्छता और स्वास्थ्य स्थितियों में सुधार से मृत्यु दर में कमी आती है। इस अंतर के कारण जनसंख्या में शुद्ध वृद्धि अधिक होती है।	**BR ↑↑ DR ↑↓ =विकास ↑↑ (जनसंख्या विस्फोट)**
तीसरा चरण : प्रजनन दर और मृत्यु दर दोनों में काफी कमी आती है। जनसंख्या या तो स्थिर रहती है या धीमी गति से बढ़ती है।	**बीआर ↓↓ डीआर ↓↓ =वृद्धि (स्थिर)**

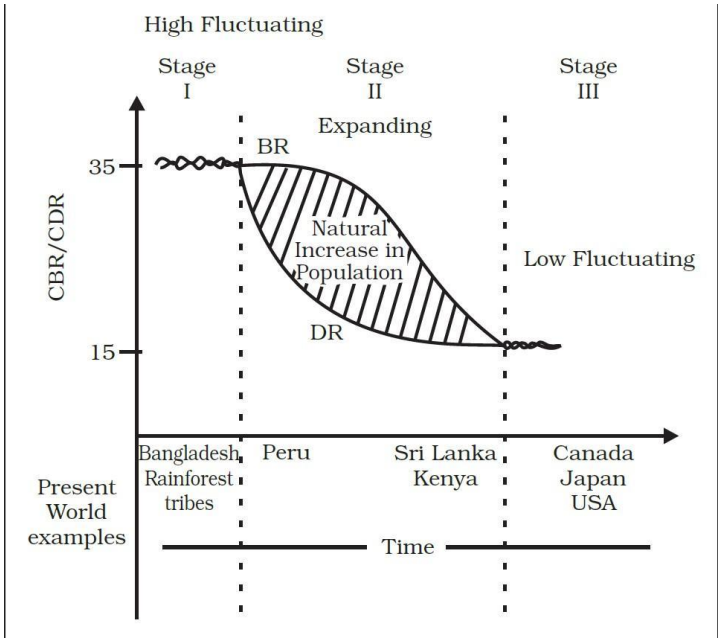

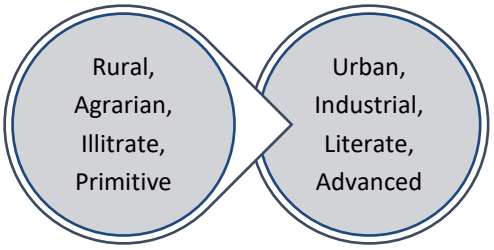

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. निम्नलिखित में से किस महाद्वीप में जनसंख्या घनत्व सबसे अधिक है?

ए. एशिया बी. अफ्रीका

सी. यूरोप डी. उत्तरी अमेरिका

2. निम्नलिखित में से कौन सा कारक जनसंख्या वितरण का निर्धारक नहीं है?

ए. जलवायु बी. मृदा उर्वरता

सी. राजनीतिक स्थिरता डी. महासागरीय धाराएँ

संक्षिप्त उत्तर प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 1. "विश्व की 90 प्रतिशत जनसंख्या उसके कुल भूभाग के लगभग 10 प्रतिशत भाग में निवास करती है, जबकि शेष 10 प्रतिशत जनसंख्या उसके 90 प्रतिशत भूभाग में निवास करती है।" उपयुक्त उदाहरणों के साथ इस कथन का समर्थन कीजिए।

उत्तर:यह सच है कि विश्व की 90 प्रतिशत जनसंख्या उसके कुल भूभाग के लगभग 10 प्रतिशत हिस्से में निवास करती है, जबकि शेष 10 प्रतिशत जनसंख्या उसके 90 प्रतिशत भूभाग में निवास करती है। विश्व में जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले कारक हैं: सांस्कृतिक कारक, भौतिक कारक, परिवहन के साधन और आर्थिक स्थिति।

प्रश्न 2.जनसंख्या घनत्व का क्या अर्थ है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ विश्व में जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले चार भौगोलिक कारकों का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर:जनसंख्या घनत्व किसी देश की कुल जनसंख्या और कुल भूमि क्षेत्र के अनुपात को दर्शाता है। वितरण। विश्व में जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले भौगोलिक कारक हैं: भूभाग, मैदानी क्षेत्र, जलवायु और मिट्टी।

प्रश्न 3. "शारीरिक नियंत्रणों की तुलना में निवारक नियंत्रण बेहतर हैं"। तीव्र जनसंख्या वृद्धि के नियंत्रण के संदर्भ में उपयुक्त उदाहरण सहित इस कथन को सिद्ध कीजिए।

थॉमस माल्थस ने कहा था कि मानव जनसंख्या ज्यामितीय दर से बढ़ती है जबकि खाद्य उत्पादन अंकगणितीय दर से बढ़ता है। जब जनसंख्या वृद्धि उपलब्ध खाद्य आपूर्ति से अधिक हो जाती है, तो एक सुधार

अपरिहार्य हो जाता है। माल्थस ने इस सुधार के दो तरीके बताए और यह प्रदर्शित किया कि निम्नलिखित कारणों से निवारक उपाय शारीरिक नियंत्रणों की तुलना में कहीं अधिक श्रेष्ठ और मानवीय हैं:

- निवारक उपाय संकट उत्पन्न होने से पहले जन्म दर को कम करने के लिए स्वेच्छा से अपनाए गए सक्रिय, मानव निर्मित उपाय हैं। इसके विपरीत, भौतिक नियंत्रण प्रकृति के प्रतिक्रियात्मक, बलपूर्वक हस्तक्षेप हैं जो मृत्यु दर बढ़ाकर जनसंख्या को बेरहमी से कम करते हैं।
- भौतिक नियंत्रणों से समाज को भारी आघात, व्यापक तबाही और जानमाल का भारी नुकसान होता है। वहीं, निवारक नियंत्रण जनसंख्या वृद्धि को सुचारू और शांतिपूर्ण ढंग से नियंत्रित करते हैं, जिससे मानवीय क्षति से पूरी तरह बचा जा सकता है और सामाजिक स्थिरता बनी रहती है।

दीर्घ उत्तर प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1.लोग कुछ क्षेत्रों में रहना क्यों पसंद करते हैं और अन्य क्षेत्रों में क्यों नहीं?

I. भौगोलिक कारक

पानी की उपलब्धत : लोग वहीं बसते हैं जहाँ जीवनयापन और कृषि के लिए मीठा पानी आसानी से उपलब्ध होता है। नदी घाटियाँ विश्व स्तर पर सबसे अधिक घनी आबादी वाले क्षेत्र हैं।

भूआकृतियां : खेती, आवास और परिवहन नेटवर्क के निर्माण के लिए ऊबड़-खाबड़ पहाड़ों की तुलना में समतल मैदानों और हल्की ढलानों को प्राथमिकता दी जाती है। गंगा के मैदान घनी आबादी वाले हैं, जबकि हिमालय विरल आबादी वाला है।

जलवायु : कम मौसमी बदलाव वाली मध्यम जलवायु आबादी को आकर्षित करती है, जबकि अत्यधिक गर्मी, सर्दी या भारी वर्षा इसे दूर भगाती है। भूमध्यसागरीय क्षेत्र सुखद जलवायु के कारण आबादी से भरे हुए हैं; ध्रुवीय क्षेत्र निर्जन हैं।

मिट्टी : गहरी और उपजाऊ मिट्टी वाले क्षेत्र गहन कृषि के लिए उपयुक्त हैं। जलोढ़ मिट्टी वाले क्षेत्र कृषि के कारण उच्च जनसंख्या घनत्व को बनाए रखने में सहायक होते हैं।

II. आर्थिक कारक

खनिज पदार्थ खनिज संपदा से भरपूर क्षेत्र खनन और औद्योगिक इकाइयों को आकर्षित करते हैं, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित होता है। अफ्रीका में कटंगा-ज़ाम्बिया तांबा पट्टी।

शहरीकरण शहर बेहतर रोजगार, शिक्षा, चिकित्सा सुविधाएं और नागरिक सुख-सुविधाएं प्रदान करके ग्रामीण क्षेत्रों से लोगों को आकर्षित करते हैं। मुंबई या टोक्यो जैसे महानगर इसके उदाहरण हैं।

औद्योगीकरण औद्योगिक क्षेत्र श्रमिकों, दुकानदारों और पेशेवरों सभी के लिए रोजगार के व्यापक अवसर प्रदान करते हैं। जापान का कोबे-ओसाका क्षेत्र।

III. सामाजिक और सांस्कृतिक कारक-

विश्व के कुछ क्षेत्र अपने सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के कारण घनी आबादी वाले हैं। अजमेर, मक्का मदीना आदि।

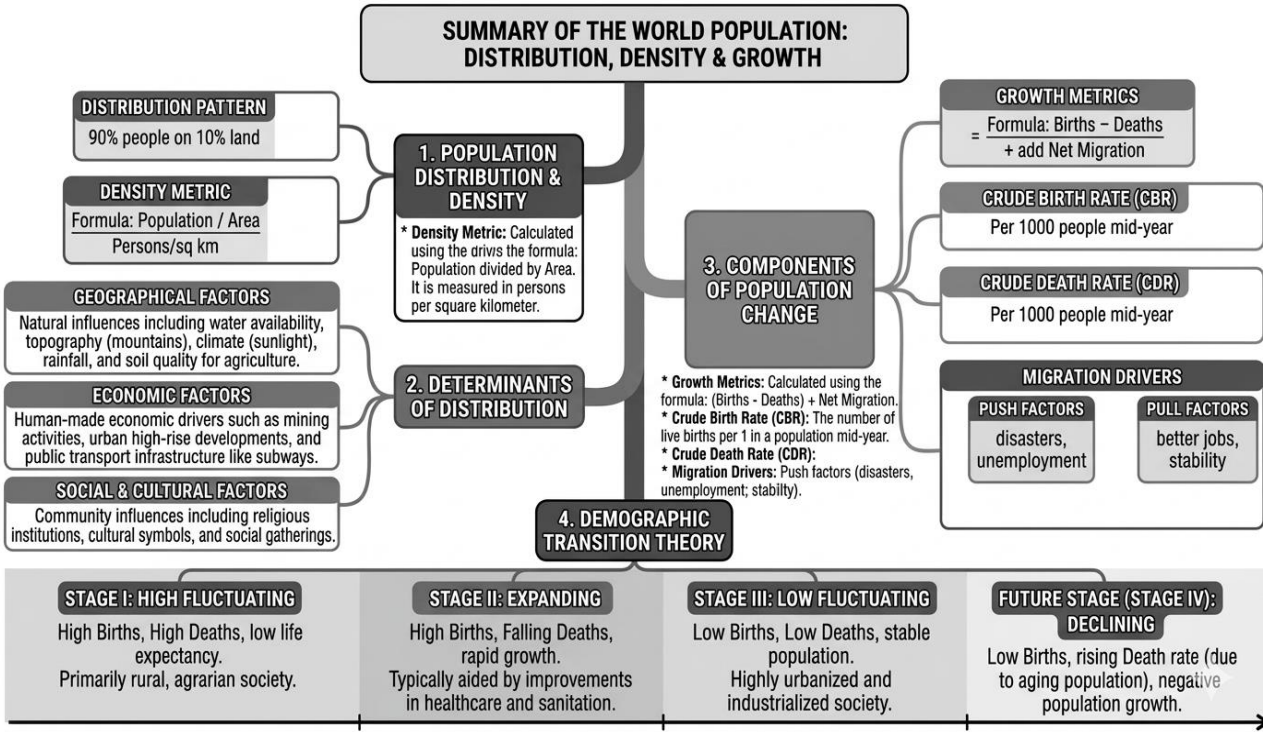

बहुविकल्पीय प्रश्न का उत्तर 1) A 2) डी

अध्याय-3: मानव विकास

अध्याय का सारांश

विकास और वृद्धि-

वृद्धि-	**विकास**
1. वृद्धि मात्रात्मक होती है	1. विकास गुणात्मक होता है
2. विकास मूल्य तटस्थ है	2. विकास हमेशा सकारात्मक मूल्यों पर आधारित होता है।
3. वृद्धि सकारात्मक या नकारात्मक हो सकती है।	3. विकास गुणवत्ता में एक सकारात्मक परिवर्तन है।

- पाकिस्तानी अर्थशास्त्री डॉ. महबूब-उल-हक ने 1990 में मानव विकास सूचकांक बनाया था। उनके अनुसार, विकास का अर्थ है लोगों के लिए विकल्पों का विस्तार करना ताकि वे गरिमापूर्ण, लंबा और स्वस्थ जीवन जी सकें।
- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने 1990 से प्रतिवर्ष मानव विकास रिपोर्ट प्रकाशित करने के लिए मानव विकास की उनकी अवधारणा का उपयोग किया है।
- नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर अमर्त्य सेन ने स्वतंत्रता में वृद्धि देखी। डॉ. महबूब-उल-हक और प्रोफेसर अमर्त्य सेन: मानव विकास सूचकांक के जनक।

मानव विकास के चार स्तंभ:

i) समता ii) सतत पोषणीयता iii) उत्पादकता iv) सशक्तिकरण।

- समता : इसका तात्पर्य सभी के लिए उपलब्ध अवसरों की समान पहुंच से है। लोगों को मिलने वाले अवसर उनके लिंग, जाति, आय और भारत के संदर्भ में, नस्ल के आधार पर समान होने चाहिए।
- **सतत पोषणीयता** : इसका अर्थ है अवसरों की निरंतर उपलब्धता। सतत मानव विकास के लिए, प्रत्येक पीढ़ी को समान अवसर मिलने चाहिए।
- **उत्पादकता :** यहां तात्पर्य मानव श्रम उत्पादकता या मानव कार्य के संदर्भ में उत्पादकता से है। ऐसी उत्पादकता को लोगों की क्षमताओं का विकास करके निरंतर समृद्ध किया जाना चाहिए। अंततः, राष्ट्रों की वास्तविक संपत्ति तो लोग ही हैं।
- **सशक्तिकरण :** इसका अर्थ है चुनाव करने की शक्ति होना। ऐसी शक्ति बढ़ती स्वतंत्रता और क्षमता से प्राप्त होती है।

मानव विकास के उपागम

उपागम	मुख्य विचार	यह काम किस प्रकार करता है
आय उपागम	यह सबसे पुराने दृष्टिकोणों में से एक है। यह मानव विकास को सीधे व्यक्ति की आय से जोड़ता है।	अधिक आययह व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विकास के उच्च स्तर को प्रतिबिंबित करने वाला माना जाता है।

कल्याण **उपागम**	यह मनुष्यों को सरकारी कार्यक्रमों के निष्क्रिय लक्ष्य या लाभार्थी के रूप में देखता है।	सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा जाल पर सार्वजनिक व्यय को अधिकतम करके विकास की पूरी जिम्मेदारी लेती है।
बुनियादी **उपागम**	सर्वप्रथम इसका प्रस्ताव अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) द्वारा रखा गया था।	इसमें छह मूलभूत आवश्यकताओं की पहचान की गई है: स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन, जल आपूर्ति, स्वच्छता और आवास। यह मानवीय विकल्पों के बजाय इन आवश्यक सुविधाओं को प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है।
क्षमता **उपागम**	प्रोफेसर अमर्त्य सेन के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए थे।	यह स्वास्थ्य, शिक्षा और संसाधनों तक पहुंच के क्षेत्र में मानवीय क्षमताओं के सक्रिय निर्माण पर केंद्रित है। क्षमताओं में वृद्धि से मानवीय विकल्पों का सीधा विस्तार होता है।

मानव विकास सूचकांक के संकेतक-

1. **स्वास्थ्य के क्षेत्र**-स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए जन्म के समय जीवन प्रत्याशा को सूचक के रूप में चुना गया है। उच्च जीवन प्रत्याशा का अर्थ है कि लोगों के लंबे और स्वस्थ जीवन जीने की संभावना अधिक होती है।
2. **शिक्षा के क्षेत्र**-वयस्क साक्षरता दर और सकल नामांकन अनुपात ज्ञान तक पहुंच को दर्शाते हैं। पढ़ने-लिखने में सक्षम वयस्कों की संख्या और स्कूलों में नामांकित बच्चों की संख्या यह दर्शाती है कि किसी विशेष देश में ज्ञान तक पहुंच कितनी आसान या कठिन है।
3. **संसाधनों तक पहुंच** - संसाधनों तक पहुंच को क्रय शक्ति (अमेरिकी डॉलर में) के संदर्भ में मापा जाता है।

- **मानव विकास का मापन:**संसाधनों, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच के आधार पर, एचडीआई मूल्य के संदर्भ में देशों की रैंकिंग '0 से 1' तक होती है।
- **एचडीआई रिपोर्ट प्रकाशित** सर्प्रथम **1990में** यू एन डी पी (संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम) द्वारा प्रकाशित।

भारत की प्रदर्शन श्रेणी स्थिति भारत मध्यम मानव विकास श्रेणी में बना हुआ है और उच्च श्रेणी की सीमा 0.700 के करीब पहुंच रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय तुलना :

मानव विकास का स्तर	**कम**	**मध्यम**	**उच्च**	**बहुत ऊँचा**
एच डी आई स्कोर मानदंड	**0.550** से नीचे	**0.550** और **0.699**	**0.700** और **0.799**	**0.800** से ऊपर
देशों की संख्या	33	42	49	69

मुख्य विशेषताएं	अधिकतर छोटे राष्ट्र राजनीतिक अस्थिरता, गृहयुद्ध, अकाल या संक्रामक रोगों की उच्च दर जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे में लक्षित नीतियों की तत्काल आवश्यकता है।	यह सबसे बड़ा समूह है। इनमें से अधिकांश द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पूर्व उपनिवेशों के रूप में या 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद अस्तित्व में आए। इनमें उच्च सामाजिक विविधता पाई जाती है और ये तेजी से जन-केंद्रित नीतियों को अपना रहे हैं।	शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएँ सरकारों की सर्वोच्च प्राथमिकताएँ हैं। ये देश लोगों में भारी निवेश करते हैं और प्रभावी शासन सुनिश्चित करते हैं।	इसमें औद्योगिक पश्चिमी राष्ट्र (मुख्यतः यूरोप में) और कई गैर-यूरोपीय राष्ट्र शामिल हैं। सामाजिक क्षेत्र में उच्च निवेश और स्थिर शासन व्यवस्था है। शीर्ष 3: स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) की गणना करते समय निम्नलिखित में से किस संकेतक को ध्यान में नहीं रखा जाता है?

ए. जन्म के समय जीवन प्रत्याशा बी. प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई)

सी. स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष डी. शिशु मृत्यु दर

2. निम्नलिखित में से कौन सा मानव विकास का आयाम नहीं है?

ए. स्वास्थ्य बी. शिक्षा

सी. आय डी. सैन्य शक्ति

<u>संक्षिप्त उत्तर वाले प्रश्न</u>

प्रश्न 1. "विकास का मूल लक्ष्य ऐसी परिस्थितियाँ बनाना है जहाँ लोग सार्थक जीवन जी सकें।" सार्थक जीवन से आपका क्या तात्पर्य है?

एक सार्थक जीवन महज जीवित रहने या लंबी उम्र से कहीं अधिक है। इसका अर्थ है स्वस्थ और उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने की स्वतंत्रता और क्षमताएं होना। इसमें अपनी प्रतिभाओं का विकास करना, शिक्षा प्राप्त करना, गरिमापूर्ण जीवन स्तर का आनंद लेना और समाज के एक सशक्त सदस्य के रूप में व्यक्तिगत लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सक्रिय रूप से भाग लेना शामिल है।

प्रश्न 2. "क्षेत्र का आकार और प्रति व्यक्ति आय का मानव विकास से सीधा संबंध नहीं है।" समझाइए।

1. मानव विकास जीवन की गुणवत्ता पर निर्भर करता है, न कि किसी राष्ट्र की संपत्ति या आकार पर।
2. छोटे देश अक्सर कल्याण के मामले में बड़े देशों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं, और अपेक्षाकृत गरीब राष्ट्र अक्सर अपने धनी पड़ोसियों की तुलना में मानव विकास में उच्च स्थान पर होते हैं।
3. वास्तविक प्रगति भूमि के आकार या प्रति व्यक्ति आय के बजाय स्वास्थ्य, शिक्षा और समानता में निवेश पर निर्भर करती है।

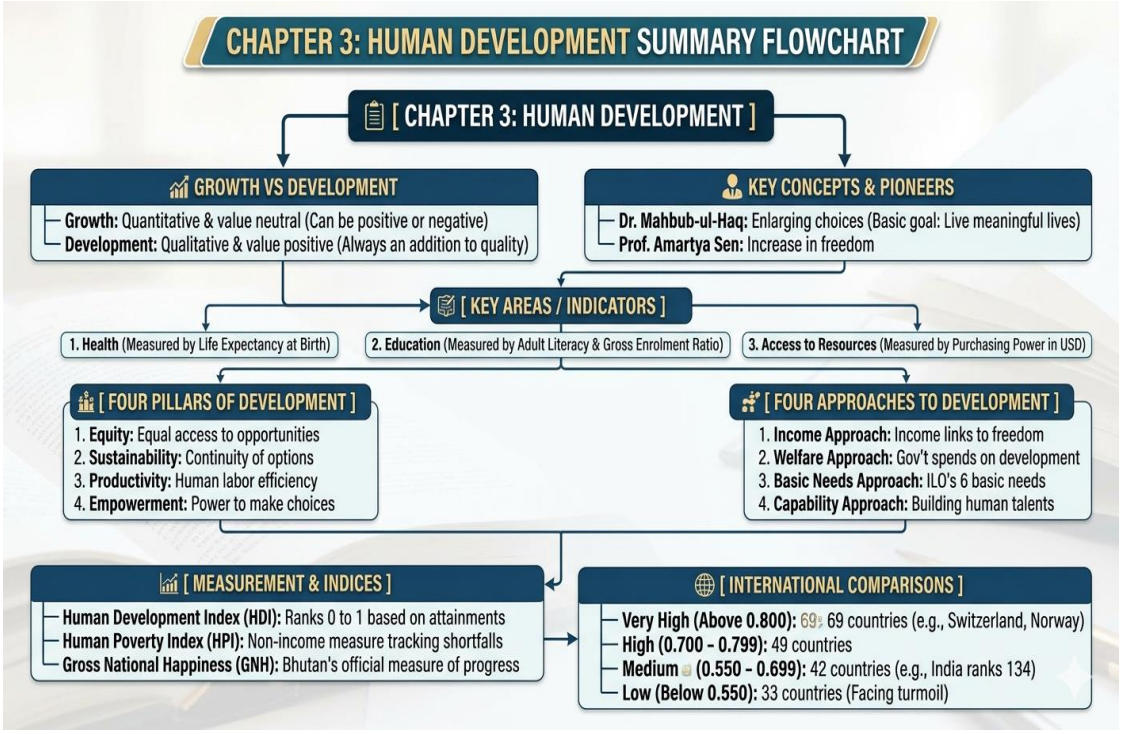

बहुविकल्पीय प्रश्न का उत्तर 1) D 2) डी

इकाई – III(अध्याय 4 से 8) भारांक- 19 अंक

अध्याय - प्राथमिक क्रियाकलाप

मानचित्र कार्य

1. जीवन निर्वाह हेतु संग्रहण के क्षेत्र
2. विश्व में खानाबदोश पशुपालन के प्रमुख क्षेत्र
3. व्यावसायिक पशुपालन के प्रमुख क्षेत्र
4. व्यापक वाणिज्यिक अनाज खेती के प्रमुख क्षेत्र
5. विश्व में मिश्रित खेती के प्रमुख क्षेत्र

अध्याय का सारांश

• मानव (आर्थिक) गतिविधियों के पाँच प्रकार हैं- प्राथमिक, द्वितीयक, तृतीयक, चतुर्थक और पंचम।
• प्राथमिक गतिविधियों में लगे लोग जिन्हें रेड कॉलर वर्कर्स के नाम से भी जाना जाता है।
• प्राथमिक गतिविधियों में कृषि, खनन, पशुपालन, खेती, मत्स्य पालन और वानिकी शामिल हैं।

शिकार और संग्रहण –

• सबसे पुराना व्यवसाय, कम प्रौद्योगिकी, प्रति व्यक्ति उपज बहुत कम, कोई अधिशेष नहीं।
• आदिम समाज उन जानवरों पर निर्भर थे जिनका वे शिकार करते थे और उन खाद्य पौधों पर जिन्हें वे एकत्रित करते थे।
• कठोर जलवायु परिस्थितियों में अभ्यास किया जाता है –
(क) यूरेशिया, दक्षिणी चिली जैसे उच्च अक्षांश क्षेत्र।
(ख) कम अक्षांश वाले क्षेत्र जैसे अमेज़न, कांगो, दक्षिण पूर्व एशियाई देश।

पशुचारण

खानाबदोश समूह

भौगोलिक कारकों और तकनीकी विकास के आधार पर, पशुपालन ,आज इसका अभ्यास या तो निर्वाह स्तर पर या वाणिज्यिक स्तर पर किया जाता है।

पशुपालन –

पशुओं के साथ मौसमी प्रवास की प्रक्रिया को ऋतुप्रवास के नाम से जाना जाता है।

पर्वतीय क्षेत्रों में, जैसे हिमालय, गुज्जर, बकरवाल, गद्दी और भोटिया

ग्रीष्म ऋतु में मैदानी इलाकों से पहाड़ों की ओर और ऊंचे इलाकों से मैदानी इलाकों की ओर पलायन करते हैं।

सर्दियों में ऊंचाई वाले चारागाह। टुंड्रा क्षेत्रों में, खानाबदोश चरवाहे गर्मियों में दक्षिण से उत्तर की ओर पलायन करते हैं। और सर्दियों में उत्तर से दक्षिण की ओर।

चलवासी पशुचारण	वाणिज्यिक पशुधन पालन
विकासशील देशों के अर्ध-शुष्क और शुष्क क्षेत्रों में किया गया।	विकसित देशों के अर्ध-शुष्क और शुष्क क्षेत्रों में किया जाता है।
यह एक आदिम जीविका गतिविधि है जहां चरवाहे अपने भोजन, वस्त्र, आश्रय, औजार और परिवहन के लिए जानवरों पर निर्भर रहते हैं।	यह लाभ कमाने के उद्देश्य से की जाने वाली एक अत्यधिक संगठित, विशिष्ट और पूंजी-प्रधान वाणिज्यिक गतिविधि है।
चरवाहे अपने पशुओं के साथ चारागाहों और पानी की तलाश में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं। वे परंपरा के अनुसार अच्छी तरह से परिभाषित क्षेत्रों में निवास करते हैं।	पशुओं को स्थायी, बड़े और बाड़ से घिरे खेतों में पाला जाता है। चराई को चराई क्षमता के आधार पर नियंत्रित करने के लिए उन्हें बाड़ से घिरे भूखंडों के बीच स्थानांतरित किया जाता है।

क्षेत्र के अनुसार विभिन्न प्रकार के जानवरों को एक साथ रखा जाता है (उदाहरण के लिए, उष्णकटिबंधीय अफ्रीका में मवेशी; पहाड़ों में याक/लामा; आर्कटिक क्षेत्रों में रेंडियर) ।	यह एक विशेष गतिविधि है जिसमें किसी फार्म पर केवल एक ही प्रकार के जानवर (जैसे भेड़, गाय, बकरी या घोड़े) को पाला जाता है।
आधुनिक वैज्ञानिक स्वास्थ्य देखभाल या प्रजनन पद्धतियों का न के बराबर या न के बराबर उपयोग किया जाता है। जानवर पूरी तरह से प्राकृतिक चरागाहों पर निर्भर रहते हैं।	वैज्ञानिक प्रजनन, आनुवंशिक सुधार, रोग नियंत्रण और स्वास्थ्य देखभाल पर विशेष जोर दिया जाता है। उत्पादों को वैश्विक बाजारों के लिए वैज्ञानिक तरीके से संसाधित और पैक किया जाता है।
मुख्यतः तीन क्षेत्रों में पाया जाता है: • उत्तरी अफ्रीका के अटलांटिक तट से लेकर अरब प्रायद्वीप और मंगोलिया/मध्य चीन तक। • यूरेशिया का टुंड्रा क्षेत्र। • दक्षिण-पश्चिम अफ्रीका और मेडागास्कर में छोटे-छोटे क्षेत्रों में।	मुख्यतः पश्चिमी संस्कृतियों से संबंधित: • न्यूजीलैंड • ऑस्ट्रेलिया • अर्जेंटीना और उरुग्वे • संयुक्त राज्य अमेरिका

कृषि

निर्वाह कृषि- इसे दो श्रेणियों में बांटा जा सकता है —

1. आदिकालीन निर्वाह कृषि
2. गहन निर्वाह कृषि

आदिकालीन निर्वाह कृषि

- यह प्रथा अफ्रीका, दक्षिण और मध्य अमेरिका और दक्षिण-पूर्व एशिया के उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में प्रचलित है।
- मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के लिए राख का उपयोग किया जाता है।
- उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में, विशेषकर अफ्रीका, दक्षिण और मध्य अमेरिका और दक्षिण पूर्व एशिया में, कई जनजातियों द्वारा इसका अभ्यास किया जाता है।
- इसे झूम खेती या स्थानांतरित कृषि के नाम से जाना जाता है। इसे पूर्वोत्तर भारत में झूमिंग, मेक्सिको में मिल्पा और मलेशिया और इंडोनेशिया में लादांग के नाम से जाना जाता है।

गहन निर्वाह कृषि

- यह मुख्य रूप से मानसूनी एशियाई क्षेत्रों के घनी आबादी वाले इलाकों में पाया जाता है।
- उत्तरी चीन, मंचूरिया, उत्तर कोरिया, उत्तरी जापान और भारत
- छोटी भूमि जोत
- **श्रम गहनता प्रधान**
- प्रति इकाई क्षेत्रफल की उपज काफी अधिक है, लेकिन प्रति श्रमिक उत्पादकता कम है।
- इसका प्राथमिक लक्ष्य किसान के परिवार का भरण-पोषण करना है, जिसमें स्थानीय बाजारों में बहुत कम अधिशेष बेचा जाता है।
- प्राकृतिक और जैविक खादों का भारी उपयोग, साथ ही आधुनिक रासायनिक उर्वरकों का बढ़ता उपयोग।

  मूलतः, गहन निर्वाह कृषि दो प्रकार की होती है।

  (i) चावल प्रधान गहन निर्वाह कृषि

  (ii) चावल रहित प्रधान गहन निर्वाह कृषि

विस्तृत वाणिज्यिक अनाज की कृषि

- खेत का आकार- बहुत बड़ा होता है
- अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बिक्री के लिए वाणिज्यिक उत्पाद।

- इस कृषि क्षेत्र में गेहूं मुख्य फसल है।
- अन्य फसलें - मक्का, जौ, जई और राई।
- पूंजी प्रधान और अत्यधिक मशीनीकृत खेती।
- प्रति एकड़ कम उपज (उत्पादन) लेकिन प्रति व्यक्ति उच्च उपज।
- अभ्यास किया गया

1. यूरेशियन स्टेपीज़ 2. कनाडाई और अमेरिकी प्रेयरी

3. अर्जेंटीना के पम्पास 4. दक्षिण अफ्रीका के मैदान वेल्ड्स

5. ऑस्ट्रेलिया के डाउन्स 6. न्यूजीलैंड के कैंटरबरी मैदान

बागान फसल	देश	द्वारा प्रस्तुत
चाय	भारत और श्रीलंका	ब्रिटिश का
रबड़	मलेशिया	ब्रिटिश का
गन्ना	वेस्ट इंडीज	ब्रिटिश और फ्रांसीसी
केला	वेस्ट इंडीज	ब्रिटिश और फ्रांसीसी
कोको और कॉफी	पश्चिम अफ्रीका	फ्रेंच

रोपण कृषि

- इस कृषि पद्धति की शुरुआत यूरोपियों द्वारा की गई थी।
- मुख्यतः एक ही फसल उगाई जाती है। (मोनोकल्चर)
- इसका अभ्यास वैज्ञानिक विधियों से किया जाता है।
- खेत का आकार - बड़ी जागीरें
- अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बिक्री के लिए वाणिज्यिक उत्पाद।
- ब्राजील में कॉफी फेजेंडा।
- उच्च पूंजी निवेश, तकनीकी सहायता और सस्ता श्रम
- उत्पादों के निर्यात के लिए संपदाओं को कारखानों और बाजारों से जोड़ने वाले परिवहन के अच्छे नेटवर्क की आवश्यकता है।

मिश्रित कृषि : यह अत्यधिक विकसित क्षेत्रों (उत्तर-पश्चिमी यूरोप, पूर्वी अमेरिका, समशीतोष्ण दक्षिणी महाद्वीप) में पाया जाता है।

- खेतों का आकार मध्यम है, जिनमें गेहूं, मक्का और महत्वपूर्ण चारा फसलों जैसे अनाज का उत्पादन होता है।
- फसल चक्र और अंतरफसल खेती का उपयोग करके इसे व्यवस्थित रूप से बनाए रखा जाता है।
- फसल की खेती और पशुपालन दोनों को समान महत्व दिया जाता है।
- उन्नत कृषि मशीनरी और भवनों पर भारी पूंजीगत व्यय इसकी विशेषता है।
- यह कृषि काफी हद तक रासायनिक उर्वरकों, हरी खाद और किसानों की उच्च स्तरीय विशेषज्ञता पर निर्भर करती है।

डेरी फार्मिंग

- दुधारू पशुओं के पालन-पोषण का सबसे कुशल और उन्नत प्रकार।
- आधुनिक शेड, भंडारण और दुहने की मशीनों में भारी निवेश की आवश्यकता होती है।
- यह प्रजनन, स्वास्थ्य देखभाल और पशु चिकित्सा सेवाओं पर विशेष जोर देता है।
- इसमें पूरे वर्ष निरंतर और कठिन श्रम शामिल होता है, जिसमें कोई अवकाश नहीं होता है।

- ताजे उत्पादों की मांग को देखते हुए शहरी और औद्योगिक केंद्रों के आसपास इसका अभ्यास किया जाता है।
- मुख्य क्षेत्र उत्तर-पश्चिमी यूरोप, कनाडा और दक्षिण-पूर्वी ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड हैं।

भूमध्यसागरीय कृषि

- उच्च मूल्य वाली फसलों पर केंद्रित कृषि का एक अत्यंत विशिष्ट, वाणिज्यिक रूप।
- भूमध्य सागर, कैलिफोर्निया, मध्य चिली, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के आसपास इसका अभ्यास किया जाता है।
- यह दुनिया में उच्च गुणवत्ता वाले खट्टे फलों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है।
- अंगूर की खेती एक विशिष्ट व्यवसाय (अंगूर की खेती) है, जिससे विश्व स्तरीय वाइन, किशमिश और काले अंगूर का उत्पादन होता है।
- जैतून और अंजीर प्रमुख पारंपरिक फसलें हैं।

बाजार **के लिए सब्जी खेती एवं उधान कृषि :** यह पूरी तरह से शहरी बाजारों के लिए फलों, सब्जियों और फूलों जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों पर केंद्रित है।

इसमें फार्म छोटे हैं और शहरी केंद्रों के पास स्थित हैं, जहां परिवहन के उत्कृष्ट साधन उपलब्ध हैं।

- यह अत्यंत पूंजी और श्रम-प्रधान कृषि पद्धति है; इसमें सिंचाई, उच्च गुणवत्ता वाले बीज और रासायनिक उर्वरकों का उपयोग किया जाता है।
- ठंडे उत्तरी अक्षांशों में ग्रीनहाउस और कृत्रिम ताप का उपयोग किया जाता है।
- औद्योगिक उत्तर-पश्चिमी यूरोप, उत्तर-पूर्वी अमेरिका और भूमध्यसागरीय क्षेत्रों में अच्छी तरह से विकसित।
- नीदरलैंड ट्यूलिप के उत्पादन में विशिष्ट रूप से विशेषज्ञता रखता है, जिसका निर्यात यूरोप भर में विश्व स्तर पर किया जाता है।
- **ट्रक फार्मिंग**: सब्जियों की खेती, जिसका नाम डिलीवरी ट्रक द्वारा एक रात में तय की जाने वाली दूरी के नाम पर रखा गया है।
- **फैक्ट्री फार्मिंग**आधुनिक पशुपालन पद्धति, जिसमें जानवरों को बाड़े में रखकर चारा खिलाया जाता है, वैज्ञानिक प्रजनन और भारी पूंजी पर बहुत अधिक निर्भर करती है।

सहकारी खेती-

- किसान अधिक दक्षता के लिए स्वेच्छा से संसाधनों का एकत्रीकरण करते हैं।
- व्यक्तिगत भूमि स्वामित्व पूरी तरह से बरकरार है।
- ये समितियां कृषि के लिए आवश्यक सामग्रियों की खरीद में सहायता करती हैं।
- वे अनुकूल शर्तों पर उत्पादों की बिक्री में सहायता करते हैं।
- डेनमार्क इस प्रथा का सबसे सफल अभ्यास करने वाला राष्ट्र है।

सामूहिक खेती-

- खेती सामाजिक स्वामित्व और सामूहिक श्रम पर निर्भर करती है।
- कोलखोज मॉडल को पूर्व सोवियत संघ में पेश किया गया था।
- इसका उद्देश्य कृषि क्षेत्र में पहले से मौजूद कमियों को दूर करना था।
- किसानों ने अपनी जमीन, पशुधन और श्रम को एक साथ मिला लिया।

- सदस्यों ने दैनिक जरूरतों के लिए छोटे-छोटे भूखंड अपने पास रखे।

<u>खनन</u>

खनन गतिविधि को प्रभावित करने वाले कारक

(i) **भौतिक कारक**इसमें निक्षेपों का आकार, श्रेणी और पाए जाने का तरीका शामिल होना चाहिए।

(ii) **आर्थिक कारक**जैसे कि खनिज की मांग, उपलब्ध और उपयोग की जाने वाली तकनीक, बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पूंजी और श्रम और परिवहन लागत।

खनन के तरीके: -

खनन को सतही और भूमिगत प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है।

(i) सतही खनन: -

- सतही या खुली खदानों में खनन उथले खनिजों को लक्षित करता है।
- यह सबसे सरल और सस्ता तरीका है जिससे तेजी से और बड़ी मात्रा में उत्पादन प्राप्त होता है।

(ii) भूमिगत खनन विधि (शाफ्ट विधि): -

- गहरी खदानों में पाए जाने वाले भंडारों के लिए भूमिगत शाफ्ट विधि की आवश्यकता होती है।
- ऊर्ध्वाधर शाफ्ट और विकिरणशील दीर्घाएँ गहरे अयस्कों तक पहुँचती हैं।
- शाफ्ट माइनिंग जोखिम भरा काम है, जिसके लिए जटिल सुरक्षा उपकरणों की आवश्यकता होती है।

उच्च श्रम लागत के कारण विकसित अर्थव्यवस्थाएं उत्पादन के खनन, प्रसंस्करण और शोधन चरणों से पीछे हट रही हैं, जबकि बड़ी श्रम शक्ति वाले और उच्च जीवन स्तर के लिए प्रयासरत विकासशील देश अधिक महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन सी गतिविधि जीवन निर्वाह गतिविधि है?

ए. दुग्ध उत्पादन बी. खानाबदोश पशुपालन

सी. बागान कृषि डी. खनन

2. निम्नलिखित में से कौन सी चतुर्धातुक सक्रियता है?

ए. शिकार बी. मछली पकड़ना

सी. अनुसंधान एवं विकास डी. वानिकी

<u>संक्षिप्त उत्तर प्रश्न (3 अंक)</u>

प्रश्न 1. "आधुनिक समय में सभाएँ व्यावसायिक बन गई हैं"। इस कथन का विश्लेषण कीजिए।

- आधुनिक समय में कुछ सभाएँ बाजार उन्मुख होती हैं और वाणिज्यिक बन गई हैं।
- संग्राहक पेड़ों की पत्तियों, छालों और औषधीय पौधों जैसे मूल्यवान पौधों को इकट्ठा करते हैं और साधारण प्रसंस्करण के बाद उत्पादों को बाजार में बेच दें।
- वे पौधों के विभिन्न भागों का उपयोग करते हैं, उदाहरण के लिए, छाल का उपयोग कुनैन और टैनिन के लिए किया जाता है।

  पत्तियों से अर्क और कॉर्क प्राप्त होते हैं, जिनसे पेय पदार्थ, दवाइयां, सौंदर्य प्रसाधन, रेशे आदि के लिए सामग्री प्राप्त होती है।

  छप्पर और कपड़े; भोजन और तेल के लिए मेवे; और वृक्ष के तने से रबर, बलाटा, गोंद आदि प्राप्त होते हैं।

रेजिन।

प्रश्न 2. "शहरीकरण के कारण दुग्ध उत्पादन का विकास हुआ है।" उदाहरण सहित समझाइए।

- शहरी केंद्रों के निकट दुग्ध उत्पादन का विकास हुआ है।
- ये फार्म औद्योगिक और वाणिज्यिक शहरों के पास स्थित हैं, जो दुग्ध उत्पादों के लिए बाजार प्रदान करते हैं। यह शहरीकरण से घनिष्ठ रूप से संबंधित है।
- बढ़ती जनसंख्या के कारण शहरों में दूध उत्पादों की बहुत अधिक मांग है।
- यूरोप, उत्तर-पूर्वी अमेरिकी क्षेत्र और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के समशीतोष्ण घास के मैदानों में, अधिकांश डेयरी केंद्र बड़े शहरों के पास संगठित हैं।

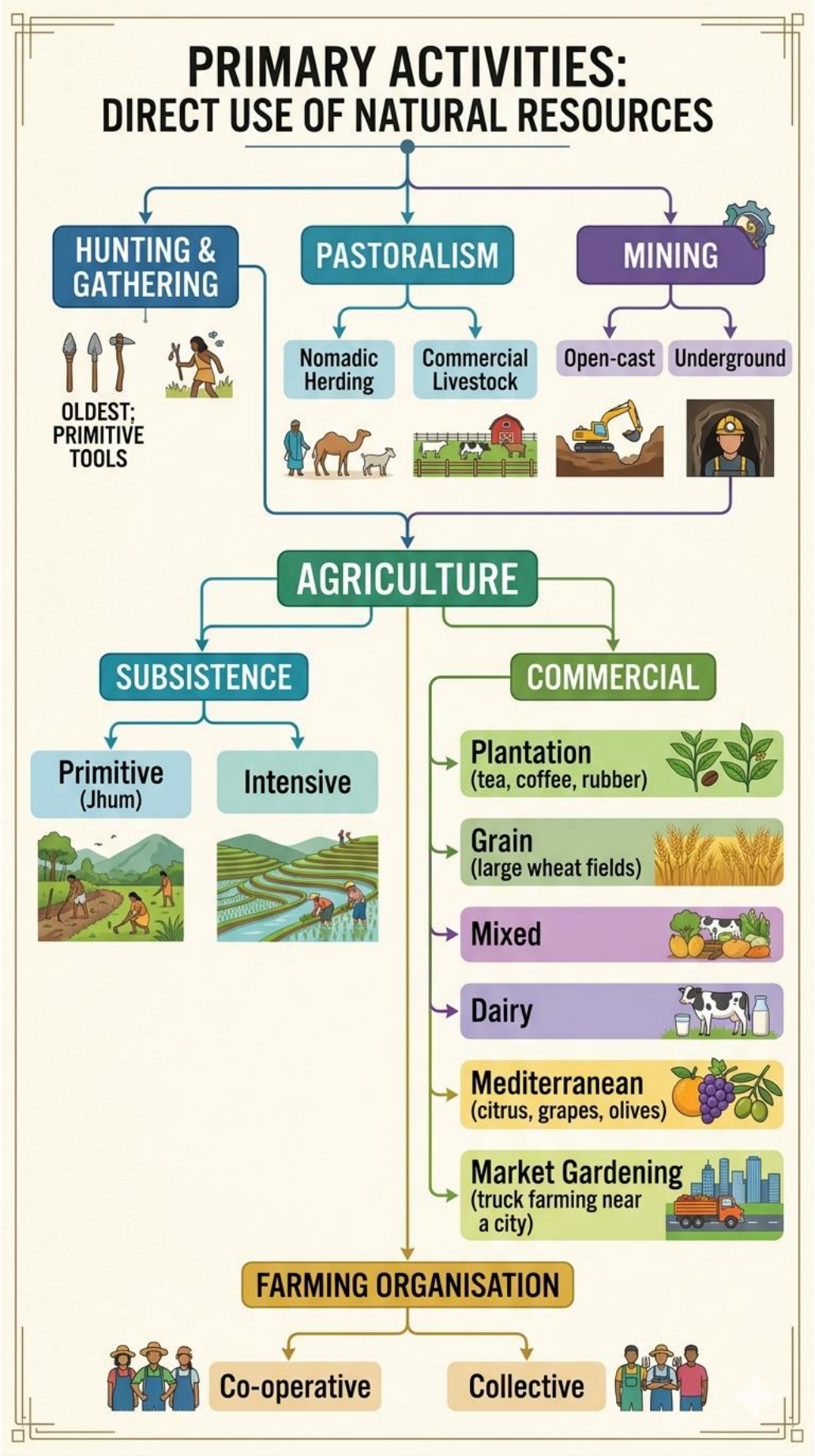

•

बहुविकल्पीय प्रश्न का उत्तर 1) B 2) सी

अध्याय: द्वितीयक क्रियाकलाप

अध्याय का सारांश

द्वितीयक गतिविधियाँ कच्चे माल को उपयोगी उत्पादों में परिवर्तित करके प्राकृतिक संसाधनों का मूल्य बढ़ाती हैं।

आधुनिक बड़े पैमाने के विनिर्माण की विशेषताएं

1. **कौशल/उत्पादन विधियों का विशेषीकरण;**-सामूहिक उत्पादन में प्रत्येक कार्यकर्ता द्वारा केवल एक ही कार्य को बार-बार दोहराकर बड़ी मात्रा में मानकीकृत पुर्जों का उत्पादन शामिल होता है।
2. **यंत्रीकरण**:- यंत्रीकरण से तात्पर्य उन उपकरणों के उपयोग से है जो कार्यों को पूरा करते हैं।
3. **तकनीकी नवाचार**:-गुणवत्ता नियंत्रण, अपव्यय और अक्षमता को दूर करने तथा प्रदूषण से निपटने जैसे अनुसंधान और विकास के माध्यम से तकनीकी नवाचार।

आधुनिक विनिर्माण के प्रमुख केंद्र कुछ ही स्थानों पर फले-फूले हैं।

औद्योगिक स्थानों को प्रभावित करने वाले कारक:-

1. **बाजार तक पहुंच**

- 'बाजार' = मांग रखने वाले लोग + क्रय शक्ति
- यूरोप, उत्तरी अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विकसित क्षेत्र।

2. **कच्चे माल तक पहुंच**

- सस्ते, भारी और वजन घटाने वाले पदार्थों (अयस्कों) पर आधारित उद्योग कच्चे माल के स्रोतों के निकट स्थित होते हैं, जैसे कि इस्पात, चीनी और सीमेंट उद्योग।

3. **श्रम आपूर्ति तक पहुंच**

उद्योगों की स्थापना में श्रम आपूर्ति एक महत्वपूर्ण कारक है।

4. **ऊर्जा स्रोतों तक पहुंच**

अधिक बिजली की खपत करने वाले उद्योग ऊर्जा आपूर्ति के स्रोत के निकट स्थित होते हैं, जैसे कि एल्युमीनियम उद्योग।

5. **परिवहन और संचार सुविधाओं तक पहुंच**

- कारखानों तक कच्चे माल को पहुंचाने और तैयार माल को बाजार तक पहुंचाने के लिए तेज और कुशल परिवहन सुविधाएं उद्योगों के विकास के लिए आवश्यक हैं।
- पश्चिमी यूरोप और पूर्वी उत्तरी अमेरिका में परिवहन व्यवस्था अत्यधिक विकसित है।

6. **सरकारी नीति**

- सरकारें 'संतुलित' आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए 'क्षेत्रीय नीतियां' अपनाती हैं।

7. **उद्योगों के बीच समूह तक पहुंच**

- कई उद्योगों को अग्रणी उद्योग और अन्य उद्योगों के निकट होने से लाभ मिलता है। इन लाभों को समूह अर्थव्यवस्था कहा जाता है।

स्वछन्द उद्योग विशिष्ट कच्चे माल पर निर्भर न रहें।

- उत्पादन में ऐसे घटकों का उपयोग होता है जो कहीं से भी प्राप्त किए जा सकते हैं।
- इन उद्योगों से कम मात्रा में उत्पादन होता है।
- वे अपेक्षाकृत कम श्रमिकों को काम पर रखते हैं।

उद्योगों का वर्गीकरण

आकार के आधार पर उद्योग

लघु/कुटीर	A. छोटे पैमाने पर उद्योग	A. बड़े पैमाने पर उद्योग
सबसे छोटी इकाई; स्थानीय कारीगरों द्वारा घर पर ही संचालित।	मध्यम आकार की इकाई; घर के बाहर कार्यशालाओं में आधारित।	यह एक विशाल इकाई है; जो बड़े, विशेष कारखानों में स्थित है।
इसमें परिवार के सदस्यों और शारीरिक श्रम/सरल उपकरणों का उपयोग किया जाता है।	इसमें अर्ध-कुशल श्रमिक और बिजली से चलने वाली मशीनों का उपयोग किया जाता है।	इसके लिए अत्यधिक कुशल श्रमिकों और विशाल ऊर्जा आपूर्ति की आवश्यकता होती है।
नगण्य पूंजी; स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कच्चे माल का उपयोग करता है।	**सीमित पूंजी** निवेश; रोजगार बढ़ाने के लिए स्थानीय सामग्रियों का उपयोग करता है।	**भारी पूंजी** निवेश; विविध प्रकार के कच्चे माल की भारी मात्रा की आवश्यकता होती है।
स्थानीय बाजारों के लिए दैनिक उपयोग की वस्तुओं का कम मात्रा में उत्पादन।	क्षेत्रीय बाजारों को लक्षित करते हुए श्रम प्रधान उत्पादन।	वैश्विक बाजारों के लिए स्वचालित असेंबली-लाइन द्वारा बड़े पैमाने पर उत्पादन।

इनपुट/कच्चे माल के आधार पर- i) कृषि आधारित ii)खनिज आधारित iii)रासायनिक आधारित iv)वन आधारित v)पशु आधारित।

उत्पादन/उत्पाद के आधार पर-

बुनियादी उद्योग	उपभोक्ता वस्तु उद्योग
वे उद्योग जो ऐसे उत्पाद बनाते हैं जिनका उपयोग अन्य उद्योगों द्वारा कच्चे माल के रूप में किया जाता है।	वे उद्योग जो अंतिम उपभोक्ताओं द्वारा सीधे उपभोग के लिए वस्तुओं का निर्माण करते हैं।
ये विनिर्माण क्षेत्र की रीढ़ की हड्डी का निर्माण करते हैं (जैसे, लोहा/इस्पात/वस्त्र मशीनें)।	विनिर्माण श्रृंखला के अंतिम चरण का निर्माण करें (जैसे, मशीनें, कपड़े)।
लोहा और इस्पात, धातु गलाने के संयंत्र और भारी मशीन-उपकरण निर्माण।	ब्रेड, बिस्कुट, चाय, साबुन, लिखने का कागज और टेलीविजन।

C. स्वामित्व के आधार पर

सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	संयुक्त क्षेत्र

इसका स्वामित्व, वित्तपोषण और प्रबंधन पूरी तरह से सरकार के पास है।	व्यक्तिगत निवेशकों या निजी फर्मों के स्वामित्व, वित्तपोषण और प्रबंधन में।	संयुक्त स्टॉक कंपनियों द्वारा या सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों द्वारा संयुक्त रूप से प्रबंधित।
समाजवादी देशों में प्रमुख और मिश्रित अर्थव्यवस्थाओं में सक्रिय।	यह उन पूंजीवादी देशों में प्रमुख है जहां व्यवसाय लाभ कमाने के उद्देश्य से संचालित होते हैं।	यह मिश्रित अर्थव्यवस्थाओं में सहयोगात्मक साझेदारी के माध्यम से आम तौर पर पाया जाता है।
सामाजिक कल्याण और सार्वजनिक अवसंरचना विकास पर ध्यान केंद्रित करता है।	इसका पूरा ध्यान लाभ को अधिकतम करने और बाजार विस्तार पर केंद्रित है।	यह सामाजिक जिम्मेदारी और निजी परिचालन दक्षता के बीच संतुलन बनाए रखता है।
उदाहरण: एनएचपीसी, एनटीपीसी, बीएसएनएल	उदाहरण: टिस्को, बाटा, बजाज	उदाहरण: वोडाफोन आइडिया लिमिटेड, टाटा स्टारबक्स।

उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग की अवधारणा-

●नवीनतम पीढ़ी की विनिर्माण इकाई।

●अनुसंधान एवं विकास इकाई का अनुप्रयोग।

●पेशेवर कर्मचारी (व्हाइट कॉलर कर्मचारी) एक बड़े समूह का हिस्सा हैं।

●उच्च कौशल वाले विशेषज्ञ (नीली कॉलर कर्मचारी) भी काम कर रहे हैं।

●उच्च तकनीक उद्योगों के लिए नियोजित व्यावसायिक पार्क।

●क्षेत्रीय रूप से केंद्रित, आत्मनिर्भर, अत्यधिक विशिष्ट तकनीकी केंद्र।

● ***सिलिकॉन वैली*** सैन फ्रांसिस्को और सिएटल के पास स्थित सिलिकॉन फॉरेस्ट तकनीकी केंद्र हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. कॉलम A में दिए गए भौगोलिक क्षेत्रों का कॉलम B में दिए गए उनके सबसे महत्वपूर्ण पशुधन/जानवरों से मिलान करें:

स्तंभ ए (क्षेत्र)	**कॉलम बी (पशुधन / जानवर)**
(I) उष्णकटिबंधीय अफ्रीका	(ए) याक और लामा
(II) सहारा और एशियाई रेगिस्तान	(बी) बारहसिंगा
(III) तिब्बत और एंडीज के पर्वतीय क्षेत्र	(सी) मवेशी
(IV) आर्कटिक और उप-आर्कटिक क्षेत्र	(डी) भेड़, बकरी और ऊंट

(I) — (C) : उष्णकटिबंधीय अफ्रीका ⇒ पशु

(II) — (D) : सहारा और एशियाई रेगिस्तान ⇒ भेड़, बकरी और ऊंट

(III) — (A) : तिब्बत और एंडीज के पर्वतीय क्षेत्र☹याक और लामा

(IV) — (B) : आर्कटिक और उप-आर्कटिक क्षेत्र☹हिरन

2. निम्नलिखित में से कौन सा उद्योग एक गतिशील उद्योग है?

ए. लौह एवं इस्पात उद्योग बी. सॉफ्टवेयर उद्योग

सी. सूती वस्त्र उद्योग डी. ऑटोमोबाइल उद्योग

3. लौह एवं इस्पात उद्योग के स्थान निर्धारण में निम्नलिखित में से कौन सा कारक सबसे महत्वपूर्ण है?

ए. पानी की उपलब्धता **बी. कच्चे माल की निकटता**

सी. कुशल श्रम की उपलब्धता डी. बाजार से निकटता

दीर्घ उत्तर प्रश्न (5 अंक)

1. लौह और इस्पात उद्योग को मूलभूत या प्राथमिक उद्योग क्यों कहा जाता है?

- लौह और इस्पात उद्योग को मूलभूत उद्योग कहा जाता है क्योंकि यह कई अन्य उद्योगों को कच्चा माल प्रदान करता है।
- इसे विनिर्माण क्षेत्र का एक प्राथमिक उद्योग भी कहा जाता है क्योंकि कई उद्योग उत्पादन के लिए इस्पात पर निर्भर करते हैं।
- यह आधुनिक औद्योगिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य करता है।
- आर्थिक विकास और रोजगार को बढ़ावा देता है।

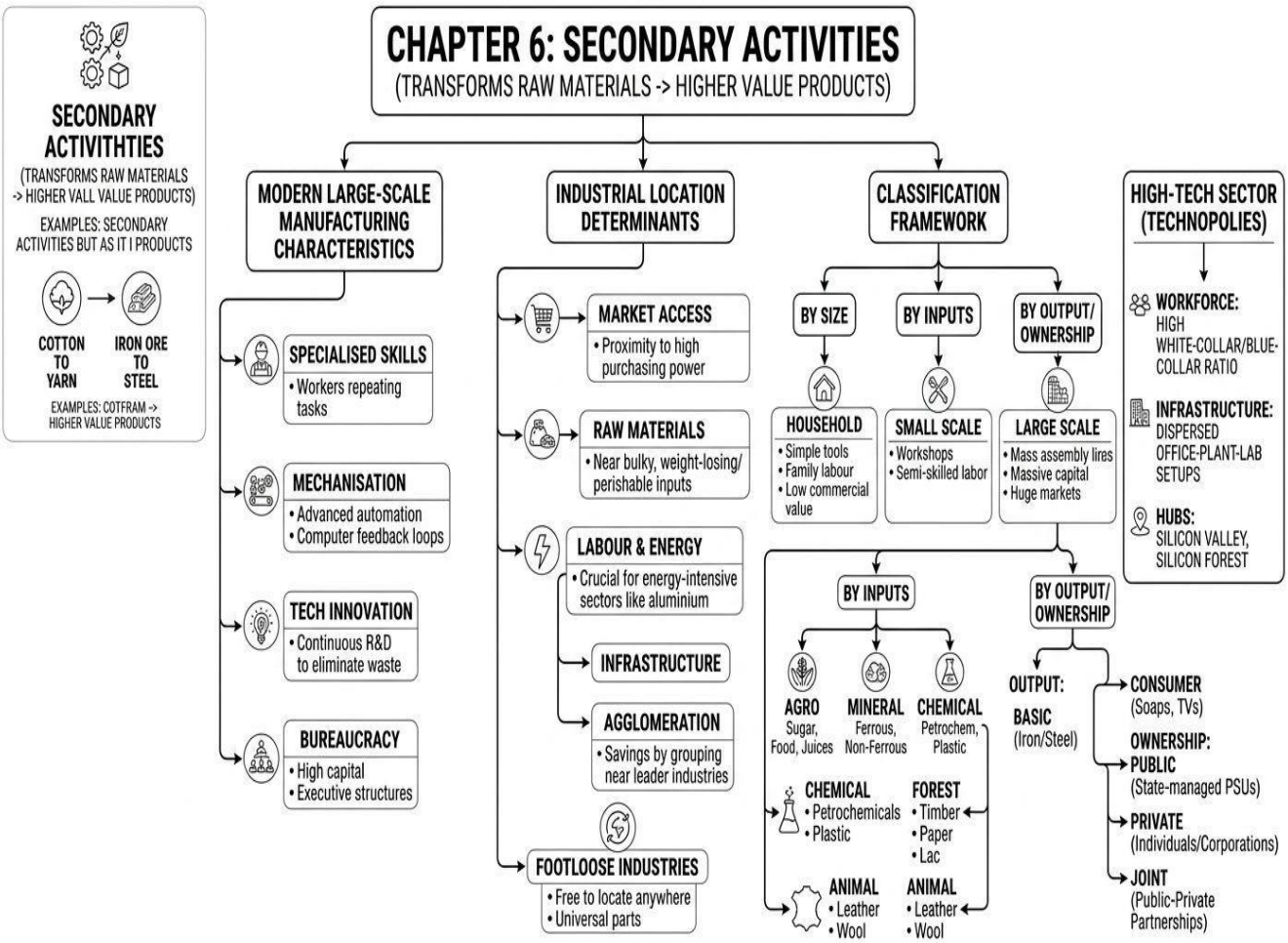

<u>एमसीक्यू</u> **उत्तर 1. (i) 2.B**

अध्याय-6: तृतीयक और चतुर्थक क्रियाकलाप

अध्याय का सारांश

- तृतीयक गतिविधियाँ सीधे सेवा क्षेत्र से जुड़ी होती हैं, जहाँ पेशेवर भुगतान के बदले में विशेष विशेषज्ञता और सहायता प्रदान करते हैं।
- इन गतिविधियों का ध्यान मूर्त, भौतिक वस्तुओं के उत्पादन के बजाय सेवाओं के वाणिज्यिक उत्पादन पर केंद्रित होता है।
- उच्च प्रशिक्षित पेशेवर - डॉक्टर, शिक्षक और प्रकाशक।
- सेवा प्रदाता - प्लंबर, इलेक्ट्रीशियन, तकनीशियन, कपड़े धोने वाले, नाई, दुकानदार।

ज़रूरी भाग

- मानव श्रम सबसे महत्वपूर्ण घटक है, क्योंकि अधिकांश कार्य कुशल श्रमिकों, पेशेवर रूप से प्रशिक्षित विशेषज्ञों और सलाहकारों द्वारा किए जाते हैं।
- इन सेवाओं के लिए विशिष्ट सैद्धांतिक ज्ञान, व्यावसायिक कौशल और व्यावहारिक प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है।
- सेवाएं कारखाने की मशीनरी या उत्पादन तकनीकों के बजाय कार्यकर्ता के अनुभव और ज्ञान पर बहुत अधिक निर्भर करती हैं।

तृतीयक गतिविधियों के प्रकार

A) व्यापार बी) टीपरिवहन सी) सीसंचार IV) एससेवाएं।

व्यापार और वाणिज्य

- व्यापार और वाणिज्य मूलतः अन्यत्र उत्पादित वस्तुओं की खरीद और बिक्री है।
- वे संग्रहण और वितरण केंद्र जहाँ व्यापार होता है, व्यापार केंद्र कहलाते हैं।

ग्रामीण विपणन केंद्र	शहरी विपणन केंद्र
ये अर्ध-शहरी केंद्र हैं जो मुख्य रूप से स्थानीय जरूरतों और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करते हैं।	ये अत्यधिक विकसित शहरी केंद्र हैं जो बड़ी और अधिक विविध आबादी की जरूरतों को पूरा करते हैं।
इनमें स्थानीय मंडियां (थोक बाजार), खुदरा बाजार और आवधिक बाजार (साप्ताहिक या द्विसाप्ताहिक) शामिल हैं।	वे सामान्य और विशिष्ट दोनों प्रकार के बाजार प्रदान करते हैं, जिनमें श्रम, आवास और तैयार माल के लिए समर्पित क्षेत्र शामिल हैं।
वे मुख्य रूप से आवश्यक उपभोक्ता वस्तुओं की आपूर्ति करने और दैनिक स्थानीय मांगों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।	वे शैक्षणिक संस्थानों और डॉक्टरों, वकीलों और शिक्षकों जैसे पेशेवरों से उन्नत, विशेष सेवाएं प्रदान करते हैं।
सीमित क्षेत्र; विरल आबादी के लिए बुनियादी, निम्न स्तर की दैनिक आवश्यकताएं प्रदान करता है।	व्यापक पहुंच; बुनियादी वस्तुओं से लेकर अत्याधुनिक, विशिष्ट वस्तुओं तक सब कुछ उपलब्ध कराता है।

खुदरा व्यापार	थोक व्यापार
यह कंपनी ग्राहकों को सीधे उनके व्यक्तिगत, रोजमर्रा	यह अन्य दुकानदारों या व्यवसायों को बड़ी मात्रा में

के उपयोग के लिए सामान बेचती है।	(थोक में) सामान बेचता है, न कि अंतिम ग्राहक को।
यह काम स्थानीय दुकानों, मॉल, सड़क किनारे की दुकानों, ऑनलाइन वेबसाइटों या घर-घर जाकर बिक्री के माध्यम से किया जाता है।	यह बड़े पैमाने पर विशाल गोदामों का उपयोग करके किया जाता है और भारी मात्रा में स्टॉक को स्टोर करने के लिए बहुत अधिक धन की आवश्यकता होती है।
खुदरा विक्रेता थोक विक्रेताओं से सामान खरीदते हैं। बड़े चेन स्टोर पैसे बचाने के लिए सीधे थोक में सामान खरीद सकते हैं।	थोक विक्रेता सीधे कारखाने (निर्माता) से सामान खरीदते हैं और अक्सर खुदरा विक्रेताओं को पहले खरीदने और बाद में भुगतान करने (क्रेडिट पर) की सुविधा देते हैं।

विभिन्न प्रकार की दुकानें- उपभोक्ता सहकारी स्टोर, डिपार्टमेंटल स्टोर, चेन स्टोर।

परिवहन

- **किमी दूरी**या मार्ग की वास्तविक दूरी;
- **समय दूरी**या किसी विशेष मार्ग पर यात्रा करने में लगने वाला समय;
- **लागत दूरी**या किसी मार्ग पर यात्रा करने का खर्च।
- **आइसोक्रोन रेखाएँ**मानचित्र पर ऐसे स्थानों को दर्शाया जाता है जो वहां तक पहुंचने में लगने वाले समय के हिसाब से बराबर हों।

सेवाओं के प्रकार

निम्न श्रेणी की सेवाएं	इसमें किराने की दुकानों जैसी सामान्य और व्यापक सेवाएं शामिल हैं।
घरेलू सेवाएं	इसमें ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन करने वाले गृहस्वामी, रसोइये और माली शामिल हैं।
उच्च कोटि की सेवाएं	ये विशिष्ट और कम प्रचलित पेशे हैं जैसे लेखाकार, सलाहकार और चिकित्सक।

तृतीयक गतिविधियों में लगे लोग-

- रोजगार का एक बड़ा हिस्सा तृतीयक या सेवा क्षेत्र की ओर स्थानांतरित हो गया है। विकसित देशों में, कम विकसित देशों की तुलना में अधिक प्रतिशत श्रमिक सेवाएँ प्रदान करने वाले क्षेत्रों में कार्यरत हैं।
- पर्यटन- यह उद्योग रोजगार सृजित करता है क्योंकि लोग आवास, भोजन, परिवहन, मनोरंजन, बुनियादी ढांचा, खुदरा व्यापार और हस्तशिल्प जैसी सेवाएं प्रदान करने में लगे रहते हैं।

पर्यटन क्षेत्र-

- पर्यटन मौसमी हो सकता है या भूमध्यसागरीय तट के आसपास के गर्म स्थानों की तरह पूरे वर्ष भर चल सकता है।
- ऐतिहासिक शहर, धार्मिक स्थल और धरोहर स्थल साल भर पर्यटन के अवसर प्रदान करते हैं।

भारत में विदेशी मरीजों के लिए चिकित्सा सेवाएंचिकित्सा सेवाओं या पर्यटन को तब कहा जाता है जब चिकित्सा उपचार को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन गतिविधि के साथ जोड़ा जाता है। अमेरिका जैसे विकसित देशों के लोग चिकित्सा पर्यटन या सेवाओं के लिए भारत आ रहे हैं। इससे भारत को आर्थिक लाभ होता है।

चतुर्थक गतिविधियाँ	पंचकीय गतिविधियाँ
वे गतिविधियाँ जिनमें सूचना का संग्रह, उत्पादन और प्रसार शामिल होता है।	वे गतिविधियाँ जो निर्णय लेने और नीति निर्माण के उच्चतम स्तर पर केंद्रित होती हैं।
अनुसंधान, विकास और उन्नत तकनीकी कौशल पर केंद्रित।	नए और मौजूदा विचारों के निर्माण, पुनर्व्यवस्थापन और मूल्यांकन पर केंद्रित।
इसमें विशेष ज्ञान, डेटा विश्लेषण और तकनीकी सेवा वितरण शामिल है।	इसमें रणनीतिक नियंत्रण, कार्यकारी नेतृत्व और प्रणालीगत शासन शामिल है।
इन्हें अक्सर व्हाइट-कॉलर पेशेवर श्रेणियों के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है।	इन्हें विशेष रूप से "गोल्ड कॉलर" पेशे के रूप में जाना जाता है।
मेडिकल ट्रांसक्रिप्शनिस्ट(उदाहरण के लिए, बैंगलोर में), वित्तीय विश्लेषक और सॉफ्टवेयर इंजीनियर।	**बहुराष्ट्रीय निगमों के सीईओ**(उदाहरण के लिए, न्यूयॉर्क या कोपेनहेगन में) और शीर्ष सरकारी नीति निर्माता।

<u>कॉलर का रंग कार्य की प्रकृति / आर्थिक गतिविधि</u>

लाल प्राथमिक गतिविधियाँ

सोना पंचकीय गतिविधियाँ

सफ़ेद चतुर्थक गतिविधियाँ

स्लेटी अर्द्ध कुशल

नीला द्वितीयक गतिविधियाँ

गुलाबी तृतीयक गतिविधियाँ / सेवा क्षेत्र

आउटसोर्सिंग-

- इसका अर्थ है कार्यकुशलता बढ़ाने और लागत कम करने के लिए किसी बाहरी एजेंसी को काम सौंपना या ठेका देना। जब काम विदेश में स्थानांतरित किया जाता है, तो इसे ऑफशोरिंग कहा जाता है।
- आउटसोर्सिंग से भारत, चीन, बोत्सवाना आदि जैसे विकासशील देशों में रोजगार के अवसर मिलते हैं। सूचना प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन, ग्राहक सहायता, कॉल सेंटर, डेटा प्रोसेसिंग और अन्य आईटी संबंधी सेवाएं आउटसोर्सिंग के उदाहरण हैं।

बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ)	नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग (केपीओ)
नियमित, प्रक्रिया-आधारित व्यावसायिक कार्यों को संभालता है (जैसे, कॉल सेंटर, डेटा एंट्री)।	यह उन्नत, सूचना-आधारित ज्ञान संबंधी कार्यों और बौद्धिक अनुसंधान को संभालता है।
बुनियादी परिचालन कौशल की आवश्यकता होती है; मानक कार्यों के लिए लागत कम करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।	इसमें उच्च कुशल कर्मचारियों की आवश्यकता होती है; यह उन्नत विशेषज्ञता (जैसे, अनुसंधान एवं विकास, कानूनी, बौद्धिक संपदा अनुसंधान) पर केंद्रित है।

डिजिटल विभाजन:-सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी से उत्पन्न विकास विश्व भर में असमान रूप से फैला हुआ है। कुछ क्षेत्र समृद्ध हुए हैं जबकि अन्य पिछड़ गए हैं। इसे डिजिटल विभाजन के नाम से जाना जाता है। विकासशील देशों में इस प्रकार का विभाजन विकसित देशों की तुलना में अधिक देखने को मिलता है। यहाँ महानगर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक विकसित हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन सी गतिविधि तृतीयक स्तर की है?

ए. बैंकिंग बी. खनन

सी. कृषि डी. वानिकी

2.निम्नलिखित में से कौन सी चतुर्धातुक सक्रियता है?

ए. परिवहन बी. व्यापार

सी. अनुसंधान एवं विकास डी. पर्यटन

संक्षिप्त उत्तर प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 1. "आउटसोर्सिंग के परिणामस्वरूप कई देशों में बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर खुले हैं।" तीन उपयुक्त उदाहरणों के साथ इस कथन का विश्लेषण कीजिए।.

उत्तर:-i. आउटसोर्सिंग के परिणामस्वरूप भारत, चीन, पूर्वी यूरोप, इज़राइल, फिलीपींस और कोस्टा रिका में बड़ी संख्या में कॉल सेंटर खुल गए हैं।

ii. इसने इन देशों में नए रोजगार सृजित किए हैं।

iii. इन देशों में सस्ते और कुशल श्रमिक उपलब्ध हैं।

प्रश्न 2. आधुनिक आर्थिक विकास में सेवा क्षेत्र के महत्व पर चर्चा कीजिए।

उत्तर।इस क्षेत्र के महत्व नीचे सूचीबद्ध हैं:

- शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद में हिस्सेदारी
- औद्योगीकरण में सहायक
- कृषि का विस्तार
- क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करता है
- बाजार की वृद्धि
- उत्पादकता में वृद्धि
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि।

प्रश्न 3. आधुनिक आर्थिक विकास में सेवा क्षेत्र की वृद्धि पर चर्चा कीजिए।

(i) सकल घरेलू उत्पाद में प्रमुख योगदानकर्ता (ii) तकनीकी प्रगति

(iii) वैश्वीकरण और आउटसोर्सिंग (iv) उपभोक्ता प्राथमिकताओं में परिवर्तन

(v) रोजगार सृजन।

दीर्घ उत्तर प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1. विश्व में प्रमुख पर्यटक आकर्षणों के रूप में कार्य करने वाले किन्हीं चार विशिष्ट कारकों की व्याख्या कीजिए।

1. जलवायु

- उच्च अक्षांशों और ठंडे क्षेत्रों से आने वाले पर्यटक समुद्र तट पर छुट्टियां मनाने के लिए गर्म, धूप वाले मौसम को पसंद करते हैं। उदाहरण के लिए - दक्षिणी यूरोप और भूमध्यसागरीय क्षेत्र में पर्यटन।

- भूमध्यसागरीय क्षेत्र अपने लगातार उच्च तापमान, लंबे समय तक धूप और छुट्टियों के चरम मौसम के दौरान कम वर्षा के कारण अधिकतम पर्यटकों को आकर्षित करता है।

2. परिदृश्य

- सुंदर और आकर्षक प्राकृतिक वातावरण पर्यटकों को आकर्षित करने वाले प्रमुख कारक हैं। पर्यटक सक्रिय रूप से पहाड़ों, झीलों और मनमोहक तटरेखाओं की तलाश करते हैं।

3. इतिहास और कला

- सांस्कृतिक अन्वेषण: किसी क्षेत्र की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और कलात्मक विरासत में अपार आकर्षण क्षमता होती है।
- स्थापत्य स्थल: लोग प्राचीन, सुरम्य शहरों, पुरातात्विक खंडहरों, किलों, महलों और धार्मिक संरचनाओं (चर्चों, मंदिरों) को देखने के लिए यात्रा करते हैं।

4. संस्कृति और अर्थव्यवस्था

- विभिन्न जातीय जीवनशैली, पारंपरिक रीति-रिवाजों और स्थानीय व्यंजनों का अनुभव करने में रुचि रखने वाले पर्यटक सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देते हैं।
- जो क्षेत्र पर्यटकों की जरूरतों को कम लागत पर पूरा करता है, वह अत्यधिक लोकप्रिय हो जाता है।
- "होम-स्टे" जैसी अवधारणाएं अत्यधिक लाभदायक व्यवसायों के रूप में उभरी हैं (उदाहरण के लिए, गोवा में हेरिटेज होम और कर्नाटक में मडिकेरी/कूर्ग)।

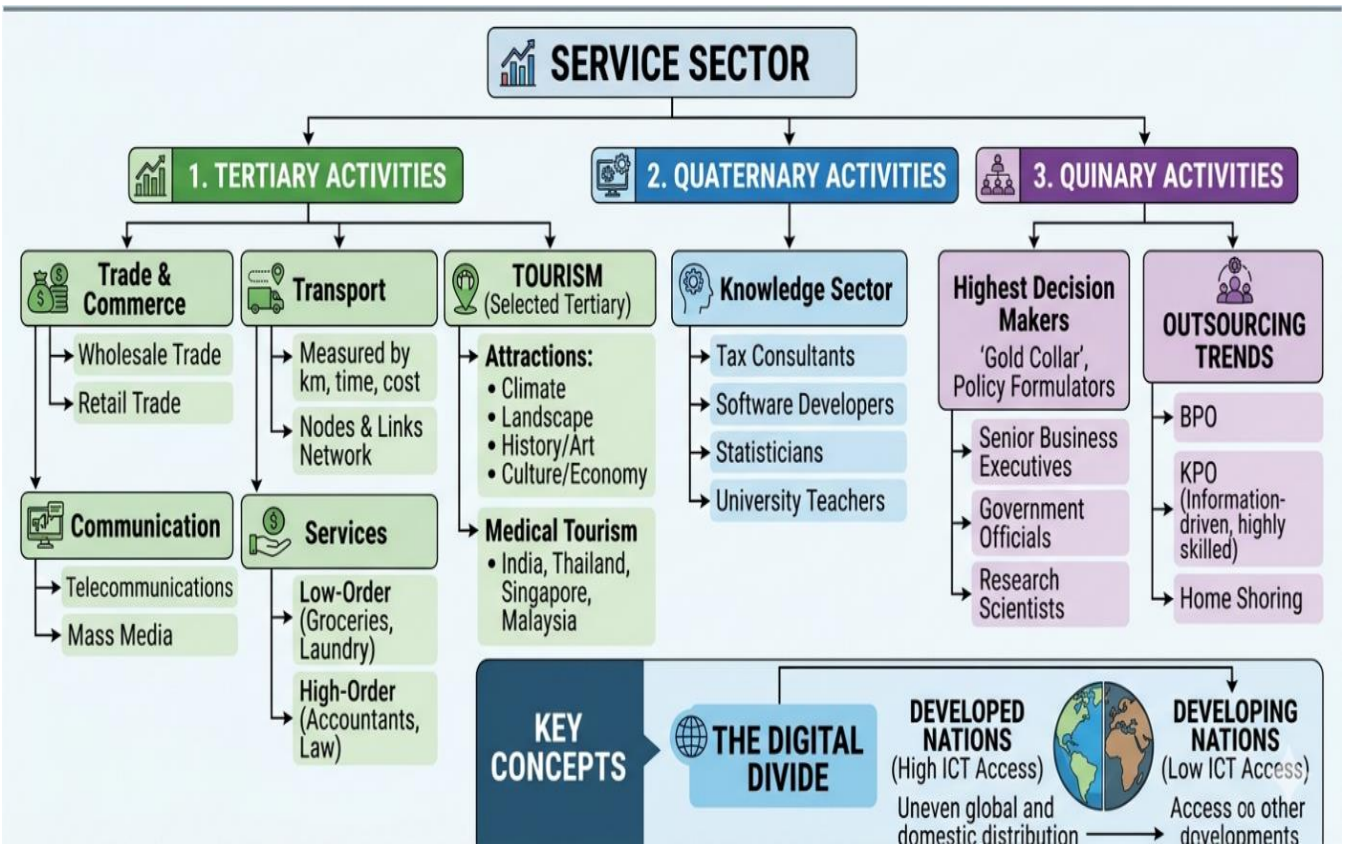

बहुविकल्पीय प्रश्न का उत्तर 1) A 2) सी

अध्याय-7: परिवहन और संचार

अध्याय 7 और 8 का भारांक = 7

अध्याय का सारांश

मानचित्र कार्य

अंतरमहाद्वीपीय रेलमार्गों के टर्मिनल स्टेशन - ट्रांस-साइबेरियन, ट्रांस-कैनेडियन, ट्रांस-ऑस्ट्रेलियाई रेलवे

प्रमुख समुद्री बंदरगाह-

यूरोप: नॉर्थ केप, लंदन, हैम्बर्ग

उत्तरी अमेरिका: वैंकूवर, सैन फ्रांसिस्को, न्यू ऑरलियन्स

दक्षिण अमेरिका: रियो डी जनेरियो, कोलन, वालपराइसो

अफ्रीका: स्वेज और केप टाउन

एशिया: योकोहामा, शंघाई, हांगकांग, अदन, कराची, कोलकाता

ऑस्ट्रेलिया: पर्थ, सिडनी, मेलबर्न

प्रमुख हवाई अड्डे-

एशिया: टोक्यो, बीजिंग, मुंबई, जेद्दा, अदन

अफ्रीका: जोहान्सबर्ग और नैरोबी

यूरोप: मॉस्को, लंदन, पेरिस, बर्लिन और रोम

उत्तरी अमेरिका: शिकागो, न्यू ऑरलियन्स, मेक्सिको सिटी

दक्षिण अमेरिका: ब्यूनस आयर्स, सैंटियागो

ऑस्ट्रेलिया: डार्विन और वेलिंगटन

अंतर्देशीय जलमार्ग-

स्वेज नहर, पनामा नहर, राइन जलमार्ग और सेंट लॉरेंस समुद्री मार्ग

परिवहन के प्रकार

परिवहन का साधन	प्रकार	विवरण	मुख्य उदाहरण
भूमि	**रोडवेज**	लचीली, घर-घर तक की सेवा; कम दूरी के लिए आदर्श।	राष्ट्रीय राजमार्ग, एक्सप्रेसवे, ग्रामीण सड़कें।
	रेलवे	भारी माल और लंबी दूरी की यात्री यात्रा के लिए उपयुक्त।	बुलेट ट्रेनें, मालगाड़ी गलियारे, मेट्रो।
	पाइपलाइनों	तरल पदार्थों और गैसों के लिए निरंतर	तेल, प्राकृतिक गैस, जल

		प्रवाह; प्रारंभिक लागत अधिक लेकिन रखरखाव कम।	पाइपलाइनें।
पानी	**अंतर्देशीय जलमार्ग**	किसी देश के भीतर नौगम्य नदियों, नहरों और झीलों का उपयोग करता है।	राष्ट्रीय जलमार्ग 1 (गंगा), ग्रेट लेक्स (संयुक्त राज्य अमेरिका)।
	समुद्री मार्ग	समुद्रों और महासागरों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार; थोक व्यापार के लिए सबसे किफायती तरीका।	स्वेज नहर मार्ग, उत्तरी अटलांटिक मार्ग।
वायु	**घरेलू**	एक ही देश की सीमाओं के भीतर तीव्र यात्रा।	एक ही देश के शहरों के बीच उड़ानें।
	अंतरराष्ट्रीय	यह विभिन्न देशों और महाद्वीपों को जोड़ता है; उच्च मूल्य/नाशवान वस्तुओं के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है।	लंबी अंतरमहाद्वीपीय उड़ानें।

सड़कें

- कम दूरी के लिए रेलवे की तुलना में सड़क परिवहन सबसे किफायती है।
- सड़क मार्ग से माल परिवहन का महत्व बढ़ता जा रहा है क्योंकि यह घर-घर तक सेवा प्रदान करता है।
- लेकिन कच्ची सड़कें, निर्माण में सरल होने के बावजूद, सभी मौसमों के लिए प्रभावी और उपयोगी नहीं होती हैं।
- बरसात के मौसम में ये सड़कें मोटरगाड़ियों के चलने लायक नहीं रह जातीं और भारी बारिश और बाढ़ के दौरान पक्की सड़कें भी बुरी तरह प्रभावित होती हैं।
- विश्व में मोटर योग्य सड़कों की कुल लंबाई लगभग 15 मिलियन किलोमीटर है, जिसमें से उत्तरी अमेरिका का हिस्सा 33 प्रतिशत है।
- उत्तरी अमेरिका में सड़कों का घनत्व सबसे अधिक है और वहां पंजीकृत वाहनों की संख्या भी सबसे अधिक है।

राजमार्ग

उत्तरी अमेरिका में राजमार्गों का घनत्व अधिक है, लगभग 0.65 किमी प्रति वर्ग किमी। हर स्थान राजमार्ग से 20 किमी की दूरी के भीतर स्थित है।

विश्व के प्रमुख राजमार्ग			
राजमार्ग का नाम	**देश/क्षेत्र**	**जोड़ता है**	**महत्त्व**
ट्रांस-कनाडाई राजमार्ग	कनाडा	वैंकूवर से सेंट जॉन्स सिटी तक	कनाडा के पश्चिमी और पूर्वी तटों को जोड़ता है
अलास्का राजमार्ग	कनाडा और अलास्का	एडमोंटन से एंकोरेज तक	कनाडा को अलास्का से

			जोड़ता है
पैन-अमेरिकन राजमार्ग	उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका	दक्षिण अमेरिका, मध्य अमेरिका, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा	लंबा अंतर्राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क
स्टुअर्ट राजमार्ग	ऑस्ट्रेलिया	डार्विन से मेलबर्न तक	यह उत्तरी और दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया को जोड़ता है।
मॉस्को-व्लादिवोस्तोक राजमार्ग	रूस	मॉस्को से व्लादिवोस्तोक	महत्वपूर्ण पूर्वी राजमार्ग मार्ग
चेंगदू-ल्हासा राजमार्ग	चीन (तिब्बत)	चेंगदू से ल्हासा	तिब्बत को चीन से जोड़ता है
अल्जीयर्स-कोनाक्री राजमार्ग	अफ्रीका	अल्जीरिया से गिनी तक	महत्वपूर्ण अफ्रीकी राजमार्ग
काहिरा-केप टाउन राजमार्ग	अफ्रीका	मिस्र से दक्षिण अफ्रीका तक	उत्तरी और दक्षिणी अफ्रीका को जोड़ता है

सीमावर्ती सड़कें-

अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के समानांतर बनी सड़कों को सीमावर्ती सड़कें कहा जाता है। ये सड़कें दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को प्रमुख शहरों से जोड़ने और रक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

रेलवे-

●रेलवे भारी सामान और यात्रियों को लंबी दूरी तक ले जाने का एक स्थलीय परिवहन साधन है।

●उत्तरी इंग्लैंड में स्टॉकटन से डार्लिंगटन के बीच पहली सार्वजनिक रेलवे लाइन 1825 में खोली गई थी।

●**यात्री रेलगाड़ियां**ये ब्रिटेन, अमेरिका, जापान और भारत में बहुत लोकप्रिय हैं।

●यूरोप में दुनिया के सबसे सघन रेल नेटवर्क में से एक है।

●**बेल्जियम**यहां प्रति 6.5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में 1 किलोमीटर रेलवे लाइन का घनत्व विश्व में सबसे अधिक है।

●इंग्लैंड में यूरो टनल ग्रुप द्वारा संचालित भूमिगत रेलवे लाइन चैनल टनल लंदन को पेरिस से जोड़ती है।

ट्रांस-कॉन्टिनेंटल रेलवे

महाद्वीप के आर-पार चलने वाली रेल पटरियाँ महाद्वीप के दोनों सिरों को जोड़ती हैं। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण निम्नलिखित हैं:

महत्वपूर्ण सामान्य बिंदु

- यह पूर्वी क्षेत्र को सीधे पश्चिमी क्षेत्र से जोड़ता है।
- यह प्रमुख कृषि क्षेत्रों को भारी औद्योगिक क्षेत्रों से जोड़ता है।
- यह देश की अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण धमनियों में से एक है।
- राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा के लिए इसका महत्वपूर्ण रणनीतिक महत्व है।
- यह गेहूं, अयस्क, रसायन, मशीनरी, लकड़ी और औद्योगिक सामान का परिवहन करता है।

ट्रांस-साइबेरियन रेलवे

- ट्रांस-साइबेरियन रेलवे रूस का प्रमुख रेल मार्ग है।
- यह पश्चिम में सेंट पीटर्सबर्ग से लेकर पूर्व में प्रशांत तट पर स्थित व्लादिवोस्तोक तक फैला हुआ है।
- यह दुनिया की सबसे लंबी अंतरमहाद्वीपीय रेलवे है।
- कुल लंबाई: 9332 किमी।
- यह दोहरी पटरी वाली और विद्युतीकृत रेलवे लाइन है।
- इससे रूस के एशियाई हिस्से के विकास और पश्चिमी यूरोपीय बाजारों से इसके जुड़ाव में मदद मिली।
- चिता एक महत्वपूर्ण कृषि-केंद्र है।
- इरकुत्स्क फर के व्यापार केंद्र के रूप में प्रसिद्ध है।

ट्रांस-कनाडाई रेलवे

- ट्रांस-कैनेडियन रेलवे कनाडा की एक महत्वपूर्ण रेलवे लाइन है।
- कुल लंबाई: 7,050 किमी।
- यह पूर्व में हैलिफ़ैक्स से लेकर प्रशांत तट पर वैंकूवर तक फैली हुई है।
- इसे कनाडा की आर्थिक धमनी कहा जाता है।
- इस मार्ग पर गेहूं और मांस महत्वपूर्ण निर्यात वस्तुएं हैं।

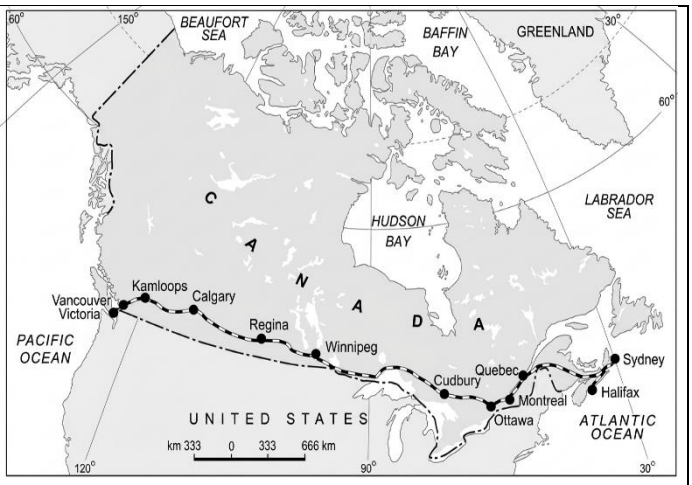

ऑस्ट्रेलियाई ट्रांस-कॉन्टिनेंटल रेलवे

- यह ऑस्ट्रेलिया के दक्षिणी भाग में पश्चिम से पूर्व की ओर फैली हुई है।
- यह पश्चिमी तट पर स्थित पर्थ को पूर्वी तट पर स्थित सिडनी से जोड़ता है।
- इस मार्ग पर पड़ने वाले महत्वपूर्ण स्टेशन कालगोर्ली, ब्रोकन हिल और पोर्ट ऑगस्टा हैं।
- एक प्रमुख उत्तर-दक्षिण रेलवे लाइन एडिलेड को एलिस स्प्रिंग्स से जोड़ती है।
- इस लाइन को आगे बढ़ाकर डार्विन-बर्डम लाइन से जोड़ने की योजना है।

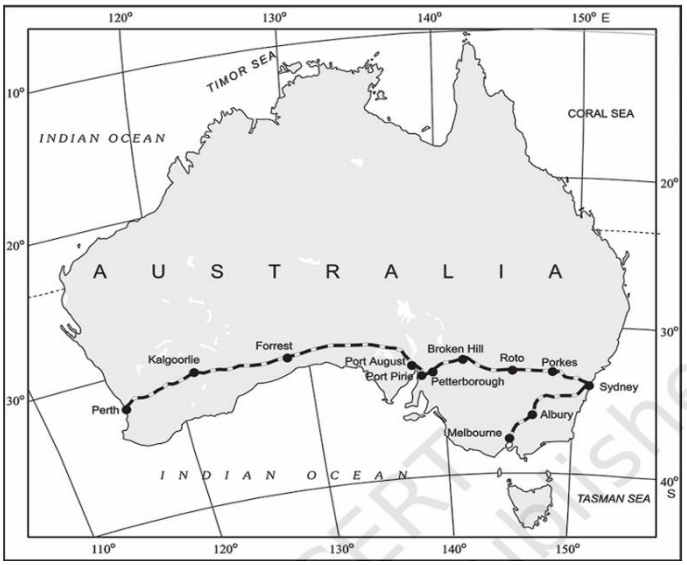

यूनियन और पैसिफिक रेलवे-

● यह अटलांटिक तट पर स्थित न्यूयॉर्क को प्रशांत तट पर स्थित सैन फ्रांसिस्को से जोड़ता है।

ओरिएंट एक्सप्रेस -

● ओरिएंट एक्सप्रेस यूरोप का एक महत्वपूर्ण रेलवे मार्ग है।
● यह पेरिस से इस्तांबुल तक जाती है।
● मार्ग में पड़ने वाले महत्वपूर्ण शहर: स्ट्रासबर्ग, म्यूनिख, वियना, बुडापेस्ट, बेलग्रेड।

जल परिवहन

● जल परिवहन का एक बड़ा लाभ यह है कि इसमें मार्ग निर्माण की आवश्यकता नहीं होती है।
● इसके लिए केवल दोनों छोरों पर बंदरगाह सुविधाएं उपलब्ध कराना ही आवश्यक है।
● यह बहुत सस्ता है क्योंकि पानी का घर्षण जमीन की तुलना में बहुत कम होता है।

● जल परिवहन को समुद्री मार्गों और अंतर्देशीय जलमार्गों में विभाजित किया गया है।

समुद्री मार्ग-

● महासागर बिना किसी रखरखाव लागत के सभी दिशाओं में यात्रा करने योग्य एक सुगम राजमार्ग प्रदान करते हैं।
● भूमि और वायु परिवहन की तुलना में, समुद्री परिवहन एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक लंबी दूरी पर भारी सामग्री की ढुलाई (भार ढोने) का एक सस्ता साधन है।

- उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग :-
    - **दुनिया का सबसे व्यस्त समुद्री मार्ग**
    - **बड़ा मुख्य मार्ग।**

शिपिंग नहरें

स्वेज नहर - स्वेज नहर

- स्वेज नहर का निर्माण 1869 में मिस्र में हुआ था।
- यह उत्तर में स्थित पोर्ट सईद को दक्षिण में स्थित पोर्ट स्वेज से जोड़ता है।
- यह नहर भूमध्य सागर और लाल सागर को जोड़ती है।
- इससे यूरोप को हिंद महासागर तक पहुंचने का एक छोटा समुद्री मार्ग मिल जाता है।
- यह नहर समुद्र तल पर बनी हुई है और इसमें लॉक नहीं हैं।
- इसकी लंबाई लगभग 160 किलोमीटर है।
- नहर की गहराई 11 से 15 मीटर तक है।
- इस नहर से प्रतिदिन लगभग 100 जहाज गुजरते हैं।
- एक रेलवे लाइन नहर के समानांतर स्वेज तक जाती है।
- इस्माइलिया से एक शाखा रेलवे लाइन काहिरा को जोड़ती है।
- नील नदी से निकलने वाली एक मीठे पानी की नहर इस्माइलिया में स्वेज नहर से मिलती है।
- यह नहर पोर्ट सईद और स्वेज को ताजे पानी की आपूर्ति करती है।

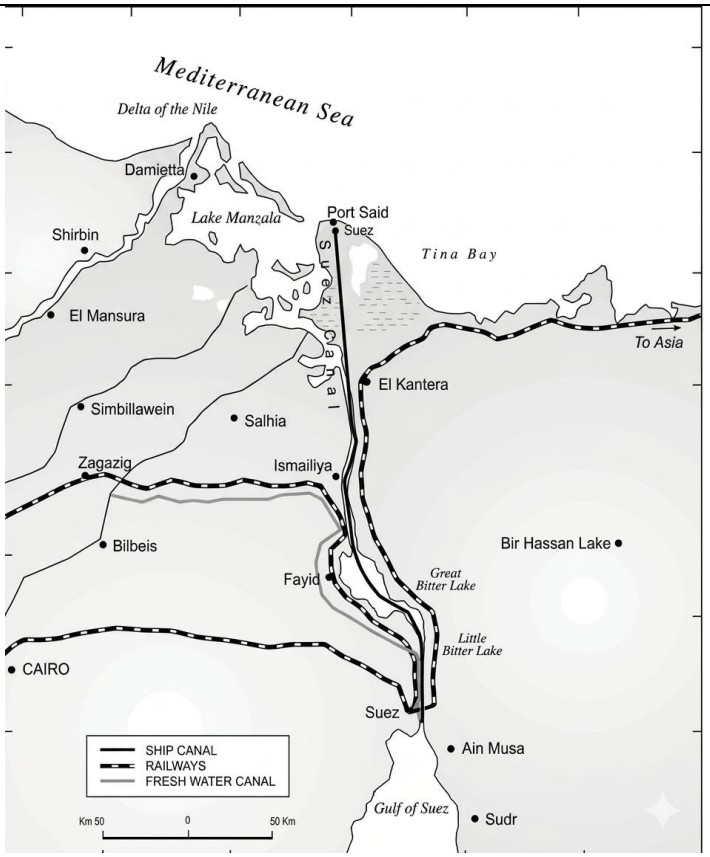

पनामा नहर

- पनामा नहर पूर्व में अटलांटिक महासागर को पश्चिम में प्रशांत महासागर से जोड़ती है।
- इसका निर्माण पनामा सिटी और कोलोन के बीच पनामा इस्तमुस के पार किया गया था।
- इस नहर का निर्माण संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार द्वारा किया गया था।
- यह नहर लगभग 72 किलोमीटर लंबी है।
- इसमें लगभग 12 किलोमीटर लंबी गहरी खुदाई शामिल है।
- इस नहर में छह लॉक वाली प्रणाली है।
- यह इनके बीच की दूरी को भी कम करता है:
  - **पश्चिमी यूरोप**और संयुक्त राज्य अमेरिका का पश्चिमी तट
  - **उत्तर-पूर्वी और मध्य संयुक्त राज्य अमेरिका**और पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी एशिया
- पनामा नहर का आर्थिक महत्व स्वेज नहर की तुलना में कम है।
- हालांकि, यह लैटिन अमेरिका की अर्थव्यवस्थाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

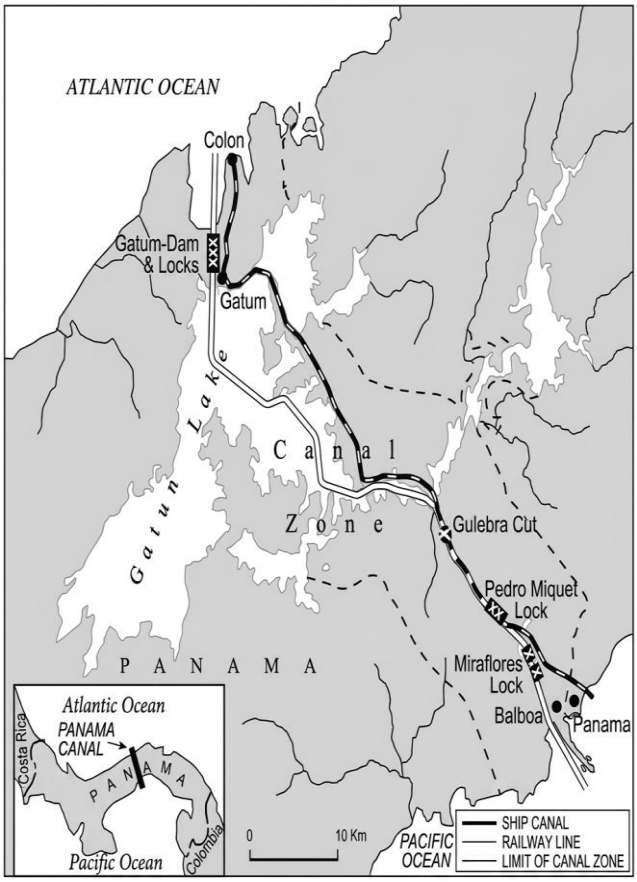

प्रपत्र का निचला भाग

.**अंतर्देशीय जलमार्ग**-नदियाँ, नहरें, झीलें और तटीय क्षेत्र अनादिकाल से महत्वपूर्ण जलमार्ग रहे हैं।

राइन जलमार्ग

- राइन नदी जर्मनी और नीदरलैंड से होकर बहती है।
- यह नीदरलैंड के रॉटरडैम से स्विट्जरलैंड के बेसल तक लगभग 700 किलोमीटर तक नौगम्य है।
- रूहर नदी पूर्व से आकर राइन नदी में मिलती है।
- **डसेलडोर्फ** यह औद्योगिक क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण राइन बंदरगाह के रूप में कार्य करता है।
- राइन नदी विश्व की सबसे व्यस्त अंतर्देशीय जलमार्ग है।

प्रपत्र का निचला भाग

वोल्गा जलमार्ग-रूस

वायु परिवहन

- हवाई परिवहन परिवहन का सबसे तेज़ साधन है।
- यह परिवहन का एक महंगा साधन भी है।
- लंबी दूरी की यात्री यात्रा के लिए इसे प्राथमिकता दी जाती है।
- मूल्यवान और नाशवान वस्तुओं को विश्व भर में तेजी से पहुँचाया जा सकता है।
- दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचने का एकमात्र तरीका अक्सर हवाई परिवहन ही होता है।
- हवाई मार्ग का रणनीतिक और सैन्य दृष्टि से बहुत महत्व है।

पाइपलाइन-

- खनिज तेल, पानी, कीचड़ और सीवर जैसे तरल पदार्थों को पाइपलाइनों द्वारा परिवहन किया जाता है।
- पाइपलाइनों का उपयोग पानी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे तरल पदार्थों और गैसों के निर्बाध प्रवाह के परिवहन के लिए बड़े पैमाने पर किया जाता है।
- ***बड़ा इंच***यह एक प्रसिद्ध पाइपलाइन है, जो मैक्सिको की खाड़ी के तेल कुओं से पेट्रोलियम को उत्तर-पूर्वी राज्यों तक ले जाती है। अमेरिका में प्रति टन-किमी कुल माल ढुलाई का लगभग 17 प्रतिशत पाइपलाइनों के माध्यम से होता है।

संचार

उपग्रह संचार-

- इंटरनेट सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क है। अमेरिका और तत्कालीन सोवियत संघ द्वारा अंतरिक्ष अनुसंधान में अग्रणी भूमिका निभाने के बाद 1970 के दशक से यह स्वरूप महत्वपूर्ण हो गया।
- यह मोबाइल फोन कॉल, एसएमएस टेक्स्ट मैसेज, केबल टेलीविजन प्रसारण और वास्तविक समय में मौसम पूर्वानुमान की सुविधा प्रदान करता है।
- कृत्रिम उपग्रह दुनिया के सुदूर कोनों को आपस में जोड़ते हैं।

आर्यभट्ट	(1975)
भास्कर-I	(1979)
रोहिणी	(1980)
सेब	(1981)।

साइबरस्पेस – इंटरनेट

- साइबरस्पेस इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटरीकृत अंतरिक्ष की दुनिया है। यह इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल दुनिया है, जहां प्रेषक और प्राप्तकर्ता की भौतिक गति के बिना कंप्यूटर नेटवर्क पर संचार किया जा सकता है या जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
- यह ई-मेल, ई-कॉमर्स, डिजिटल ई-लर्निंग और सक्रिय ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म के माध्यम से मानवीय अंतःक्रिया का विस्तार करता है।

<u>बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)</u>

1. अभिकथन (ए): ट्रांस-साइबेरियन रेलवे लाइन एशिया का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग है।

कारण (आर):इससे एशियाई क्षेत्र को पश्चिमी यूरोपीय बाजारों के लिए खोलने में मदद मिली है।

ए. ए और आर दोनों सत्य हैं और आर, ए का सही स्पष्टीकरण है।

बी. ए और आर दोनों सत्य हैं और आर, ए का गलत स्पष्टीकरण है।

C. A सत्य है लेकिन R असत्य है।

डी. ए असत्य है लेकिन आर सत्य है।

2. अभिकथन (ए):समुद्री परिवहन एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक लंबी दूरी तक भारी सामग्री की ढुलाई (भार ढोने) का एक सस्ता साधन है।

कारण (आर):महासागर बिना किसी रखरखाव लागत के सभी दिशाओं में यात्रा करने योग्य एक सुगम राजमार्ग प्रदान करते हैं।

A. (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R) (A) की सही व्याख्या है।

B. (A) और (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।

C. (A) सही है लेकिन (R) गलत है। d) (A) गलत है लेकिन (R) सही है।

D. A असत्य है लेकिन R सत्य है।

<u>दीर्घ उत्तर प्रश्न (5 अंक)</u>

प्रश्न 1. उपग्रहों के माध्यम से संचार संचार प्रौद्योगिकी में एक नए युग के रूप में उभरा। इसका औचित्य सिद्ध कीजिए।

●कृत्रिम उपग्रह सीमित प्रत्यक्ष सत्यापन के साथ भी दुनिया के सुदूर कोनों को आपस में जोड़ते हैं।

●इनसे दूरी के संदर्भ में संचार की इकाई लागत और समय अपरिवर्तित हो गए हैं।

●इसने लंबी दूरी के संचार, टेलीविजन और रेडियो को बहुत प्रभावी बना दिया है।

●टेलीविजन के माध्यम से मौसम का पूर्वानुमान लगाना वरदान है।

●यह 100 से अधिक देशों में लगभग 10 करोड़ लोगों को जोड़ता है।

प्रश्न 2. विश्व में परिवहन के उस प्रमुख साधन का नाम बताइए जिसका उपयोग केवल तरल और गैसीय पदार्थों के परिवहन के लिए किया जाता है। इस परिवहन साधन की कोई चार विशेषताएँ बताइए।

●पानी, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और अन्य तरल पदार्थों के परिवहन के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया जाने वाला परिवहन का साधन पाइपलाइन परिवहन है।

●अमेरिका में पाइपलाइनों का एक सघन नेटवर्क है जो उत्पादन क्षेत्रों से उपभोग क्षेत्रों तक फैला हुआ है।

●ऐसी ही एक प्रसिद्ध पाइपलाइन है बिग इंच पाइपलाइन, जिसका उपयोग तेल के कुओं को टैंकों और रिफाइनरियों या घरेलू बाजारों से जोड़ने के लिए बड़े पैमाने पर किया जाता है।

●प्रस्तावित सबसे लंबी अंतरराष्ट्रीय तेल और प्राकृतिक गैस पाइपलाइन ईरान, भारत और पाकिस्तान से होकर गुजरेगी।

●न्यूजीलैंड में दूध खेतों से कारखानों तक पाइपलाइन के माध्यम से पहुंचाया जा रहा है।

प्रश्न 3. मनुष्य द्वारा माल ढोने के दिनों से लेकर आज के केबलवे तक, भूमि परिवहन के विकास की यात्रा का वर्णन कीजिए।

●भूमि परिवहन से तात्पर्य सड़क या रेल मार्ग से भूमि पर होने वाली वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही से है।

●पुराने समय में मनुष्य स्वयं ही सामान ढोने का काम करते थे। लोगों को पालकी में बिठाकर ले जाया जाता था।

●बाद में खच्चरों, घोड़ों और ऊंटों जैसे जानवरों का उपयोग बोझ ढोने वाले पशुओं के रूप में किया जाने लगा।

●पहिए के आविष्कार के साथ ही गाड़ियां और वैगन बनाए गए, जिससे भूमि परिवहन आसान हो गया।

●पहली रेलवे लाइन 1825 में उत्तरी इंग्लैंड में शुरू हुई और रेलवे परिवहन का सबसे लोकप्रिय और सबसे तेज साधन बन गया।

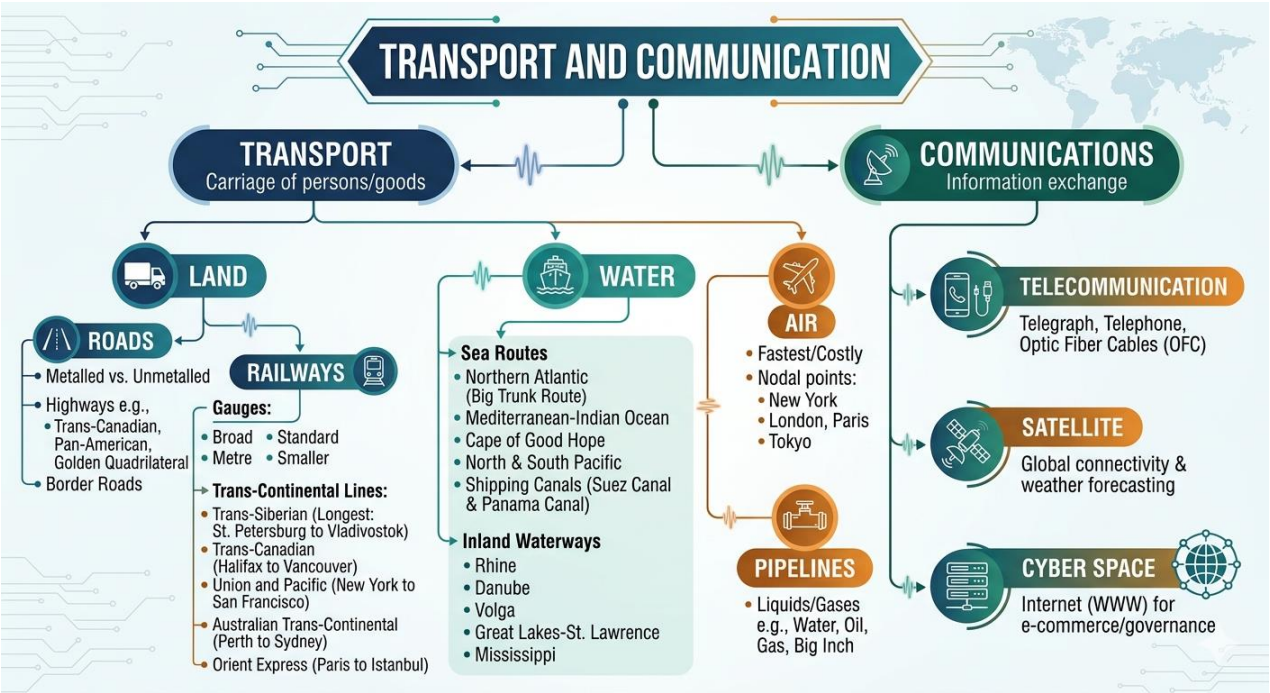

बहुविकल्पीय प्रश्न का उत्तर 1) A 2) बी

अध्याय-8: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

अध्याय का सारांश-

●व्यापार का प्रारंभिक रूप वस्तु विनिमय प्रणाली है = वस्तुओं का आदान-प्रदान।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का इतिहास-

●प्राचीन काल में व्यापार स्थानीय बाजारों तक ही सीमित था।

●रेशम मार्ग - रोम से चीन तक - चीनी रेशम, रोमन ऊन और बहुमूल्य धातुओं का परिवहन।

●15वीं शताब्दी में यूरोपीय उपनिवेशवाद ने व्यापार का एक नया रूप दिया - दास व्यापार।

●औद्योगिक क्रांति के बाद, औद्योगिक देशों ने कच्चे माल का आयात किया और गैर-औद्योगिक देशों को तैयार उत्पादों का निर्यात किया।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आधार

राष्ट्रीय संसाधनों में अंतर

●भूविज्ञान, भू-आकृति, मिट्टी और जलवायु में अंतर के कारण राष्ट्रीय संसाधन असमान रूप से वितरित हैं।

●भूविज्ञान खनिज संसाधन आधार और स्थलाकृतिक भिन्नताओं को निर्धारित करता है।

जलवायु किसी विशेष क्षेत्र में पाए जाने वाले पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं के प्रकार को प्रभावित करती है।

जनसंख्या कारक-

●कुछ संस्कृतियों में कला और शिल्प के विशिष्ट रूप विकसित होते हैं जिन्हें विश्व स्तर पर महत्व दिया जाता है, उदाहरण के लिए चीन के चीनी मिट्टी के बर्तन, ईरान के कालीन।

●घनी आबादी वाले देशों में आंतरिक व्यापार की मात्रा अधिक होती है लेकिन बाह्य व्यापार बहुत कम होता है।

●जनसंख्या का जीवन स्तर बेहतर गुणवत्ता वाले आयातित उत्पादों की मांग को निर्धारित करता है।

आर्थिक विकास का चरण-

●आर्थिक विकास का चरण व्यापार की जाने वाली वस्तुओं की प्रकृति को प्रभावित करता है।

●कृषि प्रधान देशों में कृषि उत्पादों का विनिर्मित वस्तुओं के बदले आदान-प्रदान किया जाता है।

●औद्योगिकीकृत देश मशीनरी और तैयार उत्पादों का निर्यात करते हैं तथा खाद्यान्न और अन्य कच्चे माल का आयात करते हैं।

विदेशी निवेश की सीमा-

●इससे पूंजी की कमी वाले विकासशील देशों में व्यापार को बढ़ावा मिल सकता है।

●वे खनन, तेल शोधन, बागवानी कृषि आदि जैसे पूंजी प्रधान उद्योगों का विकास करते हैं।

●औद्योगिक राष्ट्र खाद्य पदार्थों और खनिजों का आयात सुनिश्चित करते हैं और अपने तैयार उत्पादों के लिए बाजार बनाते हैं।

परिवहन-

- रेल, समुद्री और हवाई परिवहन के विस्तार, प्रशीतन और संरक्षण के बेहतर साधनों के कारण व्यापार का भौगोलिक विस्तार हुआ है।

व्यापार का संतुलन- किसी देश द्वारा अन्य देशों से आयात और निर्यात की गई वस्तुओं और सेवाओं की मात्रा में अंतर।

- व्यापार का नकारात्मक/ प्रतिकूल संतुलन = आयात मूल्य > निर्यात मूल्य
- व्यापार संतुलन सकारात्मक/अनुकूल है = निर्यात मूल्य > आयात मूल्य
- ऋण संतुलन - कोई देश वस्तुओं की खरीद पर उनकी बिक्री से होने वाली आय से अधिक खर्च करता है। इससे अंततः उसके वित्तीय भंडार समाप्त हो जाएंगे।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रकार-

द्विपक्षीय व्यापार-दो देशों द्वारा आपस में किया जाने वाला व्यापार। ये देश विशिष्ट वस्तुओं के व्यापार के लिए एक समझौते में प्रवेश करते हैं।

बहुपक्षीय व्यापार-कई व्यापारिक देशों के साथ व्यापार किया जाता है। एक ही देश कई अन्य देशों के साथ व्यापार कर सकता है।

डम्पिंग

किसी वस्तु को दो देशों में अलग-अलग कीमतों पर बेचने की प्रथा, जिसका कारण लागत

मुक्त व्यापार का मामला

- अर्थव्यवस्थाओं को व्यापार के लिए खोलने की प्रक्रिया को मुक्त व्यापार या व्यापार उदारीकरण के रूप में जाना जाता है।
- मुक्त व्यापार के लिए शुल्क जैसे व्यापार अवरोधों को कम किया जाता है।
- व्यापार उदारीकरण से हर जगह से आने वाली वस्तुओं और सेवाओं को घरेलू उत्पादों और सेवाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति मिलती है।

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ)

- 1948 में, टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता (जीएटीटी) निम्नलिखित को कम करने के लिए बनाया गया था:
- उद्देश्य- दुनिया को उच्च सीमा शुल्क और विभिन्न प्रकार के अन्य प्रतिबंधों से मुक्त करना।
- 1994 में, सदस्य देशों ने मुक्त और निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक स्थायी संगठन बनाने का निर्णय लिया।
- 1 जनवरी 1995 को, GATT को विश्व व्यापार संगठन (WTO) में परिवर्तित कर दिया गया।
- विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) एकमात्र अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो देशों के बीच व्यापार के वैश्विक नियमों से संबंधित मामलों को देखता है।

विश्व व्यापार संगठन के कार्य

- यह देशों के बीच मुक्त और निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देता है।
- वैश्विक व्यापार प्रणाली के लिए नियम निर्धारित करता है।
- सदस्य देशों के बीच व्यापार विवादों का समाधान करता है।
- यह बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों से निपटता है।

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की आलोचना

- आलोचकों का तर्क है कि मुक्त व्यापार:
    - इससे अमीर देशों को अधिक लाभ होता है।
    - इससे अमीर और गरीब देशों के बीच का अंतर बढ़ जाता है।
- विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में शक्तिशाली देश अक्सर अपने वाणिज्यिक हितों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
- कई विकसित देश विकासशील देशों के उत्पादों के लिए अपने बाजार पूरी तरह से नहीं खोलते हैं।
- अक्सर अनदेखी की जाने वाली समस्याओं में शामिल हैं:
    - स्वास्थ्य,
    - श्रमिक अधिकार,
    - बाल श्रम, और
    - पर्यावरण संरक्षण।

क्षेत्रीय व्यापार गुटक्षेत्रीय व्यापार गुट पड़ोसी देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के लिए गठित देशों के समूह हैं।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार – बंदरगाह

- बंदरगाह और समुद्री तट अंतरराष्ट्रीय व्यापार के मुख्य प्रवेश द्वार हैं।
- माल (कार्गो) और यात्री बंदरगाहों के माध्यम से दुनिया के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक जाते हैं।
- बंदरगाह कई महत्वपूर्ण सुविधाएं प्रदान करते हैं, जैसे:
    - जहाजों का डॉकिंग,
    - माल की लोडिंग,
    - माल उतारना, और
    - माल का भंडारण।
- बंदरगाह अधिकारी जहाजों की सुचारू आवाजाही के लिए नौगम्य जलमार्गों का रखरखाव करते हैं।
- किसी बंदरगाह का महत्व वहां आने और जाने वाले जहाजों की संख्या से मापा जाता है।
- माल की भारी मात्रा एक सुविकसित भीतरी इलाके का संकेत देती है।
- बंदरगाह अंतरराष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार-

लाभ

- क्षेत्रीय विशेषज्ञता
- उत्पादन का उच्च स्तर
- बेहतर जीवन स्तर
- वस्तुओं और सेवाओं की विश्वव्यापी उपलब्धता
- कीमतों और मजदूरी का समतुल्यीकरण
- ज्ञान और संस्कृति का प्रसार।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की कमियाँ / प्रमुख चिंताएँ

- तीव्र वैश्विक प्रतिस्पर्धा के कारण अत्यधिक दोहन हो रहा है। बड़े पैमाने पर वनों की लकड़ी सहित प्राकृतिक संसाधनों का उपभोग उनकी प्राकृतिक पुनर्भरण दर से कहीं अधिक तेजी से हो रहा है।
- अत्यधिक दोहन और नदी घाटियों के वाणिज्यिक पेयजल कंपनियों को निजीकरण के कारण समुद्री जीवन में तेजी से गिरावट आ रही है।
- कई बहुराष्ट्रीय निगम अल्पकालिक लाभ को अधिकतम करने को प्राथमिकता देते हैं, और नियमित रूप से सतत विकास के मूलभूत सिद्धांतों की अनदेखी करते हैं।
- अत्यधिक व्यावसायिक फोकस महत्वपूर्ण पर्यावरण संरक्षण उपायों की अनदेखी करता है और सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी तात्कालिक चिंताओं को दूर करने में विफल रहता है, जिससे गंभीर प्रदूषण उत्पन्न होता है।
- व्यापार विभिन्न देशों के बीच आर्थिक विकास के असमान स्तरों को और गहरा करता है, जिससे आवश्यक वस्तुओं के लिए अन्य देशों पर जोखिम भरी निर्भरता पैदा होती है।
- आक्रामक व्यावसायिक प्रतिद्वंद्विता और बाजार पर प्रभुत्व के लिए तीव्र आर्थिक प्रतिस्पर्धा अंतरराष्ट्रीय संघर्षों और युद्धों में तब्दील हो सकती है।

बंदरगाह के प्रकार

माल ढुलाई के आधार पर

- **औद्योगिक बंदरगाह**- ये बंदरगाह बड़ी मात्रा में बिना पैक किए माल परिवहन में विशेषज्ञता रखते हैं, जैसे अनाज, अयस्क।
- **वाणिज्यिक बंदरगाह**- सामान्य माल, पैकेटबंद उत्पाद और निर्मित सामान (बक्से, गठ्ठे, बैरल) का प्रबंधन करना। साथ ही यात्री यातायात का भी प्रबंधन करना।
- **व्यापक बंदरगाह**-थोक और सामान्य माल ढुलाई का प्रबंधन करें।

स्थान के आधार पर-

- **अंतर्देशीय बंदरगाह**-समुद्र तट से दूर स्थित, किसी नदी या नहर के माध्यम से समुद्र से जुड़ा हुआ, उदाहरण के लिए- हुगली नदी पर स्थित कोलकाता।
- **आउट पोर्ट्स**-इनमुख्य बंदरगाहों से दूर बने गहरे पानी के बंदरगाह, उन बड़े जहाजों को प्राप्त करके मुख्य बंदरगाहों की सेवा करते हैं जो उन तक पहुंचने में असमर्थ होते हैं। उदाहरण के लिए, ग्रीस में एथेंस और उसका बाहरी बंदरगाह पीरियस।
-

कार्यों के आधार पर-

पोर्ट प्रकार	मुख्य कार्य और विशेषताएँ	मुख्य उदाहरण
तेल बंदरगाह	तेल के प्रसंस्करण, शोधन और थोक परिवहन से संबंधित कार्यों को संभालना। प्रकार – i) टैंकर बंदरगाह (जहाज परिवहन) ii) आररिफाइनरी बंदरगाह (प्रसंस्करण)।	• टैंकर बंदरगाह: माराकाइबो (वेनेजुएला), एस्स्खिरा (ट्यूनीशिया), त्रिपोली (लेबनान) • रिफाइनरी बंदरगाह: अबादान (फारस की खाड़ी)
यात्रा बंदरगाह	मूल रूप से इन्हें प्रमुख समुद्री मार्गों पर ईंधन भरने, पानी लेने और खाद्य आपूर्ति की भरपाई के लिए वाणिज्यिक पड़ावों के रूप में विकसित किया गया था।	• सिंगापुर • अदन • होनोलूलू
पैकेट स्टेशन	इन्हें फेरी पोर्ट के नाम से भी जाना जाता है; ये जल निकायों पर कम दूरी तक यात्रियों और डाक के थैलों के परिवहन में विशेषज्ञता रखते हैं।	इंग्लिश चैनल के पार डोवर (इंग्लैंड) और कैलिस (फ्रांस) स्थित हैं।
एंट्रेपोट बंदरगाह	ये संग्रहण और वितरण केंद्रों के रूप में कार्य करते हैं जहां विभिन्न देशों से माल आयात किया जाता है और फिर उसे पुनः निर्यात किया जाता है।	• सिंगापुर (एशिया के लिए) • रॉटरडैम (यूरोप के लिए) • कोपेनहेगन (बाल्टिक क्षेत्र के लिए)
नौसैनिक बंदरगाह	इनका विशुद्ध रणनीतिक और सैन्य महत्व है; इन्हें युद्धपोतों की सेवा के लिए डिज़ाइन किया गया है और इनमें अधिकृत मरम्मत कार्यशालाएँ मौजूद हैं।	• कोच्चि (भारत) • कारवार (भारत)

<u>बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)</u>

प्रश्न 1.कथन (ए): पर्वतीय क्षेत्रों की तुलना में निचले इलाकों में कृषि की अधिक क्षमता होती है।

कारण (आर): निचले इलाके व्यापक और अच्छी तरह से जुड़े परिवहन नेटवर्क बिछाने के लिए अच्छे होते हैं।

a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A की सही व्याख्या है।

b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 2.कथन (A): घनी आबादी वाले देशों में आंतरिक व्यापार की मात्रा अधिक होती है, लेकिन बाह्य व्यापार अपेक्षाकृत कम होता है।

कारण (आर): कम आबादी वाले देशों में अधिकांश कृषि और औद्योगिक उत्पादन स्थानीय बाजारों में ही उपभोग किया जाता है।

a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A की सही व्याख्या है।

b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 3.कथन (ए): विदेशी निवेश विकासशील देशों में व्यापार को बढ़ावा दे सकता है।

कारण (आर): विदेशी निवेश विकासशील देशों में खनन, तेल शोधन और बागान कृषि जैसे उद्योगों के विकास के लिए आवश्यक पूंजी प्रदान करता है।

a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A की सही व्याख्या है।

b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 4.निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और उनका मूल्यांकन करें तथा दिए गए विकल्पों की सहायता से सही उत्तर चुनें।

I. घनी आबादी वाले देशों में आंतरिक व्यापार की मात्रा अधिक होती है लेकिन बाह्य व्यापार कम होता है।

II. इन देशों की अधिकांश कृषि और औद्योगिक उपज, जनसंख्या के बड़े आकार के कारण, स्थानीय बाजार में ही खपत हो जाती है।

विकल्प

a. केवल कथन II सही है

b. कथन I और II दोनों सही हैं, लेकिन कथन II, कथन I की सही व्याख्या नहीं करता है।

c. दोनों कथन सत्य हैं और कथन II, कथन I की सही व्याख्या करता है।

d. दोनों कथन गलत हैं

संक्षिप्त उत्तर प्रश्न (3 अंक)

सड़क परिवहन के क्या फायदे और नुकसान हैं?

लाभ:

- कम दूरी के लिए रेलगाड़ी की तुलना में यह सबसे किफायती साधन है।
- सड़क मार्ग से माल परिवहन का महत्व बढ़ता जा रहा है क्योंकि यह घर-घर तक सेवा प्रदान करता है।
- रेलवे की तुलना में सड़कों का निर्माण और रखरखाव सस्ता, आसान और सरल होता है।
- इन्हें किसी भी प्रकार के भूभाग से ले जाया जा सकता है और ये रेलगाड़ियों के विपरीत मोड़ों को आसानी से पार कर सकते हैं।
- चूंकि रेल मार्ग देश के हर कोने तक नहीं पहुंच सकता, इसलिए सड़कें देश के व्यापार और वाणिज्य में तथा पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

हानियाँ:

- कच्ची सड़कें पूरे साल प्रभावी और उपयोगी नहीं होतीं, यहां तक कि पक्की सड़कें भी भारी बारिश और बाढ़ के दौरान मोटरगाड़ियों के चलने लायक नहीं रह जातीं।
- सड़क मार्गों की प्रति वाहन वहन क्षमता रेलवे की तुलना में काफी कम है।

- विकासशील देशों में सड़कों की गुणवत्ता अच्छी नहीं है क्योंकि उनके निर्माण और रखरखाव के लिए भारी निवेश की आवश्यकता होती है।
- शहरों की सड़कें लंबे समय से यातायात जाम की समस्या से ग्रस्त हैं। इसके परिणामस्वरूप अधिकांश शहरों को यातायात जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है।

<u>दीर्घ उत्तर प्रश्न (5 अंक)</u>

प्रश्न 1. "बंदरगाहों को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का प्रवेश द्वार कहा जाता है क्योंकि किसी भी देश का अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समुद्री मार्गों से होता है।" इस कथन का विश्लेषण कीजिए और किसी भी देश के बंदरगाह अवसंरचना में सुधार के उपाय सुझाइए?

- बंदरगाह अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे माल के प्रवेश और निकास के प्राथमिक बिंदुओं के रूप में कार्य करते हैं, और समुद्री मार्ग परिवहन का सबसे किफायती साधन है।
- कुशल बंदरगाह माल की आवाजाही को तेज करते हैं, लागत कम करते हैं और व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करते हैं।
- बंदरगाहों को बेहतर बनाने के लिए, कोई देश आधुनिक बुनियादी ढांचे में निवेश कर सकता है, जैसे कि विस्तारित डॉकिंग सुविधाएं और उन्नत कार्गो हैंडलिंग तकनीक।
- बंदरगाहों तक परिवहन संपर्क (रेल, सड़क) को उन्नत करने से भी कनेक्टिविटी में सुधार हो सकता है।
- बंदरगाह की सुरक्षा बढ़ाना, स्वचालन लागू करना और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण उपाय हैं।
- इसके अतिरिक्त, सुव्यवस्थित सीमा शुल्क प्रक्रियाओं और बेहतर लॉजिस्टिक्स प्रबंधन से देरी को कम किया जा सकता है और बंदरगाह की समग्र दक्षता में सुधार किया जा सकता है।

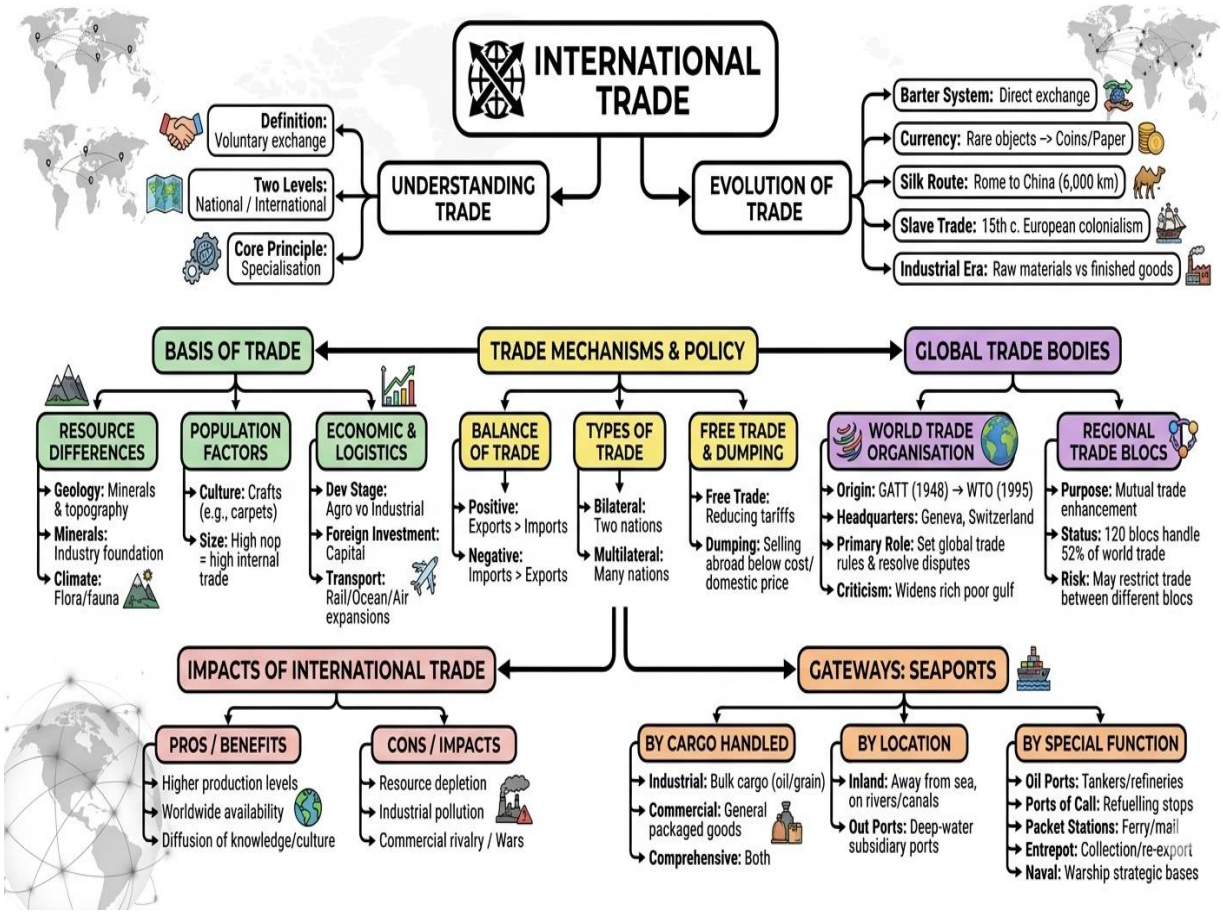

बहुविकल्पीय प्रश्न का उत्तर 1) A 2) सी 3) ए 4) सी

पुस्तक - भारत: लोग और अर्थव्यवस्था

इकाई-I (भार: 5 अंक)

अध्याय-1: जनसंख्या: वितरण, घनत्व, वृद्धि और संरचना

मानचित्र कार्य

उच्चतम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य और निम्नतम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य (2011)

अध्याय का सारांश-

कुल जनसंख्या: 1,210 मिलियन (भारत विश्व का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश है/जनगणना -2011)

औसत घनत्व: 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर।

दशकीय विकास दर (2001-2011): 17.64%।

वार्षिक वृद्धि दर: 1.64%।

ग्रामीण-शहरी अनुपात: 68.8% ग्रामीण और 31.16% शहरी।

वितरण और घनत्व-

1.असमान वितरण: उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक जनसंख्या है, उसके बाद महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल का स्थान आता है।

घनत्व चरम सीमाएँ: बिहार **(1102)** में राज्य का घनत्व सबसे अधिक है, जबकि अरुणाचल प्रदेश **(17)** में सबसे कम है।

वितरण को प्रभावित करने वाले कारक: * भौतिक: जलवायु, भूभाग और जल की उपलब्धता (उत्तर भारतीय मैदान घनी आबादी वाले हैं)।

सामाजिक-आर्थिक: स्थायी कृषि, परिवहन नेटवर्क और औद्योगीकरण का विकास।

जनसंख्या घनत्व-प्रति इकाई क्षेत्रफल में व्यक्तियों की संख्या के रूप में व्यक्त किया जाता है।

घनत्व = जनसंख्या / क्षेत्रफल	
कायिक घनत्व = कुल जनसंख्या / शुद्ध कृषि योग्य क्षेत्र	कृषि घनत्व = कुल कृषि जनसंख्या / शुद्ध कृषि योग्य क्षेत्र

जनसंख्या वृद्धि-यह किसी विशेष क्षेत्र में दो समय बिंदुओं के बीच रहने वाले लोगों की संख्या में परिवर्तन है।

प्राकृतिक वृद्धि-इसका विश्लेषण जन्म और मृत्यु दर के आधार पर किया जाता है।

प्रेरित वृद्धि-इसका विश्लेषण किसी दिए गए क्षेत्र में लोगों की आंतरिक और बाहरी गतिविधियों के आधार पर किया जाता है।

चरण	**अवधि**	**स्थिति / नाम**	**विकास विशेषताएँ**	**प्रमुख कारण (कारक)**
प्रावस्था I	1901-1921	स्थिर/रुद्ध अवस्था	बहुत कम या नकारात्मक वृद्धि (-0.31% 1911-21 में)। उच्च जन्म दर = उच्च मृत्यु दर।	खराब स्वास्थ्य सेवाएं, अकाल, निरक्षरता और खाद्य वितरण की कमी।
प्रावस्था II	1921-1951	स्थिर वृद्धि अवस्था	निरंतर और स्थिर वृद्धि। मृत्यु दर गिरने लगी, जबकि जन्म दर उच्च बनी रही।	स्वच्छता, स्वास्थ्य और बेहतर परिवहन/संचार में सुधार।
प्रावस्था III	1951-1981	जनसंख्या विस्फोट अवस्था	तीव्र वृद्धि (औसतन 2.2% वार्षिक)। मृत्यु दर में भारी गिरावट, उच्च प्रजनन दर।	केंद्रीकृत योजना (विकास), बेहतर जीवन स्तर और अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन।
प्रावस्था IV	1981-2011	धीमा होते हुए अवस्था	विकास दर अधिक है लेकिन धीरे-धीरे घट रही है। जन्म दर गिर रही है।	विवाह की औसत आयु में वृद्धि और महिलाओं की शिक्षा में सुधार।

जनसंख्या संरचना

1. भाषाई-

हिंदी बोलने वालों का प्रतिशत सबसे अधिक है।

आधुनिक भारतीय भाषाओं का वर्गीकरण

भाषा परिवार	**PERCENTAGE**	**वैकल्पिक नाम**
आर्यन	73.00%	भारोपीय

द्रविड़	20.00%	द्रविड़
निषादा	1.38%	आस्ट्रिक
किरात	0.85%	चीन तिब्बती

2. कार्यशील जनसंख्या-

मुख्य कार्यकर्ता- जनसंख्या का 39% हिस्सा मुख्य कामगार है।

गैर-श्रमिक- जनसंख्या का 61% हिस्सा गैर-कार्यकर्ता है।

सीमांत श्रमिक- जनसंख्या का 39% हिस्सा सीमांत श्रमिक वर्ग का है।

वर्ग	**परिभाषा**	**जनसंख्या का हिस्सा (2011)**
मुख्य श्रमिक	वह व्यक्ति जो वर्ष में कम से कम 183 दिन (6 महीने) काम करता है।	39.8%
सीमांत श्रमिक	वह व्यक्ति जो वर्ष में 183 दिनों से कम काम करता है।	
गैर-श्रमिक	वह व्यक्ति जो किसी भी आर्थिक गतिविधि में संलग्न नहीं होता है।	60.2%

3. धार्मिक-कई राज्यों में हिंदू एक प्रमुख समूह के रूप में वितरित हैं।

- हिंदू (79.8%), मुस्लिम (14.2%), ईसाई (2.3%), सिख (1.7%), बौद्ध (0.7%), और जैन (0.4%)।

4. **किशोरवय (10-19 वर्ष): वे जनसंख्या का** 20.9% **हिस्सा हैं।**

5. व्यवसाय

a. ग्रामीण-बिहार और सिक्किम में ग्रामीण आबादी बहुत अधिक है। प्रतिशत के हिसाब से ग्रामीण आबादी हिमाचल प्रदेश में सबसे अधिक है और शहरी आबादी के हिसाब से गोवा में सबसे अधिक है।

b. शहरी-आर्थिक विकास के कारण शहरी आबादी में वृद्धि हुई है।

<u>बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)</u>

प्रश्न 1. भारत की कुल जनसंख्या में निम्नलिखित धार्मिक समूहों के प्रतिशत को क्रमबद्ध कीजिए।

ए) ईसाई, हिंदू, मुसलमान, सिख **बी) हिंदू, मुसलमान, ईसाई, सिख**

सी) मुसलमान, ईसाई, हिंदू, सिख **डी) सिख, मुसलमान, ईसाई, हिंदू।**

प्रश्न 2.निम्नलिखित में से कौन सा भाषा समूह भारत में सबसे छोटा है?

(ए) संस्कृत, बोडो और मणिपुरी

(बी) कन्नड़, तमिल और तेलुगु

(सी) डोगरी, पंजाबी और कोंकणी

(डी) मैथिली, गुजराती और बांग्ला

<u>संक्षिप्त उत्तर प्रश्न (3 अंक)</u>

1. "भारत भाषाई विविधता का देश है।" इस कथन की व्याख्या कीजिए।

उत्तर:- भारत भाषाई विविधता से परिपूर्ण देश है, जहाँ अनेक भाषाएँ और बोलियाँ बोली जाती हैं। ऐतिहासिक रूप से, ग्रियर्सन सर्वेक्षण में 179 भाषाओं और 544 बोलियों की पहचान की गई थी। आज संविधान 22 अनुसूचित भाषाओं को मान्यता देता है, जबकि सैकड़ों गैर-अनुसूचित भाषाएँ भी प्रचलित हैं। एक अनूठी विशेषता "भाषाई निरंतरता" है, जहाँ भाषाओं की कोई निश्चित सीमाएँ नहीं होतीं, बल्कि वे क्षेत्रीय सीमाओं पर आपस में मिल जाती हैं और एक गतिशील सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती हैं, न कि भाषा के पृथक क्षेत्रों को।

2. भारत में कामकाजी आबादी की संरचना की मुख्य विशेषताओं का विश्लेषण करें।

उत्तर:भारत के कार्यबल की संरचना पारंपरिक कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था से आधुनिक अर्थव्यवस्था की ओर संक्रमण को दर्शाती है। प्रमुख विशेषताओं में शामिल हैं:

- **आर्थिक वर्गीकरण:**जनसंख्या को मुख्य कामगारों (183 दिन या उससे अधिक समय से कार्यरत), सीमांत कामगारों (183 दिन से कम समय से कार्यरत) और गैर-कामगारों में विभाजित किया गया है। 2011 की जनगणना से पता चला कि इनमें से केवल 39.8% कामगार हैं, जबकि 60% गैर-कामगार हैं, जो उच्च निर्भरता अनुपात और अल्प-रोजगार को दर्शाता है।
- **क्षेत्रीय भिन्नता:**कार्य में भागीदारी की दर लक्षद्वीप में 29.1% से लेकर हिमाचल प्रदेश में 51.9% तक भिन्न-भिन्न है। उच्च भागीदारी अक्सर कम विकसित क्षेत्रों में देखी जाती है जहाँ शारीरिक श्रम एक आवश्यकता है।
- **क्षेत्रीय प्रभुत्व:**प्राथमिक क्षेत्र सबसे बड़ा नियोक्ता बना हुआ है, जिसमें 54.6% कार्यबल शामिल है। हालांकि, एक महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल रहा है, जिसमें तृतीयक क्षेत्र ("अन्य श्रमिक") बढ़कर 41.6% हो गया है, जबकि द्वितीयक क्षेत्र (घरेलू उद्योग) 3.8% पर छोटा बना हुआ है।
- **व्यावसायिक बदलाव:**कृषि पर निर्भरता में उल्लेखनीय कमी आई है और गैर-कृषि व्यवसायों में वृद्धि हुई है, विशेष रूप से दिल्ली जैसे शहरी क्षेत्रों में, जो औद्योगीकरण और शहरीकरण की चल रही प्रक्रिया को दर्शाता है।

3. भारत में युवा आबादी की प्रमुख समस्याओं का विश्लेषण कीजिए। इन समस्याओं के निवारण के लिए दो उपाय सुझाइए।

उत्तर: भारत में युवा और किशोर आबादी की प्रमुख समस्याएं। किशोर (10-19 वर्ष) और युवा (15-29 वर्ष) आबादी को महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें शामिल हैं:

- विवाह की कम उम्र,
- निरक्षरता – विशेषकर महिला निरक्षरता, स्कूल छोड़ने वाले छात्र,
- पोषक तत्वों का कम सेवन,
- किशोर माताओं में मातृ मृत्यु दर बहुत अधिक है।
- एचआईवी और एड्स संक्रमण की उच्च दर, शारीरिक और मानसिक विकलांगता
- मंदबुद्धि, मादक द्रव्यों का सेवन और शराबखोरी, किशोर अपराध और अपराध करना आदि।

इन समस्याओं को दूर करने के दो उपाय

1. राष्ट्रीय युवा नीति (एनवाईपी-2014): यह नीति युवाओं को उनकी पूरी क्षमता हासिल करने और वैश्विक समुदाय में अपना उचित स्थान पाने के लिए सशक्त बनाने हेतु एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करती है।
2. कौशल विकास और उद्यमिता: कौशल विकास और उद्यमिता के लिए राष्ट्रीय नीति (2015) को लागू करना ताकि कौशल विकास गतिविधियों को सामान्य मानकों के साथ संरेखित किया जा सके और उन्हें मांग केंद्रों से जोड़ा जा सके, जिससे युवाओं को अधिक रोजगार योग्य बनाया जा सके।

दीर्घ उत्तर प्रश्न (5 अंक)

1. भारत में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की कार्य भागीदारी दर कम है। इस कथन का कारण स्पष्ट कीजिए।

उत्तर।इसके पीछे निम्नलिखित कारण हैं:

●समाज की पितृसत्तात्मक व्यवस्था महिलाओं को घर से बाहर काम करने की अनुमति नहीं देती है।

●महिलाओं में साक्षरता का निम्न स्तर।

●संयुक्त परिवार प्रणाली ने महिलाओं पर परिवार की अधिक जिम्मेदारी डाल दी।

●बाल विवाह, पोषण का निम्न स्तर और असुरक्षित वातावरण ऐसी समस्याएं हैं जिनके परिणामस्वरूप कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी कम होती है।

●वेतन असमानता महिलाओं को कार्यबल में भाग लेने से हतोत्साहित करती है।

●सहकर्मी पुरुष द्वारा उत्पीड़न।

2. भारत में जनसंख्या वृद्धि के प्रबंधन के लिए चुनौतियों और रणनीतियों पर चर्चा करें।

उत्तर:भारत को अपनी जनसंख्या वृद्धि के प्रबंधन में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिसके लिए व्यापक रणनीतियों की आवश्यकता है:

1. चुनौतियाँ:

ए. उच्च जन्म दर:जन्म दर में गिरावट के बावजूद, भारत के कुछ क्षेत्रों में अभी भी उच्च प्रजनन दर है, जो जनसंख्या वृद्धि में योगदान देती है।

ख. गरीबी और निरक्षरता:गरीबी और निरक्षरता का उच्च स्तर उच्च प्रजनन दर से जुड़ा हुआ है, क्योंकि गरीब और कम शिक्षित आबादी की परिवार नियोजन संसाधनों तक सीमित पहुंच हो सकती है।

सी. स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच:ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में अपर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के प्रयासों में बाधा डालती हैं, क्योंकि लोगों को प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा तक पहुंच का अभाव होता है।

2. रणनीतियाँ:

ए. परिवार नियोजन कार्यक्रम:गर्भनिरोधक, प्रजनन स्वास्थ्य शिक्षा और सेवाओं तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए परिवार नियोजन कार्यक्रमों को मजबूत करने से जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है।

बी. शिक्षा और जागरूकता:शिक्षा को बढ़ावा देना, विशेषकर महिलाओं के लिए, अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षित महिलाएं परिवार के आकार और प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में बेहतर निर्णय लेने में सक्षम होती हैं।

सी. आर्थिक विकास:आर्थिक स्थिति में सुधार और गरीबी में कमी से प्रजनन दर कम हो सकती है। आर्थिक विकास से रोजगार के बेहतर अवसर मिलते हैं और बड़े परिवारों की आर्थिक आवश्यकता कम हो जाती है।

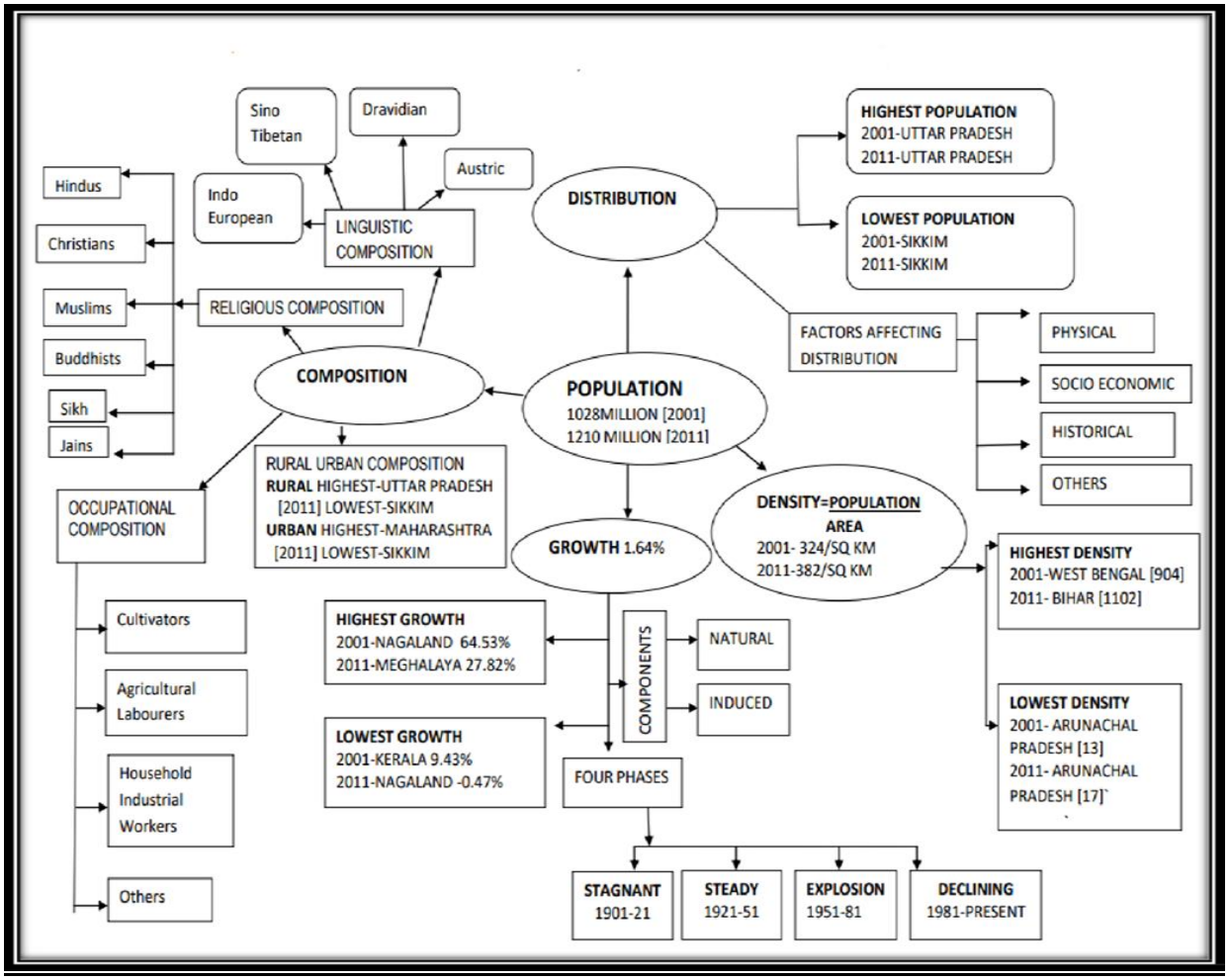

बहुविकल्पीय प्रश्न का उत्तर 1) बी 2) ए

इकाई-II का भारांक: 3 अंक

<u>अध्याय-2: मानव बस्ती</u>

अध्याय का सारांश

1. बस्तियों को परिभाषित करना

- **परिभाषा:**मानव निवास का एक समूह, जहां लोग एक साथ रहते हैं और संसाधन आधार के रूप में क्षेत्र का बंटवारा करते हैं।

2. ग्रामीण बस्तियों के प्रकार

यह भौतिक विशेषताओं, सांस्कृतिक और जातीय कारकों और सुरक्षा आवश्यकताओं द्वारा निर्धारित होता है।

निपटान प्रकार	**संहित/पुंजित/ (कॉम्पैक्ट)**	**अर्ध पुंजित/अर्ध-समूहीकृत**	**पुरवा/हैमलेटेड**	**बिखरा हुआ (पृथक)/प्रकिर्णित /खण्डित**
मुख्य विशेषताएं	1. घर बहुत पास-पास बने होते हैं और उनमें जगह बहुत कम होती है।	एक बड़ा गाँव खंडित हो जाता है। एक या अधिक भाग मुख्य केंद्रीय समूह से थोड़ी दूरी पर स्थित होते हैं।	एक बड़ा गाँव भौतिक रूप से कई छोटी इकाइयों में विभाजित होता है जो एक दूसरे से अलग होती हैं लेकिन उनका नाम एक ही होता है।	इसमें अलग-थलग झोपड़ियाँ या झोपड़ियों के बहुत छोटे समूह दिखाई देते हैं। घरों के बीच ढलानों पर खेत या चारागाह स्थित हैं।
सामाजिक संरचना एवं कारक	1. आवासीय क्षेत्र खेतों और चरागाहों से स्पष्ट रूप से अलग हैं। 2. अक्सर ज्यामितीय आकृतियों (आयताकार, त्रिज्यात्मक, रेखीय) का अनुसरण करते हैं।	सामाजिक पृथक्करण: प्रमुख भूमि-मालिक समुदाय केंद्र में रहते हैं;निचले वर्ग /मजदूर बाहरी किनारों पर रहते हैं।	सामाजिक और जातीय कारकों से प्रेरित. इकाइयों को स्थानीय तौर पर पन्ना, पारा, पल्ली, नगला, धानी आदि कहा जाता है।	खंडित भूभाग और बिखरे हुए भूमि संसाधन आधार के कारण।
सामान्य क्षेत्र/उदाहरण	1. सुरक्षा/रक्षा के लिए निर्मित (बुंदेलखंड और नागालैंड) 2. पानी की कमी (राजस्थान) 3.उपजाऊ जलोढ़ मैदान, उत्तर-पूर्वी राज्य	गुजरात के मैदानी इलाके और राजस्थान के कुछ हिस्से।	मध्य और निचले गंगा के मैदान, छत्तीसगढ़ और निचली हिमालयी घाटियाँ।	मेघालय, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और केरल।

3. भारतीय शहरों का सामयिक वर्गीकरण:

- **प्राचीन नगर:**2,000 वर्ष से अधिक पुराने, अक्सर धार्मिक/सांस्कृतिक केंद्र (जैसे, वाराणसी, प्रयागराज (इलाहाबाद), पटना (पाटलिपुत्र), मदुरै)।
- **मध्यकालीन शहर:**किलेबंद शहर जो राज्यों के मुख्यालय के रूप में कार्य करते थे (जैसे, दिल्ली, हैदराबाद, जयपुर, आगरा, लखनऊ, नागपुर)।
- **आधुनिक शहर:**यूरोपियों/ब्रिटिशों द्वारा बंदरगाहों (सूरत, गोवा, दमन, पुड्डुचेरी), प्रशासनिक नोड्स (मुंबई, चेन्नई (मद्रास), कोलकाता), या औद्योगिक केंद्रों (जमशेदपुर), आजादी के बाद (चंडीगढ़, भुवनेश्वर, दुर्गापुर, भिलाई, सिंदरी) के रूप में विकसित किया गया।

4. कस्बों का कार्यात्मक वर्गीकरण

शहरों की पहचान अक्सर उनकी प्रमुख गतिविधि से होती है, हालांकि विकास के साथ-साथ कई शहर बहुआयामी बन जाते हैं।

- **प्रशासनिक:**सरकार के मुख्यालय (जैसे, नई दिल्ली, भोपाल, चंडीगढ़, शिलांग, गुवाहाटी, श्रीनगर)।
- **औद्योगिक:**विनिर्माण द्वारा संचालित (जैसे मोदीनगर, जमशेदपुर, भिलाई, सेलम)।
- **परिवहन:**निर्यात/आयात या अंतर्देशीय परिवहन के लिए केंद्र (जैसे, दीनदयाल उपाध्याय नगर, कोच्चि, आगरा, कोझिकोड, विशाखापत्तनम)।
- **व्यावसायिक:**व्यापार एवं वाणिज्य विशेषज्ञ (उदाहरण के लिए, कोलकाता, सहारनपुर, सतना)।
- **खनन:**खनिज समृद्ध क्षेत्र (झरिया, रानीगंज, डिगबोई, अंकलेश्वर, सिंगरौली)।
- **छावनी (कैंटोनमेंट):**सैन्य स्टेशन (अंबाला, जालंधर, महू, बबीना, उधमपुर)।
- **शैक्षिक:**प्रमुख कैंपस शहर (जैसे, रुड़की, अलीगढ़, पिलानी)।
- **धार्मिक/सांस्कृतिक:**महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल (जैसे मथुरा, अमृतसर, पुरी, हरिद्वार)।
- **पर्यटक:**लोकप्रिय पर्यटन स्थल (जैसे, नैनीताल, शिमला, ऊटी, जैसलमेर)।

5. भारत में शहरीकरण

- **2011 के आंकड़े:**शहरीकरण का स्तर 31.16% था।
- **नगर मानदंड (जनगणना 1991):**भारत की जनगणना, 1991 में शहरी बस्तियों को इस प्रकार परिभाषित किया गया है:

1. वे सभी स्थान जहाँ नगरपालिका, निगम, छावनी बोर्ड या अधिसूचित नगर क्षेत्र समिति हो।
2. न्यूनतम जनसंख्या 5000 व्यक्ति
3. कम से कम 75 प्रतिशत पुरुष श्रमिक कृषि से इतर गतिविधियों में लगे हुए हैं।
4. प्रति वर्ग किलोमीटर कम से कम 400 व्यक्तियों का जनसंख्या घनत्व।

<u>बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)</u>

1भारत में ऐतिहासिक विकास के अनुसार निम्नलिखित श्रेणियों के शहरों को क्रमबद्ध करें।

i. जमशेदपुर ii. भिलाई iii. मदुरै iv. लखनऊ

विकल्प:

ए. i, iv, iii, ii बी. iv, i, iii, ii सी. ii, iv, i, iii डी. iii, iv, i, ii

2. निम्नलिखित में से कौन सा भारत में बस्तियों का सबसे बड़ा वर्ग है?

ए. ग्रामीण बस्तियाँ बी. शहरी बस्तियाँ

सी. अर्ध-शहरी बस्तियाँ डी. महानगरीय बस्तियाँ

3. निम्नलिखित में से कौन सा शहर एक नियोजित बस्ती का उदाहरण है?

ए. वाराणसी बी. चंडीगढ़

सी. जयपुर डी. मदुरै

संक्षिप्त उत्तर प्रकार

1. शहरी बस्तियों में अक्सर "शहरी फैलाव" की घटना देखने को मिलती है। प्राकृतिक पर्यावरण और सामाजिक-आर्थिक संरचनाओं दोनों पर इसके प्रभाव का मूल्यांकन करें।

उत्तर: <u>पर्यावरणीय प्रभाव</u>-

●भूमि रूपांतरण के कारण वनों की कटाई और जैव विविधता का ह्रास होता है।

●आवागमन के लिए अधिक वाहनों की आवश्यकता होने से प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है।

●इससे जल और ऊर्जा जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव पड़ता है।

<u>सामाजिक-आर्थिक प्रभाव-</u>

●इससे स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी सेवाओं तक असमान पहुंच पैदा होती है, खासकर परिधीय क्षेत्रों में।

●बुनियादी ढांचे के विकास में पिछड़ने के कारण जीवनयापन की लागत बढ़ जाती है।

●इससे कृषि भूमि कम हो जाती है, जिससे खाद्य सुरक्षा प्रभावित होती है।

2. ग्रामीण बस्ती और शहरी बस्ती के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

ग्रामीण बस्तियाँ	शहरी बस्तियाँ
लोग मुख्य रूप से कृषि और भूमि आधारित कार्यों पर निर्भर हैं।	लोग विनिर्माण, व्यापार और सेवाओं पर निर्भर हैं।
वे शहरों को भोजन और कच्चा माल उपलब्ध कराते हैं।	वे ग्रामीण क्षेत्रों को तैयार माल और विशेष सेवाएं प्रदान करते हैं।
सामाजिक संबंध घनिष्ठ और व्यक्तिगत होते हैं क्योंकि जीवन सरल होता है।	जीवन तेज और जटिल होने के कारण सामाजिक संबंध औपचारिक और अवैयक्तिक होते हैं।

<u>दीर्घ उत्तर प्रश्न (5 अंक)</u>

1. भारत के कई आधुनिक शहरों का विकास ब्रिटिश शासन काल के दौरान हुआ था। इस कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर:

●भारत में आधुनिक शहरों में से कई का विकास अंग्रेजों ने ही किया था।

●तटीय क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत करना शुरू कर दिया।

●सबसे पहले उन्होंने कुछ व्यापारिक बंदरगाह विकसित किए।

●सूरत, दमन, गोवा, पुडुचेरी (पॉन्डिचेरी) आदि को व्यापारिक केंद्रों के रूप में विकसित किया गया था।

●उसके बाद उन्होंने तीन प्रमुख केंद्रों - मुंबई (बॉम्बे), चेन्नई (मद्रास) और कोलकाता (कलकत्ता) - के आसपास अपनी पकड़ मजबूत कर ली।

●उन्होंने अपने प्रशासनिक केंद्रों और पहाड़ी कस्बों को ग्रीष्मकालीन रिसॉर्ट के रूप में भी विकसित किया।

●उन्होंने नए नागरिक प्रशासनिक और सैन्य क्षेत्रों का विकास किया।

●1850 के बाद आधुनिक उद्योगों पर आधारित शहर भी विकसित हुए, जैसे कि जमशेदपुर।

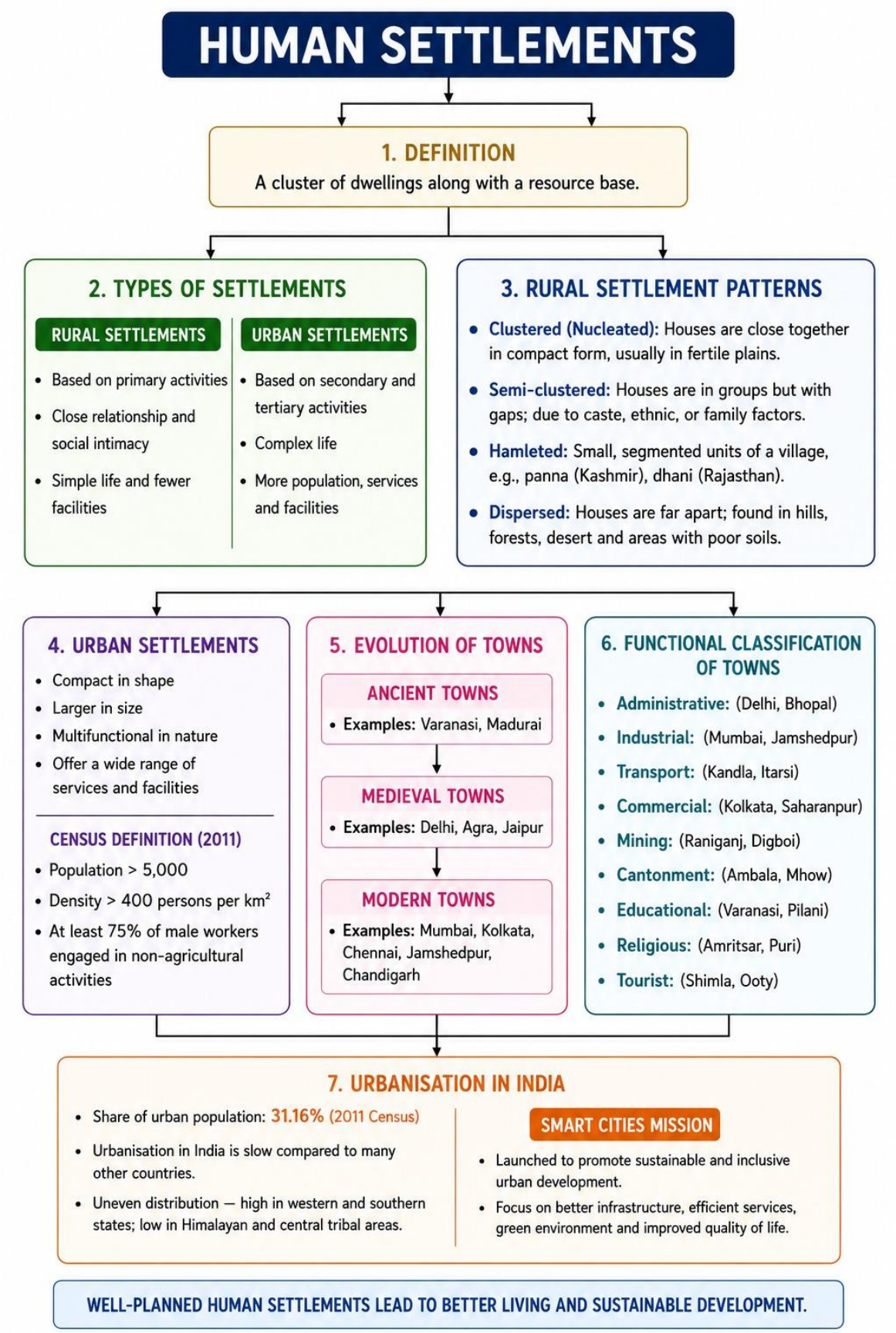

बहुविकल्पीय प्रश्न उत्तर: 1. डी 2. ए 3. बी

<u>इकाई-III का भारांक: 10 अंक</u>

अध्याय-3: भूमि संसाधन और कृषि

<u>मानचित्र कार्य</u>

निम्नलिखित फसलों के प्रमुख उत्पादक राज्य:
(a) चावल (b) गेहूँ (c) कपास (d) जूट (e) गन्ना (f) चाय (g) कॉफ़ी

अध्याय का सारांश-

1. भूमि उपयोग श्रेणियाँ

भूमि उपयोग संबंधी अभिलेख भूमि राजस्व विभाग द्वारा रखे जाते हैं।

- वन: सरकार द्वारा वन वृद्धि के लिए निर्धारित और सीमांकित क्षेत्र।
- गैर-कृषि उपयोग: बस्तियों, अवसंरचना और उद्योगों के लिए भूमि।
- शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल (एनएसए): भूमि का वह भौतिक क्षेत्रफल जिस पर फसलें बोई और काटी जाती हैं।

वर्तमान परती	उपजाऊपन को पुनः प्राप्त करने के लिए इसे एक या एक से कम कृषि वर्ष के लिए बिना खेती के छोड़ दिया जाता है।
वर्तमान परती भूमि के अतिरिक्त अन्य परती भूमि	एक वर्ष से अधिक लेकिन पांच वर्ष से कम समय तक बिना खेती के छोड़ दिया गया।
कृषि योग्य बंजर भूमि	पांच साल से अधिक समय तक परती छोड़ी गई भूमि को खेती के लिए पुनः तैयार किया जा सकता है।
बंजर और वीरान भूमि	वह भूमि जिस पर उपलब्ध तकनीक से खेती नहीं की जा सकती (जैसे, रेगिस्तान, पहाड़ी इलाके)।

2. साझा संपत्ति संसाधन (सीपीआर)

- परिभाषा: सामुदायिक स्वामित्व वाली भूमि जहाँ प्रत्येक सदस्य को निजी संपत्ति अधिकारों के बिना पहुँच का अधिकार प्राप्त होता है।
- महत्व: यह चारा, ईंधन और लघु वन उत्पाद प्रदान करता है; महिलाओं और भूमिहीन किसानों के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है।

3. भारत में फसल के मौसम

- खरीफ (जून-सितंबर): चावल, कपास, जूट और ज्वार जैसी उष्णकटिबंधीय फसलें।
- रबी (अक्टूबर-मार्च): गेहूं, चना और सरसों जैसी शीतोष्ण फसलें।
- जैद (अप्रैल-जून): कम अवधि की ग्रीष्मकालीन फसलें जैसे तरबूज, खीरा और चारा।

4. कृषि के प्रकार (नमी के आधार पर)

1. सिंचाई आधारित कृषि का उसके उद्देश्य के आधार पर वर्गीकरण:

- **सुरक्षात्मक सिंचाई:** यह वर्षा के पूरक के रूप में कार्य करती है। इसका उद्देश्य फसलों को नमी की कमी से बचाना और अधिकतम संभव क्षेत्र को कवर करना है।
- **उत्पादक सिंचाई:** इसका उद्देश्य उच्च उत्पादकता प्राप्त करना है। इसमें सुरक्षात्मक सिंचाई की तुलना में प्रति इकाई भूमि पर अधिक जल की आवश्यकता होती है।

2. वर्षा आधारित कृषि (बरानी): मिट्टी में नमी की पर्याप्तता के आधार पर वर्गीकृत:

- **शुष्क भूमि कृषि:**
  - यह प्रथा उन क्षेत्रों में प्रचलित है जहां वार्षिक वर्षा 75 सेमी से कम होती है।
  - फसलें: कठोर/सूखा प्रतिरोधी (रागी, बाजरा, चना, ग्वार)।
  - मुख्य विषय: मृदा नमी संरक्षण और वर्षा जल संचयन।
- **आर्द्रभूमि कृषि:**
  - यह पद्धति उन स्थानों पर अपनाई जाती है जहां वर्षा मिट्टी की नमी की आवश्यकता से अधिक होती है।
  - फसलें: जल की अधिक आवश्यकता वाली फसलें (चावल, जूट, गन्ना)।
  - विशेषताएं: बाढ़/कटाव का खतरा; मत्स्य पालन शामिल है।

5. प्रमुख फसलें और उत्पादन

- चावल: भारत का मुख्य भोजन; भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। प्रमुख उत्पादक राज्य: पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और पंजाब।
- **गेहूं:** मुख्यतः शीतोष्ण क्षेत्र की रबी फसल। प्रमुख उत्पादक राज्य: उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब और हरियाणा।
- **दलहन:** प्रोटीन से भरपूर; ये दलहन फसलें नाइट्रोजन स्थिरीकरण के माध्यम से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाती हैं। चना और अरहर प्रमुख दलहन हैं।
- **तिलहन:** कुल फसल क्षेत्र का 14% भाग इन्हीं फसलों के अंतर्गत आता है; इसमें मूंगफली, रेपसीड और सरसों शामिल हैं।
- **रेशे वाली फसलें**: कपास (उष्णकटिबंधीय, अर्ध-शुष्क) और जूट (पश्चिम बंगाल की नकदी फसल)।

6. कृषि विकास और चुनौतियाँ

- हरित क्रांति: 1960 के दशक के मध्य में शुरू हुई;

पैकेजिंग तकनीक = उच्च गुणवत्ता वाली फसलें + रासायनिक उर्वरक + सिंचाई = खाद्य पदार्थ खुद-पचुरता

पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश,

गेहूँ : मेक्सिको
चावल : फिलीपींस

भारतीय कृषि की प्रमुख समस्याएं

- अनियमित मानसून पर निर्भरता: अधिकांश कृषि योग्य भूमि अनियमित वर्षा पर निर्भर करती है, जिससे सूखा और बाढ़ जैसी स्थितियां उत्पन्न होती हैं।

- कम उत्पादकता: प्रति हेक्टेयर उत्पादन और श्रम उत्पादकता अंतरराष्ट्रीय स्तरों (अमेरिका, रूस, जापान) की तुलना में काफी कम है।
- वित्तीय बाधाएं और ऋणग्रस्तता: आधुनिक उपकरणों की उच्च लागत के कारण फसल खराब होने पर छोटे किसान ऋण के जाल में फंस जाते हैं।
- भूमि सुधारों का अभाव: स्वतंत्रता के बाद से भूमि का असमान वितरण और सुधारों का खराब कार्यान्वयन।
- छोटे और खंडित भू-भाग: जनसंख्या के दबाव के कारण खेतों का आकार सिकुड़ने से खेती आर्थिक रूप से अलाभकारी हो जाती है।
- व्यवसायीकरण का अभाव: कई छोटे किसान निर्वाह खेती करते हैं (केवल अपने परिवार के उपभोग के लिए ही फसल उगाते हैं)।
- व्यापक अल्प-रोजगार: मौसमी बेरोजगारी जहां किसानों को साल में 4 से 8 महीने तक काम नहीं मिलता है।
- कृषि योग्य भूमि का क्षरण: क्षारीकरण, लवणीकरण, जलभराव और रसायनों के अत्यधिक उपयोग के कारण मिट्टी की उर्वरता में कमी।

<u>बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)</u>

1. इनमें से कौन सा सही मिलान है?

क्रम संख्या	समूह	फसलें
1	वृक्षारोपण	गन्ना, चाय, कॉफी
2.	तिलहन	सरसों, रेपसीड, ज्वार
3.	दालें	चना, तुअर, मूंगफली
4.	फाइबर	कपास, जूट, रेशम

ए. 1 और 3 ख. 1 और 4 ग. 2 और 4 डी. 2 और 3

2. अभिकथन- (ए):कृषि का योगदान समय के साथ कम हुआ है, लेकिन कृषि के लिए भूमि पर दबाव कम नहीं हुआ है।

कारण-(आर):-भारत में लोगों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

A. A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B. A और R दोनों सत्य हैं और R, A का गलत स्पष्टीकरण है।

C. A सत्य है लेकिन R असत्य है

D. A असत्य है लेकिन R सत्य है

प्रश्न 3. अभिकथन (ए):-चाय की तीन किस्में होती हैं, अर्थात् अरेबिका, रोबस्टा और लिबेरिका।

कारण (आर):-भारत में मुख्य रूप से अरबिया किस्म की बेहतरीन कॉफी का उत्पादन होता है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में काफी मांग है।

a. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

b. A और R दोनों सत्य हैं और R, A का गलत स्पष्टीकरण है।

c. A सत्य है लेकिन R असत्य है।

d. A असत्य है लेकिन R सत्य है।

<u>दीर्घ उत्तर प्रश्न (5 अंक)</u>

प्रश्न 1. हरित क्रांति भारत के सभी भागों में समान रूप से सफल क्यों नहीं रही?

उत्तर:निम्नलिखित कारणों से भारत के सभी हिस्सों में हरित क्रांति समान रूप से सफल नहीं रही:

- सिंचाई की सुविधाएँ केवल पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक ही सीमित थीं।
- किसानों को आधुनिक तकनीक और उसकी सुलभता के बारे में जानकारी नहीं थी।
- वितरण और भंडारण प्रणाली में खामियों के कारण अच्छी और अधिक उपज देने वाली किस्मों के बीज आसानी से उपलब्ध नहीं थे।
- किसानों की गरीबी।
- भूमि जोत का छोटा आकार।
- निवेश क्षमता का अभाव।

प्रश्न 2:भारत की कृषि में "अनियमित मानसून" और "अक्षमता" प्रमुख समस्याएं हैं। इन समस्याओं के निवारण के उपाय सुझाएं और उनका स्पष्टीकरण दें।

उत्तर:भारत में मानसून का मिजाज बहुत अनिश्चित है। इसलिए, विशेषकर भारत के गैर-सिंचाई वाले क्षेत्रों में सिंचाई के विभिन्न साधनों के विकास पर अधिक जोर दिया जाना चाहिए। कुछ उपाय इस प्रकार हैं:

- भूजल स्तर को बेहतर बनाने और उसे पुनर्जीवित करने के लिए वर्षा जल संचयन तकनीकों पर जोर दिया जाना चाहिए।
- जिन इलाकों में पानी की कमी होती है, वहाँ सूखा-रोधी फ़सलों का ज़्यादा इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

कर्ज़ की समस्या से निपटने के लिए ये उपाय किए जा सकते हैं:

- गाँवों में सहकारी ऋण को बढ़ावा दिया जाए, ताकि किसानों को सस्ती दरों पर कर्ज़ मिल सके। निजी कर्ज़ देने वालों को खत्म किया जाना चाहिए।
- खेती-बाड़ी वैज्ञानिक आधार पर की जानी चाहिए, ताकि किसानों की आमदनी बढ़ सके।
- सभी किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) नीति को बढ़ावा दिया जाए। ग्रामीण बैंक और सहकारी बैंक की दरों को भी इसमें शामिल किया जाए।

Q3. अगर आप भारत के किसान होते, तो आपको भारतीय खेती-बाड़ी में किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ता?

Ans. 1. बारिश का असमान और अनिश्चित होना

2. कम पैदावार

3. किसानों की गरीबी

4. ज़मीन सुधारों की कमी

5. ज़मीन के टुकड़ों में बँट जाना

6. खेती के व्यवसायीकरण की कमी

7. बड़े पैमाने पर बेरोज़गारी (अल्प-रोज़गार)

8. खेती लायक ज़मीन का खराब होना

9. किसानों में अशिक्षा।

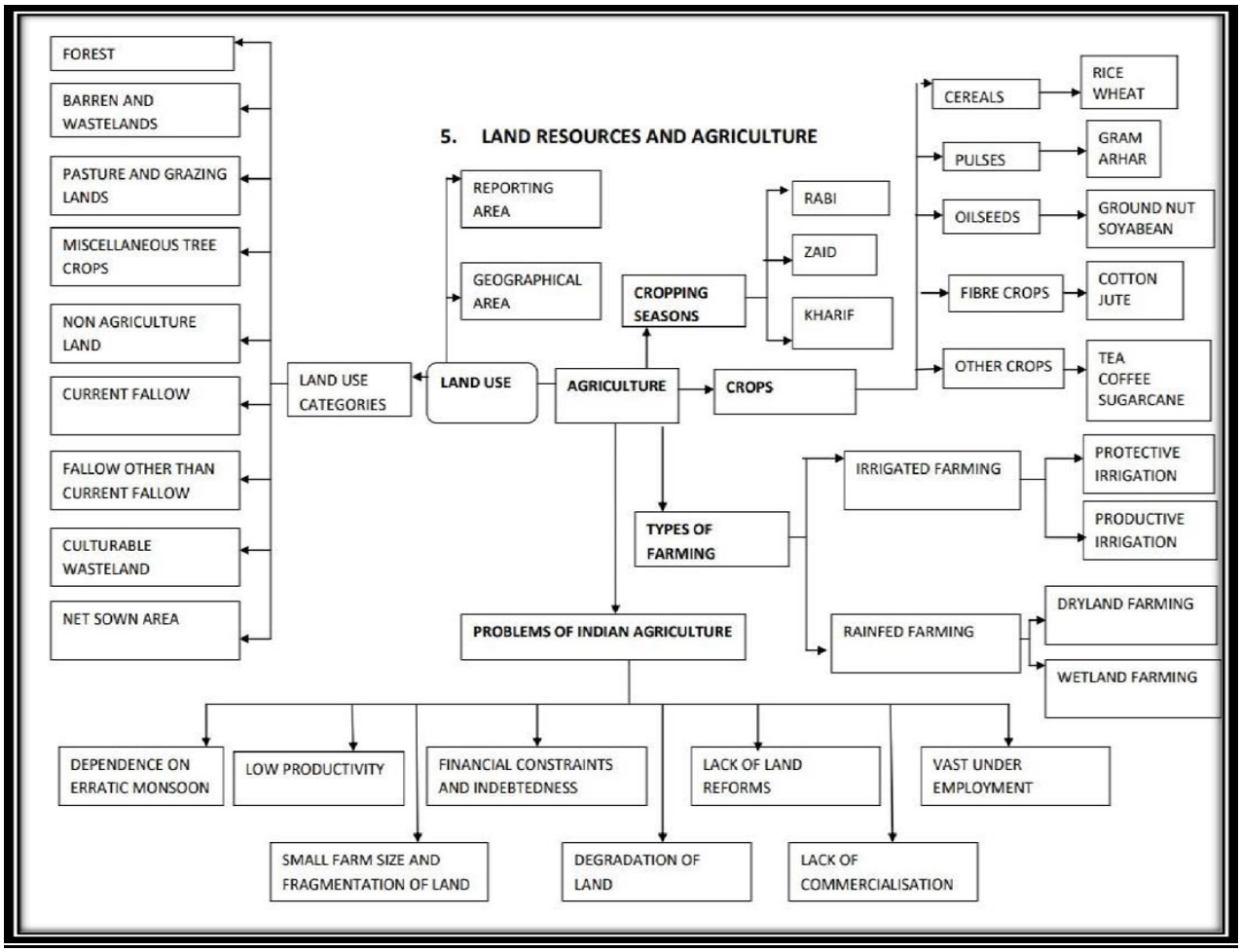

MCQs Ans 1. D 2. A 3. C

अध्याय-4: जल संसाधन

अध्याय का सारांश

1. भारत का हिस्सा- दुनिया के कुल क्षेत्रफल का 2.45%

- दुनिया के कुल जल संसाधनों का 4%
- दुनिया की कुल जनसंख्या का 16%

सतही जल संसाधन-

सतही जल के मुख्य स्रोत: i) नदियाँ, ii) झीलें, iii) तालाब, iv) टैंक

भूजल संसाधन-

भूजल एक अत्यंत महत्वपूर्ण और "पुनर्भरण योग्य" (फिर से भरा जा सकने वाला) संसाधन है, लेकिन पूरे भारत में इसका उपयोग चिंताजनक रूप से असमान है।

उपयोग के स्तर:

बहुत अधिक: पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और तमिलनाडु (समाप्त होने का खतरा)।

मध्यम: गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र।

कम: छत्तीसगढ़, ओडिशा, केरल (उपयोग न की गई उच्च क्षमता)।

** लगातार अत्यधिक दोहन से सामाजिक उथल-पुथल, पर्यावरणीय गिरावट और विकास में रुकावट आती है।

जल का उपयोग-

सतही जल: - 1. कृषि = 89%, घरेलू = 9%, औद्योगिक = 2%

भूजल संसाधन: कृषि = 92%, औद्योगिक = 5%, घरेलू = 3%

सिंचाई की बढ़ती मांग के कारण-	पानी की गुणवत्ता में गिरावट-
1. वर्षा का असमान वितरण 2. मौसमी वर्षा 3. उच्च तापमान के कारण वाष्पीकरण अधिक होता है। 4. अधिक पानी चाहने वाली फसलें उगाने के लिए 5. उत्पादन बढ़ाने के लिए 6. शुष्क-मौसम में खेती 7. अधिक उपज देने वाली किस्म (HYV) के बीजों के लिए आवश्यक, निरंतर और नियंत्रित जल आपूर्ति प्रदान करता है।.	**1.** प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता में कमी। 2. तेज़ी से बढ़ती जनसंख्या। 3. जीवन-स्तर में वृद्धि। 4. भूजल का व्यापक प्रदूषण। 5. नदियों में शहरी और औद्योगिक कचरे का बहाव। 1. 6. सांस्कृतिक गतिविधियों के कारण नदियों में कचरे में वृद्धि।.

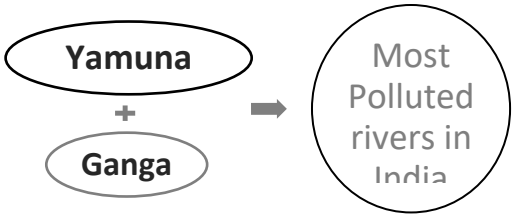

Sr. No.	River	Most Polluted Location / Stretch
1	Yamuna	Between Delhi and Etawah
2	Ganga	Kanpur and Varanasi
3	Sabarmati	Ahmedabad
4	Gomti	Lucknow
5	Musi	Hyderabad
6	Vaigai	Madurai

जल संरक्षण और प्रबंधन

1. सतत विकास के लिए ताज़े पानी का संरक्षण और प्रबंधन करें।
2. त्वरित नीतियाँ और कानूनी ढाँचे लागू करें।

3. पानी बचाने वाली तकनीकों और तरीकों को अपनाएँ।
4. जल प्रदूषण को रोकें।
5. जल-विभाजक (watershed) विकास को बढ़ावा दें।
6. वर्षा जल संचयन को प्रोत्साहित करें।
7. पुनर्चक्रण, पुनः उपयोग और जल के संयुक्त उपयोग को लागू करें।जल प्रदूषण के कारण

1. मैदानी इलाकों में मानवीय उपयोग की अधिकता के कारण जल की गुणवत्ता खराब हो जाती है।प्रदूषण कृषि, घरेलू और औद्योगिक अपशिष्ट से उत्पन्न होता है।
2. गर्मी के मौसम में जल प्रवाह में कमी से प्रदूषकों की सांद्रता में अचानक वृद्धि होती है।
3. जैविक और जीवाणु संदूषण प्रमुख समस्याएं हैं।
4. भूजल में जहरीली धातुओं और फ्लोराइड का रिसाव हो रहा है।
5. विधायी अधिनियमों का कार्यान्वयन अभी भी ठीक से नहीं हो पा रहा है।
6. कमी लाने के लिए जन जागरूकता अत्यंत आवश्यक है।

<u>जलसंभर प्रबंधन-</u>

- जलसंभर प्रबंधन में जलसंभर के भीतर सभी संसाधनों - प्राकृतिक (जैसे भूमि, जल, पौधे और जानवर) और मानवीय संसाधनों का संरक्षण, पुनर्जनन और विवेकपूर्ण उपयोग शामिल है।
- जलसंभर प्रबंधन मूलतः सतही और भूजल संसाधनों के कुशल प्रबंधन और संरक्षण को संदर्भित करता है। इसमें अपवाह की रोकथाम और विभिन्न विधियों जैसे रिसने वाले टैंक, पुनर्भरण कुओं आदि के माध्यम से भूजल का भंडारण और पुनर्भरण शामिल है।

परियोजना का नाम	**स्थान/प्रायोजक**	**प्रमुख विशेषताऐं**
हरियाली	**केंद्र सरकार**	ग्राम पंचायतों द्वारा कार्यान्वित; पेयजल, सिंचाई, मत्स्य पालन और वृक्षारोपण पर केंद्रित।
नीरू-मीरू (पानी और तुम)	**आंध्र प्रदेश**	समुदाय के नेतृत्व में जल निकासी टैंकों और चेक डैमों का निर्माण।
अरवरी पानी संसद	**अलवर, राजस्थान**	लोगों की भागीदारी से जोहड़ (खुदे हुए तालाब) और चेक डैम का निर्माण किया गया।

<u>क्षेत्र</u>	**<u>अत्यधिक निकासी का प्रभाव</u>**
पंजाब और हरियाणा	भूमिगत जल स्तर में भारी गिरावट।
राजस्थान और महाराष्ट्र	पानी में फ्लोराइड की मात्रा में वृद्धि।
पश्चिम बंगाल और बिहार	भूजल में आर्सेनिक की सांद्रता में वृद्धि।

- **<u>जल छाजन:</u>**

  यह सीधे उपयोग या भूजल पुनर्भरण के लिए वर्षा जल को एकत्रित और संग्रहित करता है।

  पर्यावरण के अनुकूल तकनीक:पानी के संरक्षण के लिए बोरवेल, गड्ढे और कुओं का उपयोग करने वाली एक कम लागत वाली विधि।

तमिलनाडु में घरों में जल संचयन संरचनाएं बनाना अनिवार्य कर दिया गया है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 1. पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश राज्यों में गहन सिंचाई का नकारात्मक प्रभाव क्या है?

(ए) मिट्टी में लवणता में वृद्धि (बी) मृदा अपरदन में वृद्धि

(सी) मिट्टी क्षारीय हो जाती है (डी) मृदा उर्वरता में कमी

संक्षिप्त उत्तर प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 2. "वर्षाजल संचयन तकनीक पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ लोगों के लिए किफायती भी है"। इस कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।

उत्तर:वर्षाजल संचयन के आर्थिक और सामाजिक मूल्य नीचे दिए गए हैं:

- वर्षाजल संचयन तकनीक पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ लोगों के लिए किफायती भी है।
- यह तकनीक भविष्य में उपयोग के लिए और पानी की कमी के समय में उपयोग के लिए वर्षा जल को बोरवेल, गड्ढों आदि में संग्रहित करने का मार्गदर्शन करती है।
- यह लोगों में जल संरक्षण और पुन: उपयोग के लाभों के प्रति संवेदनशीलता और जागरूकता पैदा करता है।

दीर्घ उत्तर प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1. घटते जल संसाधन सामाजिक संघर्षों और विवादों को जन्म दे सकते हैं। उपयुक्त उदाहरणों सहित इसे स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:जल एक चक्रीय संसाधन है जिसकी वैश्विक स्तर पर प्रचुर मात्रा में उपलब्धता है। पृथ्वी की सतह का लगभग 71 प्रतिशत भाग जल से ढका हुआ है, लेकिन कुल जल में मीठे पानी की मात्रा केवल लगभग 3 प्रतिशत है। वास्तव में, मीठे पानी का बहुत छोटा हिस्सा ही मानव उपयोग के लिए उपलब्ध है। मीठे पानी की उपलब्धता स्थान और समय के साथ बदलती रहती है। इस दुर्लभ संसाधन के बंटवारे और नियंत्रण को लेकर समुदायों, क्षेत्रों और राज्यों के बीच तनाव और विवाद बढ़ते जा रहे हैं।

- पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश की नदियों के जल बंटवारे का मुद्दा विवाद का विषय है।
- तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच कावेरी नदी के जल को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है।
- नर्मदा बेसिन के जल बंटवारे को लेकर महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात राज्यों के बीच विवाद है।

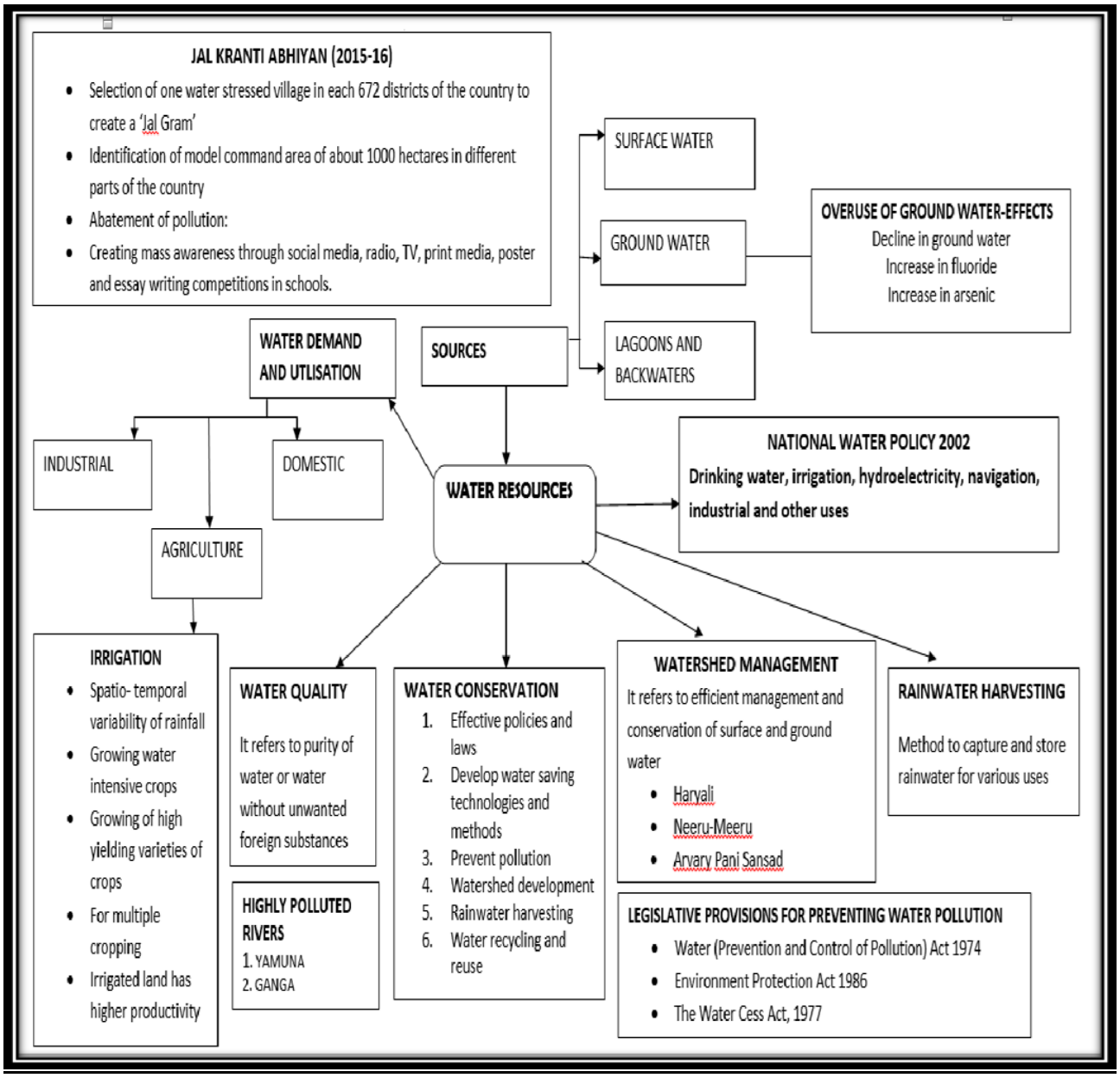

बहुविकल्पीय प्रश्न उत्तर 1. ए

अध्याय-05: खनिज और ऊर्जा संसाधन

मानचित्र कार्य

खान:

लौह अयस्क की खदानें: मयूरभंज, बैलाडीला, रत्नागिरी, बेल्लारी

मैंगनीज की खदानेंबालाघाट, शिमोगा

तांबे की खदानें:हजारीबाग, सिंहभूम, खेतारी

बॉक्साइट खदानेंकटनी, बिलासपुर और कोरापुट

कोयला खानों: झरिया, बोकारो, रानीगंज, नेवेली

तेल शोधनशाला :मथुरा, जामनगर, बरौनी

अध्याय का सारांश

- **खनिज:**खनिज शब्द को प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले कार्बनिक और अकार्बनिक पदार्थों के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिनकी एक निश्चित रासायनिक संरचना और विशिष्ट भौतिक गुण होते हैं।
- खनिजों का वर्गीकरण-

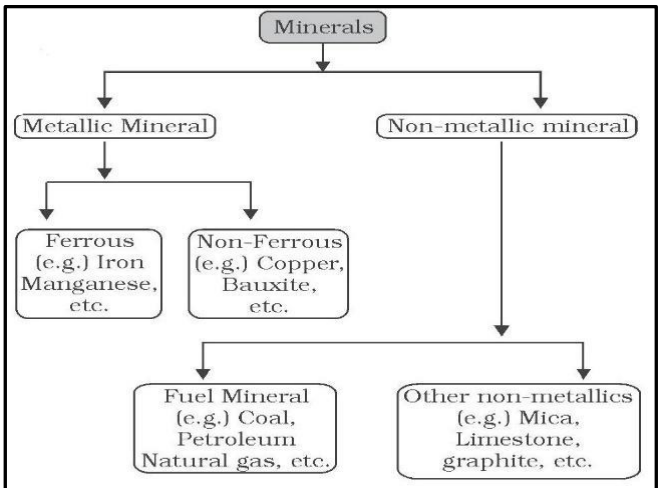

Fig. 5.1 : Classification of Minerals

खनिज संसाधनों की विशेषताएं-

- **असमान वितरण:** ये अंतरिक्ष में असमान रूप से वितरित हैं।
- **गुण-मात्रा का व्युत्क्रम संबंध:** अच्छी गुणवत्ता वाले खनिज कम मात्रा में पाए जाते हैं, जबकि निम्न गुणवत्ता वाले खनिज अधिक मात्रा में होते हैं।
- खनिज पदार्थ सीमित मात्रा में होते हैं और इन्हें बनने में लाखों वर्ष लगते हैं।

लौह खनिज

A) लौह अयस्क:

'लौह अयस्क धातु उद्योग की रीढ़ की हड्डी है। भारत को एशिया में लौह अयस्क के सबसे बड़े भंडार का मालिक होने का सौभाग्य प्राप्त है।

लौह अयस्क के दो मुख्य प्रकार: हेमेटाइट, मैग्नेटाइट।

राज्य	महत्वपूर्ण जिले/क्षेत्र	राज्य	महत्वपूर्ण जिले/क्षेत्र
ओडिशा	सुंदरगढ़, मयूरभंज, केंदुझार	आंध्र प्रदेश	कुरनूल, कडप्पा, अनंतपुर
झारखंड	पश्चिमी और पूर्वी सिंहभूम	तमिलनाडु	सलेम, नीलगिरि
छत्तीसगढ	दुर्ग, दंतेवारा, बैलाडिला	महाराष्ट्र	चंद्रपुर, भंडारा, रत्नागिरी
तेलंगाना	करीमनगर, वारंगल	कर्नाटक	**बल्लारी**, चिक्कमगलुरु, शिवमोग्गा, चित्रदुर्ग, तुमकुरु

B) मैंगनीज

i)मैंगनीज लौह अयस्क के गलाने के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है।

ii) मध्य प्रदेश और ओडिशा मैंगनीज के प्रमुख उत्पादक राज्य हैं।

iii) महत्वपूर्ण खदानें: - बालाघाट (मध्य प्रदेश), शिमोगा (कर्नाटक)

अलौह खनिज

A) बॉक्साइट:

●बॉक्साइट वह अयस्क है जिसका उपयोग एल्युमिनियम के निर्माण में किया जाता है।

●ओडिशा बॉक्साइट का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है।

●कटनी (मध्य प्रदेश), बिलासपुर (छत्तीसगढ़) और कोरापुट (ओडिशा)

B) *ताँबा*

●तार, इलेक्ट्रिक मोटर, ट्रांसफार्मर और जनरेटर बनाने के लिए विद्युत उद्योग में तांबा एक अपरिहार्य धातु है।

●यह मिश्रधातुकरण योग्य, आघातवर्धनीय और तन्य है।

●आभूषणों को मजबूती प्रदान करने के लिए इसे सोने के साथ भी मिलाया जाता है।

●हज़ारीबाग़ (झारखंड), सिंहभूम (झारखंड), खेतारी (राजस्थान)

महत्वपूर्ण परमाणु ऊर्जा संयंत्र

तारापुर:महाराष्ट्र (भारत में प्रथम स्थान)।

रावतभाटा:राजस्थान

कल्पक्कम:तमिलनाडु।

नरोरा:उतार प्रदेश।

काइगा:कर्नाटक।

काकरापारा:गुजरात।

<u>अधात्विक खनिज:-</u>

A) अभ्रक

अभ्रक का उपयोग मुख्य रूप से विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उद्योगों में किया जाता है।

इसे बहुत पतली चादरों में विभाजित किया जा सकता है जो मजबूत और लचीली होती हैं।

ऊर्जा संसाधन:

परंपरागत ऊर्जा:

●ऊर्जा के वे स्रोत जो एक बार समाप्त हो जाते हैं, एक निश्चित अवधि के भीतर स्वयं को पुनःप्राप्त नहीं करते हैं।

●कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे खनिज ईंधन (जिन्हें जीवाश्म ईंधन के रूप में जाना जाता है), परमाणु ऊर्जा खनिज, ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत हैं।

कोयला-

●यह दो प्रकार की चट्टान संरचनाओं में पाया जाता है, अर्थात् गोंडवाना कोयला क्षेत्र और तृतीयक कोयला क्षेत्र।

● **<u>गोंडवाना कोयला क्षेत्र</u>-**

1. दामोदर घाटी, झारखंड और पश्चिम बंगाल में इस कोयला क्षेत्र का पूरा इलाका स्थित है। झरिया (झारखंड का सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र), रानीगंज (पश्चिम बंगाल का दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र), बोकारो (झारखंड)।

तृतीयक कोयला क्षेत्र - ये असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और नागालैंड में पाए जाते हैं।

●भारत में कोयले के भंडार का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा बिटुमिनस प्रकार का है और यह नॉन-कोकिंग ग्रेड का है।

●भूरा कोयला या लिग्नाइट तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों (नेवेली) में पाया जाता है।

पेट्रोलियम

●कच्चा तेल तृतीयक युग की अवसादी चट्टानों में पाया जाता है।

●उप-उत्पाद :- उर्वरक, सिंथेटिक रबर, सिंथेटिक फाइबर, दवाइयां, वैसलीन, स्नेहक, मोम, साबुन और सौंदर्य प्रसाधन।

●पेट्रोलियम को इसकी दुर्लभता और विविध उपयोगों के कारण तरल सोना कहा जाता है।

●महत्वपूर्ण तेल उत्पादक क्षेत्र डिगबोई, नाहरकटिया (असम) हैं। अंकलेश्वर (गुजरात), मुंबई हाई।

●महत्वपूर्ण तेल रिफाइनरियाँ - जामनगर (गुजरात), मथुरा (यूपी), बरौनी (बिहार)।

●तेल रिफाइनरियां दो प्रकार की होती हैं:

▪ **क्षेत्र में स्थित:**तेल स्रोत के निकट स्थित (उदाहरण के लिए, डिगबोई)।

▪ **बाजार आधारित:**उपभोक्ता बाजार के निकट स्थित (उदाहरण के लिए, बरौनी)।

प्राकृतिक गैस

प्राकृतिक गैस पेट्रोलियम भंडारों के साथ पाई जाती है।

भारत में GAIL प्राकृतिक गैस के परिवहन, प्रसंस्करण और विपणन के लिए जिम्मेदार है।

● **गैर-**परंपरागत ऊर्जा

1. समान रूप से वितरित 2. पर्यावरण के अनुकूल।

3. अधिक टिकाऊ 4. प्रारंभिक लागत का भुगतान हो जाने के बाद ऊर्जा सस्ती हो जाती है।

●उदाहरण: सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, ज्वारीय और तरंग ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा, जैव ऊर्जा आदि।

स्रोत	**मुख्य जानकारी**	**संभावित क्षेत्र**
सौर ऊर्जा	फोटोवोल्टिक सेल के माध्यम से ऊर्जा प्राप्त की जाती है। कोयला/परमाणु ऊर्जा	**गुजरात और राजस्थान**(पश्चिमी भारत)।

	से अधिक प्रभावी।	
पवन ऊर्जा	टर्बाइनों के माध्यम से पवन की गतिज ऊर्जा को परिवर्तित किया जाता है। प्रदूषण मुक्त।	राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक।
ज्वारीय ऊर्जा	समुद्री धाराओं और लहरों से प्राप्त ऊर्जा।	भारत का पश्चिमी तट (उच्च क्षमता वाला, कम उपयोग किया गया क्षेत्र)।

हिमाचल प्रदेश के मणिकरण में एक भूतापीय ऊर्जा संयंत्र का संचालन शुरू कर दिया गया है।

**** नगरपालिका कचरे को ऊर्जा में परिवर्तित करने वाली परियोजना दिल्ली के ओखला में स्थित है।**

<u>बहु विकल्पीय प्रश्न</u>

1. निम्नलिखित में से कौन सा राज्य भारत में बॉक्साइट का सबसे बड़ा उत्पादक है?

ए. झारखंड बी. ओडिशा

सी. गुजरात डी. महाराष्ट्र

2. निम्नलिखित में से कौन सा ऊर्जा का गैर-पारंपरिक स्रोत है?

ए. कोयला बी. पेट्रोलियम

सी. सौर ऊर्जा डी. प्राकृतिक गैस

<u>लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)</u>

1. "भारत में पवन ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैं।" इसके लाभों और विकास के संदर्भ में अपना कथन लिखिए।

1. पवन ऊर्जा एक स्वच्छ ईंधन स्रोत है।

2. यह पारंपरिक स्रोतों की तुलना में हवा को प्रदूषित नहीं करता है।

3. पवन ऊर्जा आज उपलब्ध सबसे कम लागत वाली नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में से एक है।

4. सरकारी सब्सिडी के बिना भी, देश के कई क्षेत्रों में पवन ऊर्जा एक कम लागत वाला ईंधन है।

भारत के चार पवन ऊर्जा उत्पादक राज्य हैं: 1. राजस्थान 2. गुजरात 3. महाराष्ट्र 4. कर्नाटक।

2. "भारतीय संदर्भ में सौर ऊर्जा के महत्व को स्पष्ट कीजिए"?

उत्तर:- 1. एक उष्णकटिबंधीय देश होने के नाते, भारत में सौर ऊर्जा की अपार क्षमता है। पश्चिमी क्षेत्रों, विशेष रूप से गुजरात और राजस्थान में, उच्च सौर विकिरण प्राप्त होता है।

2. दूरस्थ क्षेत्रों में इसका निर्माण और रखरखाव आसान है।

3. यह पारंपरिक जलाऊ लकड़ी पर निर्भरता को कम करता है और विकेंद्रीकृत ऊर्जा विकास को बढ़ावा देता है।

<u>दीर्घ उत्तर प्रश्न (5 अंक)</u>

1. "भारत में गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।" इस कथन के समर्थन में तर्क दीजिए।

उत्तर:1. नवीकरणीय और अक्षय: जीवाश्म ईंधन के विपरीत, सौर, पवन और ज्वारीय ऊर्जा जैसे गैर-पारंपरिक स्रोत टिकाऊ हैं और कभी खत्म नहीं होंगे।

2. **पर्यावरण के अनुकूल:**ये ऊर्जा स्रोत स्वच्छ और प्रदूषण रहित हैं, जो पर्यावरण की रक्षा करने और ग्लोबल वार्मिंग को कम करने में मदद करते हैं।

3. **उच्च दक्षता:**सौर ऊर्जा पारंपरिक ऊर्जा संयंत्रों की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी है - यह कोयले से चलने वाले संयंत्रों की तुलना में 7% और परमाणु संयंत्रों की तुलना में 10% अधिक प्रभावी है।

4. **ग्रामीण विकास:**इन स्रोतों को दूरस्थ क्षेत्रों में आसानी से स्थापित किया जा सकता है और ये सौर कुकर, हीटर और फसल सुखाने वाले यंत्र जैसे ग्रामीण उपकरणों के लिए बहुत उपयोगी हैं।

5. **ऊर्जा सुरक्षा:**भारत एक उष्णकटिबंधीय देश है जिसमें अपार संभावनाएं हैं (विशेषकर गुजरात और राजस्थान में); इन संसाधनों का उपयोग करने से महंगे और दुर्लभ खनिज ईंधनों पर हमारी निर्भरता कम हो जाती है।

2. "जैविक ऊर्जा भारत की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।" इस कथन की व्याख्या कीजिए।

उत्तर:जैव ऊर्जा से तात्पर्य जैविक उत्पादों से प्राप्त ऊर्जा से है, जिसमें कृषि अवशेषों के साथ-साथ नगरपालिका, औद्योगिक और अन्य कार्यों से प्राप्त ऊर्जा भी शामिल है।

लाभ:

●इसे विद्युत ऊर्जा, ऊष्मा ऊर्जा या खाना पकाने के लिए गैस में परिवर्तित किया जा सकता है।

●इससे भारत जैसे विकासशील देशों के ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक जीवन में सुधार आएगा।

●यह कचरे को संसाधित करके ऊर्जा उत्पन्न कर सकता है।

●इससे पर्यावरण प्रदूषण कम होता है।

3. "देश के कुछ ही क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के खनिज केंद्रित हैं।" खनिजों के वितरण पैटर्न के माध्यम से इस कथन को सिद्ध कीजिए।

उत्तर:निम्नलिखित तीन प्रमुख खनिज पट्टियों का सीमांकन किया जा सकता है।

भारत के खनिज मुख्य रूप से तीन प्रमुख क्षेत्रों में केंद्रित हैं:

ए. उत्तर-पूर्वी पठारी क्षेत्र

a. छोटानागपुर (झारखंड), ओडिशा, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्से।
b. खनिज पदार्थ: लौह अयस्क, कोयला, मैंगनीज, बॉक्साइट, अभ्रक।

बी. दक्षिण-पश्चिमी पठार क्षेत्र

a. कर्नाटक, गोवा, तमिलनाडु के पहाड़ी क्षेत्र और केरल।
b. खनिज पदार्थ: उच्च श्रेणी का लौह अयस्क, मैंगनीज, चूना पत्थर और बॉक्साइट।
c. ****नेवेली: लिग्नाइट (भूरा कोयला) के लिए प्रसिद्ध।**
d. केरल: मोनाजाइट और थोरियम (परमाणु खनिज)।

सी. उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र

a. अरावली पर्वतमाला (राजस्थान) और गुजरात के कुछ हिस्से।
b. खनिज: तांबा और जस्ता (धारवार चट्टान प्रणाली)।

c. राजस्थान: भवन निर्माण के लिए उपयोग होने वाले पत्थर (बलुआ पत्थर, ग्रेनाइट, संगमरमर) और जिप्सम।

d. गुजरात: पेट्रोलियम (तेल) और नमक।

अन्य क्षेत्र:

a. ऊपरी ब्रह्मपुत्र घाटी पेट्रोलियम उत्पादन का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है।

b. हिमालयी क्षेत्र तांबा, सीसा, जस्ता, कोबाल्ट और टंगस्टन का प्रमुख स्रोत है।

4. "खनिजों का संरक्षण अन्य संसाधनों से अधिक महत्वपूर्ण है।" समझाइए।

उत्तर:

- खनिजों का संरक्षण करना महत्वपूर्ण है क्योंकि उद्योग और कृषि पूरी तरह से खनिजों पर निर्भर हैं।
- हम उन खनिज संसाधनों का तेजी से उपभोग कर रहे हैं जिन्हें नवीनीकृत होने में लाखों वर्ष लगते हैं।
- उपयोगी खनिज अपर्याप्त मात्रा में मौजूद हैं।
- अच्छी गुणवत्ता वाले खनिजों की कमी और उनके अत्यधिक गहराई से निकाले जाने के कारण, खनिज निष्कर्षण की लागत बढ़ रही है।
- आर्थिक और औद्योगिक विकास खनिजों पर निर्भर करता है।

5. भारत में खनिज संसाधनों के संरक्षण के लिए कोई पाँच उपाय सुझाइए और उनका स्पष्टीकरण कीजिए।

उत्तर:खनिज संसाधनों के संरक्षण के उपाय:

- **उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग:** अपशिष्ट को कम करने और निम्न श्रेणी के अयस्कों के कुशल उपयोग को संभव बनाने के लिए आधुनिक खनन विधियों को अपनाना।
- **धातुओं का पुनर्चक्रण:** नए खनन की मांग को कम करने के लिए स्क्रैप धातु (विशेष रूप से तांबा, सीसा और जस्ता) के उपयोग को बढ़ावा देना।
- **वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर रुख करना:** कोयले जैसे समाप्त हो चुके जीवाश्म ईंधनों के विकल्प के रूप में सौर और पवन जैसी नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करना।
- **विकल्प खोजना:** दुर्लभ खनिजों के स्थान पर वैकल्पिक सामग्री (जैसे प्लास्टिक या सिरेमिक) विकसित करना और उनकी खपत को कम करना।
- **निर्यात विनियमन:** रणनीतिक और दुर्लभ खनिजों के निर्यात को कम करना ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे लंबे समय तक घरेलू उपयोग के लिए उपलब्ध रहें।

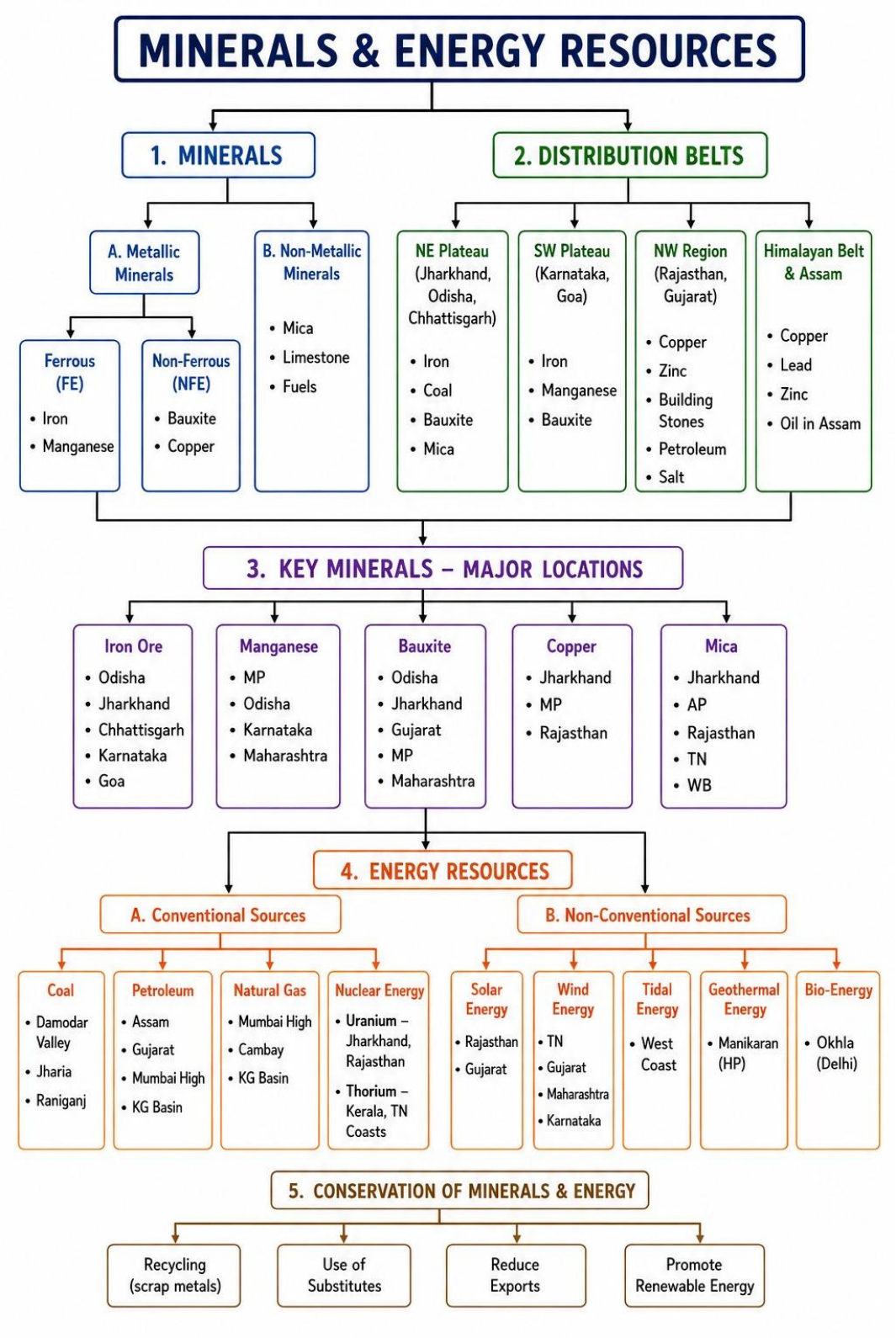

बहुविकल्पीय प्रश्न उत्तर 1. B 2. सी

अध्याय-06: भारतीय संदर्भ में योजना और सतत विकास

अध्याय का सारांश

- 1 जनवरी 2015 को योजना आयोग की जगह नीति आयोग का गठन किया गया।
- नीति आयोग की स्थापना भारत की आर्थिक नीति निर्माण में राज्यों को शामिल करने और केंद्र एवं राज्य सरकारों को रणनीतिक एवं तकनीकी सलाह प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है।
- सामान्यतः, योजना बनाने के दो दृष्टिकोण होते हैं, अर्थात् क्षेत्रीय योजना और प्रादेशिक योजना।

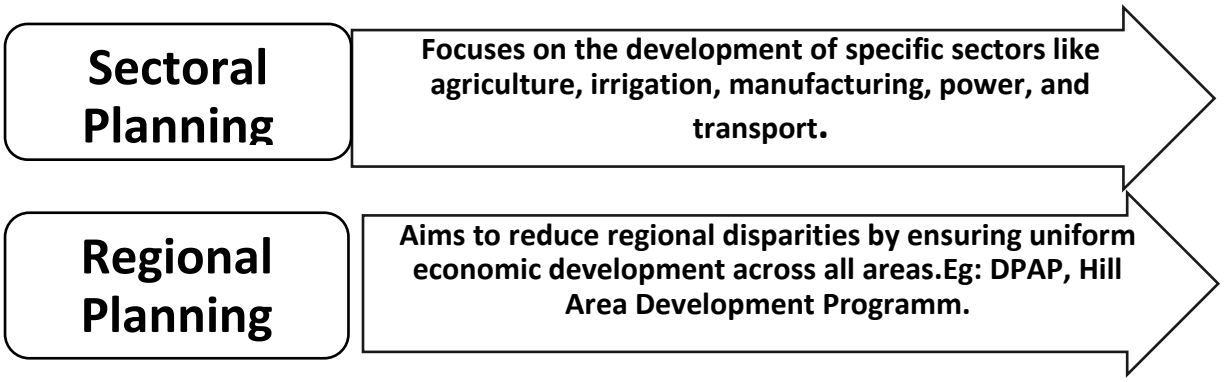

-

दृष्टिकोण	प्रमुख कार्यक्रम
लक्षित क्षेत्र	1. पहाड़ी क्षेत्र विकास 2. सूखाग्रस्त क्षेत्र 3. मरुस्थलीय विकास 4. कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम
लक्षित समूह	1. एसएफडीए (लघु किसान विकास एजेंसी) 2. एमएफडीए (सीमांत किसान विकास एजेंसी)

केस स्टडी: भरमौर क्षेत्र में आईटीडीपी

- स्थान: भरमौर और होली तहसील, चंबा जिला, हिमाचल प्रदेश।
- 21 नवंबर 1975 से अधिसूचित जनजातीय क्षेत्र।
- गद्दी आदिवासी समुदाय।
- गड्डियाली बोली ।
- परंपरागत रूप से पशुपालन के साथ मौसमी प्रवास (ट्रांसहयूमन्स) का करते हैं।
- चुनौतियाँ: कठोर जलवायु, नाजुक पर्यावरण, सीमित संसाधन और ऐतिहासिक अलगाव।

योजना रणनीति (आईटीडीपी)

- आरंभ वर्ष: 1970 का दशक (गद्दी समुदाय को 'अनुसूचित जनजाति' का दर्जा प्राप्त हुआ)।
- इसे पांचवीं पंचवर्षीय योजना (1974) के दौरान जनजातीय उप-योजना के अंतर्गत शुरू किया गया था।

- **<u>प्रमुख प्राथमिकताएँ:</u>**
  - अवसंरचना विकास: परिवहन, संचार और विद्युत।
  - बुनियादी जरूरतें: पीने योग्य पानी और स्वास्थ्य सेवा।
  - सामाजिक और सामुदायिक सेवाओं का विकास।

विकास योजना का प्रभाव

<u>ए. सामाजिक उपलब्धियाँ:</u>

गद्दी समाज के सामाजिक ताने-बाने में सबसे नाटकीय परिवर्तन देखने को मिले।

सूचक	**प्री-आईटीडीपी (1971)**	**आईटीडीपी के बाद (2011)**
महिला साक्षरता	1.88%	65%
लैंगिक असमानता	बहुत ऊँचा	काफी गिरावट आई
सामाजिक मुद्दे	उच्च बाल विवाह	बाल विवाह में गिरावट
स्वास्थ्य	खराब पहुंच	बेहतर स्वास्थ्य सेवा और लिंग अनुपात

<u>बी. आर्थिक उपलब्धियां (परिवर्तन)</u>

अर्थव्यवस्था विशुद्ध रूप से निर्वाह आधारित अर्थव्यवस्था से बदलकर अधिक आधुनिक मिश्रित अर्थव्यवस्था में परिवर्तित हो गई।

- दलहन और अन्य व्यावसायिक फसलों की खेती में वृद्धि।

निर्वाह खेती ⊕ नकदी फसलें

- पशुपालन में गिरावट

<u>सतत विकास</u>

जैसे-जैसे औद्योगिक विकास के कारण पर्यावरण को नुकसान पहुंचा, दुनिया को चेतावनी देने के लिए नए विचार सामने आए।

1. 1968: एर्लिच द्वारा लिखित 'द पॉपुलेशन बॉम्ब'।

2. 1972: मीडोज द्वारा लिखित 'विकास की सीमाएं'।

3. ब्रुंडलैंड आयोग:- संयुक्त राष्ट्र ने ग्रो हार्लेम ब्रुंडलैंड की अध्यक्षता में विश्व पर्यावरण और विकास आयोग (WCED) की स्थापना की।

रिपोर्ट का नाम: 'हमारा साझा भविष्य' (1987)।

"ऐसा विकास जो वर्तमान पीढ़ी की जरूरतों को पूरा करे, साथ ही भविष्य की पीढ़ियों की अपनी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता न करे।"

<u>केस स्टडी: इंदिरा गांधी नहर (नाहर) कमांड क्षेत्र</u>

पूर्व नाम: राजस्थान नहर।

परिकल्पना: कंवर सैन (1948)।

लॉन्च तिथि: 31 मार्च 1958।

उद्गम स्थल: हरिके बैराज, पंजाब।

स्थान: यह थार रेगिस्तान (मरुस्थली) में पाकिस्तान की सीमा के समानांतर स्थित है।

कुल लंबाई: 9,060 किमी।

जल प्रवाह की दो विधियाँ

यह नहर भूमि की ढलान के आधार पर दो अलग-अलग प्रणालियों का उपयोग करती है:

प्रणाली	**जगह**	**यह काम किस प्रकार करता है**
प्रवाह प्रणाली	दायाँ किनारा	पानी स्वाभाविक रूप से भूमि की ढलान के साथ बहता है।
लिफ्ट प्रणाली	बायाँ किनारा	ढलान के विपरीत दिशा में बहने के लिए पानी को यांत्रिक रूप से ऊपर उठाया जाता है।

निर्माण के चरण

इस परियोजना को दो अलग-अलग भौगोलिक और सामयिक चरणों में विभाजित किया गया था:

चरण- I

जिले: गंगानगर, हनुमानगढ़ और उत्तरी बीकानेर।

स्थलाकृति: हल्की लहरदार भूमि।

आरंभ: 1960 के दशक के आरंभ में।

चरण- II

जिले: बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, नागौर और चूरू।

स्थलाकृति: कठोर रेगिस्तान, रेत के टीले जो बदलते रहते हैं, तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक।

आरंभ: 1980 के दशक के मध्य में।

नहर का प्रभाव (परिवर्तन)

पानी की उपलब्धता ने थार रेगिस्तान की पारिस्थितिकी, अर्थव्यवस्था और समाज को पूरी तरह से बदल दिया।

ए. सकारात्मक प्रभाव (मरुस्थल को हरा-भरा बनाना)

पारिस्थितिक: मिट्टी में नमी में वृद्धि, व्यापक वनरोपण और चारागाहों का विकास।

भूवैज्ञानिक: पवन अपरदन में कमी और रेत के टीलों का स्थिरीकरण।

आर्थिक: कृषि और पशुधन उत्पादकता में भारी वृद्धि।

बी. कृषि में बदलाव (फसल परिवर्तन)

इस नहर ने किसानों द्वारा उगाई जाने वाली फसलों को बदल दिया:

पारंपरिक (पुराना): चना, बाजरा, ज्वार (सूखा प्रतिरोधी)।

आधुनिक (नया): गेहूं, कपास, मूंगफली, चावल (जल-गहन)।

सी. नकारात्मक प्रभाव (पर्यावरणीय लागत)

उचित जल निकासी के बिना गहन सिंचाई से "दोहरी समस्याएँ" उत्पन्न हो गई हैं:

जलभराव: मिट्टी में अत्यधिक पानी भर जाना।

मृदा लवणता: नमक का सतह पर आना, जिससे भूमि बंजर हो जाती है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन सा भारत में अपनाया गया बहुस्तरीय नियोजन दृष्टिकोण है?

ए. जिला नियोजन ख. ग्राम नियोजन

सी. ब्लॉक योजना **D। उपरोक्त सभी**

2. निम्नलिखित में से कौन सा भारत में एक सतत विकास परियोजना है?

ए. इंदिरा गांधी नहर कमांड क्षेत्र परियोजना

बी. हीराकुड बांध परियोजना

सी. जवाहर रोजगार योजना

डी. नर्मदा घाटी परियोजना

संक्षिप्त उत्तर प्रश्न (3 अंक)

1. "हमारे देश के कई क्षेत्र संसाधन संपन्न होने के बावजूद पिछड़े हुए हैं।" इस स्थिति से उबरने में किस प्रकार की नियोजन प्रक्रिया सहायक हो सकती है?

उत्तर।

- योजना आयोग ने क्षेत्रीय और सामाजिक असमानता को कम करने के लिए लक्षित क्षेत्र और लक्षित समूह दृष्टिकोण पेश किए हैं।
- इन दृष्टिकोणों में योजनाकार उन क्षेत्रों या समूहों का विशेष ध्यान रखते हैं जो आर्थिक रूप से पिछड़े रहे हैं।
- कमांड क्षेत्र विकास कार्यक्रम, मरुस्थल विकास कार्यक्रम और पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम लक्षित क्षेत्र कार्यक्रम में शामिल हैं।

2. 'लक्ष्य क्षेत्र नियोजन' का अर्थ और विकास के लिए इसकी आवश्यकता स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:यह दृष्टिकोण उन विशिष्ट क्षेत्रों के विकास पर केंद्रित है जो संसाधन संपन्न होने के बावजूद आर्थिक रूप से पिछड़े रहे हैं। यह क्षेत्रीय और सामाजिक असमानताओं के बढ़ते अंतर को कम करने के लिए विशेष योजनाएं शुरू करता है।

- **विकास की आवश्यकता:**
  - संसाधन विरोधाभास:संसाधन संपन्न क्षेत्र भी उचित प्रौद्योगिकी और निवेश के बिना पिछड़े रह सकते हैं।
  - असंतुलन को कम करना:समय के साथ क्षेत्रीय असंतुलन को और अधिक बढ़ने से रोकना आवश्यक है।
  - विशिष्ट चुनौतियाँ:सामान्य योजना में सूखाग्रस्त क्षेत्रों या पहाड़ी क्षेत्रों जैसी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा नहीं किया जा सकता है।

3. "इंदिरा गांधी नहर ने राजस्थान के कृषि विकास में योगदान दिया" समझाइए।

उत्तर:

- इस नहर ने बंजर रेगिस्तानी भूमि को उपजाऊ कृषि क्षेत्रों में बदल दिया है, जिससे गेहूं, कपास और सरसों जैसी फसलों की खेती संभव हो पाई है और खाद्य सुरक्षा तथा ग्रामीण आजीविका में सुधार हुआ है।
- एक पर्यावरणीय समस्या मिट्टी का लवणीकरण है, जो अत्यधिक सिंचाई और खराब जल निकासी के कारण होता है, जिससे समय के साथ मिट्टी की उर्वरता कम हो जाती है।
- जलभराव और खारेपन जैसी समस्याओं को उचित जल निकासी प्रणालियों, नियंत्रित सिंचाई तकनीकों और नमक-सहिष्णु फसलों के उपयोग के माध्यम से नियंत्रित किया जा सकता है।
- प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुसार योजना बनाने से पारिस्थितिक क्षति से बचने में मदद मिलती है, जल का सतत उपयोग सुनिश्चित होता है और भूमि की दीर्घकालिक उत्पादकता बनी रहती है।

<u>दीर्घ उत्तर प्रश्न (5 अंक)</u>

1. 'भारत में पर्वतीय क्षेत्रों के विकास कार्यक्रम उनकी स्थलाकृतिक, पारिस्थितिक, सामाजिक और आर्थिक स्थितियों को ध्यान में रखते हुए तैयार किए जाते हैं।' इस कथन को उपयुक्त व्याख्या के साथ समर्थन कीजिए।

उत्तर।

- इस कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य बागवानी, वृक्षारोपण कृषि, पशुपालन, मुर्गीपालन और वानिकी का विकास करना था।
- पहाड़ी क्षेत्रों के कार्यक्रम पांचवीं पंचवर्षीय योजना में शुरू किए गए थे।
- इस कार्यक्रम की सिफारिश पिछड़े क्षेत्रों के विकास संबंधी राष्ट्रीय समिति (1981) द्वारा की गई थी।
- इस कार्यक्रम में उत्तराखंड के सभी पहाड़ी जिले, असम की मिकिर पहाड़ी और उत्तरी कछार पहाड़ियां, पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग जिला और तमिलनाडु का नीलगिरी जिला शामिल हैं।

2. "इंदिरा गांधी नहर राजस्थान के रेगिस्तान की जीवनरेखा है"। इस नहर के कमांड क्षेत्र में हम सतत विकास के लक्ष्य को कैसे प्राप्त कर सकते हैं?

उत्तर: ये उपाय इस प्रकार हैं-

- जल प्रबंधन नीति का कड़ाई से पालन।
- अधिक जल खपत वाली फसलों के बजाय खट्टे फलों जैसी बागवानी फसलों को अपनाना।
- जल परिवहन में होने वाले नुकसान को कम करने के लिए - सी.डी.ए. (कमांड क्षेत्र विकास) कार्यक्रम, अर्थात् जलमार्गों की लाइनिंग; वारबंदी प्रणाली का समतलीकरण।
- जलभराव और मिट्टी की लवणता से प्रभावित क्षेत्र का पुनर्वास किया जाना चाहिए।
- वनरोपण, आश्रय पट्टी और वृक्षारोपण एवं चारागाह विकास के माध्यम से पर्यावरण विकास को बढ़ावा देना।
- भूमि की खेती के लिए वित्तीय और संस्थागत सहायता प्रदान करना।
- आर्थिक स्थिरता प्राप्त करने के लिए कृषि, पशुपालन और संबद्ध गतिविधियों के अलावा अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों को भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

PLANNING & SUSTAINABLE DEVELOPMENT – FLOWCHART

1. PLANNING APPROACHES

- **Sectoral Approach**
  - → Focus on specific sectors like agriculture, industry, transport, communication, energy, social services, etc.
- **Regional Approach**
  - → Focus on area-specific planning to reduce regional imbalances and promote balanced development.

2. TARGET AREA PROGRAMMES

- **Hill Area Development Programme**
  - → Horticulture, forestry, small-scale industries, animal husbandry, rural infrastructure.
- **Drought Prone Area Programme**
  - → Irrigation, watershed management, afforestation, soil conservation.
- **Desert Development Programme**
  - → Irrigation, shelterbelts, pasture development, road connectivity.
- **Command Area Development Programme**
  - → Efficient use of irrigation water, cropping pattern planning, soil & water conservation.
- **Target Groups**
  - → **SFDA** (Small Farmers Development Agency)
  - → **MFDA** (Marginal Farmers & Agricultural Labourers Development Agency)

3. CASE STUDY – BHARMAUR (H.P.)

- **Tribal Sub-Plan (1975)**
  - → Focus on overall development of tribal areas with special provisions.
  - → Investments in infrastructure, education, literacy, health, drinking water, and transportation.
- **Development Strategy**
  - → Shift from traditional pastoralism to sustainable livelihoods.
  - → Promotion of cash crops (potato, peas), horticulture and wage labour.

4. SUSTAINABLE DEVELOPMENT CONCEPT

- **Brundtland Report (1987)**
  - → Defines sustainable development as **"Development that meets the needs of the present without compromising the ability of future generations to meet their own needs."**
- **Key Points**
  - → Integrates ecological protection, social equity and economic growth.
  - → Ensures long-term well-being of both people and the environment.

5. CASE STUDY – INDIRA GANDHI CANAL PROJECT (RAJASTHAN)

A. BACKGROUND	B. POSITIVE IMPACTS	C. NEGATIVE IMPACTS	D. MEASURES FOR SUSTAINABILITY
→ One of the largest irrigation projects. → Transformed the desert ecology and agriculture of western Rajasthan.	• Greening of the desert. • Increase in agricultural production. • Crop diversification. • Growth of settlements and markets.	• Waterlogging of land. • Soil salinity and alkalinity. • Degradation of soil productivity. • Threat to natural ecosystem.	• Proper water management and drainage. • Adoption of non-intensive and suitable crops. • CAD (Command Area Development) programmes. • Reclamation of waterlogged and saline soils. • Afforestation and shelterbelts. • Crop diversification and soil conservation.

बहुविकल्पीय प्रश्न उत्तर 1. डी 2. ए

अध्याय-07: परिवहन और संचार

अध्याय का सारांश

परिवहन के साधन-

●स्थलीय परिवहन, जल परिवहन और हवाई परिवहन।

भूमि परिवहन

सड़क परिवहन-

●**1943 नागपुर योजना:**सड़क नियोजन का पहला गंभीर प्रयास (रियासतों और ब्रिटिश भारत के बीच समन्वय की कमी के कारण विफल रहा)।

●**1961 बीस वर्षीय सड़क योजना:**स्वतंत्रता के बाद सड़क की स्थिति में सुधार के लिए इसे लागू किया गया था।

निर्माण और रखरखाव के उद्देश्य से, सड़कों को निम्नलिखित प्रकार से वर्गीकृत किया गया है:-

1. राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच), 2. राज्य राजमार्ग (एसएच), 3. प्रमुख जिला सड़कें

4. ग्रामीण सड़कें 5. अन्य सड़कें (सीमावर्ती सड़कें)

- **राष्ट्रीय राजमार्ग-**

●इसका निर्माण और रखरखाव केंद्र सरकार द्वारा किया जाता है।

●**एनएचएआई :-**भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण – 1995

- सतही परिवहन मंत्रालय

- शीर्ष निकाय का उद्देश्य सड़कों की गुणवत्ता में सुधार करना है।

एनएचएआई की प्रमुख परियोजनाएं :-

1. स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना-

भारत की सबसे बड़ी राजमार्ग परियोजना, जो चार प्रमुख महानगरों को जोड़ती है-

दिल्ली (उत्तर), मुंबई (पश्चिम), चेन्नई (दक्षिण) और कोलकाता (पूर्व)।

उच्च गुणवत्ता वाली 4/6 लेन की सड़कें।

2. उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम गलियारे

उत्तर-दक्षिण गलियारा:

श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर)✇कन्याकुमारी (तमिलनाडु)।

इसमें कोच्चि को सलेम से जोड़ने वाली एक शाखा भी शामिल है।

पूर्व-पश्चिम गलियारा:

सिलचर (असम)✇पोरबंदर (गुजरात)।

राज्य राजमार्ग-

●इसका निर्माण और रखरखाव राज्य सरकार द्वारा किया जाता है।

जिला सड़कें-

●जिला मुख्यालय को जिले के अन्य कस्बों से जोड़ें।

ग्रामीण सड़कें-

●ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ता है, पीएमजीएसवाई (प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना)

●सड़क की कुल लंबाई का 80% हिस्सा इसी के अंतर्गत आता है।

●भूभाग और जलवायु के कारण सड़क घनत्व में क्षेत्रीय भिन्नता पाई जाती है।

अन्य सड़कें- सीमावर्ती सड़कें और अंतर्राष्ट्रीय राजमार्ग-

●**सीमा सड़क संगठन**(BRO) की शुरुआत 1960 में हुई थी।

●उत्तरी और उत्तर-पूर्वी सीमा के साथ रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़कों में तेजी से और समन्वित सुधार के माध्यम से रक्षा तैयारियों को मजबूत करना।

●उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ हटाने का काम।

●सबसे ऊँचा मार्ग मनाली-लेह को 4270 मीटर की ऊंचाई पर जोड़ता है।

●अटल सुरंग :- इसका निर्माण बीआरओ, मनाली द्वारा लाहौल-स्पीति घाटी के लिए किया गया था।

●बारामूला (भारत) और मुजफ्फराबाद (पाकिस्तान) के बीच अमन सेतु

रेल परिवहन-

●पहली रेलवे लाइन 1853 में बॉम्बे और ठाणे (34 किमी) के बीच शुरू हुई थी।

●यह 67,956 किमी (2019-20) की लंबाई के साथ सबसे बड़ा सरकारी उपक्रम है।

●भारतीय रेल को 17 रेल-मंडलों में विभाजित किया गया है।

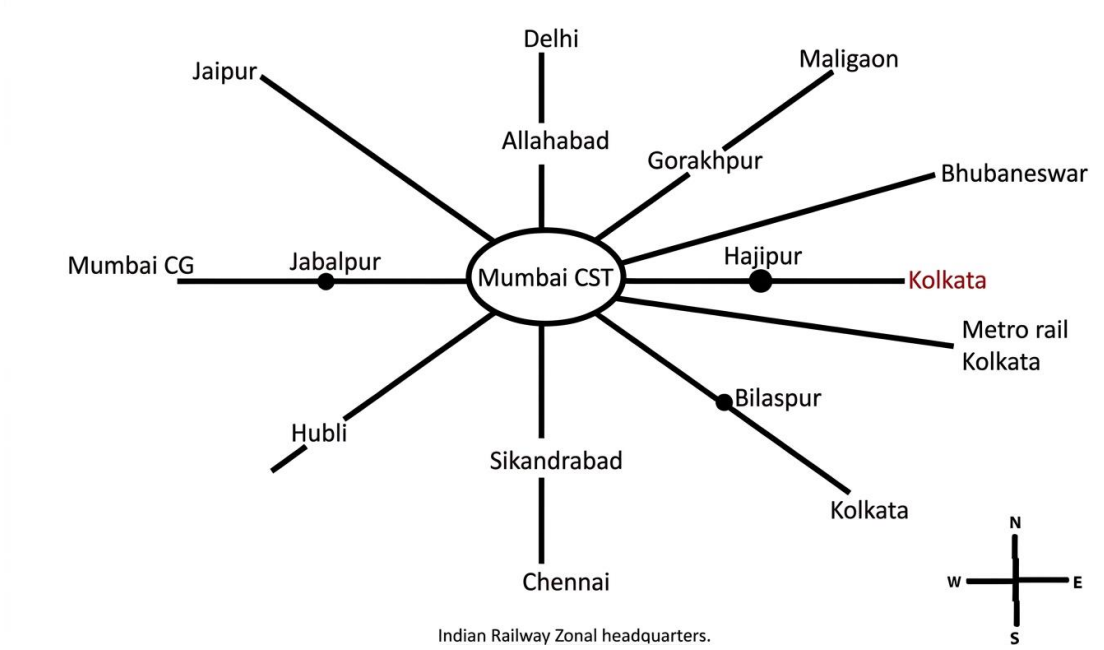

आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी

●मीटर और नैरो गेज को ब्रॉड गेज में परिवर्तित करना।

●कोयले से चलने वाले भाप इंजनों की जगह डीजल और इलेक्ट्रिक इंजनों ने ले ली है।

●इस बदलाव से रेलवे स्टेशनों पर प्रदूषण कम होने के साथ-साथ गति और माल ढुलाई क्षमता में वृद्धि हुई है।

शहरी परिवहन और पर्यावरण

●**मेट्रो रेल**:इसने शहरी यात्रा में क्रांति ला दी है और प्रदूषण नियंत्रण में मदद की है।

●मेट्रो और सीएनजी से चलने वाले वाहनों के संयोजन से शहरी केंद्रों में वायु प्रदूषण में काफी कमी आई है।

कोंकण रेलवे-

●टर्मिनल स्टेशन - रोहा (महाराष्ट्र) से मैंगलोर (कर्नाटक)

●राज्य- महाराष्ट्र, गोवा और कर्नाटक।

**पहाड़ी राज्यों, उत्तर पूर्वी राज्यों, मध्य भारत और राजस्थान में रेलवे नेटवर्क अपेक्षाकृत कम सघन है।

<u>जल परिवहन-</u>

●यह परिवहन का सबसे सस्ता साधन है और भारी एवं बड़े आकार की सामग्री को ले जाने के लिए सबसे उपयुक्त है।

●यह ईंधन की बचत करने वाला और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का साधन है।

अ.अंतर्देशीय जलमार्ग-इसमें नदियाँ, नहरें, पश्च जल, छोटी नदियाँ आदि शामिल हैं।

अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की स्थापना 1986 में हुई थी।

केरल के पश्च जल (कयाल) नेहरू ट्रॉफी बोट रेस (वल्लमकाली) के लिए प्रसिद्ध हैं।

ब.समुद्री मार्ग-इसका उपयोग द्वीपों और देश के शेष हिस्सों के बीच अंतरराष्ट्रीय व्यापार और परिवहन के लिए किया जाता है।

राष्ट्रीय जलमार्ग	मार्ग / खंड	प्रमुख नदियाँ / नहरें	शामिल राज्य
1	प्रयागराज – हल्दिया	गंगा	उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल
2	सादिया – धुबरी	ब्रह्मपुत्र	असम
3	कोट्टापुरम – कोल्लम	पश्चिमी तट, चंपकारा और उद्योगमंडल नहरें	केरल
4	काकीनाडा – पुडुचेरी	गोदावरी, कृष्णा और उससे जुड़ी नहरें	आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और महाराष्ट्र
5	तालचर – धामरा	ब्राह्मणी, मटाई, महानदी डेल्टा और ईसी नहर	ओडिशा और पश्चिम बंगाल

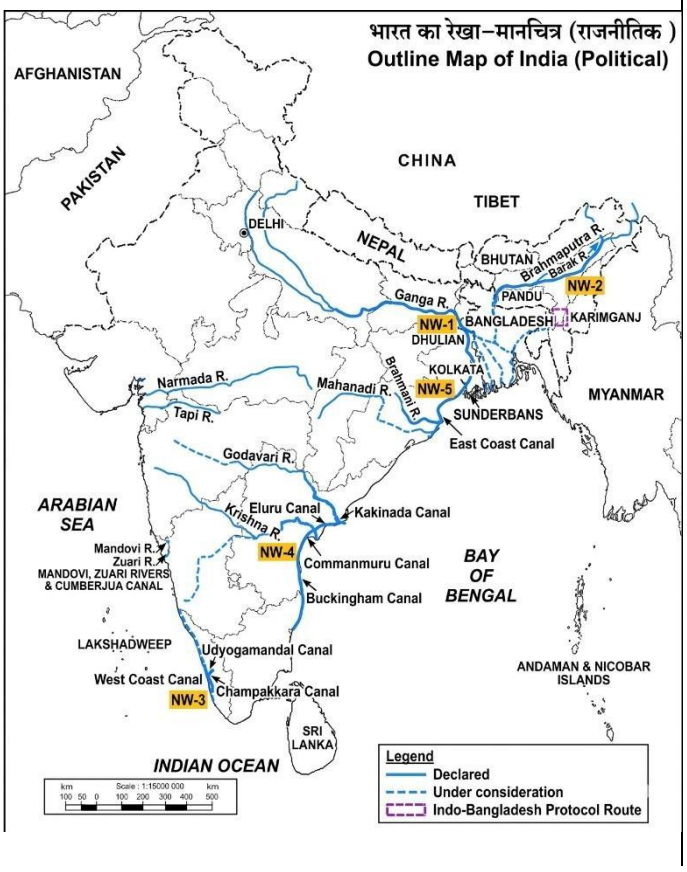

<u>वायु परिवहन-</u>

●इलाहाबाद और नैनी (10 किमी) के बीच हवाई परिवहन 1911 में शुरू हुआ।

●पवन हंस पहाड़ी क्षेत्रों में संचालित होने वाली हेलीकॉप्टर सेवा है।

तेल और गैस पाइपलाइन:-

●पाइपलाइन लंबी दूरी तक तरल पदार्थों और गैसों के परिवहन का सबसे सुविधाजनक और कुशल माध्यम है।

●ठोस पदार्थों को भी घोल में परिवर्तित करके पाइपलाइनों के माध्यम से परिवहन किया जा सकता है।

●ऑयल इंडिया लिमिटेड (OIL) की स्थापना 1959 में हुई थी।

●एशिया की पहली 1,157 किलोमीटर लंबी क्रॉस-कंट्री पाइपलाइन का निर्माण OIL द्वारा असम के नाहरकटिया तेल क्षेत्र से बिहार के बरौनी रिफाइनरी तक किया गया था।

●प्राकृतिक गैस के परिवहन, प्रसंस्करण और विपणन के लिए गेल (इंडिया) लिमिटेड की स्थापना 1984 में की गई थी।

●लगभग 1,700 किलोमीटर लंबी हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर (एचवीजे) पाइपलाइन ने प्रमुख गैस क्षेत्रों को उर्वरक, बिजली और औद्योगिक केंद्रों से जोड़ा।

संचार-

●**व्यक्तिगत संचार**

●**जनसंचार प्रणाली-**

- **रेडियो**ऑल इंडिया रेडियो की शुरुआत भारत में 1923 में बॉम्बे रेडियो क्लब द्वारा की गई थी।☺आकाशवाणी रेडियो।
- **टेलीविजन (टीवी)** इसकी शुरुआत 1959 में केवल दिल्ली में हुई थी। 1972 के बाद अन्य शहरों में, 1976 में, टीवी को ऑल इंडिया रेडियो (AIR) से अलग कर दिया गया और इसे दूरदर्शन (DD) के रूप में एक अलग पहचान मिली।

●उपग्रह संचार का उपयोग मौसम पूर्वानुमान, प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी, सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी और दूरसंचार आदि के लिए किया जा सकता है।

भारत की उपग्रह प्रणालियाँ

भारत हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केंद्र (एनआरएससी) के माध्यम से प्रबंधित दो प्रमुख उपग्रह प्रणालियों का संचालन करता है।

प्रणाली	स्थापित	प्राथमिक उद्देश्य
INSAT (भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह प्रणाली)	1983	बहुउद्देशीय: दूरसंचार, मौसम विज्ञान और डेटा कार्यक्रम।
आईआरएस (भारतीय रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट सिस्टम)	1988 (IRS-1A)	प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन; स्पेक्ट्रल बैंड में डेटा एकत्र करता है।

●**प्रक्षेपण क्षमता: भारत ने इन उपग्रहों को तैनात करने के लिए अपना खुद का पीएसएलवी (पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल) विकसित किया है।**

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन सा उत्तर भारतीय रेलवे का मुख्यालय है?

ए. मुंबई बी. कोलकाता

सी. नई दिल्ली डी. चेन्नई

2.माल ढुलाई के लिहाज से भारत का सबसे बड़ा बंदरगाह निम्नलिखित में से कौन सा है?

ए. मुंबई बंदरगाह बी. कांडला बंदरगाह

सी. चेन्नई बंदरगाह डी. कोलकाता बंदरगाह

संक्षिप्त उत्तर प्रश्न (3 अंक)

4. पहाड़ी, पठारी और वन क्षेत्रों में ग्रामीण सड़कों का घनत्व कम क्यों है? समझाइए।

- पहाड़ी, पठारी और वन क्षेत्रों में अक्सर चुनौतीपूर्ण भूभाग होता है, जिसमें खड़ी ढलानें, असमान सतहें और पथरीले इलाके शामिल होते हैं, जिससे सड़कों का निर्माण और रखरखाव करना मुश्किल हो जाता है।

- पहाड़ी, पठारी और वन क्षेत्रों के ग्रामीण इलाकों में अक्सर जनसंख्या घनत्व कम होता है, जिससे सड़कों के निर्माण के लिए आवश्यक निवेश को उचित ठहराना मुश्किल हो जाता है।
- पहाड़ी, पठारी और वन क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का अभाव।
- पहाड़ी, पठारी और वन क्षेत्रों में निर्माण लागत अपेक्षाकृत अधिक होती है।

5. "बेहतर हवाई संपर्क भारत में क्षेत्रीय विकास में सहायक होता है।" उड़ान योजना के संदर्भ में इस कथन की चर्चा कीजिए।

- UDAN वैश्विक स्तर पर अपनी तरह की पहली योजना है, जिसे क्षेत्रीय विमानन बाजार को शुरू करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इस योजना की परिकल्पना भारत सरकार के उड्डयन मंत्रालय द्वारा की गई थी।
- आम नागरिक के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाकर क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देना।
- एयरलाइंस को क्षेत्रीय और दूरस्थ मार्गों पर उड़ानें संचालित करने के लिए प्रोत्साहित करना।

दीर्घ उत्तर प्रश्न (5 अंक)

6. "भारत में पाइपलाइन परिवहन का सबसे सुविधाजनक और कुशल साधन है।" उदाहरणों सहित इस कथन की जाँच कीजिए।

- पाइपलाइन लंबी दूरी तक तरल पदार्थों और गैसों के परिवहन का सबसे सुविधाजनक और कुशल साधन है।
- ठोस पदार्थों को भी घोल में परिवर्तित करके पाइपलाइनों के माध्यम से परिवहन किया जा सकता है।
- GAIL (भारत) द्वारा निर्मित पहली 1,700 किलोमीटर लंबी हजीरा-विजयपुर जगदीशपुर (HVJ) क्रॉस कंट्री गैस पाइपलाइन ने मुंबई हाई और बसेन गैस क्षेत्रों को विभिन्न उर्वरक, बिजली और औद्योगिक परिसरों से जोड़ा।
- यह तंत्र भारतीय गैस बाजार के विकास को गति प्रदान करती है।
- एशिया की पहली क्रॉस-कंट्री पाइपलाइन, जिसकी दूरी लगभग 1157 किलोमीटर है, का निर्माण OIL द्वारा असम के नाहरकटिया तेल क्षेत्र से बिहार के बरौनी रिफाइनरी तक किया गया था।

7. भारतीय रेलवे राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के विकास में किस प्रकार योगदान दे रहा है? उदाहरण सहित समझाइए।

●भारतीय रेलवे नेटवर्क दुनिया के सबसे लंबे रेलवे नेटवर्कों में से एक है।

●यह माल और यात्रियों दोनों की आवाजाही को सुगम बनाता है।

●मेट्रो रेल ने कोलकाता और दिल्ली की शहरी परिवहन व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है।

●संसाधनों के दोहन के लिए शहरों, कच्चे माल उत्पादन क्षेत्रों और पहाड़ी क्षेत्रों के आसपास रेलवे का विकास किया गया है।

●रेलगाड़ी आम जनता के लिए परिवहन का मुख्य साधन बनी रह सकती है।

8. भारत में जल परिवहन अंतरराष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस कथन का विश्लेषण कीजिए।

<u>जल परिवहन का महत्व-</u>

●सभी परिवहन साधनों में सबसे सस्ता।

●मार्ग निर्माण की आवश्यकता नहीं है।

●ईंधन की बचत करने वाला और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का साधन।

●इसका उपयोग मुख्य रूप से देशों के बीच माल परिवहन के लिए किया जाता है।

●भारत का 95% (मात्रा के हिसाब से) और 70% (मूल्य के हिसाब से) विदेशी व्यापार जलमार्गों के माध्यम से होता है।

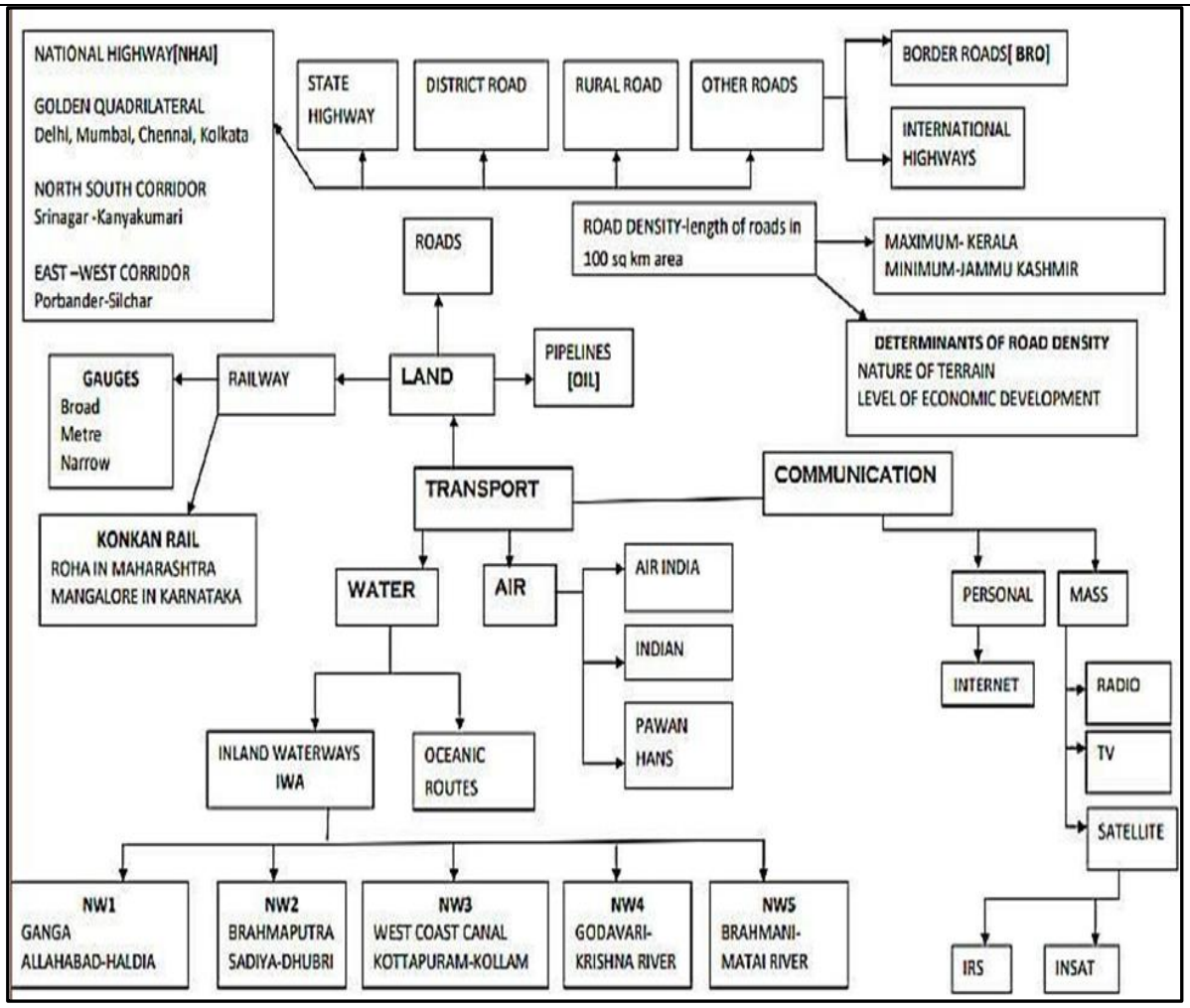

बहुविकल्पीय प्रश्न उत्तर 1. C 2. बी

अध्याय-08: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

मानचित्र कार्य

प्रमुख समुद्री बंदरगाह: कांडला, मुंबई, मर्मगाओ, कोच्चि, मैंगलोर, तूतीकोरिन, चेन्नई, विशाखापत्तनम, पाराद्वीप, हल्दिया

अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे: अहमदाबाद, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, गुवाहाटी, दिल्ली, अमृतसर, तिरुवनंतपुरम और हैदराबाद।

अध्याय का सारांश

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में परिवर्तन-

- भारत के विदेशी व्यापार का स्वरूप समय के साथ बदलता रहा है।
- विदेशी व्यापार में मात्रात्मक वृद्धि हुई है, लेकिन आयात का मूल्य निर्यात से अधिक है।
- व्यापार घाटे में वृद्धि।
- इसका प्रमुख कारण पेट्रोलियम की कीमतों में वृद्धि है।

भारत के निर्यात की संरचना में बदलाव का स्वरूप-

- कृषि और संबद्ध उत्पादों का हिस्सा घट गया है।
- पेट्रोलियम की हिस्सेदारी बढ़ गई है।
- अयस्क-खनिजों और निर्मित वस्तुओं का हिस्सा काफी हद तक स्थिर रहा है।
- भारत की शोधन क्षमता में वृद्धि भी पेट्रोलियम आयात के लिए जिम्मेदार है।
- पारंपरिक वस्तुओं की कीमतों में गिरावट का कारण कड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा है।
- कॉफी, मसालों, दालों और चाय के निर्यात में गिरावट आई है।

भारतीय समुद्री बंदरगाह-

वृहत् बंदरगाह:-केंद्र सरकार नीतियां बनाती है और नियामक कार्यों का निष्पादन करती है।

लघु बंदरगाह;-राज्य सरकारें नीतियों और परिचालन कार्यों को विनियमित करती हैं।

** पाकिस्तान और बांग्लादेश के विभाजन पश्चात् कराची और चटगांव जैसे महत्वपूर्ण बंदरगाहों को खोने की भरपाई के लिए, भारत ने पश्चिम में कांडला और पूर्व में हुगली नदी पर डायमंड हार्बर जैसे नए बंदरगाहों का रणनीतिक रूप से विकास किया।

दीनदयाल बंदरगाह (कंडला बंदरगाह)

- कच्छ की खाड़ी में स्थित, इसका विकास मुंबई बंदरगाह पर दबाव कम करने के लिए किया गया था।
- पेट्रोलियम के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध हैं।

मुंबई बंदरगाह-

- भारत का सबसे बड़ा तेल टर्मिनल और सबसे बड़ा प्राकृतिक बंदरगाह मुंबई में स्थित है। इसे भारत का प्रवेश द्वार भी कहा जाता है।

न्हावा शेवा स्थित जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह

- इसे एक अनुषांगिक बंदरगाह के रूप में विकसित किया गया था; यह भारत का सबसे बड़ा कंटेनर बंदरगाह है।

मार्मागाओ बंदरगाह-

●यह गोवा में स्थित एक प्राकृतिक बंदरगाह है; जिसका उपयोग जापान को लौह अयस्क के निर्यात को संभालने के लिए किया जाता है।

न्यू मंगलौर बंदरगाह-

●यह कर्नाटक में स्थित है।

कोच्चि बंदरगाह-

●इसे अरब सागर की रानी के नाम से जाना जाता है। यह वेम्बनाड कयाल के शीर्ष पर स्थित है।

कोलकाता बंदरगाह-

●यह हुगली नदी पर स्थित है, जो बंगाल की खाड़ी से 128 किलोमीटर दूर है।

हल्दिया बंदरगाह-

●यह कोलकाता से 105 किलोमीटर नीचे की ओर स्थित है और इसका निर्माण कोलकाता बंदरगाह पर भीड़भाड़ को कम करने के लिए किया गया था।

पाराद्वीप बंदरगाह-

●ओडिशा के कटक से लगभग 100 किलोमीटर दूर स्थित यह सबसे गहरा बंदरगाह है।

विशाखापत्तनम बंदरगाह-

●यह बंदरगाह आंध्र प्रदेश में स्थित है और यह एक भू-आबद्ध बंदरगाह है।

चेन्नई बंदरगाह-

●यह तमिलनाडु में निर्मित सबसे पुराने कृत्रिम बंदरगाहों में से एक है।

एनोर पोर्ट-

●यह तमिलनाडु में हाल ही में विकसित किया गया एक बंदरगाह है।

तूतीकोरिन बंदरगाह-

●इसे चेन्नई बंदरगाह पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए विकसित किया गया था।

वायु परिवहन-

●अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में हवाई परिवहन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

●देश में 25 प्रमुख हवाई अड्डे कार्यरत थे (वार्षिक रिपोर्ट 2016-17)।

●UDAN योजना के तहत, 9 हेलीपोर्ट और 2 वाटर एयरड्रोम सहित कुल 73 ऐसे हवाई अड्डों को चालू किया गया है जहां हवाई सेवाएं उपलब्ध नहीं थीं या कम उपलब्ध थीं।

<u>बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)</u>

1. निम्नलिखित में से कौन सा जोड़ा सही ढंग से मेल नहीं खाता है?

सूची- 1	सूची-2
ए. हुगली नदी	डायमंड हार्बर
बी. बांग्लादेश	सड़क मार्ग से व्यापार
सी. यूएसए	प्रमुख व्यापारिक भागीदार
डी. अफ्रीका	सबसे बड़ा आयात महाद्वीप

2. सूची I को सूची II से मिलाएँ और दिए गए विकल्पों की सहायता से सही उत्तर चुनें।

बंदरगाहों	स्थान/प्रकार
आई. कांडला बंदरगाह	ए. भूमि से घिरा बंदरगाह
II. मुंबई बंदरगाह	बी. प्राकृतिक बंदरगाह
III. विशाखापत्तनम बंदरगाह	सी. सबसे पुराना बंदरगाह
IV. चेन्नई बंदरगाह	घ. कच्छ की खाड़ी के शीर्ष पर

कोड:

	मैं	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ
एक।	डी	बी	ए	सी
बी।	ए	बी	सी	डी
सी।	बी	ए	डी	सी
डी।	सी	डी	बी	ए

3. अभिकथन (ए):अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को किसी देश की आर्थिक स्थिति का सूचक माना जाता है।

कारण (आर):अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में देशों के बीच अधिशेष वस्तुओं और सेवाओं का आदान-प्रदान शामिल होता है।

ए. ए और आर दोनों सत्य हैं, और आर, ए की सही व्याख्या है।

बी. ए और आर दोनों सत्य हैं, लेकिन आर, ए की सही व्याख्या नहीं है।

C. A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

डी. ए गलत है, लेकिन आर सही है।

<u>संक्षिप्त उत्तर प्रश्न (3 अंक)</u>

1. "भारत ने हाल के दशकों में अपने व्यापारिक साझेदारों और निर्यात वस्तुओं में विविधता लाई है।" इस विविधता से देश के अंतरराष्ट्रीय व्यापार को क्या लाभ होता है?

- व्यापारिक साझेदारों और निर्यात वस्तुओं में विविधता लाने से भारत की कुछ ही देशों या वस्तुओं पर निर्भरता कम हो जाती है।
- इससे व्यापार अधिक स्थिर होता है और वैश्विक बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रति कम संवेदनशील होता है।
- इससे आर्थिक लचीलापन बढ़ता है और भारत को उभरते बाजारों और उद्योगों में प्रवेश करने में मदद मिलती है।

2.भारत अपने विदेशी व्यापार का एक बड़ा हिस्सा समुद्री बंदरगाहों के माध्यम से संचालित करता है। स्पष्ट कीजिए कि समुद्री बंदरगाहों के विकास और आधुनिकीकरण से वैश्विक व्यापार में भारत की भूमिका को कैसे बढ़ाया जा सकता है?

- मात्रा के हिसाब से भारत के समुद्री बंदरगाह देश के विदेशी व्यापार का लगभग 95% हिस्सा संभालते हैं।
- इन पहलों के तहत बेहतर माल प्रबंधन, डिजिटल सिस्टम और बेहतर कनेक्टिविटी के साथ बंदरगाहों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है।
- समुद्री बंदरगाह भीतरी इलाकों से वस्तुओं के संग्रहण केंद्र के रूप में कार्य करते हैं, जिन्हें आगे विदेशी गंतव्यों तक भेजा जाता है।
- बंदरगाह भारत में आने वाले विदेशी सामानों और खेपों के प्राप्ति केंद्र हैं, जहां से इन्हें देश के आंतरिक भागों में वितरित किया जाता है।

<u>दीर्घ उत्तर प्रश्न (5 अंक)</u>

1. "पिछले कुछ दशकों में भारत के आयात पैटर्न में महत्वपूर्ण बदलाव आया है।" भारत के आयात के पीछे के कारणों का विश्लेषण कीजिए।

- पहले आयात में अनाज, पूंजीगत सामान और मशीनरी शामिल थे।
- आयात निर्यात से अधिक होने के कारण भुगतान संतुलन प्रतिकूल रहा।
- 1970 के दशक के बाद, हरित क्रांति की सफलता के कारण खाद्यान्न का आयात बंद कर दिया गया था।
- खाद्यान्न के आयात को उर्वरकों और पेट्रोलियम के आयात से प्रतिस्थापित किया गया।
- ईंधन और उद्योगों में बढ़ते उपयोग के कारण पेट्रोलियम उत्पादों के आयात में वृद्धि हुई है।
- पूंजीगत वस्तुओं और संबद्ध उत्पादों के आयात में लगातार गिरावट जारी रही।

2.भारत कच्चे तेल और इलेक्ट्रॉनिक सामान के लिए आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। आयात पर निर्भरता कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

- विकास दर को बनाए रखते हुए कच्चे तेल और इलेक्ट्रॉनिक सामान के आयात पर भारत की निर्भरता को कम करना।
- इसके लिए घरेलू क्षमता निर्माण, तकनीकी प्रगति, नीतिगत समर्थन और टिकाऊ प्रथाओं के रणनीतिक मिश्रण की आवश्यकता है।
- नवीकरणीय ऊर्जा अवसंरचना का विस्तार करके नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा दें।
- घरेलू तेल उत्पादन बढ़ाएं। घरेलू विनिर्माण क्षमताओं का विकास करें।
- इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पर केंद्रित विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) का विकास करके और इलेक्ट्रॉनिक क्लस्टर बनाकर इलेक्ट्रॉनिक्स पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करें।
- डंपिंग-विरोधी उपाय अपनाकर: जैसे कि घरेलू विकल्पों को प्रोत्साहित करने के लिए कम लागत वाले आयातित इलेक्ट्रॉनिक्स पर डंपिंग-विरोधी शुल्क लागू करना।

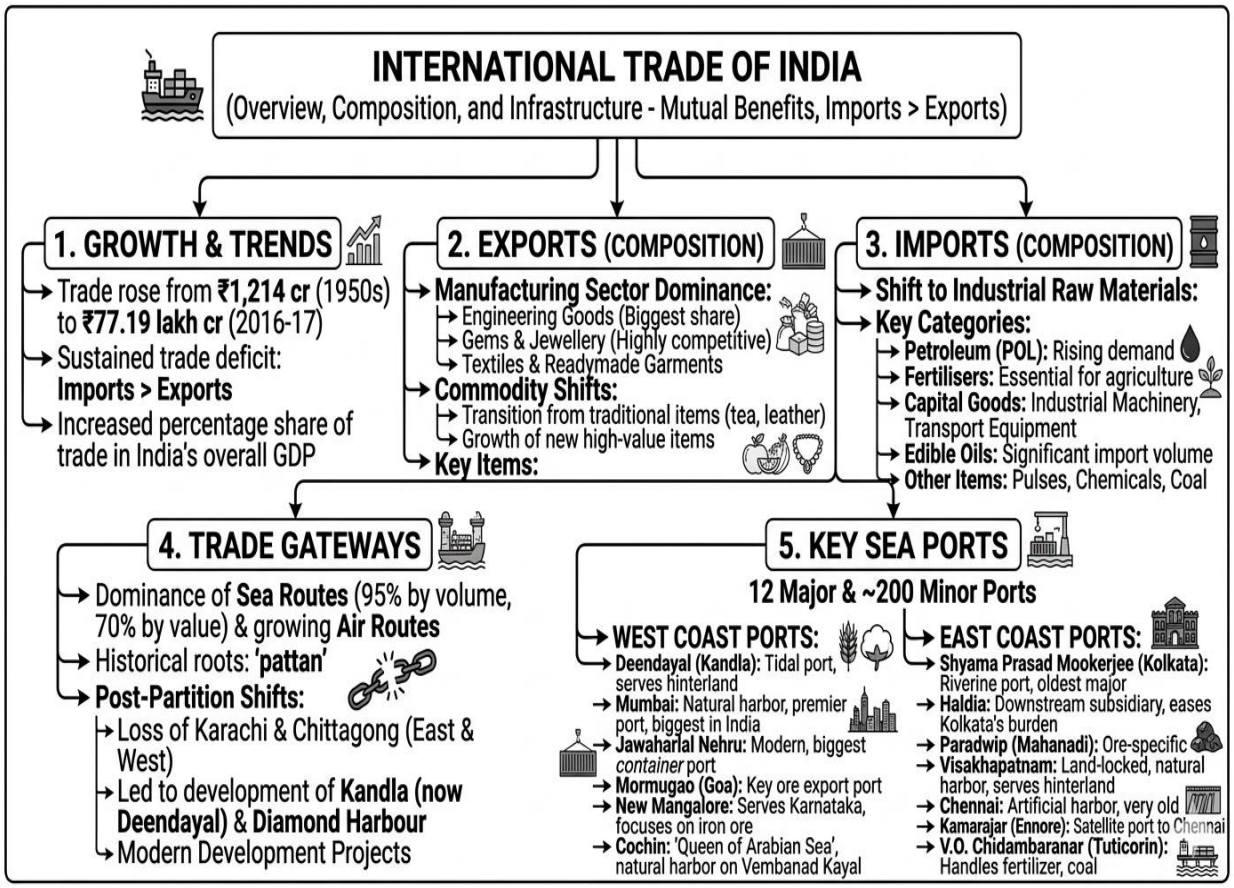

<u>बहुविकल्पीय प्रश्न</u> उत्तर 1. डी 2. ए 3. ए

अध्याय-09: भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे और समस्याएँ

अध्याय का सारांश

पर्यावरण प्रदूषण-पर्यावरण प्रदूषण का अर्थ है पर्यावरण में बाहरी और संभावित रूप से हानिकारक तत्वों का प्रवेश।

प्रदूषण के प्रकार-(i) वायु प्रदूषण, (ii) जल प्रदूषण, (iii) भूमि प्रदूषण और (iv) ध्वनि प्रदूषण।

जल प्रदूषण-जल प्रदूषण का अर्थ है जल स्रोतों में प्रदूषकों का प्रवेश, जिससे उसकी गुणवत्ता में गिरावट आती है।

जल प्रदूषण के प्रभाव-जल प्रदूषण विभिन्न जलजनित रोगों का स्रोत है। दूषित जल से होने वाले सामान्य रोगों में दस्त, आंतों के कृमि, हेपेटाइटिस आदि शामिल हैं।

वायु प्रदूषण-

- वायु प्रदूषण को धूल, धुआं, गैस, कोहरा, गंध, धुआं या वाष्प जैसे प्रदूषकों के वायु में मिलने के रूप में परिभाषित किया जाता है। जीवाश्म ईंधन का दहन, खनन और उद्योग वायु प्रदूषण के मुख्य स्रोत हैं।
- वायु प्रदूषण श्वसन, तंत्रिका और परिसंचरण तंत्र से संबंधित विभिन्न बीमारियों का कारण बनता है।
- शहरों के ऊपर छाए धुंध भरे कोहरे को शहरी स्मॉग कहा जाता है, जो वायुमंडलीय प्रदूषण के कारण होता है।

ध्वनि प्रदूषण-

- ध्वनि प्रदूषण से तात्पर्य उस असहनीय और असुविधाजनक स्थिति से है जो विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न शोर के कारण होती है - कारखाने, मशीनीकृत निर्माण और विध्वंस कार्य, वाहन, विमान, सायरन, विभिन्न त्योहारों में उपयोग किए जाने वाले लाउडस्पीकर आदि।
- स्थिर शोर के स्तर को डेसिबल (dB) में मापा जाता है।

शहरी अपशिष्ट निपटान-

- ठोस कचरे से तात्पर्य विभिन्न प्रकार की पुरानी और इस्तेमाल की हुई वस्तुओं से है - धातु के छोटे टुकड़े, टूटे हुए कांच के बर्तन, प्लास्टिक के डिब्बे, पॉलीथीन बैग, राख, फ्लॉपी डिस्क, सीडी आदि, जिन्हें अलग-अलग स्थानों पर फेंक दिया जाता है।
- शहरी अपशिष्ट का निपटान दो स्रोतों से किया जाता है: (i) घरेलू या गृहस्थ प्रतिष्ठान, और (ii) औद्योगिक या वाणिज्यिक प्रतिष्ठान।
- मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु आदि जैसे महानगरों में लगभग 90 प्रतिशत ठोस कचरा एकत्र करके उसका निपटान किया जाता है।

भू-निम्नीकरण-

- भूमि का क्षरण भूमि की उत्पादक क्षमता में अस्थायी या स्थायी गिरावट के रूप में हो सकता है।
- अन्य प्रकार की भी खराब भूमि होती है, जैसे जलभराव वाली और दलदली भूमि, लवणता और क्षारीयता से प्रभावित भूमि।
- स्वच्छ भारत मिशन भारत सरकार द्वारा शहरी झुग्गी-झोपड़ियों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए शुरू किए गए शहरी नवीकरण मिशन का एक हिस्सा है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

1. अभिकथन:नदियों में औद्योगिक अपशिष्ट डालने से जल प्रदूषण होता है।

कारण:शहरी केंद्रों और उसके आसपास औद्योगिक इकाइयों के संकेंद्रण से औद्योगिक कचरे के निपटान की समस्या उत्पन्न नहीं होती है।

ए. अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।

बी. अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।

सी. कथन सत्य है, कारण असत्य है।

डी. कथन असत्य है, कारण सत्य है।

2. अभिकथन:कृषि भूमि पर दबाव बढ़ गया है।

कारण:यह केवल सीमित उपलब्धता के कारण ही नहीं बल्कि कृषि भूमि की गुणवत्ता में गिरावट के कारण भी है।

ए. अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।

बी. अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।

सी. कथन सत्य है, कारण असत्य है।

डी. कथन असत्य है, कारण सत्य है।

3.निम्नलिखित में से कौन सा पर्यावरण प्रदूषण का प्रमुख कारण है?

ए. मानवीय गतिविधियों के अपशिष्ट उत्पादों से पदार्थों और ऊर्जा के निकलने से।

बी. पौधों द्वारा पदार्थों और ऊर्जा के उत्सर्जन से।

सी. जानवरों द्वारा पदार्थ और ऊर्जा के उत्सर्जन से

D। उपरोक्त सभी

9. भारत में सभी सतही जल स्रोत मानव उपभोग के लिए उपयुक्त हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें।

ए.सत्य बी. असत्य सी. आंशिक रूप से सत्य डी. आंशिक रूप से गलत

5. अभिकथन:ठोस कचरे से होने वाला पर्यावरणीय प्रदूषण अब एक गंभीर समस्या बन गया है।

कारण:विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न होने वाले कचरे की मात्रा में भारी वृद्धि इसके लिए जिम्मेदार है।

ए. अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।

बी. अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।

सी. कथन सत्य है, कारण असत्य है।

डी. कथन असत्य है, कारण सत्य है।

6.रोग से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. दूषित पानी के सेवन से होने वाली सामान्य बीमारियाँ दस्त, आंतों में कीड़े, हेपेटाइटिस आदि हैं।

2. वायु प्रदूषण श्वसन, तंत्रिका और परिसंचरण तंत्र से संबंधित विभिन्न बीमारियों का कारण बनता है।

इसके लिए सही विकल्प चुनें-

ए. केवल 1 सही है बी. 1 और 2 दोनों सही हैं

सी. केवल 2 सही है डी. दोनों ही गलत हैं

संक्षिप्त उत्तर प्रश्न (3 अंक)

1. "भारत में ध्वनि प्रदूषण एक बढ़ती हुई शहरी समस्या है"। ध्वनि प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों का मूल्यांकन कीजिए।

उत्तर:ध्वनि प्रदूषण के मुख्य स्रोत निम्नलिखित हैं-

●विभिन्न कारखाने, मशीनीकृत निर्माण और विध्वंस कार्य।

●वाहन और विमान।

●विभिन्न उत्सवों के कार्यक्रमों में इस्तेमाल होने वाले सायरन और लाउडस्पीकरों का शोर।

●यातायात से उत्पन्न शोर।

2. झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों के बच्चे स्कूली शिक्षा से वंचित क्यों रहते हैं?

उत्तर:इसके प्रमुख कारणों में गरीबी, संसाधनों की कमी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सीमित पहुंच, बाल श्रम, पारिवारिक सहयोग का अभाव, भेदभाव और सामाजिक बहिष्कार, जागरूकता की कमी, सांस्कृतिक प्रथाएं, विकलांगता आदि शामिल हैं।

दीर्घ उत्तर प्रश्न (5 अंक)

1.भारत के शहरी क्षेत्रों में आमतौर पर अत्यधिक भीड़भाड़ और तेजी से बढ़ती आबादी के लिए अपर्याप्त सुविधाएं पाई जाती हैं। इस कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।

उत्तर:

●शहरी क्षेत्रों की जनसंख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है, जिससे सभी सुविधाओं पर भारी दबाव पड़ रहा है।

●बढ़ती जनसंख्या की जरूरतों को पूरा करने के लिए सुविधाएं पर्याप्त नहीं हैं।

●खराब स्वच्छता और प्रदूषित हवा।

●भारी मात्रा में अपशिष्ट उत्पन्न होता है और अपशिष्ट प्रबंधन की कोई उचित व्यवस्था नहीं है।

●जनसंख्या की अनियंत्रित वृद्धि के परिणामस्वरूप झुग्गी-झोपड़ियों का निर्माण हुआ है।

●भीड़भाड़ वाली संकरी गलियों में सुविधाएं उपलब्ध कराना मुश्किल है।

●शहरी क्षेत्रों में और उसके आसपास स्थित औद्योगिक इकाइयां पर्यावरण को और खराब करती हैं।

2."बढ़ती जनसंख्या और औद्योगिक विस्तार के कारण पानी के अंधाधुंध उपयोग से पानी की गुणवत्ता में काफी गिरावट आई है।" इस कथन का मूल्यांकन कीजिए।

उत्तर:

●बढ़ती जनसंख्या और औद्योगिक विस्तार जल प्रदूषण के लिए जिम्मेदार हैं।

●घरेलू और सीवेज अपशिष्ट जल का उपचार नहीं किया जाता है।

●खेती में उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से जल प्रदूषण होता है।

●सांस्कृतिक गतिविधियाँ: मेले, पर्यटन, तीर्थयात्रा आदि।

●उद्योगों द्वारा कई ऐसे अवांछित पदार्थ उत्पन्न होते हैं जो जल को प्रदूषित करते हैं।

●रासायनिक अवशेष और विषाक्त पदार्थ जल को प्रदूषित करते हैं।

3."झुग्गी-झोपड़ियाँ तीव्र शहरीकरण का परिणाम हैं, लेकिन ये सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को भी दर्शाती हैं।" इस कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।

उत्तर:झुग्गी-झोपड़ियाँ सबसे निम्न स्तर के आवासीय क्षेत्र हैं जहाँ अमानवीय जीवन परिस्थितियाँ, जर्जर मकान, खराब वेंटिलेशन और बुनियादी सुविधाओं का अभाव होता है।

निम्नलिखित समस्याएँ हैं-

- अधिकांश घर पुराने हैं और उनकी देखभाल ठीक से नहीं की जाती है।
- यहां स्वच्छता की खराब स्थिति, खराब वेंटिलेशन और बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।
- खुले में शौच, अनियमित जल निकासी व्यवस्था और भीड़भाड़ वाली संकरी गलियाँ आदि।
- झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाली अधिकांश आबादी शहरी अर्थव्यवस्था के कम वेतन वाले, उच्च जोखिम वाले और असंगठित क्षेत्रों में काम करती है।
- गरीबी के कारण अधिकांश आबादी कुपोषण का शिकार है और विभिन्न प्रकार की बीमारियों और अस्वस्थता की चपेट में आ जाती है।
- गरीबी उन्हें मादक पदार्थों के सेवन, शराबखोरी, अपराध, तोड़फोड़, पलायनवाद, उदासीनता और अंततः सामाजिक बहिष्कार के प्रति संवेदनशील बनाती है।

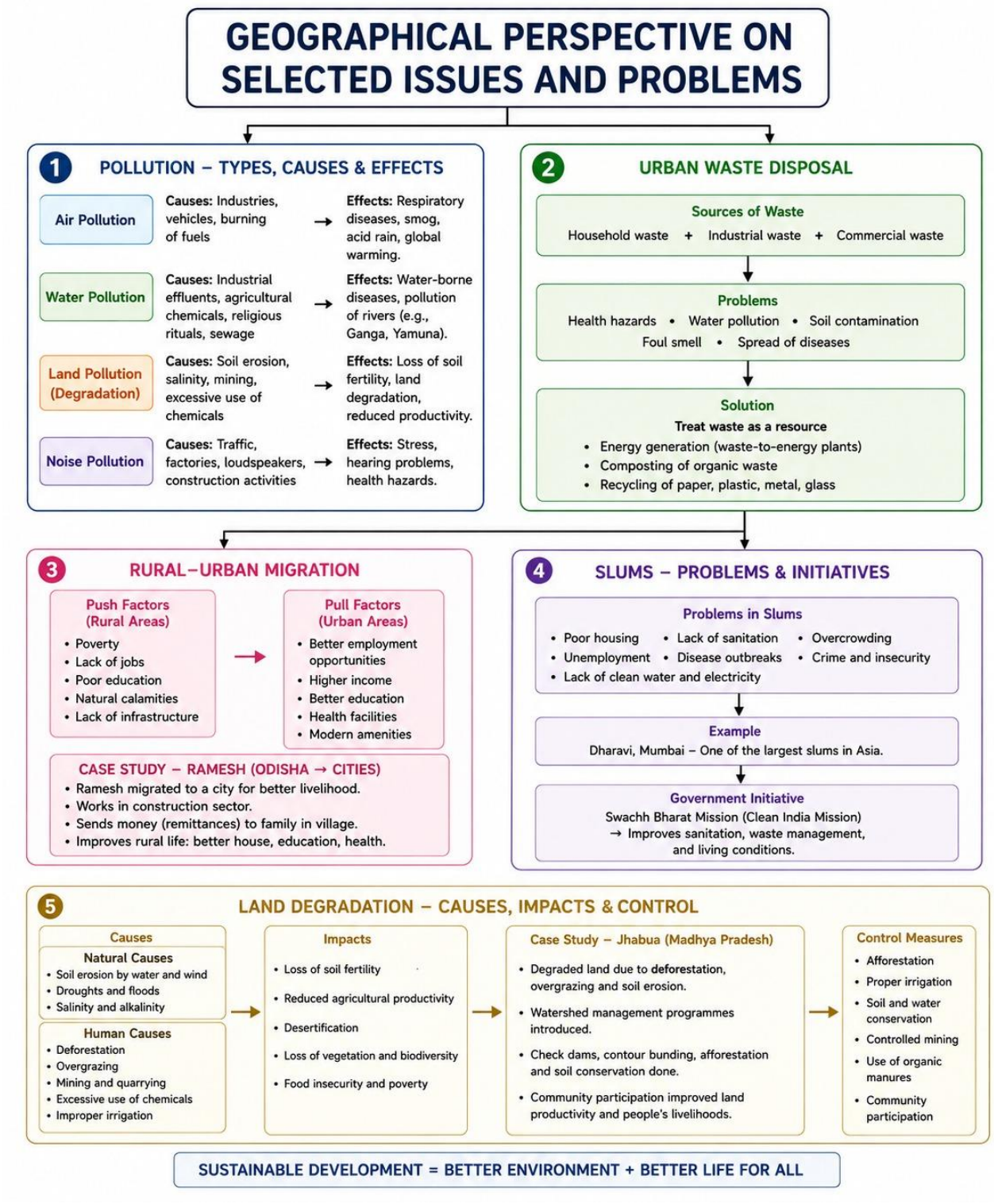

बहुविकल्पीय प्रश्न उत्तर 1. C 2. ए 3. ए 4. बी 5. एक 6.बी

योग्यता आधारित प्रश्न

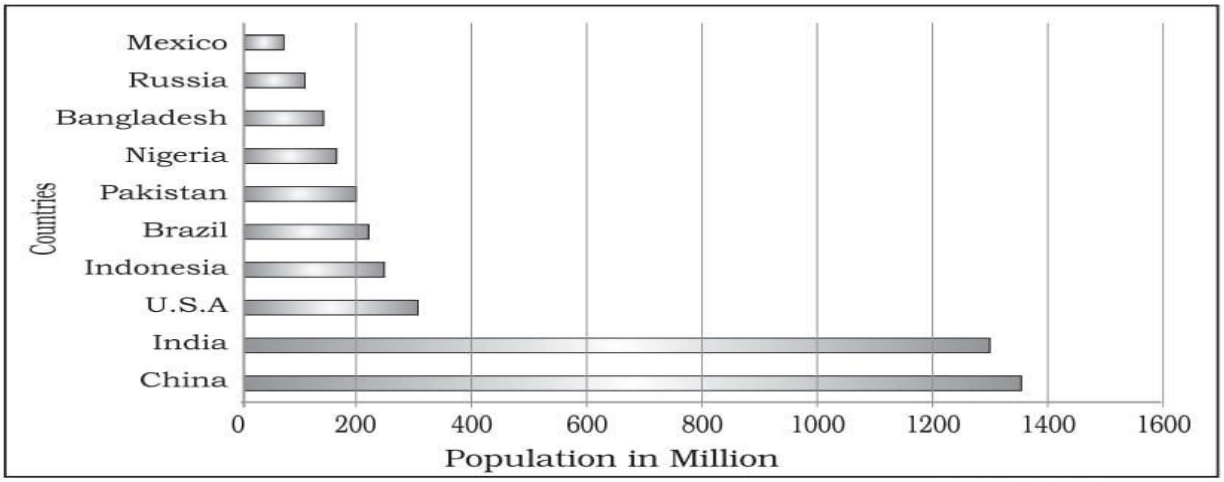

प्रश्न 1.1. ब्राजील और पाकिस्तान की संयुक्त जनसंख्या का अनुमान लगाइए।

उत्तर:ब्राजील की जनसंख्या लगभग 22 करोड़ और पाकिस्तान की जनसंख्या लगभग 20 करोड़ है। दोनों की संयुक्त जनसंख्या लगभग 42 करोड़ है।

प्रश्न 1.2: "भारत की जनसंख्या अमेरिका की जनसंख्या से लगभग चार गुना है।" क्या यह कथन सही है? अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिए।

उत्तर:जी हाँ, यह कथन लगभग सही है। भारत की जनसंख्या लगभग 1250 मिलियन है और अमेरिका की जनसंख्या लगभग 300 मिलियन है। 1250 ÷ 300 ≈ 4

प्रश्न 1.3. अत्यधिक जनसंख्या वाले देशों द्वारा सामना की जाने वाली किन्हीं दो प्रमुख समस्याओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर:1. प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव

2. बेरोजगारी और आवास संबंधी समस्याएं

प्रश्न 1.4. यदि भारत की जनसंख्या में 10 करोड़ की वृद्धि हो जाए, तो क्या वह चीन से आगे निकल जाएगा? कारण बताइए।

उत्तर:जी हाँ। भारत की जनसंख्या लगभग 1250 मिलियन है। 100 मिलियन की वृद्धि के बाद, यह लगभग 1350 मिलियन हो जाएगी, जो चीन की जनसंख्या के बराबर या उससे थोड़ी अधिक होगी।

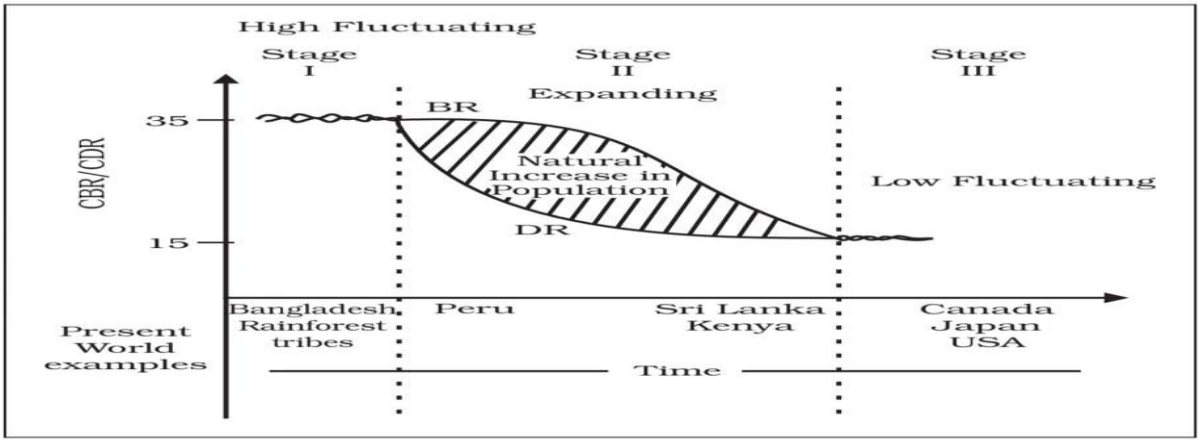

प्रश्न 2.1. जनसंख्या में प्राकृतिक वृद्धि किस अवस्था में अधिकतम होती है?

उत्तर:जनसंख्या में प्राकृतिक वृद्धि द्वितीय चरण के दौरान अधिकतम हो जाती है।

प्रश्न 2.2. कनाडा, जापान और अमेरिका जैसे देशों को किस चरण में रखा गया है, इसकी पहचान कीजिए। इस चरण की एक विशेषता बताइए।

उत्तर:कनाडा, जापान और अमेरिका को तीसरे चरण में रखा गया है। इस चरण की एक विशेषता कम जन्म दर और कम मृत्यु दर है, जिसके परिणामस्वरूप जनसंख्या वृद्धि स्थिर रहती है।

प्रश्न 2.3. जनसांख्यिकीय संक्रमण मॉडल का कौन सा चरण उच्च जन्म दर और उच्च मृत्यु दर दर्शाता है?

उत्तर:पहले चरण में जन्म दर और मृत्यु दर दोनों ही अधिक होती हैं।

प्रश्न 2.4. प्रथम चरण को "उच्च उतार-चढ़ाव वाला चरण" क्यों कहा जाता है?

उत्तर:पहले चरण को "उच्च उतार-चढ़ाव वाला चरण" कहा जाता है क्योंकि जन्म दर और मृत्यु दर दोनों ही बहुत अधिक रहती हैं और इनमें बार-बार उतार-चढ़ाव होता रहता है, जिसके परिणामस्वरूप जनसंख्या वृद्धि धीमी होती है।

Table 1.1 : Decadal Growth Rates in India, 1901-2011

Census Years	Total Population	Growth Rate*	
		Absolute Number	% of Growth
1901	238396327	----------	----------
1911	252093390	(+) 13697063	(+) 5.75
1921	251321213	(–) 772117	(–) 0.31
1931	278977238	(+) 27656025	(+) 11.60
1941	318660580	(+) 39683342	(+) 14.22
1951	361088090	(+) 42420485	(+) 13.31
1961	439234771	(+) 77682873	(+) 21.51
1971	548159652	(+) 108924881	(+) 24.80
1981	683329097	(+) 135169445	(+) 24.66
1991	846302688	(+) 162973591	(+) 23.85
2001	1028610328	(+) 182307640	(+) 21.54
2011**	1210193422	(+) 181583094	(+) 17.64

* Decadal growth rate: $g = \frac{p_2 - p_1}{p_1} 100$

where p_1 = population of the base year

p_2 = population of the present year

** Source : Census of India, 2011(Provisional)

प्रश्न 3.1. भारत के जनसांख्यिकीय इतिहास में वर्ष 1921 को "महान विभाजन का वर्ष" क्यों कहा जाता है?

उत्तर:वर्ष 1921 को "महान विभाजन का वर्ष" कहा जाता है क्योंकि यह एकमात्र ऐसा वर्ष था जिसमें भारत में जनसंख्या वृद्धि दर नकारात्मक रही। 1921 के बाद, जनसंख्या में लगातार वृद्धि होने लगी।

प्रश्न 3.2. भारत ने किस दशक में उच्चतम दशकीय विकास दर (%) दर्ज की?

उत्तर:भारत ने 1961-1971 के दौरान उच्चतम दशकीय विकास दर दर्ज की, जो 24.80% थी।

प्रश्न 3.3. किस दशक में जनसंख्या में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई?

उत्तर:1991-2001 के दशक में जनसंख्या में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें 182307640 लोगों की वृद्धि हुई।

प्रश्न 3.4. 1991 के बाद घटती विकास दर भारत की जनसंख्या प्रवृत्ति के बारे में क्या संकेत देती है?

उत्तर:1991 के बाद घटती विकास दर यह दर्शाती है कि साक्षरता, जागरूकता और परिवार नियोजन उपायों में वृद्धि के कारण भारत में जनसंख्या वृद्धि धीमी हो रही है।

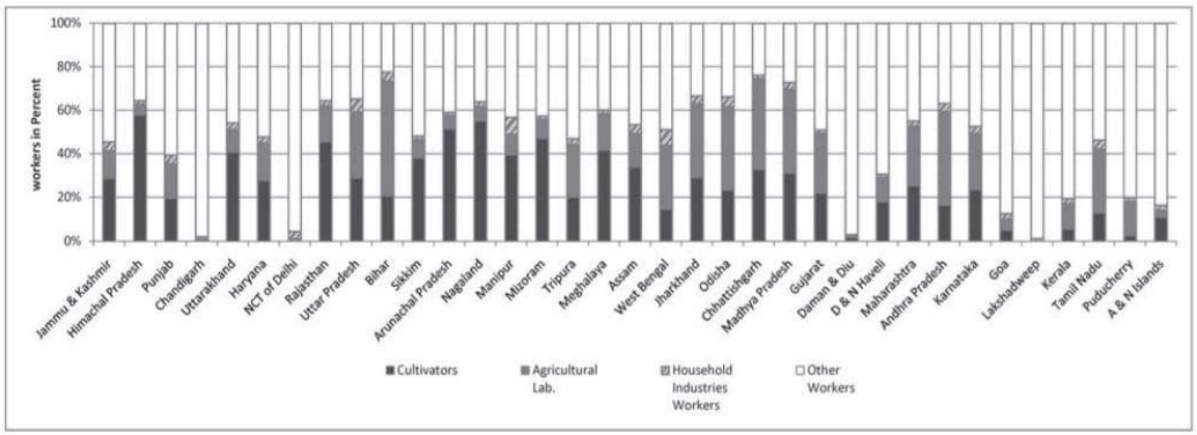

प्रश्न 4.1. ग्राफ में दर्शाए गए अधिकांश भारतीय राज्यों में श्रमिकों की कौन सी श्रेणी का प्रतिशत सबसे अधिक है?

उत्तर:भारत के अधिकांश राज्यों में "अन्य कामगार" श्रेणी का प्रतिशत सबसे अधिक है।

प्रश्न 4.2. किन राज्यों में किसानों का प्रतिशत बहुत अधिक है?

उत्तर:बिहार, अरुणाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में खेती करने वालों का प्रतिशत बहुत अधिक है।

प्रश्न 4.3. कृषि श्रमिकों का उच्च प्रतिशत किसी राज्य की अर्थव्यवस्था के बारे में क्या दर्शाता है?

उत्तर:कृषि श्रमिकों का उच्च प्रतिशत कृषि पर निर्भरता, निम्न औद्योगिक विकास और अन्य क्षेत्रों में सीमित रोजगार अवसरों को दर्शाता है।

प्रश्न 4.4. ग्राफ में दर्शाई गई श्रमिक श्रेणियों की पहचान कीजिए।

उत्तर:ग्राफ में श्रमिकों की चार श्रेणियां दिखाई गई हैं:

1. किसान
2. कृषि मजदूर
3. घरेलू उद्योग के श्रमिक
4. अन्य कार्यकर्ता

प्रश्न 4.5. ग्राफ के अनुसार, अधिकांश राज्यों में श्रमिक वर्ग की कौन सी श्रेणी आम तौर पर सबसे कम होती है?

उत्तर:अधिकांश राज्यों में घरेलू उद्योग श्रमिकों का प्रतिशत सबसे कम है।

Religious Group	2011	
	Population (in million)	% of Total
Hindus	966.3	79.8
Muslims	172.2	14.2
Christians	27.8	2.3
Sikhs	20.8	1.7
Buddhists	8.4	0.7
Jains	4.5	0.4
Other Religions and Persuasions (ORP)	7.9	0.7
Religion Not Stated	2.9	0.2

प्रश्न 5.1 दिए गए आंकड़ों के अनुसार, जैन धर्म मानने वालों और 'धर्म का उल्लेख नहीं किया गया' लोगों की जनसंख्या के बीच सटीक अंतर (मिलियन में) क्या है?

(ए) 1.6 मिलियन

(बी) 20 लाख

(सी) 7.4 मिलियन

(डी) 4.3 मिलियन

उत्तर: (A) 1.6 मिलियन

प्रश्न 5.2 अभिकथन (ए): 2011 में जैनों की जनसंख्या सिखों की जनसंख्या के आधे से कम थी।

कारण (आर): तालिका के अनुसार, सिखों की जनसंख्या 20.8 मिलियन और जैनियों की जनसंख्या 4.5 मिलियन थी।

सही विकल्प चुनें:

(ए)(A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R) (A) की सही व्याख्या है।

(बी)(A) और (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(सी)(A) सत्य है लेकिन (R) असत्य है।

(डी)(A) असत्य है लेकिन (R) सत्य है।

उत्तर: (A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R) (A) की सही व्याख्या है।

प्रश्न 5.3 ईसाइयों और सिखों की संयुक्त जनसंख्या प्रतिशत क्या है?

उत्तर:4.0% (2.3% + 1.7% के रूप में गणना की गई)।

प्रश्न 5.4 तालिका के अनुसार किस अल्पसंख्यक धार्मिक समूह की जनसंख्या सबसे अधिक है?

उत्तर:मुसलमान (जिनकी आबादी 172.2 मिलियन है)।

प्रश्न 5.5 सूचीबद्ध सभी श्रेणियों में से किस श्रेणी में जनसंख्या प्रतिशत सबसे कम दर्ज किया गया?

उत्तर:धर्म का उल्लेख नहीं किया गया (0.2% के साथ)।

Categories	Population			
	Persons	% to total Workers	Male	Female
Primary	26,30,22,473	54.6	16,54,47,075	9,75,75,398
Secondary	1,83,36,307	3.8	97,75,635	85,60,672
Tertiary	20,03,84,531	41.6	15,66,43,220	4,37,41,311

प्रश्न 6.1 दी गई तालिका के अनुसार, 2011 में भारत के किस आर्थिक क्षेत्र में कुल कार्यबल का उच्चतम प्रतिशत कार्यरत था?

(ए) द्वितीयक क्षेत्र

(बी) तृतीयक क्षेत्र

(सी) प्राथमिक क्षेत्र

(डी) प्राथमिक और तृतीयक दोनों समान रूप से

उत्तर:(सी) प्राथमिक क्षेत्र

प्रश्न 6.2 तीनों क्षेत्रों में लिंग वितरण को देखते हुए, निम्नलिखित में से कौन सा कथन पूरी तरह से सही है?

(ए) द्वितीयक क्षेत्र में महिला श्रमिकों की संख्या पुरुष श्रमिकों से अधिक है।

(B) हर क्षेत्र में पुरुष श्रमिकों की संख्या महिला श्रमिकों से अधिक है।

(सी) तृतीयक क्षेत्र में महिला श्रमिकों की कुल संख्या सबसे अधिक है।

(डी) प्राथमिक क्षेत्र में पुरुष श्रमिकों की कुल संख्या सबसे कम है।

उत्तर:(B) हर क्षेत्र में पुरुष श्रमिकों की संख्या महिला श्रमिकों से अधिक है।

प्रश्न 6.3 तालिका के आधार पर उस क्षेत्र की पहचान करें जिसमें पुरुष और महिला कार्यबल की भागीदारी के बीच सबसे तीव्र संख्यात्मक अंतर है।

उत्तर:तृतीयक क्षेत्र में सबसे बड़ा अंतर देखने को मिलता है। पुरुष कार्यबल की संख्या 15,66,43,220 है जबकि महिला कार्यबल की संख्या केवल 4,37,41,311 है, जो 11.29 करोड़ (112.9 मिलियन) से अधिक श्रमिकों का अंतर दर्शाता है।

प्रश्न 6.4. दिए गए आंकड़ों का उपयोग करके तीनों क्षेत्रों में संयुक्त रूप से महिला श्रमिकों की कुल संख्या की गणना करें।

उत्तर:कुल महिला श्रमिक = महिला (प्राथमिक) + महिला (माध्यमिक) + महिला (तृतीयक)

कुल योग = 9,75,75,398 + 85,60,672 + 4,37,41,311 = 14,98,77,381

सभी श्रेणियों को मिलाकर कुल महिला कार्यबल 14,98,77,381 (लगभग 14.99 करोड़) है।

Year	Number of Towns/UAs	Urban Population (in Thousands)	% of Total Population	Decennial Growth (%)
1901	1,827	25,851.9	10.84	—
1911	1,815	25,941.6	10.29	0.35
1921	1,949	28,086.2	11.18	8.27
1931	2,072	33,456.0	11.99	19.12
1941	2,250	44,153.3	13.86	31.97
1951	2,843	62,443.7	17.29	41.42
1961	2,365	78,936.6	17.97	26.41
1971	2,590	1,09,114	19.91	38.23
1981	3,378	1,59,463	23.34	46.14
1991	4,689	2,17,611	25.71	36.47
2001	5,161	2,85,355	27.78	31.13
2011*	6,171	3,77,000	31.16	31.08

प्रश्न 7.1 किस विशिष्ट जनगणना वर्ष में भारत की शहरी जनसंख्या की दशकीय वृद्धि (%) तालिका में दर्ज उच्चतम मूल्य पर पहुंची?

(ए) 2011

(बी) 1981

(सी) 1951

(डी) 1941

उत्तर:(बी) 1981

प्रश्न 7.2 "कुल जनसंख्या का %" स्तंभ में दर्शाए गए रुझान के आधार पर, 1901 और 2011 के बीच भारत की ग्रामीण जनसंख्या हिस्सेदारी के बारे में तार्किक रूप से क्या निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

(ए) ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत लगातार बढ़ता रहा।

(B) ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत लगभग 50% पर पूरी तरह स्थिर रहा।

(सी) शहरीकरण के विस्तार के साथ ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत सामान्यतः कम हो गया।

(D) वर्ष 2011 तक ग्रामीण जनसंख्या बिल्कुल शून्य हो गई।

उत्तर:(सी) शहरीकरण के विस्तार के साथ ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत सामान्यतः कम हो गया।

प्रश्न 7.3 आंकड़ों के अनुसार, उस दशक की पहचान कीजिए जिसमें सबसे कम सकारात्मक दशकीय वृद्धि दर देखी गई, और उसका मान बताइए।

उत्तर:सबसे कम सकारात्मक दशकीय वृद्धि दर 1901-1911 के दशक में दर्ज की गई (वर्ष 1911 के अंतर्गत), जिसमें न्यूनतम वृद्धि मूल्य 0.35% था।

प्रश्न 7.4. वर्ष 1901 और वर्ष 2011 में शहरी कस्बों/यू.ए. की कुल संख्या की तुलना करें और सटीक संख्यात्मक वृद्धि की गणना करें।

उत्तर: वर्ष 2011 में शहरों की संख्या = 6,171

1901 में शहरों की संख्या = 1,827

संख्यात्मक वृद्धि:6,171 - 1,827 = 4,344 कस्बे/यूए।

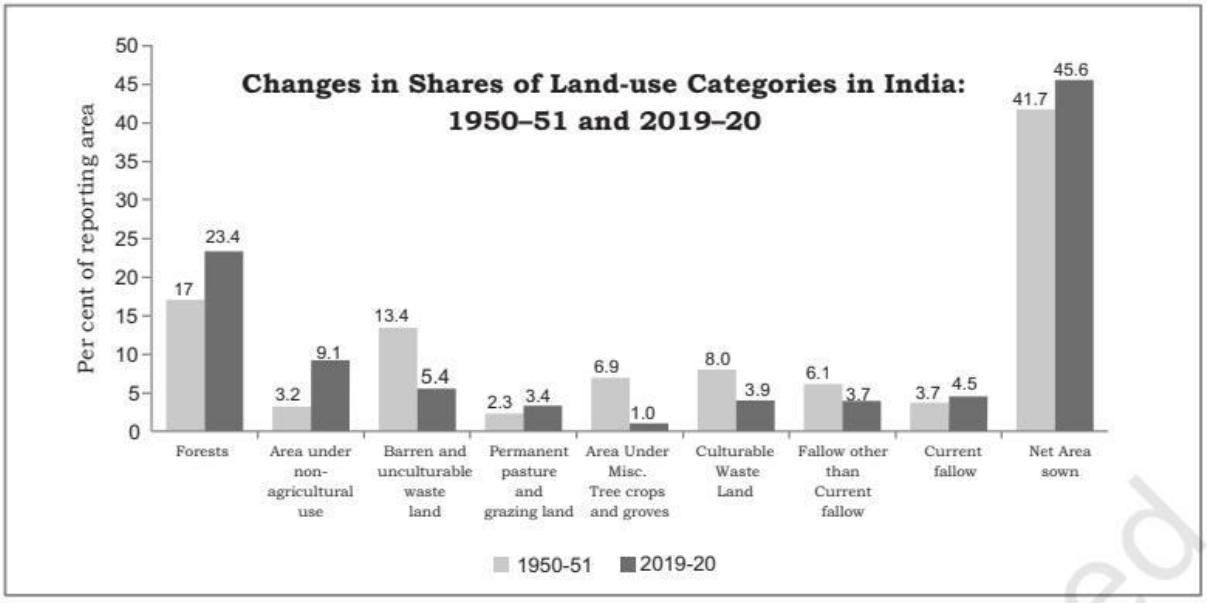

प्रश्न 1. ग्राफ के आधार पर, 1950-51 और 2019-20 के बीच किस भूमि उपयोग श्रेणी के हिस्से में सबसे अधिक प्रतिशत-अंक की वृद्धि हुई?

(ए) बोया गया शुद्ध क्षेत्रफल

(बी) वन

(सी) गैर-कृषि उपयोग के अंतर्गत क्षेत्र

(डी) स्थायी चारागाह और चराई भूमि

उत्तर:(बी) वन

निम्नलिखित में से कौन सी भूमि उपयोग श्रेणी एक ऐसा रुझान दर्शाती है जो भारत में शहरीकरण और अवसंरचना विकास के बढ़ते दबाव को सीधे तौर पर प्रतिबिंबित करती है?

(ए) कृषि योग्य बंजर भूमि

(बी) बंजर और कृषि योग्य न होने वाली भूमि

(सी) गैर-कृषि उपयोग के अंतर्गत क्षेत्र

(डी) वर्तमान परती

उत्तर:(सी) गैर-कृषि उपयोग के अंतर्गत क्षेत्र

बंजर और कृषि योग्य न होने वाली भूमि के साथ-साथ कृषि योग्य न होने वाली भूमि में गिरावट से संभवतः यह संकेत मिलता है:

(ए) देश भर में उपजाऊ ऊपरी मिट्टी का पूर्ण विनाश।

(बी) खराब भूमि का सुधार और उसे उत्पादक कृषि या गैर-कृषि उपयोगों में परिवर्तित करना।

(सी) भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल में कमी।

(डी) परित्यक्त भूमि की मात्रा में वृद्धि।

उत्तर:(बी) खराब भूमि का सुधार और उसे उत्पादक कृषि या गैर-कृषि उपयोगों में परिवर्तित करना।

ग्राफ से उन सभी भूमि उपयोग श्रेणियों की पहचान करें जिनमें 1950-51 से 2019-20 तक ऊपर की ओर रुझान (हिस्से में वृद्धि) दिखाई दिया।

उत्तर:जिन श्रेणियों में ऊपर की ओर रुझान देखने को मिला, वे हैं:

वन (17% 23.4%)

गैर-कृषि उपयोग के अंतर्गत क्षेत्र (3.2%------ 9.1%)

स्थायी चारागाह और चराई भूमि (2.3%---- 3.4%)

वर्तमान परती भूमि (3.7% --------4.5%)

शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल (41.7% ---------45.6%)

वर्ष 2019-20 में 'शुद्ध बोए गए क्षेत्र' और 'वनों' के कुल संयुक्त प्रतिशत हिस्से की गणना करें और इसके महत्व की व्याख्या करें।

उत्तर:

संयुक्त हिस्सा = 45.6% (शुद्ध बोया गया क्षेत्र) + 23.4% (वन) = 69.0%

Agricultural Land-use Categories	*As a percentage of Reporting Area*		*As a percentage of total cultivable land*	
	1950-51	2019-20	1950-51	2019-20
Culturable Waste land	8.0	3.9	13.4	6.8
Fallow other than Current Fallow	6.1	3.7	10.2	6.4
Current Fallow	3.7	4.5	6.2	7.8
Net Area Sown	41.7	45.6	70.0	79.0
Total Cultivable Land	59.5	57.7	100.00	100.00

प्रश्न 9.1 कृषि भूमि उपयोग की कौन सी श्रेणी एकमात्र ऐसी श्रेणी है जिसने 1950-51 और 2019-20 के बीच दोनों मापन मापदंडों (रिपोर्टिंग क्षेत्र और कुल कृषि योग्य भूमि) में अपने प्रतिशत हिस्से में वृद्धि दिखाई है?

(ए) कृषि योग्य बंजर भूमि

(बी) वर्तमान परती भूमि के अतिरिक्त परती भूमि

(सी) वर्तमान परती

(डी) कुल कृषि योग्य भूमि

उत्तर:(सी) वर्तमान परती

प्रश्न 9.2 वर्ष 2019-20 के लिए "कुल कृषि योग्य भूमि के प्रतिशत के रूप में" कॉलम को देखकर, भारत की कृषि योग्य भूमि का कितना अनुपात वास्तव में सक्रिय रूप से खेती के अधीन था (शुद्ध बोया गया क्षेत्र)?

(ए) आधे से कम

(बी) ठीक तीन-चौथाई (75%)

(सी) लगभग चार-पांचवां हिस्सा (79%)

(डी) 90% से अधिक

उत्तर:(सी) लगभग चार-पांचवां हिस्सा (79%)

प्रश्न 9.31950-51 से 2019-20 तक कुल कृषि योग्य भूमि के प्रतिशत के रूप में "कृषि योग्य बंजर भूमि" के प्रतिशत हिस्से में हुई सटीक शुद्ध कमी की गणना करें।

उत्तर:1950-51 में हिस्सेदारी = 13.4%

2019-20 में हिस्सेदारी = 6.8%

कुल कमी:13.4% - 6.8% = 6.6%

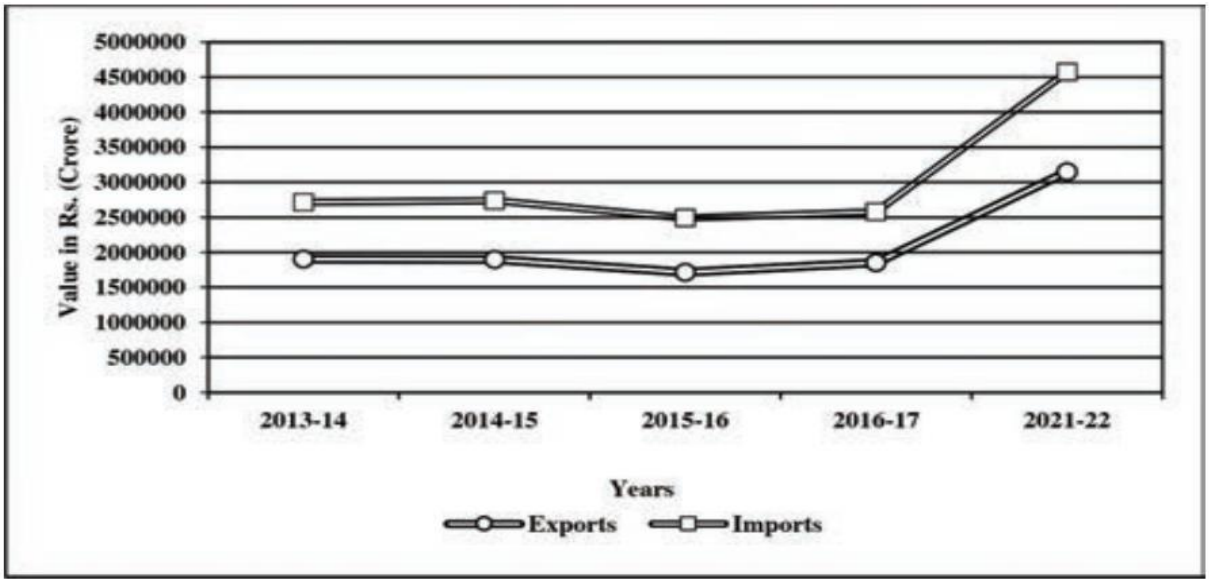

प्रश्न 10.1 संपूर्ण समयरेखा में दोनों रेखाओं के बीच के अंतर को ध्यानपूर्वक देखते हुए, भारत के व्यापार संतुलन के बारे में लगातार क्या निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

(ए) भारत ने लगातार व्यापार अधिशेष बनाए रखा क्योंकि निर्यात आयात से अधिक था।

(B) भारत का व्यापार संतुलन प्रत्येक दूसरे वर्ष अधिशेष और घाटे के बीच घटता-बढ़ता रहता है।

(सी) भारत को लगातार व्यापार घाटे का सामना करना पड़ा क्योंकि इस पूरी अवधि के दौरान आयात निर्यात से अधिक रहा।

(डी) वर्ष 2015-16 में निर्यात और आयात बिल्कुल बराबर हो गए।

उत्तर:(सी) भारत को लगातार व्यापार घाटे का सामना करना पड़ा क्योंकि इस पूरी अवधि के दौरान आयात निर्यात से अधिक रहा।

प्रश्न 10.2 किस विशिष्ट वित्तीय वर्ष में निर्यात और आयात दोनों में एक साथ स्पष्ट गिरावट देखी गई, जिसके बाद उनमें फिर से वृद्धि हुई?

(ए) 2014–15

(बी) 2015–16

(सी) 2016–17

(डी) 2021–22

उत्तर:(बी) 2015–16

प्रश्न 10.32013-2017 की अवधि और 2017-2022 की अवधि के बीच व्यापार में देखी गई सामान्य वृद्धि के पैटर्न की तुलना करें।

उत्तर:2013-14 और 2016-17 के बीच, भारत का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अपेक्षाकृत स्थिर और एक समान रहा, जो एक निश्चित सीमा के भीतर मामूली रूप से उतार-चढ़ाव करता रहा। इसके विपरीत, 2016-17 और 2021-22 के बीच, आयात और निर्यात दोनों में तीव्र और अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई, जो अपने ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गई।

प्रश्न 10.4वर्ष 2021-22 में व्यापार अंतर (व्यापार घाटा) की तुलना वर्ष 2013-14 के व्यापार अंतर से करके देखें। इससे हमें विदेशी व्यापार पर पड़ने वाले दबाव के बारे में क्या पता चलता है?

उत्तर:प्रत्यक्ष रूप से देखा जाए तो, 2021-22 में आयात और निर्यात रेखाओं के बीच की ऊर्ध्वाधर दूरी 2013-14 की तुलना में काफी अधिक है। यह बढ़ता अंतर दर्शाता है कि व्यापार घाटे का निरपेक्ष मूल्य समय के

साथ काफी बढ़ गया है, जो निर्यात आय की तुलना में उच्च मूल्य वाले आयातों पर बढ़ती निर्भरता को इंगित करता है।

Table 8.5 : Import of Some Principal Commodities
(in crore rupees)

Commodities	2021-22
Fertilisers and fertiliser manufacturing	105796
Edible oils	141532
Pulp and waste paper	11934
Non-ferrous metals	499766
Iron and steel	94053
Petroleum, oil and lubricants	1207803
Pearls, precious and semi-precious stones	231279
Medicinal and Pharma products	67545
Chemical products	308882

प्रश्न 11.1 वर्ष 2021-22 में किस वस्तु का आयात मूल्य सबसे अधिक था?

ए. रासायनिक उत्पाद बी. अलौह धातुएँ सी. पेट्रोलियम, तेल और स्नेहक डी. खाद्य तेल

उत्तर:सी. पेट्रोलियम, तेल और स्नेहक

प्रश्न 11.2 वर्ष 2021-22 में खाद्य तेलों का आयात मूल्य क्या था?

ए. 94,053 करोड़ रुपये बी. 141,532 करोड़ रुपये सी. 67,545 करोड़ रुपये डी. 231,279 करोड़ रुपये

उत्तर:बी. 141,532 करोड़ रुपये

प्रश्न 11.3 भारत के लिए पेट्रोलियम आयात क्यों महत्वपूर्ण हैं?

उत्तर:पेट्रोलियम का आयात महत्वपूर्ण है क्योंकि यह परिवहन, उद्योगों और बिजली उत्पादन के लिए ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करता है।

प्रश्न 11.4 कौन सी आयातित वस्तु कृषि से संबंधित है?

उत्तर:उर्वरक और उर्वरक निर्माण कृषि से संबंधित हैं।

प्रश्न 11.5 भारत आयात व्यय को कम करने का एक तरीका बताइए।

उत्तर:भारत पेट्रोलियम के घरेलू उत्पादन को बढ़ाकर आयात व्यय को कम कर सकता है।
विकल्प, खाद्य तेल या उर्वरक।

Table 8.1 India's Foreign Trade

(Value in Rs. Crore)

Year	Exports	Imports	Trade Balance
2004-05	3,75,340	5,01,065	-1,25,725
2009-10	8,45,534	13,63,736	-5,18,202
2013-14	19,05,011	27,15,434	-8,10,423
2016-17	18,52,340	25,77,422	-7,25,082
2021-22	31,47,021	45,72775	-14,25,753

Source : http://commerce.nic.in/publications/annual-report - 2010-11 and Economic Survey 2016-17, 2022-23

प्रश्न 12.1 वर्ष 2013-14 में भारत का व्यापार संतुलन क्या था?

ए. 5,18,202 करोड़ रुपये बी. 7,25,082 करोड़ रुपये सी. 8,10,423 करोड़ रुपये डी. 14,25,753 करोड़ रुपये

उत्तर:सी. 8,10,423 करोड़ रुपये

प्रश्न 12.2 दिए गए वर्षों के दौरान भारत के व्यापार संतुलन का सबसे अच्छा वर्णन कौन सा कथन करता है?

ए. भारत को व्यापार अधिशेष प्राप्त हुआ। बी. भारत का निर्यात आयात से अधिक था। सी. भारत को सभी वर्षों में व्यापार घाटा हुआ। डी. आयात स्थिर रहा।

उत्तर:सी. भारत को सभी वर्षों में व्यापार घाटा हुआ।

प्रश्न 12.3 निम्नलिखित में से कौन भारत के व्यापार घाटे को कम करने में मदद कर सकता है?

ए. केवल आयात बढ़ाना बी. निर्यात कम करना सी. घरेलू उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देना डी. विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता बढ़ाना

उत्तर:सी. घरेलू उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देना

प्रश्न 12.4 निर्यात बढ़ाने से भारतीय अर्थव्यवस्था को कैसे लाभ हो सकता है?

उत्तर:निर्यात बढ़ाने से अधिक विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है, रोजगार सृजित होता है और व्यापार घाटा कम करने में मदद मिलती है।

प्रश्न 12.5 तालिका से भारत के विदेशी व्यापार के रुझान का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर:पिछले कुछ वर्षों में निर्यात और आयात दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, लेकिन आयात की वृद्धि दर निर्यात की तुलना में अधिक रही, जिसके परिणामस्वरूप व्यापार घाटा बढ़ता गया।

सरकारी प्रमुख योजनाएँ

राष्ट्रीय युवा नीति (एनवाईपी-2014)

- फरवरी 2014 में लॉन्च किया गया
- 'युवा' - 15-29 वर्ष।
- देश के युवाओं को उनकी पूरी क्षमता हासिल करने के लिए सशक्त बनाना और उनके माध्यम से भारत को राष्ट्रों के समुदाय में अपना उचित स्थान प्राप्त करने में सक्षम बनाना।

वर्ष 2015 में कौशल विकास और उद्यमिता के लिए राष्ट्रीय नीति

- देश के भीतर की जा रही सभी कौशल विकास गतिविधियों के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करना, उन्हें सामान्य मानकों के अनुरूप बनाना और कौशल विकास को मांग केंद्रों से जोड़ना।

'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ'

- भारत सरकार ने शिशु लिंग अनुपात में गिरावट की समस्या से निपटने के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम शुरू किया है।

यूएनडीपी ने कहा, "यदि विकास में लैंगिक समानता को बढ़ावा नहीं दिया जाता है तो वह खतरे में पड़ जाता है" (एचडीआर यूएनडीपी 1995)

- जो समाज इस तरह के भेदभाव को स्वीकार करने और उसे दूर करने के लिए प्रभावी उपाय करने में विफल रहता है, उसे सभ्य समाज नहीं माना जा सकता।

भारत की जनगणना, 1991 में शहरी बस्तियों को इस प्रकार परिभाषित किया गया है:

- "वे सभी स्थान जहाँ नगरपालिका, निगम, छावनी बोर्ड या अधिसूचित नगर क्षेत्र समिति स्थित है"
- न्यूनतम जनसंख्या 5000 व्यक्ति,
- कम से कम 75% पुरुष श्रमिक गैर-कृषि क्षेत्रों में कार्यरत हैं।
- *प्रति वर्ग किलोमीटर कम से कम 400 व्यक्तियों का जनसंख्या घनत्व* शहरी हैं।

स्मार्ट सिटी मिशन

- उद्देश्य - ऐसे शहरों को बढ़ावा देना जो मूलभूत बुनियादी ढांचा, स्वच्छ और टिकाऊ वातावरण प्रदान करते हों और अपने नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर प्रदान करते हों। सतत और समावेशी विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

सतत कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन (NMSA)

- एनएमएसए का उद्देश्य स्थान-विशिष्ट एकीकृत/मिश्रित खेती को बढ़ावा देकर कृषि को अधिक उत्पादक, टिकाऊ, लाभकारी और जलवायु के प्रति लचीला बनाना है।
- सरकार परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) और राष्ट्रीय विकास योजना (आरकेवीवाई) जैसी योजनाओं के माध्यम से देश में जैविक खेती को बढ़ावा दे रही है।

भारत का किसान पोर्टल

- किसान पोर्टल एक ऐसा मंच है जो बीमा, कृषि भंडारण, फसलों आदि जैसी कृषि संबंधी जानकारी प्रदान करता है।
- इसमें प्रथाओं, कार्यक्रमों और कल्याणकारी योजनाओं का भी विवरण दिया गया है।
- मिट्टी की उर्वरता, भंडारण, बीमा, प्रशिक्षण आदि से संबंधित ब्लॉक स्तर की जानकारी एक इंटरैक्टिव मानचित्र में उपलब्ध है।

अटल भूजल योजना (अटल जल)

- अटल भूजल योजना ने गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में 8220 जल संकटग्रस्त ग्राम पंचायतों को लागू किया।
- संरक्षण और स्मार्ट जल प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करें।

प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY)

केंद्र सरकार ने 2015-16 के दौरान पीएमकेएसवाई कार्यक्रम शुरू किया है।
दृष्टि और उद्देश्य:

- देश के सभी कृषि फार्मों के लिए सुरक्षात्मक सिंचाई।
- खेतों में पानी की भौतिक उपलब्धता बढ़ाना और खेती योग्य क्षेत्र का विस्तार करना (हर खेत को पानी)
- मिट्टी और जल संरक्षण के सतत तरीकों को अपनाएं (हर बूंद से अधिक फसल)।

हरियाली वाटरशेड विकास परियोजना

- हरियाली परियोजना केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित है।
- ग्राम पंचायतों द्वारा जनभागीदारी से कार्यान्वित किया गया।
- उद्देश्य: ग्रामीण आबादी को पीने के पानी, सिंचाई, मत्स्य पालन और वृक्षारोपण के लिए पानी के संरक्षण में सक्षम बनाना।

भारत की राष्ट्रीय जल नीति 2012 की मुख्य विशेषताएं

देश के जल संसाधनों के संरक्षण, विकास और बेहतर प्रबंधन के लिए कार्य योजना का एक ढांचा।
प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- राष्ट्रीय जल ढांचा कानून की आवश्यकता पर जोर दिया गया।
- सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता के लिए जल, खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना, अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर गरीब लोगों का समर्थन करना और न्यूनतम पारिस्थितिक तंत्र आवश्यकताओं के लिए उच्च प्राथमिकता आवंटन।
- जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर अनुकूलन रणनीतियाँ।
- जल के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए जल पदचिह्न और जल लेखापरीक्षा प्रणाली विकसित की जानी चाहिए।
- शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति में व्याप्त व्यापक असमानता को दूर करना।
- सामुदायिक भागीदारी।

जल क्रांति अभियान (2015-16)

- भारत सरकार द्वारा 2015-16 में शुरू किया गया जल क्रांति अभियान
- देश में प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता के माध्यम से जल सुरक्षा सुनिश्चित करना।

अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवादित। - www.onlinedoctranslator.com

- इसके उद्देश्यों के बारे में जागरूकता पैदा करने में स्थानीय निकायों, गैर सरकारी संगठनों और आम नागरिकों को शामिल करना।
- देश के 672 जिलों में से प्रत्येक में एक जल संकटग्रस्त गांव का चयन करके 'जल ग्राम' की स्थापना करना - उत्तर प्रदेश, हरियाणा (उत्तर), कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु (दक्षिण), राजस्थान, गुजरात (पश्चिम), ओडिशा (पूर्व), मेघालय (उत्तर-पूर्व) के कुछ हिस्से।
- जल संरक्षण और कृत्रिम पुनर्भरण से भूजल प्रदूषण में कमी आती है।
- देश के चुनिंदा क्षेत्रों में आर्सेनिक मुक्त कुओं का निर्माण।
- जन जागरूकता पैदा करना।

'एक राष्ट्र एक ग्रिड'-प्राकृतिक गैस पाइपलाइनें GAIL (भारत) द्वारा बिछाई गई हैं।

नीति आयोग

- भारत ने स्वतंत्रता के बाद केंद्रीकृत नियोजन प्रणाली अपनाई;
- योजना निर्माण की जिम्मेदारी केंद्र, राज्य और जिला स्तर पर योजना आयोग की थी।
- *1 जनवरी 2015*योजना आयोग की जगह नीति आयोग ने ले ली।

दुनिया की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंगबॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन द्वारा निर्मित अटल सुरंग (9.02 किमी) मनाली को लाहौल-स्पीति घाटी से साल भर जोड़ती है।

भारतमाला परियोजना

भारतमाला परियोजना - देश के बुनियादी ढांचे के लिए 'सड़क' का विकास

UDAN (उड़े देश का आम नागरिक)

- भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय (MoCA) द्वारा UDAN परियोजना की परिकल्पना की गई थी, जिसका उद्देश्य आम नागरिक के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाकर क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देना था।
- उड़ान योजना के तहत, 9 हेलीपोर्ट और 2 जल हवाई अड्डों सहित कुल 73 ऐसे हवाई अड्डों को चालू किया गया है जहां पहले हवाई सेवाएं उपलब्ध नहीं थीं या कम उपलब्ध थीं।

नमामि गंगा कार्यक्रम

केंद्र सरकार ने निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ 'नमामि गंगा कार्यक्रम' शुरू किया है:

• सीवेज उपचार प्रणालियों का विकास करना, औद्योगिक अपशिष्टों की निगरानी करना,

• नदी तट का विकास, वृक्षारोपण, नदी की सतह की सफाई,

• उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में 'गंगा ग्राम' का विकास

स्वच्छ भारत मिशन (SBM)

यह भारत सरकार द्वारा शहरी झुग्गी-झोपड़ियों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए शुरू किए गए शहरी नवीकरण मिशन का हिस्सा है।

सीबीएसई हल किया हुआ प्रश्न पत्र-1 2026

भूगोल सिद्धांत (029)

कक्षा: बारहवीं: 2026

अनुमत समय: 3 घंटे अधिकतम अंक: 70

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उनका पालन करें:

(i) इस प्रश्न पत्र में 30 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्न पत्र को पाँच खंडों ए, बी, सी, डी और ई में विभाजित किया गया है।

(iii) खंड- अ के प्रश्न संख्या 1 से 17 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।

(iv) खंड- बी के प्रश्न संख्या 18 और 19 स्रोत आधारित प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है।

(v) खंड-सी के प्रश्न क्रमांक 20 से 23 लघु उत्तर प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 3 अंक दिए गए हैं। इन प्रश्नों के उत्तर 80 से 100 शब्दों में लिखे जाने चाहिए।

(vi) खंड-डी के प्रश्न संख्या 24 से 28 तक दीर्घ उत्तर प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। इन प्रश्नों के उत्तर 120 से 150 शब्दों में लिखे जाने चाहिए।

(vii) खंड-ई के प्रश्न संख्या 29 और 30 मानचित्र आधारित प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

(viii) इसके अतिरिक्त, ध्यान दें कि दृश्य इनपुट, मानचित्र आदि वाले प्रश्नों के स्थान पर दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए एक अलग प्रश्न प्रदान किया गया है। ऐसे प्रश्नों का उत्तर केवल दृष्टिबाधित उम्मीदवारों द्वारा ही दिया जाना है।

(ix) प्रश्न पत्र में कोई समग्र विकल्प नहीं दिया गया है। हालांकि, खंड क को छोड़कर सभी खंडों में कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिया गया है।

---

1. विभिन्न देशों की जनसंख्या दर्शाने वाले बार ग्राफ को देखें। ग्राफ में दर्शाए गए तीन सबसे कम जनसंख्या वाले देशों की अनुमानित संयुक्त जनसंख्या कितनी है?

1

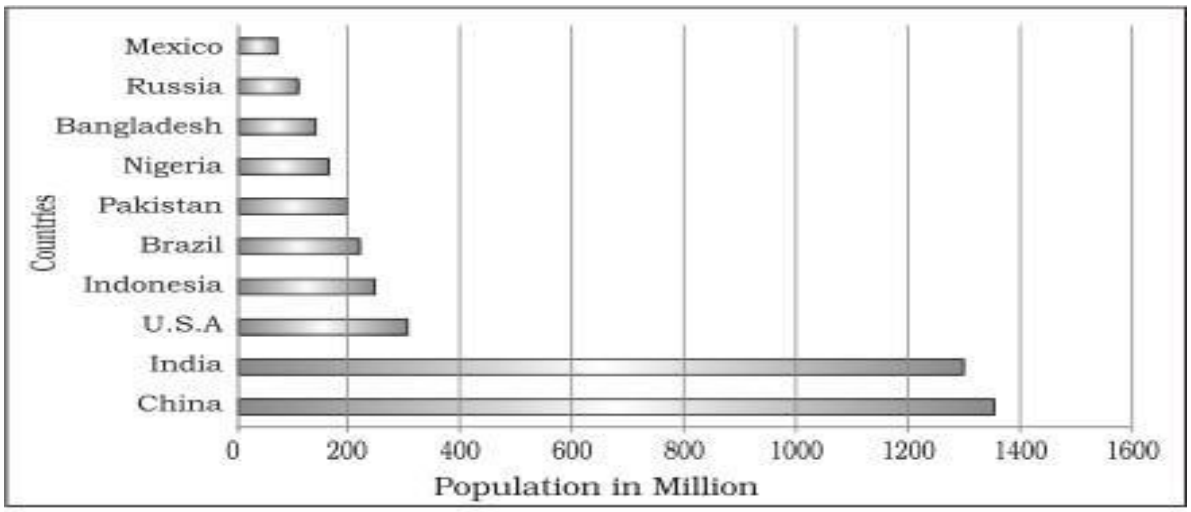

A. 500 मिलियन

B. 400 मिलियन

C. 300 करोड़

D. 200 मिलियन

2. अध्ययन नीचे दिए गए ग्राफ को देखकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

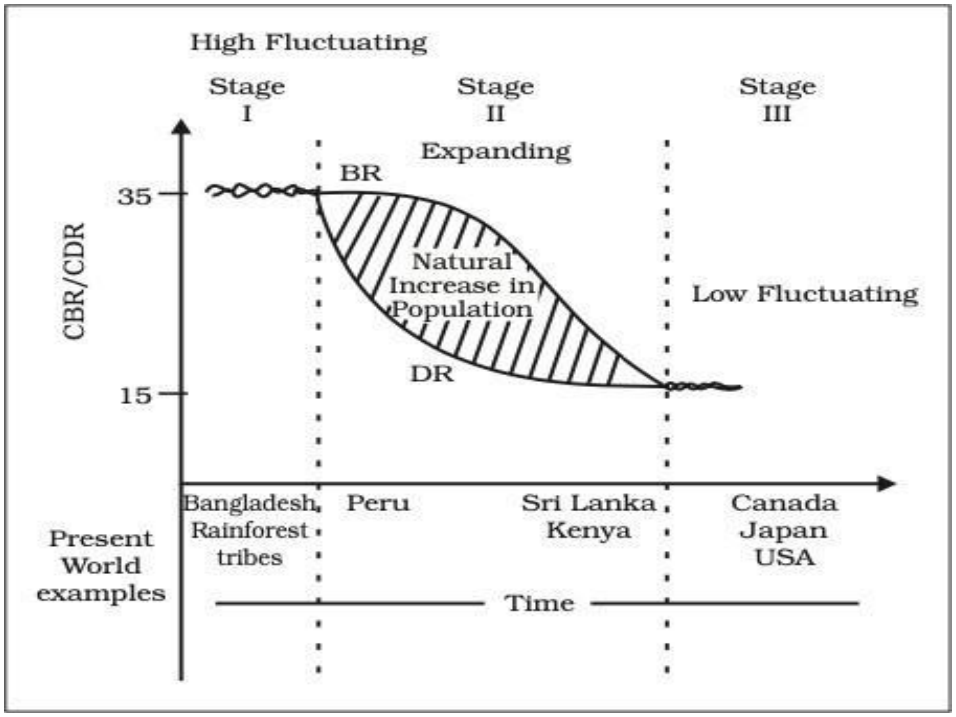

एक देश में वर्तमान में जन्म दर कम है, मृत्यु दर कम है और यह एक अत्यधिक शहरीकृत समाज है जिसमें उन्नत स्वास्थ्य सेवा और औद्योगिक अवसंरचना मौजूद है। जनसांख्यिकीय संक्रमण सिद्धांत के आधार पर, यह देश संभवतः किस चरण में है? 1

A. चरण I: उच्च उतार-चढ़ाव

B. चरण II: विस्तार

C. चरण III: निम्न उतार-चढ़ाव

D. संक्रमण-पूर्व चरण

3. देश Y का मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) 0.950 है और यह मानव विकास में शीर्ष देशों में शुमार है। इस स्थिति को बनाए रखने के लिए उसे निम्नलिखित में से किन नीतियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए?

A. औद्योगिक उत्पादन बढ़ाने से प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय में वृद्धि होगी।

B. स्वास्थ्य और शिक्षा के बुनियादी ढांचे में निवेश नहीं करना

C. शिक्षा पर जोर कम करके आर्थिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करना

D. पर्यावरण स्थिरता और सामाजिक समानता संबंधी नीतियों को मजबूत करना।

4. **कथन (ए):**किसी क्षेत्र में जनसंख्या परिवर्तन उस क्षेत्र के आर्थिक विकास, सामाजिक उत्थान और ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का एक महत्वपूर्ण सूचक है।

कारण (आर):जनसंख्या वृद्धि या जनसंख्या परिवर्तन से तात्पर्य किसी क्षेत्र के निवासियों की संख्या में एक निश्चित समयावधि के दौरान होने वाले परिवर्तन से है, जिसे निरपेक्ष संख्या या प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जा सकता है।

A. (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R) (A) की सही व्याख्या है।

B. (A) और (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।

C. (A) सत्य है, लेकिन (R) असत्य है।

डी. (ए) असत्य है, लेकिन (आर) सत्य है।

5. कौन निम्नलिखित में से कौन सी गतिविधि चतुर्थक गतिविधि का उदाहरण है? 1

A. खानों से कारखानों तक कोयले का परिवहन रेल मार्ग से किया जाता है।

B. कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए अनुबंध तैयार करने वाला एक वकील

C. एक स्थानीय सुपरमार्केट में काम करने वाला विक्रेता

D. एक वैज्ञानिक अनुसंधान प्रयोगशाला में आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों का विकास कर रहा है।

6.निम्नलिखित नीतियों को मानव विकास के उस स्तंभ से मिलाइए जिसे वे प्रतिबिंबित करती हैं: 1

नीतियां/पहल	**मानव विकास का स्तंभ**
1. लड़कियों और लड़कों के लिए शिक्षा तक समान पहुंच	ए. स्थिरता
2. भविष्य के लिए संसाधनों की उपलब्धता	बी। इक्विटी सृजन
3. स्थानीय स्तर पर भागीदारी को प्रोत्साहित करना	सी। उत्पादकता शासन
4. उच्च दक्षता के लिए कौशल विकास कार्यक्रम	डी. सशक्तिकरण

ए.1-ए, 2-बी, 3-सी, 4-डी

बी. 1-बी, 2-ए, 3-डी, 4-सी

सी।1-सी, 2-डी, 3-बी, 4-ए

डी।1-डी, 2-सी, 3-ए, 4-बी

7. क्षेत्रीय व्यापार गुटों का प्राथमिक उद्देश्य क्या है? 1

ए. सदस्य देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय आदान-प्रदान को सीमित करके वैश्विक व्यापार को कम करना।

बी. भौगोलिक निकटता वाले देशों और समान या पूरक व्यापारिक वस्तुओं वाले देशों के बीच व्यापार को प्रोत्साहित करना, जबकि विकासशील देशों में व्यापार प्रतिबंधों को कम करना।

सी. वैश्विक संगठनों को प्रतिस्थापित करना और वैश्विक स्तर पर सभी अंतरराष्ट्रीय व्यापार गतिविधियों को विनियमित करना।

डी. सदस्य देशों के बीच व्यापार शुल्क लागू करना और मुक्त व्यापार समझौतों को रोकना।

8. दिए गए ग्राफ में वर्ष 2013-14 से 2021-22 तक निर्यात और आयात (करोड़ रुपये में) के रुझान को दर्शाया गया है। 1

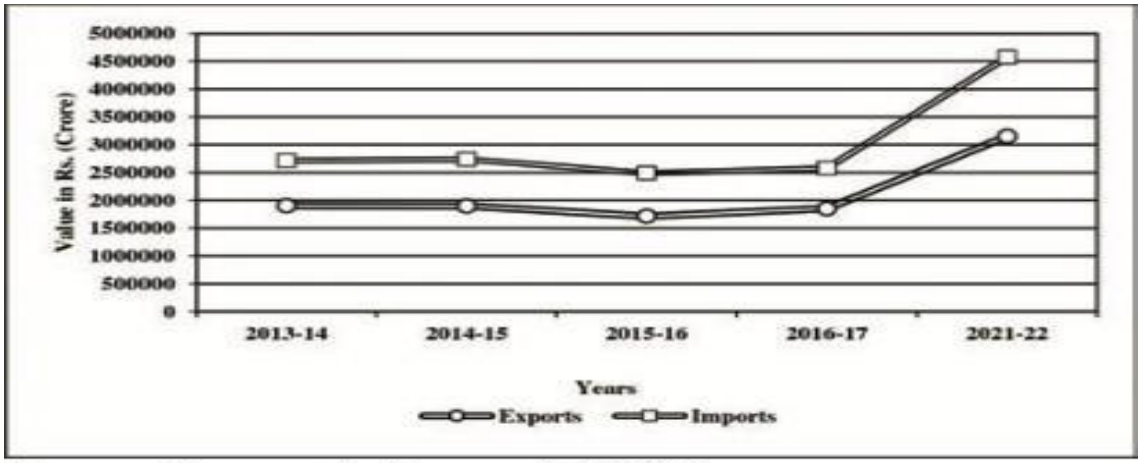

Source: Economic Survey 2022-23

ग्राफ के आधार पर, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

A. 2013-14 से 2021-22 तक आयात में लगातार वृद्धि हुई।

B. 2016-17 में निर्यात और आयात लगभग बराबर थे।

C. 2013-14 और 2016-17 के बीच निर्यात में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ।

डी। निर्यात में अधिक तीव्र वृद्धि देखी गई। 2016-17 और 2021-22 के आयात की तुलना में वृद्धि।

9. भारत की जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर में 1991-2001 और 2001-2011 के बीच उल्लेखनीय गिरावट आई। यदि कोई नीति निर्माता स्थिर वृद्धि दर बनाए रखना चाहता है, तो निम्नलिखित में से कौन सी रणनीति सबसे प्रभावी होगी? 1

A. जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए उच्च जन्म दर को प्रोत्साहित करें।

B. स्वास्थ्य सेवाओं में निवेश कम करने पर ध्यान केंद्रित करें।

C. ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में प्रवास को प्रोत्साहित करने के लिए नीतियां लागू करें।

D. परिवार नियोजन और शिक्षा संबंधी पहलों के माध्यम से संतुलित जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा देना।

10. यदि किसी क्षेत्र में 15 वर्ष से कम और 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का अनुपात अधिक है, तो सबसे अधिक संभावना किस चुनौती के उत्पन्न होने की है? 1

A. उच्च साक्षरता दर

B. कम निर्भरता अनुपात

C. कामकाजी उम्र की आबादी पर आर्थिक दबाव

डी. श्रम बल में उच्च भागीदारी

11।निम्नलिखित में से कौन सा उपाय भारत सरकार द्वारा 1990 के दशक में उदारीकरण और मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और भारतीय कृषि के विकास को प्रभावित करने के लिए नहीं अपनाया गया

था? 1

A. किसानों के लिए बीमा, कृषि भंडारण, फसलों, बीजों, कीटनाशकों, बाजार मूल्यों और कल्याणकारी योजनाओं में सहायता प्रदान करने के लिए किसान पोर्टल का निर्माण किया गया है।

B. सतत कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन का शुभारंभ

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करते हुए उत्पादकता, स्थिरता और लचीलेपन को बढ़ाना।

C. परम्परागत कृषि विकास योजना (PKVY) और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY) जैसी योजनाओं के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देना।

डी. 1960 और 1970 के दशक में गेहूं (मेक्सिको) और चावल (फिलीपींस) की उच्च उपज वाली बीज किस्मों का परिचय।

12.तालिका के आधार पर, 1950-51 और 2014-15 के बीच भारत में कृषि भूमि उपयोग के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

Agricultural Land-use Categories	As a percentage of Reporting Area		As a percentage of total cultivable land	
	1950-51	2014-15	1950-51	2014-15
Culturable Waste land	8.0	4.0	13.4	6.8
Fallow other than Current Fallow	6.1	3.6	10.2	6.2
Current Fallow	3.7	4.9	6.2	8.4
Net Area Sown	41.7	45.5	70.0	78.4
Total Cultivable Land	59.5	58.0	100.00	100.00

ए. रिपोर्टिंग क्षेत्र के हिस्से के रूप में कृषि योग्य बंजर भूमि का प्रतिशत 8.0% से घटकर 4.0% हो गया।

बी. कुल कृषि योग्य भूमि के प्रतिशत के रूप में बोया गया शुद्ध क्षेत्र 78.4% से घटकर 70.0% हो गया।

सी. रिपोर्टिंग क्षेत्र के हिस्से के रूप में वर्तमान परती भूमि का प्रतिशत 4.9% से घटकर 3.7% हो गया।

डी. रिपोर्टिंग क्षेत्र के प्रतिशत के रूप में कुल कृषि योग्य भूमि 58.0% से बढ़कर 59.5% हो गई।

13. निम्नलिखित में से कौन सा कथन प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) के उद्देश्यों का सही वर्णन करता है? 1

1. वर्षा आधारित क्षेत्रों में पारंपरिक सिंचाई विधियों के विशेष उपयोग को बढ़ावा देना।
2. सभी कृषि फार्मों के लिए सुरक्षित सिंचाई की सुविधा सुनिश्चित करना और सुनिश्चित सिंचाई के अंतर्गत कृषि योग्य क्षेत्रों का विस्तार करना।
3. "पर ड्रॉप मोर क्रॉप" जैसी तकनीकों के माध्यम से जल संसाधनों, वितरण और कुशल उपयोग को एकीकृत करना।
4. सतत जल संरक्षण पद्धतियों को लागू करना और खेतों में जल उपयोग की दक्षता में सुधार करना।

A. केवल 1 और 3

B. केवल 2, 3 और 4

C. केवल 1, 2 और 4

D. 1, 2, 3 और 4

14.एक नीति निर्माता के रूप में, जिसे समुदाय में उपभोग की प्रचलित मानसिकता से हटकर संरक्षण और स्मार्ट जल प्रबंधन पर केंद्रित मानसिकता की ओर व्यवहारिक परिवर्तन लाने का कार्य सौंपा गया है, आप निम्नलिखित में से किस कार्यक्रम को कार्यान्वयन के लिए प्राथमिकता देंगे?

1

A. अरवरी पानी संसद

B. अटल भूजल योजना

सी. राष्ट्रीय जल नीति, 2012

डी. जल क्रांति अभियान

15.**कथन (ए):**जैव-ऊर्जा ऊर्जा का एक टिकाऊ और बहुमुखी स्रोत है जिसे विद्युत ऊर्जा, ताप ऊर्जा या खाना पकाने के लिए गैस में परिवर्तित किया जा सकता है।

कारण (आर):जैव-ऊर्जा न केवल अपशिष्ट और कचरे को संसाधित करके ऊर्जा का उत्पादन करती है, बल्कि पर्यावरणीय प्रदूषण को कम करती है, आत्मनिर्भरता को बढ़ाती है और विकासशील देशों के ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक जीवन में सुधार करती है।

विकल्प:

ए. अभिकथन (ए) और कारण (आर) दोनों सत्य हैं, और कारण (आर) अभिकथन (ए) की सही व्याख्या है।

बी. अभिकथन (ए) और कारण (आर) दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण (आर) अभिकथन (ए) की सही व्याख्या नहीं है।

सी. अभिकथन (ए) सत्य है, परन्तु कारण (आर) असत्य है।

डी. अभिकथन (ए) असत्य है, परन्तु कारण (आर) सत्य है।

16.परिवहन के साधन का उसके विवरण से मिलान करें:

कॉलम ए (परिवहन का साधन) कॉलम बी (विवरण)

a. एयरवेज 1. सड़क मार्ग से भारी सामान ले जाने के लिए उपयुक्त, लेकिन सीमित

जुड़े हुए क्षेत्रों के लिए।

b. रोडवेज 2. भारी मात्रा में सामान ले जाने में सक्षम

कम लागत पर सामान।

c. रेलवे 3. उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के लिए लचीला सेटअप और त्वरित डिलीवरी।

कम मात्रा में बिकने वाली वस्तुएँ।

डी. जलमार्ग 4. व्यापक रूप से सुलभ और उपयोग में आसान

कम दूरी के व्यापार और वितरण के लिए।

A. ए-3, बी-4, सी-1, डी-2

B. ए-2, बी-3, सी-4, डी-1

C. ए-1, बी-2, सी-3, डी-4

D. ए-4, बी-1, सी-2, डी-3

17. उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) वैश्विक स्तर पर अपनी तरह की पहली योजना है, जिसे क्षेत्रीय विमानन बाजार को गति देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (आरसीएस) - उड़ान की परिकल्पना भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय (एमओसीए) द्वारा आम नागरिक के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाकर क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।

उड़ान का मूल विचार यह है कि

ए. अनुकूल नीतियों और प्रोत्साहनों के माध्यम से एयरलाइंस को क्षेत्रीय और दूरस्थ मार्गों पर उड़ानें संचालित करने के लिए प्रोत्साहित करना।

बी. महानगरों में विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के विकास को सुनिश्चित करना।

सी. निजी एयरलाइनों को उनके वैश्विक उड़ान संचालन के विस्तार के लिए सब्सिडी प्रदान करना।

डी. ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापार और निर्यात गतिविधियों को समर्थन देने के लिए हवाई माल ढुलाई अवसंरचना में सुधार करना।

<u>धारा-बी</u>

18. नव-नियतिवाद की अवधारणा ग्रिफ़िथ टेलर ने 1920 में प्रस्तुत की थी। यह अवधारणा दर्शाती है कि न तो पूर्ण अनिवार्यता (पर्यावरणीय नियतिवाद) की स्थिति है और न ही पूर्ण स्वतंत्रता (संभावनावाद) की। इसका अर्थ है कि मनुष्य प्रकृति का पालन करके उस पर विजय प्राप्त कर सकता है। उसे चेतावनी संकेतों का पालन करना होगा और प्रकृति द्वारा अनुमत परिवर्तनों के आधार पर ही विकास के मार्ग पर आगे बढ़ सकता है। इसका अर्थ है कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना सीमाओं के भीतर ही संभावनाएं सृजित की जा सकती हैं और बिना दुर्घटना के कोई भी अनियंत्रित विकास संभव नहीं है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं द्वारा अपनाई गई अनियंत्रित विकास की कोशिशों के परिणामस्वरूप ग्रीनहाउस प्रभाव, ओजोन परत का क्षरण, वैश्विक तापमान में वृद्धि, ग्लेशियरों का पिघलना और भूमि का क्षरण जैसी समस्याएं उत्पन्न हो चुकी हैं।

(1+1+1=3)

i.नव-नियतिवाद की अवधारणा किसने प्रस्तावित की?

ii. टेलर प्रकृति और किसी देश के आर्थिक कार्यक्रम के बीच के संबंध को किस प्रकार देखते थे?

iii. नव-नियतिवाद वर्तमान संदर्भ में इतना प्रासंगिक क्यों हो गया है?

19. दिए गए अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उसके बाद दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें।:

मानव विकास की अवधारणा डॉ. महबूब-उल-हक द्वारा प्रतिपादित की गई थी। डॉ. हक ने मानव विकास को ऐसे विकास के रूप में परिभाषित किया है जो लोगों के विकल्पों को बढ़ाता है और उनके जीवन को बेहतर बनाता है। इस अवधारणा के अंतर्गत, विकास में मनुष्य ही केंद्र में है। ये विकल्प स्थिर नहीं होते बल्कि निरंतर बदलते रहते हैं। विकास का मूल उद्देश्य ऐसी परिस्थितियाँ बनाना है जहाँ लोग सार्थक जीवन जी सकें।

मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) स्वास्थ्य, शिक्षा और संसाधनों तक पहुंच जैसे प्रमुख क्षेत्रों में देशों के प्रदर्शन के आधार पर उन्हें स्थान देता है। यह रैंकिंग 0 से 1 के बीच के स्कोर पर आधारित होती है, जो किसी देश को मानव विकास के प्रमुख क्षेत्रों में उसके प्रदर्शन के आधार पर प्राप्त होता है।

मानव विकास को मापने के तरीकों में लगातार सुधार हो रहा है और मानव विकास के विभिन्न तत्वों को समझने के नए-नए तरीकों पर शोध किया जा रहा है। शोधकर्ताओं ने किसी विशेष क्षेत्र में भ्रष्टाचार के स्तर या राजनीतिक स्वतंत्रता के बीच संबंध पाया है।

भारत मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) 2021 में 191 देशों में से 132वें स्थान पर है, दो दशकों में पहली बार लगातार दो वर्षों तक इसके स्कोर में गिरावट दर्ज की गई है।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) द्वारा 13 मार्च, 2024 को जारी 2023-24 मानव विकास रिपोर्ट के अनुसार, कोविड-19 महामारी के कारण 2020 और 2021 के दौरान आई तीव्र गिरावट के बाद 2023 का एचडीआई एक नए उच्च स्तर पर पहुंच गया है।

रिपोर्ट में पाया गया कि धनी देशों ने अभूतपूर्व विकास का अनुभव किया। लेकिन दुनिया के आधे से अधिक सबसे गरीब देश कोविड संकट से पहले के स्तर से भी नीचे बने रहे।

2023-24 की मानव विकास रिपोर्ट में स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और आइसलैंड को राष्ट्रीय मानव विकास सूचकांकों में अग्रणी बताया गया है, जबकि मध्य अफ्रीकी गणराज्य, दक्षिण सूडान और सोमालिया सबसे पीछे रह गए हैं। (1+1+1=3)

(i) स्रोत के अनुसार मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) क्या मापता है?

(ii) 2023 की एचडीआई रिपोर्ट ने विश्व के सबसे गरीब देशों के संबंध में किस महत्वपूर्ण प्रवृत्ति को उजागर किया?

(iii) वर्ष 2023 के मानव विकास सूचकांक में किन तीन देशों को सर्वोच्च स्थान प्राप्त हुआ?

खंड-सी

20. यह स्पष्ट कीजिए कि आउटसोर्सिंग ने काम आउटसोर्स करने वाले देशों और आउटसोर्स किए गए काम प्राप्त करने वाले देशों दोनों को कैसे प्रभावित किया है। 3

21. बढ़ते शहरों और नए कस्बों में प्रदूषण, संसाधनों की कमी और भीड़भाड़ जैसी चुनौतियों का समाधान करते हुए हम सतत शहरी विकास को कैसे बढ़ावा दे सकते हैं? 3

22. शहरी परिवहन संबंधी चुनौतियों, जैसे भीड़भाड़, प्रदूषण और अक्षमता, से निपटने के लिए शहरी योजनाकार कौन से तीन उपाय अपना सकते हैं, उनकी पहचान करें और उनकी व्याख्या करें। 3

23. 1951-1981 की अवधि के दौरान भारत में जनसंख्या वृद्धि की प्रमुख विशेषताओं पर चर्चा कीजिए, जिसमें इस अवधि के दौरान तीव्र जनसंख्या वृद्धि के मुख्य कारण भी शामिल हैं?

या

किशोर कौन होते हैं? जनसंख्या में उन्हें महत्वपूर्ण क्यों माना जाता है? किशोरों से निपटने में समाज को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है? 1+1+1=3

खंड- डी

24. समझाइए कि पशुपालन और खानाबदोशी किस प्रकार विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियों के अनुकूलन का परिणाम है। अपने उत्तर को विश्व के विभिन्न क्षेत्रों के उदाहरणों से स्पष्ट कीजिए। 5

या

"औद्योगिक क्रांति के बाद से मानव विकास में खनन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।" इस कथन के आलोक में, खनन गतिविधियों को प्रभावित करने वाले कारकों पर चर्चा कीजिए। विकसित और विकासशील देशों पर खनन के आर्थिक और सामाजिक प्रभाव क्या हैं, और औद्योगीकरण के स्तर और श्रम व्यवस्था के आधार पर ये प्रभाव किस प्रकार भिन्न होते हैं? 2+3=5

25. भारत, चीन, ब्राजील और इंडोनेशिया जैसे देशों को लघु उद्योग के विकास से किस प्रकार लाभ हुआ है? प्रौद्योगिकी-बहुलता क्या होती है? दो उदाहरण दीजिए।

3+2=5

या

औद्योगिक स्थान को प्रभावित करने वाले किन्हीं पाँच कारकों पर उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। 5

26. शहरी क्षेत्रों में झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों को जिन समस्याओं का सामना करना पड़ता है, उनका वर्णन कीजिए। ये समस्याएं उनके जीवन की गुणवत्ता को किस प्रकार प्रभावित करती हैं? 3+2=5

या

"स्थान विशेष से संबंधित होने के बावजूद ध्वनि प्रदूषण एक गंभीर समस्या के रूप में उभरा है।" इस कथन का विश्लेषण करें और व्याख्या करें। 5

27. 2015-2021 के दौरान भारत के निर्यात की संरचना दर्शाने वाली तालिका का अध्ययन करें और प्रश्न का उत्तर दें। 5

(Percentage share in Exports)

Commodities	2015-16	2016-17	2020-21	2021-22
Agriculture and allied products	12.6	12.3	14.3	11.9
Ore and Minerals	1.6	1.9	3.2	2.0
Manufactured goods	72.9	73.6	71.2	67.8
Crude and petroleum products	11.9	11.7	9.2	16.4
Other commodities	1.1	0.5	2.1	1.9

Source : Economic Survey 2016-17 and 2022-23

2015-16 से भारत के निर्यात की संरचना और रुझानों में किस प्रकार परिवर्तन आए हैं? पाँच प्रमुख परिवर्तनों पर प्रकाश डालें।

28. एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना (आईटीडीपी) के अंतर्गत भरमौर जनजातीय क्षेत्र के लिए एक विकास योजना तैयार करें, जिसमें कृषि, शिक्षा और आजीविका के अवसरों में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया जाए, साथ ही क्षेत्र की जलवायु परिस्थितियों, सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों और सतत विकास की क्षमता को भी ध्यान में रखा जाए। 5

या

इंदिरा गांधी नहर कमांड क्षेत्र के विकास के कारण वहां के भौतिक पर्यावरण का क्षरण हुआ है। इंदिरा गांधी नहर परियोजना में पारिस्थितिक स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए पांच उपाय सुझाइए। 5

खंड-ई

29. विश्व के दिए गए राजनीतिक मानचित्र पर सात भौगोलिक विशेषताओं को A, B, C, D, E, F और G के रूप में चिह्नित किया गया है। निम्नलिखित जानकारी की सहायता से किन्हीं पाँच को पहचानिए और उनके सही नाम लिखिए।

एक। यूरोप के एक प्रमुख बंदरगाह का नाम बताइए।

बी। दक्षिण अफ्रीका में स्थित एक महत्वपूर्ण बंदरगाह का नाम बताइए।

सी। उस नहर का नाम बताइए जो अटलांटिक महासागर और प्रशांत महासागर को जोड़ती है।

डी। दक्षिण अमेरिका में जीवन निर्वाह हेतु संग्रहण के एक क्षेत्र का नाम बताइए।

ई. दक्षिण अमेरिका के एक प्रमुख हवाई अड्डे का नाम बताइए।

एफ। ट्रांस-साइबेरियन रेलवे के सबसे पूर्वी टर्मिनल स्टेशन का नाम बताइए।

जी। ऑस्ट्रेलिया में व्यापक व्यावसायिक अनाज कृषि वाले क्षेत्र का नाम बताइए।

निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए प्रश्न संख्या 29 के स्थान पर हैं। निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

एक। यूरोप का एक प्रमुख बंदरगाह।

बी। दक्षिण अफ्रीका में एक अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह।

सी। यूरोप का एक महत्वपूर्ण जलमार्ग।

डी। दक्षिण अमेरिका में जीवन निर्वाह के लिए फसलें एकत्र करने का एक क्षेत्र।

ई. दक्षिण अमेरिका का एक महत्वपूर्ण हवाई अड्डा।

एफ। ट्रांस-साइबेरियन रेलवे का एक टर्मिनल स्टेशन।

जी। ऑस्ट्रेलिया में व्यापक व्यावसायिक अनाज कृषि का क्षेत्र।

30. भारत के राजनीतिक रूपरेखा मानचित्र पर निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच भौगोलिक विशेषताओं को उपयुक्त प्रतीकों के साथ चिह्नित करें:

एक। ओडिशा में लौह अयस्क की एक महत्वपूर्ण खदान।

बी। भारत का सबसे दक्षिणी बंदरगाह

सी। गुजरात में एक तेल रिफाइनरी

डी। सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व वाला राज्य।

ई. चाय उत्पादन में अग्रणी राज्य

एफ। कर्नाटक में स्थित एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा।

जी। पश्चिम बंगाल में एक महत्वपूर्ण कोयला खदान

निम्नलिखित प्रश्न दृष्टिबाधित छात्रों के लिए प्रश्न संख्या 30 के स्थान पर हैं। किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

एक। ओडिशा में स्थित एक महत्वपूर्ण लौह अयस्क खदान का नाम बताइए।

बी। भारत के सबसे दक्षिणी बंदरगाह का नाम बताइए

सी। गुजरात में स्थित एक तेल रिफाइनरी का नाम बताइए।

डी। उस राज्य का नाम बताइए जिसकी जनसंख्या घनत्व सबसे अधिक है।

ई. भारत के एक प्रमुख कपास उत्पादक राज्य का नाम बताइए।

एफ। कर्नाटक के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम बताइए

जी। पश्चिम बंगाल की एक महत्वपूर्ण कोयला खदान का नाम बताइए।

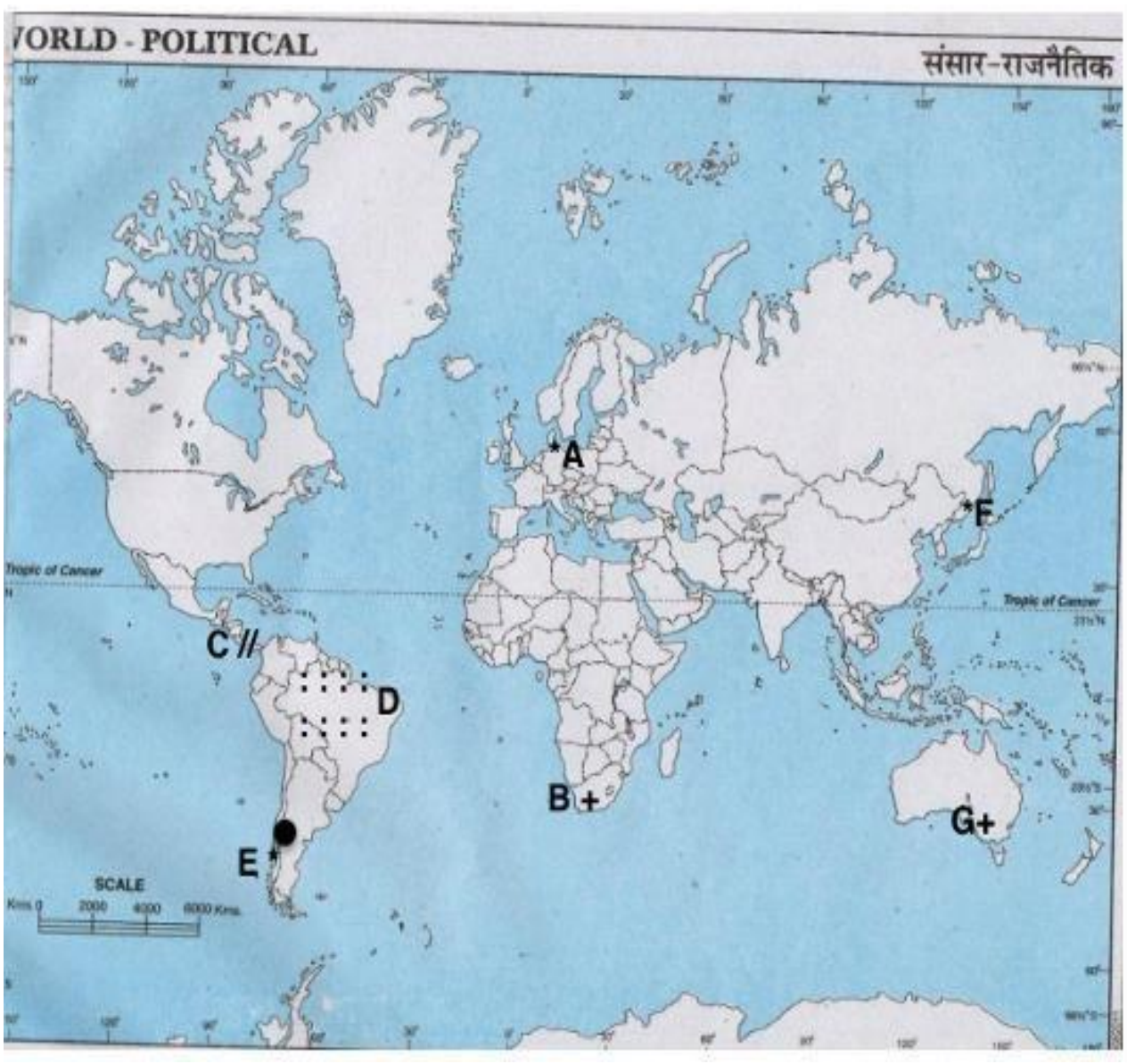

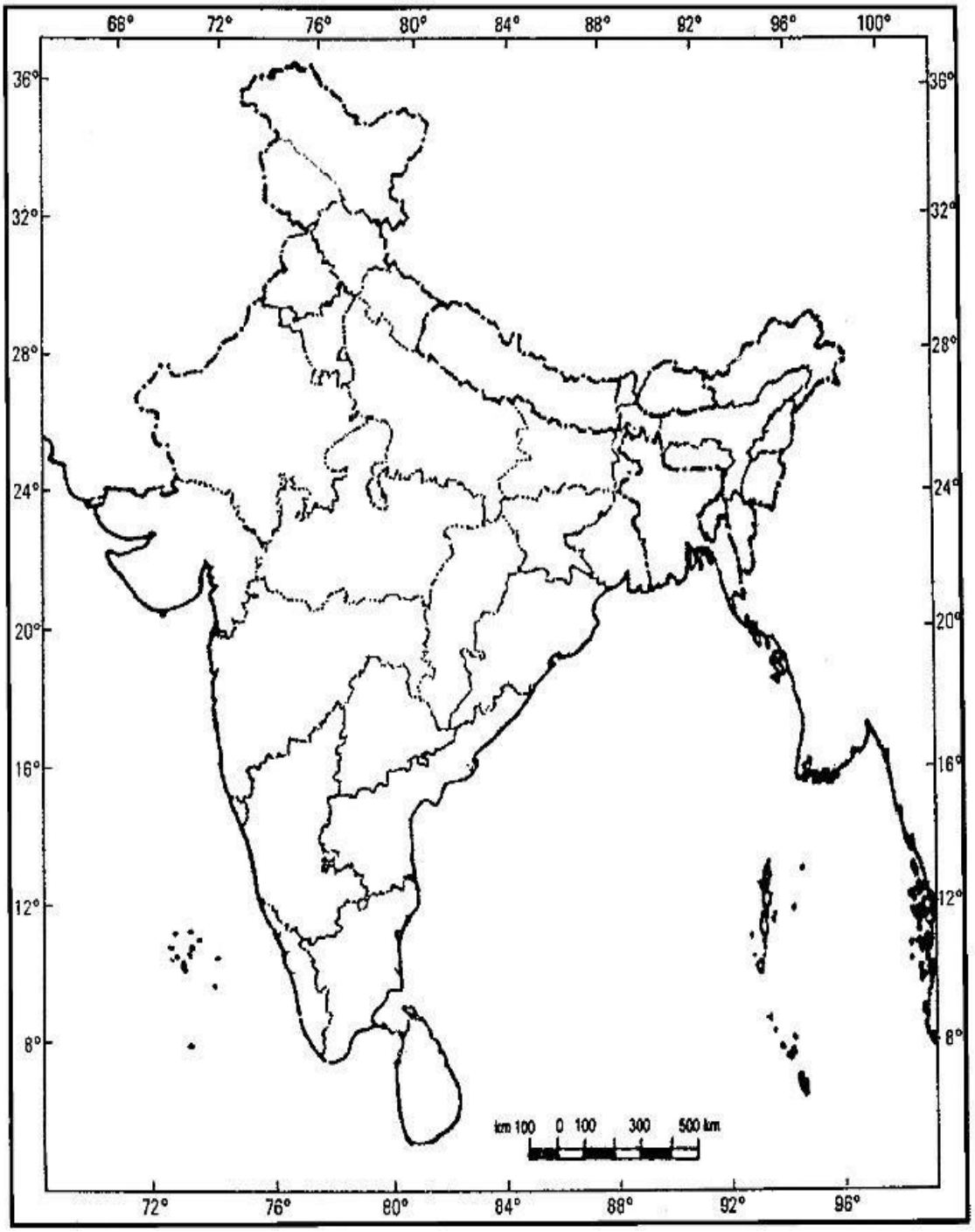
68°
72°
76°
80°
84°
88°
92°
96°
100°
36°
32°
28°
24°
20°
16°
12°
8°
km 100 0 100 300 500 km

अंकन योजना कक्षा: बारहवीं

समय सीमा: 3 घंटे अधिकतम अंक: 70

<u>सामान्य निर्देश:</u>

1. बी. 400 मिलियन 1

2. सी. चरण III: कम उतार-चढ़ाव। 1

3. डी. पर्यावरणीय स्थिरता और सामाजिक समानता संबंधी नीतियों को सुदृढ़ बनाना 1

4. बी. (ए) और (आर) दोनों सत्य हैं, लेकिन (आर) (ए) की सही व्याख्या नहीं है। 1

5. डी. एक वैज्ञानिक अनुसंधान प्रयोगशाला में आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों का विकास कर रहा है। 1

6. बी. 1-बी, 2-ए, 3-डी, 4-सी 1

7. बी. भौगोलिक निकटता वाले देशों और समान या पूरक व्यापारिक वस्तुओं वाले देशों के बीच व्यापार को प्रोत्साहित करना, जबकि विकासशील देशों में व्यापार प्रतिबंधों को कम करना। 1

8. सी. 2013-14 और 2016-17 के बीच निर्यात में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ। 1

9. डी. परिवार नियोजन और शिक्षा संबंधी पहलों के माध्यम से संतुलित जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा देना।1

10. सी. कामकाजी उम्र की आबादी पर आर्थिक दबाव 1

11। डी. 1960 और 1970 के दशक में गेहूं (मेक्सिको) और चावल (फिलीपींस) की उच्च उपज वाली बीज किस्मों का परिचय। 1

12. ए. रिपोर्टिंग क्षेत्र के हिस्से के रूप में कृषि योग्य बंजर भूमि का प्रतिशत 8.0% से घटकर 4.0% हो गया। 1

13. बी. केवल 2, 3 और 4 1

14. बी. अटल भूजल योजना 1

15. ए. अभिकथन (ए) और कारण (आर) दोनों सत्य हैं, और कारण (आर) अभिकथन (ए) की सही व्याख्या है। 1

16. ए. ए-3, बी-4, सी-1, डी-2 1

17. ए. सहायक नीतियों और प्रोत्साहनों का विस्तार करके एयरलाइनों को क्षेत्रीय और दूरस्थ मार्गों पर उड़ानें संचालित करने के लिए प्रोत्साहित करना। 1

18. (i) ग्रिफ़िथ टेलर 1

(ii) मनुष्य प्रकृति का पालन करके उस पर विजय प्राप्त कर सकता है। उसे चेतावनी संकेतों का पालन करना होगा और प्रकृति द्वारा अनुमत परिवर्तनों के आधार पर ही विकास के मार्ग पर आगे बढ़ सकता है। इसका अर्थ यह है कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना सीमाओं के भीतर ही संभावनाएं सृजित की जा सकती हैं और बिना किसी दुर्घटना के विकास संभव नहीं है। नव-निर्धारणवाद अवधारणात्मक रूप से 'या तो' या 'या' के द्वंद्व को समाप्त करके संतुलन स्थापित करने का प्रयास करता है। 1

(iii) विकसित अर्थव्यवस्थाओं द्वारा अपनाई गई अनियंत्रित छूट के परिणामस्वरूप ग्रीनहाउस प्रभाव, ओजोन परत का क्षरण, वैश्विक तापमान में वृद्धि, ग्लेशियरों का पिघलना और भूमि का क्षरण हो चुका है।1

19.(i) एचडीआई किसी देश की सकल राष्ट्रीय आय का मापन करता है। प्रति व्यक्ति आय, शिक्षा और जीवन प्रत्याशा। 1

(ii) रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि दुनिया के सबसे गरीब देशों में से आधे देश कोविड संकट से पहले के स्तर से नीचे बने हुए हैं। 1

(iii) वर्ष 2023 के एचडीआई में शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले देश स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और आइसलैंड थे। 1

20. ● आउटसोर्सिंग करने वाले देशों पर प्रभाव: आउटसोर्सिंग से भारत, चीन और फिलीपींस जैसे देशों में रोजगार सृजन हुआ है, क्योंकि यहाँ सस्ता श्रम और कुशल श्रमिक उपलब्ध हैं। हालांकि, इन देशों में रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं की ओर से इसका विरोध भी हुआ है।

● तुलनात्मक लाभ: आउटसोर्सिंग करने वाले देशों में कुशल श्रम की कम लागत और उपलब्धता एक तुलनात्मक लाभ प्रदान करती है, जिससे आउटसोर्सिंग एक व्यवहार्य व्यावसायिक विकल्प बन जाता है।

● प्रवासन के रुझान: आउटसोर्सिंग ने उन देशों से होने वाले प्रवासन को कम कर दिया है जहां नौकरियां उपलब्ध हैं, क्योंकि नए अवसरों के कारण लोगों को विदेश में काम तलाशने की आवश्यकता कम हो गई है।

● केपीओ का उदय: नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग (केपीओ) में उच्च कुशल श्रमिक शामिल होते हैं और यह आउटसोर्सिंग में एक नया चलन बन गया है। यह अनुसंधान, ई-लर्निंग, कानूनी सेवाओं और अन्य उच्च कौशल वाले क्षेत्रों पर केंद्रित है, जिससे अतिरिक्त व्यावसायिक अवसर पैदा होते हैं।

(कोई भी 3 बिंदु या कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु) 3

21. किन्हीं छह बिंदुओं का विस्तार से वर्णन कीजिए।

1) स्मार्ट शहरी नियोजन को अपनाना

2) सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाना

3) हरित अवसंरचना का कार्यान्वयन

4) नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना

5) संसाधनों का सतत प्रबंधन

6) प्रदूषण का समाधान

7) सामुदायिक सहभागिता और शिक्षा 3

22.(1) बेहतर सार्वजनिक बस सेवा: अधिक कुशल और विश्वसनीय सार्वजनिक परिवहन प्रदान करके, शहर लोगों को निजी वाहनों के बजाय बसों को चुनने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं, जिससे भीड़भाड़ और प्रदूषण कम हो जाएगा।

(2) एक्सप्रेसवे: अलग-अलग ट्रैफिक लेन, पुलों और फ्लाईओवरों के साथ एक्सप्रेसवे बनाने से शहरों में सुचारू यातायात प्रवाह सुनिश्चित करने और भीड़भाड़ को कम करने में मदद मिल सकती है।

(3) मास रैपिड ट्रांजिट (एमआरटी): एमआरटी सिस्टम को लागू करने से शहरों के भीतर इलेक्ट्रिक ट्रेनों, भूमिगत सुरंगों, मेट्रो और एलिवेटेड रेलवे जैसी उच्च क्षमता वाली, कुशल परिवहन व्यवस्था मिल सकती है, जिससे कारों या अन्य निजी वाहनों पर निर्भरता कम हो सकती है और भीड़भाड़ और प्रदूषण कम हो सकता है।

(4) उच्च पार्किंग शुल्क: पार्किंग शुल्क बढ़ाने से आवागमन के लिए निजी वाहनों के उपयोग को हतोत्साहित किया जा सकता है, जिससे लोगों को सार्वजनिक परिवहन या अन्य विकल्पों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

3

(कोई भी तीन बिंदु या कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु)

23. 1951-1981 के दशकों को भारत में "जनसंख्या विस्फोट" का काल कहा जाता है, जिसका कारण था-

● देश में मृत्यु दर में तेजी से गिरावट आई है, लेकिन जनसंख्या की प्रजनन दर काफी अधिक है। औसत वार्षिक वृद्धि दर 2.2 प्रतिशत तक थी।

●स्वतंत्रता के बाद इसी काल में केंद्रीकृत नियोजन प्रक्रिया के माध्यम से विकासात्मक गतिविधियाँ शुरू की गईं और अर्थव्यवस्था में सुधार दिखने लगा, जिससे आम लोगों के जीवन स्तर में वृद्धि सुनिश्चित हुई। इस प्रकार, प्राकृतिक वृद्धि दर और विकास दर में काफी वृद्धि हुई।

●इसके अलावा, तिब्बतियों, बांग्लादेशियों, नेपालियों और यहां तक कि पाकिस्तान से आने वाले लोगों के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय प्रवासन ने भी उच्च विकास दर में योगदान दिया।

या

किशोरावस्था यानी 10 से 19 वर्ष की आयु वर्ग के लोग लगभग 20.9 प्रतिशत (2011) हैं। किशोर जनसंख्या का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो भविष्य में कार्यबल और अर्थव्यवस्था में योगदान देंगे।

किशोरवय को उच्च क्षमता से भरपूर युवा आबादी माना जाता है, लेकिन उचित मार्गदर्शन और दिशा-निर्देश न मिलने पर वे काफी असुरक्षित भी हो सकते हैं। इन किशोरों से संबंधित समाज के सामने कई चुनौतियाँ हैं, जिनमें से कुछ हैं कम उम्र में विवाह, निरक्षरता - विशेष रूप से महिला निरक्षरता, स्कूल छोड़ने वाले बच्चे, पोषक तत्वों का अपर्याप्त सेवन, किशोर माताओं की उच्च मातृ मृत्यु दर, एचआईवी और एड्स संक्रमण की उच्च दर, शारीरिक और मानसिक विकलांगता या मंदबुद्धि, नशीली दवाओं का दुरुपयोग और शराबखोरी, किशोर अपराध और आपराधिक गतिविधियों में भागीदारी आदि।

3

24. पशुपालन या घुमंतू पशुपालन एक आदिम जीविका गतिविधि है, जिसमें पशुपालक भोजन, वस्त्र, आश्रय, औजार और परिवहन के लिए पशुओं पर निर्भर रहते हैं। वे चरागाहों और पानी की मात्रा और गुणवत्ता के आधार पर अपने पशुओं के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं। प्रत्येक घुमंतू समुदाय परंपरा के अनुसार एक सुस्थापित क्षेत्र में निवास करता है।

विभिन्न क्षेत्रों में विविध प्रकार के पशु पाले जाते हैं। उष्णकटिबंधीय अफ्रीका में मवेशी सबसे महत्वपूर्ण पशुधन हैं, जबकि सहारा और एशियाई रेगिस्तानों में भेड़, बकरी और ऊंट पाले जाते हैं। तिब्बत और एंडीज के पर्वतीय क्षेत्रों में याक और लामा तथा आर्कटिक और उप-आर्कटिक क्षेत्रों में बारहसिंगा सबसे महत्वपूर्ण पशु हैं।

ग्रीष्म ऋतु में मैदानी इलाकों से पहाड़ों पर स्थित चारागाहों की ओर और शीत ऋतु में पर्वतीय चारागाहों से मैदानी इलाकों की ओर प्रवास करने की प्रक्रिया को ट्रांसहयूमन्स (पशुओं का प्रवास) कहते हैं। हिमालय जैसे पर्वतीय क्षेत्रों में गुर्जर, बकरवाल, गद्दी और भोटिया जनजातियाँ ग्रीष्म ऋतु में मैदानी इलाकों से पहाड़ों की ओर और शीत ऋतु में उच्च ऊंचाई वाले चारागाहों से मैदानी इलाकों की ओर प्रवास करती हैं। इसी प्रकार, टुंड्रा क्षेत्रों में खानाबदोश चरवाहे ग्रीष्म ऋतु में दक्षिण से उत्तर की ओर और शीत ऋतु में उत्तर से दक्षिण की ओर प्रवास करते हैं।

या

खनन गतिविधि को प्रभावित करने वाले कारक:

i.भौतिक कारकों में निक्षेपों का आकार, श्रेणी और उनके पाए जाने का तरीका शामिल है।

ii. खनिज की मांग, उपलब्ध और उपयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पूंजी और श्रम तथा परिवहन लागत जैसे आर्थिक कारक।

उच्च श्रम लागत के कारण विकसित अर्थव्यवस्थाएं खनन, प्रसंस्करण और शोधन जैसे उत्पादन चरणों से पीछे हट रही हैं, जबकि बड़ी श्रमशक्ति वाले और उच्च जीवन स्तर के लिए प्रयासरत विकासशील देश अधिक महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। अफ्रीका के कई देशों और दक्षिण अमेरिका और एशिया के कुछ देशों की पचास प्रतिशत से अधिक आय केवल खनिजों से ही होती है। 2+3=5

25. रोजगार के अवसर, बेहतर जीवन स्तर, क्रय शक्ति में वृद्धि

1. रोजगार सृजन और रोजगार में वृद्धि: लघु उद्योग श्रम प्रधान होते हैं, जिससे अनेक नौकरियां सृजित होती हैं और जनसंख्या के एक बड़े हिस्से को रोजगार के अवसर मिलते हैं।

2. गरीबी में कमी और आजीविका में सुधार: अधिक रोजगार विकल्प प्रदान करके, लघु उद्योग शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में गरीबी को कम करने और व्यक्तियों के जीवन स्तर को बढ़ाने में मदद करते हैं।

3. समान आय वितरण और बेहतर स्थानीय क्रय शक्ति: लघु उद्योग अधिक संतुलित आय वितरण का समर्थन करते हैं, व्यक्तियों की स्थानीय क्रय शक्ति को बढ़ाते हैं और जमीनी स्तर पर आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करते हैं।

4. क्षेत्रीय विकास: लघु उद्योग में अक्सर स्थानीय कच्चे माल और संसाधनों का उपयोग होता है, जिससे संसाधन संपन्न क्षेत्रों के आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है।

5. कौशल विकास: लघु उद्योग कार्यबल को मूल्यवान कौशल विकसित करने के अवसर प्रदान करते हैं, जिससे उनकी उत्पादकता और कमाई की संभावनाएं बढ़ती हैं।

क्षेत्रीय स्तर पर केंद्रित, आत्मनिर्भर और अत्यधिक विशिष्ट उच्च-तकनीकी उद्योगों को टेक्नोपोली कहा जाता है।

इनमें असेंबली लाइन पर रोबोटिक्स का उपयोग, कंप्यूटर-एडेड डिजाइन (CAD) और विनिर्माण, तथा गलाने और शोधन प्रक्रियाओं के इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रण जैसी विशेषताएं शामिल हैं।

उच्च तकनीक वाले औद्योगिक परिदृश्य में विशाल संयोजन संरचनाओं, कारखानों और भंडारण क्षेत्रों के बजाय सुव्यवस्थित रूप से व्यवस्थित, कम ऊंचाई वाली, आधुनिक, बिखरी हुई कार्यालय-संयंत्र-प्रयोगशाला इमारतें दिखाई देती हैं। उच्च तकनीक वाले स्टार्टअप के लिए नियोजित व्यावसायिक पार्क क्षेत्रीय और स्थानीय विकास योजनाओं का हिस्सा बन गए हैं।

नए रासायनिक और औषधीय उत्पाद उच्च-तकनीकी उद्योग के उल्लेखनीय उदाहरण हैं।

सैन फ्रांसिस्को के पास स्थित सिलिकॉन वैली और सिएटल के पास स्थित सिलिकॉन फॉरेस्ट विश्व अर्थव्यवस्था में विनिर्माण के महत्वपूर्ण योगदान के उदाहरण हैं। लोहा और इस्पात, वस्त्र उद्योग, प्रौद्योगिकी-बहुलताएँ। 3+2=5

या

औद्योगिक स्थानों को प्रभावित करने वाले कुछ कारक इस प्रकार हैं:

1. बाज़ार तक पहुंच: विनिर्मित वस्तुओं के लिए बाज़ार का होना उद्योगों के स्थान निर्धारण में सबसे महत्वपूर्ण कारक है। कम आबादी वाले दूरस्थ क्षेत्रों में छोटे बाज़ार होते हैं। यूरोप, उत्तरी अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विकसित क्षेत्र बड़े वैश्विक बाज़ार प्रदान करते हैं क्योंकि वहां लोगों की क्रय शक्ति बहुत अधिक है। दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के घनी आबादी वाले क्षेत्र भी बड़े बाज़ार उपलब्ध कराते हैं। कुछ उद्योग, जैसे विमान निर्माण, का वैश्विक बाज़ार है। हथियार उद्योग का भी वैश्विक बाज़ार है।

2. कच्चे माल की उपलब्धता: उद्योगों द्वारा उपयोग किया जाने वाला कच्चा माल सस्ता और परिवहन में आसान होना चाहिए। सस्ते, भारी और वजन घटाने वाले पदार्थों (अयस्कों) पर आधारित उद्योग कच्चे माल के स्रोतों के निकट स्थित होते हैं, जैसे इस्पात, चीनी और सीमेंट उद्योग। कच्चे माल के स्रोत के निकट उद्योग के स्थित होने का एक महत्वपूर्ण कारक उसकी शीघ्र खराब होने की क्षमता है। कृषि-प्रसंस्करण और दुग्ध उत्पाद क्रमशः कृषि उपज या दूध आपूर्ति के स्रोतों के निकट संसाधित किए जाते हैं।

3. श्रम आपूर्ति तक पहुंच: उद्योगों की स्थापना में श्रम आपूर्ति एक महत्वपूर्ण कारक है। कुछ प्रकार के विनिर्माण कार्यों में अभी भी कुशल श्रमिकों की आवश्यकता होती है। औद्योगिक प्रक्रियाओं के बढ़ते मशीनीकरण, स्वचालन और लचीलेपन ने उद्योगों की श्रमिकों पर निर्भरता को कम कर दिया है।

4. ऊर्जा स्रोतों तक पहुंच: अधिक बिजली की खपत करने वाले उद्योग ऊर्जा आपूर्ति के स्रोत के निकट स्थित होते हैं, जैसे कि एल्युमीनियम उद्योग। पहले कोयला ऊर्जा का मुख्य स्रोत था, लेकिन आज जलविद्युत और पेट्रोलियम भी कई उद्योगों के लिए ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोत हैं।

5. परिवहन और संचार सुविधाओं तक पहुंच: कारखानों तक कच्चे माल को पहुंचाने और तैयार माल को बाजार तक पहुंचाने के लिए त्वरित और कुशल परिवहन सुविधाएं उद्योगों के विकास के लिए आवश्यक हैं। परिवहन लागत औद्योगिक इकाइयों के स्थान निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पश्चिमी यूरोप और पूर्वी उत्तरी अमेरिका में एक अत्यधिक विकसित परिवहन प्रणाली है, जिसने हमेशा इन क्षेत्रों में उद्योगों के संकेंद्रण को प्रेरित किया है। सूचना के आदान-प्रदान और प्रबंधन के लिए संचार भी उद्योगों की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

6. सरकारी नीति: सरकारें 'संतुलित' आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए 'क्षेत्रीय नीतियां' अपनाती हैं और इसलिए विशेष क्षेत्रों में उद्योग स्थापित करती हैं। 5

26. भारत के शहरी केंद्र सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक-सांस्कृतिक और विकास के अन्य संकेतकों के संदर्भ में अधिक भिन्न हैं। एक ओर बंगले, ऊंची-ऊंची इमारतें आदि हैं, वहीं दूसरी ओर झुग्गी-झोपड़ियों के समूह और कच्ची बस्तियों की कॉलोनियां हैं।

झुग्गी-झोपड़ियों में वे लोग रहते हैं जिन्हें आजीविका की तलाश में ग्रामीण क्षेत्रों से इन शहरी केंद्रों में पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ा, लेकिन उच्च किराए और जमीन की उच्च लागत के कारण वे उचित आवास का खर्च वहन नहीं कर सके।

ii. ये पर्यावरण के अनुकूल न होने वाले और निम्न स्तर के क्षेत्रों में बसे होते हैं। झुग्गी-झोपड़ियाँ निम्नतम स्तर के आवासीय क्षेत्र होते हैं, जिनमें जर्जर मकान, खराब स्वच्छता, अपर्याप्त वेंटिलेशन और पीने के पानी, बिजली और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव होता है।

iii. खुले में शौच, अनियमित जल निकासी व्यवस्था और भीड़भाड़ वाली संकरी गलियाँ गंभीर स्वास्थ्य और सामाजिक-पर्यावरणीय खतरे हैं।

झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाली अधिकांश आबादी शहरी अर्थव्यवस्था के कम वेतन वाले, उच्च जोखिम वाले और असंगठित क्षेत्रों में काम करती है। ये परिस्थितियाँ उनके जीवन को और कठिन बना देती हैं।

i. परिणामस्वरूप, वे कुपोषण के शिकार होते हैं, विभिन्न प्रकार की बीमारियों और अस्वस्थता के शिकार होते हैं और अपने बच्चों को उचित शिक्षा देने में असमर्थ होते हैं।

ii. गरीबी उन्हें मादक पदार्थों के सेवन, शराबखोरी, अपराध, तोड़फोड़, पलायनवाद, उदासीनता और अंततः सामाजिक बहिष्कार के प्रति संवेदनशील बनाती है।

या

1. ध्वनि प्रदूषण से तात्पर्य विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न होने वाले शोर से है, जो मनुष्यों के लिए असहनीय और असुविधाजनक होता है। भारत के कई महानगरों और बड़े शहरों में यह एक गंभीर समस्या है।

2. प्रदूषण के स्रोत से दूरी बढ़ने के साथ इसकी तीव्रता कम हो जाती है, जैसे कि समुद्री यातायात में; लोडिंग और अनलोडिंग गतिविधियों के कारण ध्वनि प्रदूषण बंदरगाह तक ही सीमित रहता है।

3. विभिन्न तकनीकी नवाचारों के कारण यह मामला हाल के वर्षों में ही एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है।

4. ध्वनि प्रदूषण के मुख्य स्रोत विभिन्न कारखाने, मशीनीकृत निर्माण और विध्वंस कार्य, ऑटोमोबाइल और विमान आदि हैं।

5. उद्योग ध्वनि प्रदूषण का कारण बनते हैं, लेकिन उद्योग के प्रकार के आधार पर इसकी तीव्रता भिन्न-भिन्न होती है।

6. सबसे बड़ी परेशानी यातायात से उत्पन्न होने वाला शोर है।

7. इसकी तीव्रता और प्रकृति विमान, वाहन, ट्रेन के प्रकार और सड़क की स्थिति जैसे कारकों पर निर्भर करती है, साथ ही वाहन की स्थिति पर भी।

8. विभिन्न त्योहारों और सामुदायिक गतिविधियों से जुड़े कार्यक्रमों में इस्तेमाल होने वाले सायरन और लाउडस्पीकरों से समय-समय पर प्रदूषणकारी शोर भी हो सकता है। 5

(कोई भी पाँच या कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु)

27.i. भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वस्तुओं की संरचना में वर्षों से बदलाव आ रहा है। निर्यात में कृषि और संबद्ध उत्पादों तथा विनिर्मित वस्तुओं का हिस्सा घट गया है।

ii. कच्चे पेट्रोलियम और उत्पादों तथा अन्य वस्तुओं से प्राप्त हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है।

iii. 2015-16 से 2021-22 तक अयस्क और खनिजों का हिस्सा काफी हद तक स्थिर रहा है।

iv. पारंपरिक वस्तुओं में गिरावट का मुख्य कारण कड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा है।

वी कृषि उत्पादों में, काजू आदि जैसी पारंपरिक वस्तुओं के निर्यात में गिरावट आई है, हालांकि पुष्प उत्पादों, ताजे फलों, समुद्री उत्पादों और चीनी आदि के निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई है। 5

28. भरमौर आदिवासी क्षेत्र में कठोर जलवायु परिस्थितियाँ, सीमित संसाधन और नाजुक पर्यावरण है। इन कारकों ने क्षेत्र के समाज और अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। यह हिमाचल प्रदेश के सबसे (आर्थिक और सामाजिक रूप से) पिछड़े क्षेत्रों में से एक है। गद्दी समुदाय भौगोलिक और राजनीतिक अलगाव तथा सामाजिक-आर्थिक अभाव का सामना कर चुका है।

गद्दी जनजाति के जीवन स्तर में सुधार लाने और भरमौर तथा हिमाचल प्रदेश के अन्य क्षेत्रों के बीच विकास के अंतर को पाटने के लिए।

फोकस क्षेत्र

मैं। कृषि और संबद्ध गतिविधियाँ: कृषि का आधुनिकीकरण, बागवानी और पशुधन सुधार को बढ़ावा देना, कृषि पद्धतियों को अपनाना और बुनियादी ढांचे का विकास करना, क्षेत्र की कठोर जलवायु, हिमपात और सीमित फसल मौसम जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए।

ii. शिक्षा और कौशल विकास: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, वयस्क साक्षरता कार्यक्रम तक पहुंच, लक्षित कार्यक्रमों और कौशल विकास के माध्यम से गरीबी, बेरोजगारी और ऐतिहासिक अलगाव के मुद्दों का समाधान करना।

iii. आजीविका के अवसर: पर्यावरण के अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देना, हस्तशिल्प को समर्थन देना, संपर्क व्यवस्था में सुधार करना।

iv. सामुदायिक भागीदारी: गद्दी समुदाय की विशिष्ट आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए योजना और कार्यान्वयन में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

वी सरकारी सहायता: अवसंरचना विकास, शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों के लिए सरकार से धन और नीतिगत समर्थन प्राप्त करें।

उपरोक्त बिंदुओं को विस्तार से समझाइए। 5

या

इंदिरा गांधी नहर परियोजना में सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित उपायों का उद्देश्य पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करना है।

i. पहली आवश्यकता जल प्रबंधन नीति का कड़ाई से कार्यान्वयन है। नहर परियोजना में चरण-I में सुरक्षात्मक सिंचाई और चरण-II में फसलों की व्यापक सिंचाई और चारागाह विकास की परिकल्पना की गई है।

ii. सामान्यतः, फसल प्रणाली में अधिक जल की आवश्यकता वाली फसलें शामिल नहीं होनी चाहिए। इसका पालन किया जाना चाहिए और लोगों को खट्टे फलों जैसी बागवानी फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

iii. जलमार्गों की लाइनिंग, भूमि विकास और समतलीकरण तथा वारबंदी प्रणाली (नहर के पानी का आउटलेट के कमांड क्षेत्र में समान वितरण) जैसे सी.डी. कार्यक्रमों को जल परिवहन हानि को कम करने के लिए प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा।

iv. जलभराव और मृदा लवणता से प्रभावित क्षेत्रों का सुधार किया जाएगा।

वी. वनरोपण, आश्रय पट्टी वृक्षारोपण और चारागाह विकास के माध्यम से पारिस्थितिक विकास विशेष रूप से चरण-II के नाजुक वातावरण में आवश्यक है।

vi. इस क्षेत्र में सामाजिक स्थिरता तभी प्राप्त की जा सकती है जब आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि वाले भूमि आवंटियों को भूमि की खेती के लिए पर्याप्त वित्तीय और संस्थागत सहायता प्रदान की जाए।

vii. इस क्षेत्र में आर्थिक स्थिरता केवल कृषि और पशुपालन के विकास से ही प्राप्त नहीं की जा सकती। कृषि और संबद्ध गतिविधियों का विकास अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ होना चाहिए। इससे आर्थिक आधार का विविधीकरण होगा और बुनियादी गांवों, कृषि-सेवा केंद्रों और बाजार केंद्रों के बीच कार्यात्मक संबंध स्थापित होंगे। 5

(कोई भी पाँच या कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु)

29.ए - हैम्बर्ग

बी- केपटाउन

सी - पनामा नहर

डी- अमेज़न बेसिन

ई - सैंटियागो

एफ - व्लादिवोस्तोक

जी-डाउन

दृष्टिबाधित छात्रों के लिए।

ए - हैम्बर्ग/लंदन/नॉर्थ केप

बी - केपटाउन

सी - राइन जलमार्ग

डी - अमेज़न बेसिन

ई- सैंटियागो/ ब्यूनस आयर्स

एफ- व्लादिवोस्तोक/ सेंट पीटर्सबर्ग

जी-डाउन

30. ए.मयूरभंज

बी. तुतिकोरिन

सी. जामनगर

डी.बिहार

ई.असम

एफ. बेंगलुरु

जी. रानीगंज

दृष्टिबाधित छात्रों के लिए।

ए.मयूरभंज

बी. तुतिकोरिन

सी. जामनगर

डी.बिहार

पूर्वी गुजरात

एफ. बेंगलुरु

जी. रानीगंज

नमूना प्रश्न पत्र-1

(भूगोल सिद्धांत (029)

एक खंड

प्रश्न संख्या 1 से 17 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। (17 x 1)

1. प्रश्न: भारत में जनसांख्यिकीय संक्रमण के चरणों के संबंध में निम्नलिखित कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें:

I. प्रथम चरण **(1901-1921)** को स्थिर चरण कहा जाता है क्योंकि जन्म और मृत्यु दर दोनों ही बहुत अधिक थीं, जिसके परिणामस्वरूप विकास दर कम रही।

II. स्वास्थ्य और स्वच्छता में सुधार के कारण मृत्यु दर में कमी आने लगी, जिसके परिणामस्वरूप द्वितीय चरण **(1921-1951)** को स्थिर जनसंख्या वृद्धि की अवधि के रूप में जाना जाता है।

III. भारत में तीसरे चरण **(1951-1981)** को जनसंख्या विस्फोट की अवधि के रूप में पहचाना जाता है, जिसकी विशेषता मृत्यु दर में तेजी से गिरावट थी जबकि प्रजनन दर उच्च बनी रही।

IV. जनसांख्यिकीय संक्रमण के अंतिम चरण में, जनसंख्या लगभग स्थिर रहती है क्योंकि प्रजनन दर और मृत्यु दर दोनों ही बहुत अधिक हो जाती हैं।

विकल्प:

A. केवल **I, II** और **IV** सही हैं।

B. केवल **I, II** और **III** सही हैं।

C. केवल **II, III** और **IV** सही हैं।

D. केवल **I, III** और **IV** सही हैं।

2. विश्व के अधिकांश महान बंदरगाहों को इस प्रकार वर्गीकृत किया गया है:

A. नौसेना बंदरगाह

B. व्यापक बंदरगाह

C. तेल बंदरगाह

D. औद्योगिक बंदरगाह

3. 'मेडिकल टूरिज्म' के संबंध में निम्नलिखित कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें:

I. चिकित्सा पर्यटन तब कहलाता है जब चिकित्सा उपचार को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन गतिविधियों के साथ जोड़ा जाता है।

II. स्वास्थ्य सेवाओं को तृतीयक गतिविधियों की श्रेणी में रखा जाता है क्योंकि इनमें विशेष पेशेवर कौशल, सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है।

III. मेडिकल आउटसोर्सिंग एक संबंधित प्रवृत्ति है जहां रेडियोलॉजी छवियों को पढ़ना या एमआरआई स्कैन की व्याख्या करना जैसी चिकित्सा गतिविधियां सीमाओं के पार की जाती हैं।

IV. भारत जैसे देशों में इस क्षेत्र के विकास का एक प्रमुख कारण विकसित देशों की तुलना में सस्ते और कुशल पेशेवरों की उपलब्धता है।

विकल्प:

A. केवल **I** और **II** सही हैं।

B. केवल **I, II** और **III** सही हैं।

C. केवल **II, III** और **IV** सही हैं।

D. सभी कथन सही हैं।

4. मानव विकास के मापन के संबंध में निम्नलिखित कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें:

I. मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) किसी देश द्वारा मानव विकास के प्रमुख क्षेत्रों में प्राप्त की गई उपलब्धियों या सफलताओं को मापता है।

II. मानव गरीबी सूचकांक (एचपीआई) का उपयोग मानव विकास में उपलब्धियों के बजाय कमियों या अभावों को मापने के लिए किया जाता है।

III. एचडीआई और एचपीआई दोनों ही गैर-आय मापक हैं जो केवल आय को देखने की तुलना में किसी देश के विकास का अधिक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करते हैं।

विकल्प:

A. केवल **I** और **II** सही हैं।

B. केवल **I** और **III** सही हैं।

C. केवल द्वितीय और तृतीय सही हैं।

D. सभी कथन सही हैं।

5. निम्नलिखित में से कौन सा जोड़ा सही ढंग से मेल नहीं खाता है?

	सूची**1**	सूची **2**
A.	हिस्सेदारी	**I.** प्रत्येक व्यक्ति को व्यक्तित्व तक समान पहुंच प्रदान करना
B.	उत्पादकता	**II.** भविष्य को खदान में रखते हुए प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करना
C.	अधिकारिता	**III.** सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समूहों का सशक्तिकरण
D.	वहनीयता	**IV.** किसी व्यक्ति की उपलब्धता में निरंतरता

6. कॉलम **I** (खनन केंद्र) का कॉलम **II** (खनिज) से मिलान करें।

स्तंभ 1 (खनन केंद्र)	**स्तंभ II (खनिज)**
(ए) झरिया	**(i)** मैंगनीज
(ख) बालाघाट	**(ii)** बॉक्साइट
(सी) खेतरी	**(iii)** कोयला
(घ) कटनी	**(iv)** तांबा

विकल्प:

A. **(ए)-(iii), (बी)-(आई), (सी)-(iv), (डी)-(ii)**

B. **(ए)-(iv), (बी)-(ii), (सी)-(iii), (डी)-(i)**

C. **(ए)-(ii), (बी)-(iv), (सी)-(i), (डी)-(iii)**

D. **(ए)-(iii), (बी)-(ii), (सी)-(iv), (डी)-(i)**

7. निम्नलिखित कथन पर विचार करें-

I. नागपुर योजना सड़क विकास योजना से संबंधित है।

II. एनएचएआई भूतल परिवहन मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय है।

III. राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क की कुल लंबाई का लगभग **2%** हिस्सा है, लेकिन सड़क यातायात का **80%** हिस्सा इसी पर चलता है।

विकल्प:

A. केवल मैं

B. केवल **I** और **II**

C. केवल **II** और **III**

D. केवल **III**

8. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के इतिहास से संबंधित निम्नलिखित तथ्यों को क्रम में व्यवस्थित करें।

i. रेशम मार्ग लंबी दूरी के व्यापार का एक प्रारंभिक उदाहरण है जो **6,000** किलोमीटर लंबे मार्ग के माध्यम से रोम को चीन से जोड़ता था।

ii. रोमन साम्राज्य के विघटन के बाद, बारहवीं और तेरहवीं शताब्दी के दौरान यूरोपीय वाणिज्य में वृद्धि हुई, समुद्र में चलने वाले युद्धपोतों के विकास के साथ यूरोप और एशिया के बीच व्यापार बढ़ा और अमेरिका की खोज हुई।

iii. पंद्रहवीं शताब्दी से यूरोपीय उपनिवेशवाद शुरू हुआ और विदेशी वस्तुओं के व्यापार के साथ-साथ व्यापार का एक नया रूप सामने आया जिसे दास व्यापार कहा जाता था।

iv. प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, देशों ने पहली बार व्यापार कर और मात्रात्मक प्रतिबंध लगाए।

कोड-

A. i, ii, iv, v

B. iv, ii, iii, I

C. i, ii, iii, iv

D. iii, ii, iv, i

9. इन दोनों कथनों पर विचार करें और उचित निष्कर्ष निकालें।

1. जल संसाधन धीरे-धीरे घट रहे हैं।
2. जल प्रदूषण फ्लोराइड और नाइट्राइट की सांद्रता के कारण होता है।

विकल्प

A. कथन **1** और **2** दोनों सही हैं और कथन **1,** कथन **2** की सही व्याख्या है।

B. कथन **1** और **2** दोनों सही हैं और कथन **1,** कथन **2** की सही व्याख्या नहीं है।

C. कथन **1** सही है और कथन **2** गलत है।

D. कथन **2** सही है और कथन **1** गलत है।

10. राजस्थान, जो पहले कम आबादी वाला राज्य था, अब निम्नलिखित कारणों से अधिक जनसंख्या घनत्व वाला राज्य बन गया है:

A. परिवहन नेटवर्क का विस्तार
B. ऊर्जा संसाधनों की उपलब्धता
C. ऐतिहासिक स्थलों का विकास
D. कृषि का विकास

11. निम्नलिखित में से कौन सा 'नमामि गंगा कार्यक्रम' का उद्देश्य नहीं है?

A. शहरों में सीवेज उपचार प्रणालियों का विकास करना
B. औद्योगिक अपशिष्टों की निगरानी
C. नदी के किनारों पर वृक्षारोपण
D. शहरों से नदी के प्रवाह को मोड़ने के लिए

12. रमन एक छोटा किसान है। निम्नलिखित में से कौन सा कथन उस पर लागू होता है?

1. यह आधुनिक उपकरणों का उपयोग करता है और खेती का एक अत्यधिक मशीनीकृत रूप अपनाता है।
2. बाजार में अतिरिक्त फसल बेचकर भारी पूंजी जुटाता है।
3. वह अपने खेतों में काम करने के लिए कृषि मजदूरों को काम पर रखता है।
4. मुख्यतः जीवन निर्वाह के लिए उत्पादन करता है।

विकल्प

A. केवल **1** और **2**
B. **1, 2, 3** और **4**
C. केवल **1, 2** और **3**
D. केवल **4**

13. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिन्हें अभिकथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें।

कथन (ए): भारत की हरित क्रांति इस बात का एक उदाहरण है कि कैसे उत्पादन प्रौद्योगिकी में सुधार के साथ दुर्लभ भूमि संसाधनों की उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है।

कारण (आर): हरित क्रांति के कारण, किसानों ने जमीन के उसी टुकड़े पर पहले की तुलना में कहीं अधिक मात्रा में खाद्यान्न का उत्पादन किया।

A. **A** सत्य है लेकिन **R** असत्य है।
B. **A** असत्य है लेकिन **R** सत्य है।
C. **A** और **R** दोनों सत्य हैं और **R, A** की व्याख्या करता है।
D. **A** और **R** दोनों सत्य हैं, लेकिन **R, A** की व्याख्या नहीं करता है।

14. भारत सरकार द्वारा शुरू की गई सेतुभारतम परियोजना का लक्ष्य क्या हासिल करना है?

A. तटीय सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ-साथ राज्य सड़कों का विकास।

B. लगभग 1500 बड़े पुलों और 200 रेल ओवरब्रिज और रेल अंडरब्रिज का निर्माण।

C. सीमावर्ती सड़कों का विकास।

D. अधिक जलमार्गों का निर्माण।

निम्नलिखित ग्राफ को पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।

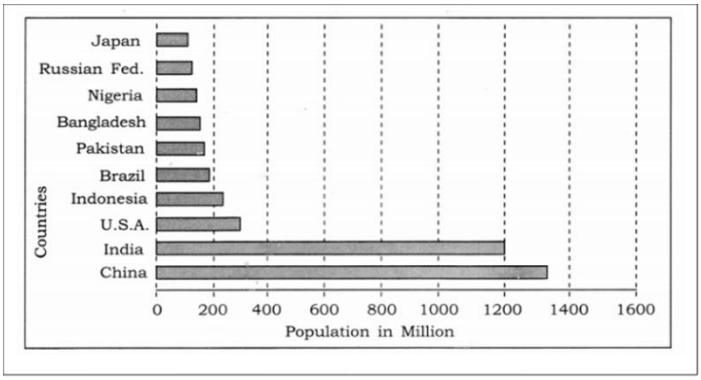

15. सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश की पहचान कीजिए।

A. रूस B. भारत C. चीन D. कनाडा

16. उस एशियाई देश की पहचान कीजिए जो जनसंख्या के हिसाब से विश्व का चौथा सबसे बड़ा देश है।

A. पाकिस्तान

B. भारत

C. चीन

D. इंडोनेशिया

17. विश्व के सबसे अधिक आबादी वाले देशों का सबसे बड़ा संकेंद्रण किस महाद्वीप में है?

A. उत्तरी अमेरिका

B. दक्षिण अमेरिका

C. अफ्रीका

D. एशिया

<u>धारा-बी</u>

18. नीचे दी गई तालिका का अध्ययन करें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

Table 4.2: Human Development: Categories, Criteria and Countries

Level of Human Development	*Score in Development Index*	*Number of Countries*
Very High	above 0.800	66
High	between 0.700 up to 0.799	53
Medium	between 0.550 up to 0.699	37
Low	below 0.549	33

Source: Human Development Report, 2020

18.1. कम मानव विकास वाले देशों की श्रेणी में आने वाले देशों के मानव विकास स्कोर की पहचान करें।

18.2. 33 देशों में मानव विकास के निम्न स्तर के कारण बताइए।

18.3. मानव विकास स्तर की गणना के लिए उपयोग किए जाने वाले मानदंडों की सूची बनाएं।

19. स्वेज नहर के मानचित्र का अध्ययन करें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

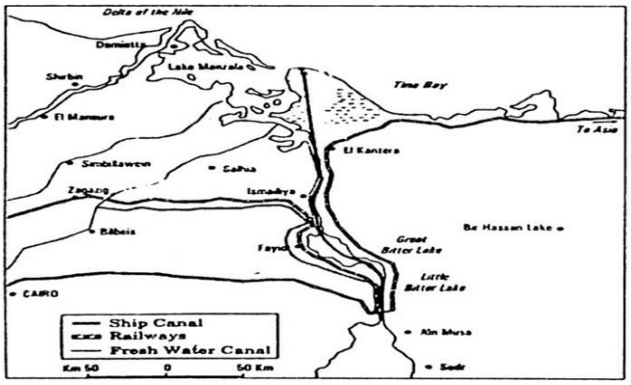

19.1. स्वेज नहर द्वारा जुड़े हुए दो समुद्रों के नाम बताइए।

19.2. हम इसे हिंद महासागर के लिए यूरोप का प्रवेश द्वार क्यों मानते हैं?

19.3. स्वेज नहर की एक विशेषता लिखिए।

खंड-सी

20. भारत के अधिकांश शहर अनेक कार्य करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों सहित तीन तर्क देकर इस कथन को सिद्ध कीजिए।

21. विश्व के विभिन्न भागों में परिवहन के विभिन्न साधनों का उपयोग किया जाता है। कम से कम तीन उपयुक्त उदाहरण देकर इस कथन का समर्थन कीजिए।

22. उत्तर भारतीय मैदानों, डेल्टा क्षेत्रों और तटीय मैदानों में दक्षिणी और मध्य भारतीय राज्यों के आंतरिक जिलों की तुलना में जनसंख्या घनत्व अधिक है। क्यों? अपने उत्तर को कम से कम 3 उपयुक्त कारणों से स्पष्ट कीजिए।

23. भौतिक पर्यावरण को मनुष्य द्वारा बहुत हद तक रूपांतरित किया गया है, जिससे मानव जीवन पर भी प्रभाव पड़ा है। इस कथन को अपने शब्दों में समझाइए।

खंड-डी

24. मान लीजिए, आप समीर सेन हैं। समीर सेन थाईलैंड में एक कारखाना स्थापित करना चाहते हैं। कारखाने के स्थान का निर्धारण करते समय ध्यान में रखने योग्य कारकों का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

25. एक ऐसी स्थिति पर विचार करें जिसमें आप ग्रामीण समुदायों का हिस्सा हैं और आप अपने समुदाय के सदस्यों को निर्वाह खेती छोड़कर व्यावसायिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। संक्षेप में उन चुनौतियों और लाभों को लिखें जिनका सामना आपके समुदाय को करना पड़ता है।

26. इंदिरा गांधी नहर परियोजना अपने भौतिक पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव के कारण प्रश्नचिह्नित थी। उपरोक्त समस्या को देखते हुए, इंदिरा गांधी नहर कमांड क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए क्या उपाय किए गए हैं? विस्तार से व्याख्या कीजिए।

27. "विभाजन के कारण उत्पन्न झटके के बावजूद, स्वतंत्रता के बाद भारतीय बंदरगाहों का विकास जारी रहा।" इस कथन के समर्थन में तर्क दीजिए।

28. यद्यपि जल प्रदूषक प्राकृतिक स्रोतों से भी उत्पन्न होते हैं, परन्तु मानवजनित प्रदूषक ही वास्तव में चिंता का विषय हैं। स्पष्ट कीजिए।

खंड-ई

29. विश्व के दिए गए राजनीतिक रूपरेखा मानचित्र में निम्नलिखित चार विशेषताएँ दर्शाई गई हैं। इनमें से किन्हीं 5 विशेषताओं को पहचानें और प्रत्येक विशेषता के सामने चिह्नित रूपरेखा पर उनके सही नाम लिखें।

(ए) ट्रांस-साइबेरियाई रेलवे का टर्मिनल स्टेशन

(बी) वाणिज्यिक पशुपालन का क्षेत्र

(सी) एक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा

(डी) एक अंतर्राष्ट्रीय समुद्री बंदरगाह

(ई) एक नहर जो दो महासागरों को जोड़ती है

(एफ) व्यापक वाणिज्यिक अनाज खेती का क्षेत्र।

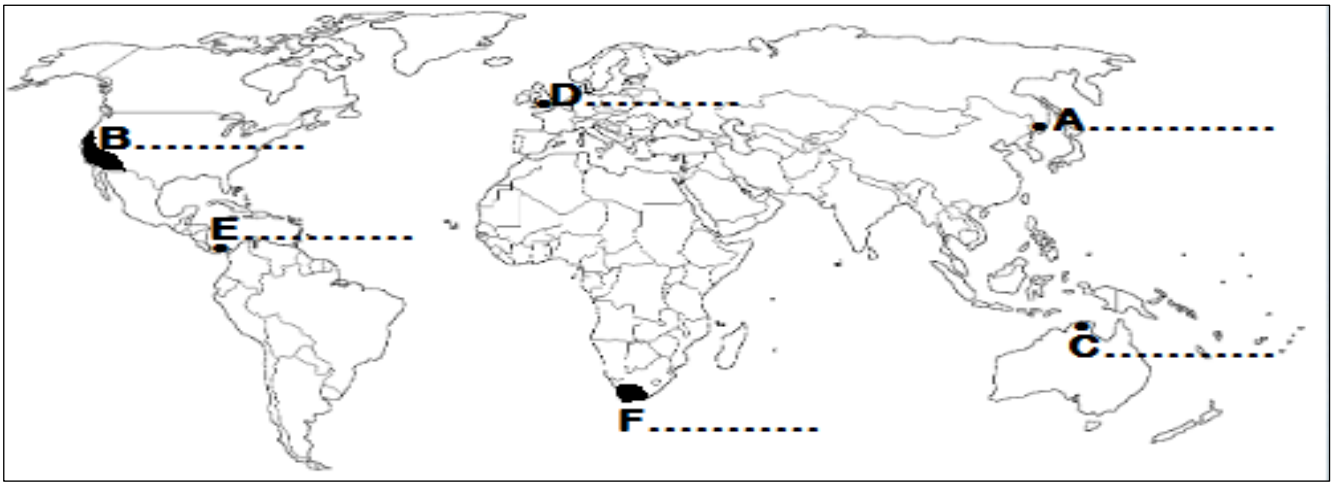

30. भारत के दिए गए राजनीतिक रूपरेखा मानचित्र में निम्नलिखित में से किन्हीं 5 को उपयुक्त प्रतीकों से चिह्नित करें:

(ए) उच्चतम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य

(बी) गन्ने का एक प्रमुख उत्पादक

(सी) कराची समुद्री बंदरगाह की कमी को पूरा करने के लिए विकसित किया गया एक प्रमुख समुद्री बंदरगाह

(डी) उड़ीसा की लौह अयस्क खान।

(ई) देश के सुदूर दक्षिण में स्थित एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा

(एफ) उत्तर प्रदेश में बाजार आधारित तेल रिफाइनरी

नमूना प्रश्न पत्र – 2

कक्षा: बारहवीं (2026-27)

अनुमत समय: 3 घंटे | अधिकतम अंक: 70

<u>एक खंड</u>

प्रश्न क्रमांक 1 से 17 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। (17x1) 17

1 मानव गरीबी सूचकांक किस मापदंड/मापदंडों के आधार पर मानव विकास में कमी को मापता है?

एक। वयस्क साक्षरता दर और जन्म के समय जीवन प्रत्याशा।

बी। क्रय शक्ति के संदर्भ में संसाधनों तक पहुंच।

सी। कम वजन वाले छोटे बच्चों की संख्या।

डी। विद्यालय में नामांकित बच्चों की संख्या।

2 यहां दो कथन दिए गए हैं जिन्हें अभिकथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए कोड के अनुसार अपना उत्तर चिह्नित करें।

कथन (ए):अक्सर छोटे देशों ने बड़े देशों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है और अपेक्षाकृत गरीब राष्ट्रों को मानव विकास के मामले में धनी पड़ोसी देशों की तुलना में उच्च स्थान प्राप्त हुआ है।

कारण (आर):देश का आकार और प्रति व्यक्ति आय का मानव विकास से सीधा संबंध नहीं है। जिन देशों में मानव विकास का स्तर अधिक है, वहां सामाजिक क्षेत्र में काफी निवेश हुआ है।

विकल्प:

एक। (A) और (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।

बी। (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R) (A) की सही व्याख्या है।

सी। (A) और (R) दोनों ही गलत हैं।

डी। (A) सही है लेकिन (R) गलत है।

3 ग्रामीण विपणन केंद्रों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन से कथन सही हैं? सही विकल्प चुनें।

मैं। ग्रामीण विपणन केंद्र आस-पास की बस्तियों की जरूरतों को पूरा करते हैं।

ii. ग्रामीण विपणन केंद्र सबसे बुनियादी प्रकार के अर्ध-शहरी व्यापार केंद्र होते हैं।

iii. वे निर्मित वस्तुओं की पेशकश करते हैं और साथ ही कई विशिष्ट बाजार विकसित होते हैं, जैसे श्रम, आवास, अर्ध-निर्मित या तैयार उत्पादों के बाजार।

iv. व्यक्तिगत और व्यावसायिक सेवाएं अच्छी तरह से विकसित नहीं हैं। ये स्थानीय संग्रह और वितरण केंद्रों के रूप में कार्य करती हैं।

विकल्प:

एक। i, ii, iv

बी। i, iii, iv

सी। ii, iii, iv

डी। i, ii, iii

4 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के इतिहास से संबंधित निम्नलिखित तथ्यों को क्रम में व्यवस्थित करें।

मैं। रेशम मार्ग रोम को चीन से जोड़ने वाले लंबी दूरी के व्यापार का एक प्रारंभिक उदाहरण है - यह मार्ग 6,000 किलोमीटर लंबा था।

ii. रोमन साम्राज्य के विघटन के बाद, बारहवीं और तेरहवीं शताब्दी के दौरान यूरोपीय वाणिज्य में वृद्धि हुई, समुद्र में चलने वाले युद्धपोतों के विकास के साथ यूरोप और एशिया के बीच व्यापार बढ़ा और अमेरिका की खोज हुई।

iii. पंद्रहवीं शताब्दी से यूरोपीय उपनिवेशवाद शुरू हुआ और विदेशी वस्तुओं के व्यापार के साथ-साथ व्यापार का एक नया रूप सामने आया जिसे दास व्यापार कहा जाता था।

iv. प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, देशों ने पहली बार व्यापार कर और मात्रात्मक प्रतिबंध लगाए।

कोड्स

एक। i, ii, iv, v

बी। iv, ii, iii, i

सी। i, ii, iii, iv

डी। iii, ii, iv, i

5 व्यापार संबंधी बाधाओं जैसे कि शुल्क को कम करके और हर जगह से वस्तुओं और सेवाओं को घरेलू उत्पादों और सेवाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देकर अर्थव्यवस्थाओं को व्यापार के लिए खोलने की प्रक्रिया को कहा जाता है। .

एक। डम्पिंग

बी। व्यापार उदारीकरण

सी। व्यापार का संतुलन

डी। द्विपक्षीय व्यापार

6 निम्नलिखित राज्यों को उनकी जनसंख्या के अनुसार उच्चतम से निम्नतम क्रम में व्यवस्थित करें।

1. बिहार
2. महाराष्ट्र
3. उतार प्रदेश।
4. पश्चिम बंगाल

कोड:

एक। 1, 3, 2, 4

बी। 4, 3, 2, 1

सी। 3, 2, 1, 4

डी। 2, 1, 4, 3

7 पिछले एक शताब्दी में भारत में जनसंख्या वृद्धि के चार अलग-अलग चरण देखे गए हैं। दिए गए विवरण से चरण की पहचान कीजिए।

भारत में जनसंख्या विस्फोट का दौर इसी काल के नाम से जाना जाता है। मृत्यु दर में तीव्र गिरावट तथा उच्च प्रजनन दर के कारण जनसंख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। औसत वार्षिक वृद्धि दर 2.2 प्रतिशत तक थी। इसी काल में केंद्रीकृत नियोजन प्रक्रिया के माध्यम से विकासात्मक गतिविधियाँ शुरू की गईं और अर्थव्यवस्था में सुधार दिखने लगा, जिससे आम लोगों के जीवन स्तर में वृद्धि सुनिश्चित हुई। परिणामस्वरूप, प्राकृतिक जनसंख्या वृद्धि दर और विकास दर में भी काफी वृद्धि हुई।

एक। चरण I 1901-1921

बी। चरण II 1921-1951

सी। तीसरा चरण 1951-1981

डी। चरण IV, 1981 के बाद से वर्तमान तक

8 सुरक्षात्मक सिंचाई का उद्देश्य यह है कि:

एक। मिट्टी में नमी की कमी के प्रतिकूल प्रभावों से फसलों की रक्षा करें।

बी। उच्च उत्पादकता प्राप्त करने के लिए फसल के मौसम में मिट्टी में पर्याप्त नमी प्रदान करें।

सी। खेती योग्य भूमि के प्रति इकाई क्षेत्र में पानी की मात्रा दोगुनी कर दी जाए ताकि बहुफसली खेती की जा सके।

डी। मिट्टी की उत्पादकता बढ़ाना।

9 यहां दो कथन दिए गए हैं जिन्हें अभिकथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए कोड के अनुसार अपना उत्तर चिह्नित करें।

कथन (ए):पिछले 50 वर्षों में प्रौद्योगिकी में हुए सुधार के कारण गन्ने, तिलहन और कपास जैसी अन्य फसलों के साथ-साथ चावल और गेहूं जैसी कई फसलों के कृषि उत्पादन और उपज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

कारण (आर):देश में कृषि उत्पादन बढ़ाने में सिंचाई के विस्तार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने पिछले 50 वर्षों के दौरान आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी के परिचय का आधार प्रदान किया है।

विकल्प:

एक। (A) और (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन R, (A) की सही व्याख्या नहीं है।

बी। (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R) (A) की सही व्याख्या है।

सी। (A) और (R) दोनों ही गलत हैं।

डी। (A) सही है लेकिन (R) गलत है।

10 जलसंभर प्रबंधन के संबंध में कौन सा कथन सत्य नहीं है?

मैं। इसका तात्पर्य सतही और भूमिगत जल संसाधनों के कुशल प्रबंधन और संरक्षण से है।

II. जलसंभर प्रबंधन में जलसंभर के भीतर मौजूद सभी संसाधनों - प्राकृतिक और मानवीय दोनों - का विवेकपूर्ण उपयोग शामिल है।

III. जलसंभर प्रबंधन का उद्देश्य एक ओर प्राकृतिक संसाधनों और दूसरी ओर समाज के बीच संतुलन स्थापित करना है।

IV. जलसंभर विकास की सफलता पूरी तरह से राज्य सरकार पर निर्भर करती है।

विकल्प:

एक। कथन I और IV

बी। केवल II

सी। केवल III

डी। कथन IV

11 छात्रों का एक समूह दिल्ली में जल प्रदूषण के स्तर पर शोध कर रहा था। जल की गुणवत्ता संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए छात्रों को किस संगठन का दौरा करना होगा?

एक। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी)

बी। भारतीय पर्यावरण अनुसंधान परिषद (ICER)

सी। राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी (एनडब्ल्यूडीए)

डी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी)

12 निम्नलिखित में से कौन सा गलत मिलान है?

	सूची I (राज्य का नाम)	सूची II (कोयला खनन केंद्र)
एक।	पश्चिम बंगाल	आई. रानीगंज
बी।	तमिलनाडु	2. नेवेली
सी।	महाराष्ट्र	3. कोरबा
डी।	ओडिशा	4. तालचर

13 उपग्रह स्वयं में संचार का एक माध्यम हैं और साथ ही वे संचार के अन्य साधनों के उपयोग को भी नियंत्रित करते हैं। भारत द्वारा उपयोग की जाने वाली सही उपग्रह प्रणाली का चयन करें।

1. भारत की रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट प्रणाली (आईआरएस)
2. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसआरओ)
3. भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह प्रणाली (INSAT)
4. भारत क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली

कोड्स

एक। I और III दोनों
बी। केवल मैं
सी। द्वितीय और तृतीय दोनों
डी। केवल IV

14 भारत सरकार द्वारा शुरू की गई सेतुभारतम परियोजना का लक्ष्य क्या हासिल करना है?

एक। तटीय सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ-साथ राज्य सड़कों का विकास।
बी। लगभग 1500 बड़े पुलों और 200 रेल ओवरब्रिज और रेल अंडरब्रिज का निर्माण।
सी। सीमावर्ती सड़कों का विकास।
डी। अधिक जलमार्गों का निर्माण।

ग्राफ को पढ़ें और प्रश्न संख्या 15-17 के उत्तर दें:

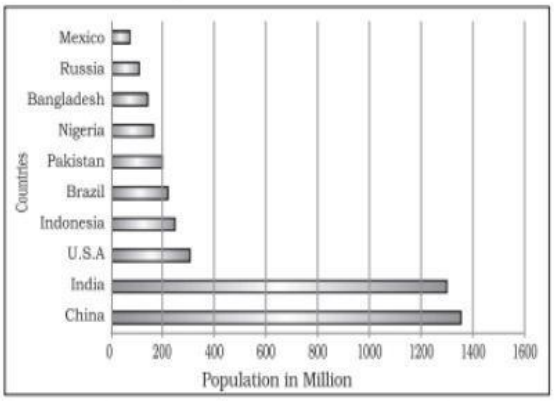

15 सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश कौन सा है?

एक। रूस बी। भारत सी। कनाडा डी। चीन

16 उस अफ्रीकी देश की पहचान कीजिए जिसकी जनसंख्या बहुत अधिक है।

एक। मेक्सिको बी। ब्राज़िल सी। पाकिस्तान डी। नाइजीरिया

17 विश्व के सबसे अधिक आबादी वाले देशों की संख्या किस महाद्वीप में सबसे अधिक है?

एक। अफ्रीका सी। एशिया

बी। उत्तरी अमेरिका डी। दक्षिण अमेरिका

खंड बी

प्रश्न संख्या 18 और 19 स्रोत-आधारित प्रश्न हैं। 2x3=6

18 अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उसके बाद दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:

पर्यटन

पर्यटन विश्व का सबसे बड़ा तृतीयक आर्थिक गतिविधि बन गया है, जो कुल पंजीकृत नौकरियों (25 करोड़) और कुल राजस्व (कुल जीडीपी का 40 प्रतिशत) दोनों में योगदान देता है। इसके अलावा, पर्यटकों को आवास, भोजन, परिवहन, मनोरंजन और विशेष दुकानें जैसी सेवाएं प्रदान करने के लिए कई स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है। पर्यटन बुनियादी ढांचा उद्योगों, खुदरा व्यापार और हस्तशिल्प उद्योगों (स्मारिका वस्तुओं) के विकास को बढ़ावा देता है। कुछ क्षेत्रों में पर्यटन मौसमी होता है क्योंकि छुट्टियों का समय अनुकूल मौसम पर निर्भर करता है, लेकिन कई क्षेत्र साल भर पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

भूमध्य सागर तट और भारत के पश्चिमी तट के आसपास के गर्म स्थान विश्व के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से हैं। अन्य लोकप्रिय स्थलों में शीतकालीन खेल क्षेत्र शामिल हैं, जो मुख्य रूप से पर्वतीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं, और विभिन्न प्रकार के मनोरम भूदृश्य और राष्ट्रीय उद्यान भी फैले हुए हैं। ऐतिहासिक शहर भी स्मारकों, विरासत स्थलों और सांस्कृतिक गतिविधियों के कारण पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

(मैं) पर्यटन किसे कहते हैं?

(II) दो प्रसिद्ध वैश्विक पर्यटन स्थलों के नाम बताइए।

(III) "पर्यटन विश्व में सबसे बड़ी तृतीयक गतिविधि बन गई है।" टिप्पणी कीजिए। 3 x 1 = 3

19 नीचे दी गई तालिका का अध्ययन करें और प्रश्नों के उत्तर दें: 3 x 1 = 3

Level of Human Development	*Score in Development Index*	*Number of Countries*
Very High	above 0.800	66
High	between 0.700 up to 0.799	53
Medium	between 0.550 up to 0.699	37
Low	below 0.549	33

Source: Human Development Report, 2020

(मैं) मध्यम मानव विकास वाले देशों की श्रेणी में आने वाले देशों के मानव विकास स्कोर की पहचान कीजिए?

(II) उच्च स्तर के मानव विकास वाले देशों में रहने वाले लोगों की खुशहाली के बारे में आप क्या निष्कर्ष निकाल सकते हैं?

(III) 33 देशों में मानव विकास के निम्न स्तर के कारण बताइए।

खंड सी

प्रश्न संख्या 20 से 23 तक लघु उत्तर प्रकार के प्रश्न हैं। 4x3=12

20 वास्तविक जीवन के उदाहरण की सहायता से प्रकृति के मानवीकरण की व्याख्या कीजिए।

या

नव-नियतिवाद की अवधारणा की तुलना चौराहे पर लगे ट्रैफिक लाइटों से की जाती है। उदाहरणों सहित इस कथन का विश्लेषण कीजिए। 3

21 एक ऐसे स्मार्ट शहर का प्रस्ताव तैयार करें जो शहरी जीवन को बेहतर बनाने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी को एकीकृत करे और साथ ही स्थिरता, स्वच्छता और सामर्थ्य को प्राथमिकता दे। 3

22 किशोरवय आबादी के संबंध में समाज के सामने आने वाली चुनौतियों का विवरण दीजिए। इन समस्याओं को दूर करने के लिए कुछ उपायों को सूचीबद्ध कीजिए। 2+1=3

23 स्वेज नहर के मानचित्र का अध्ययन करें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

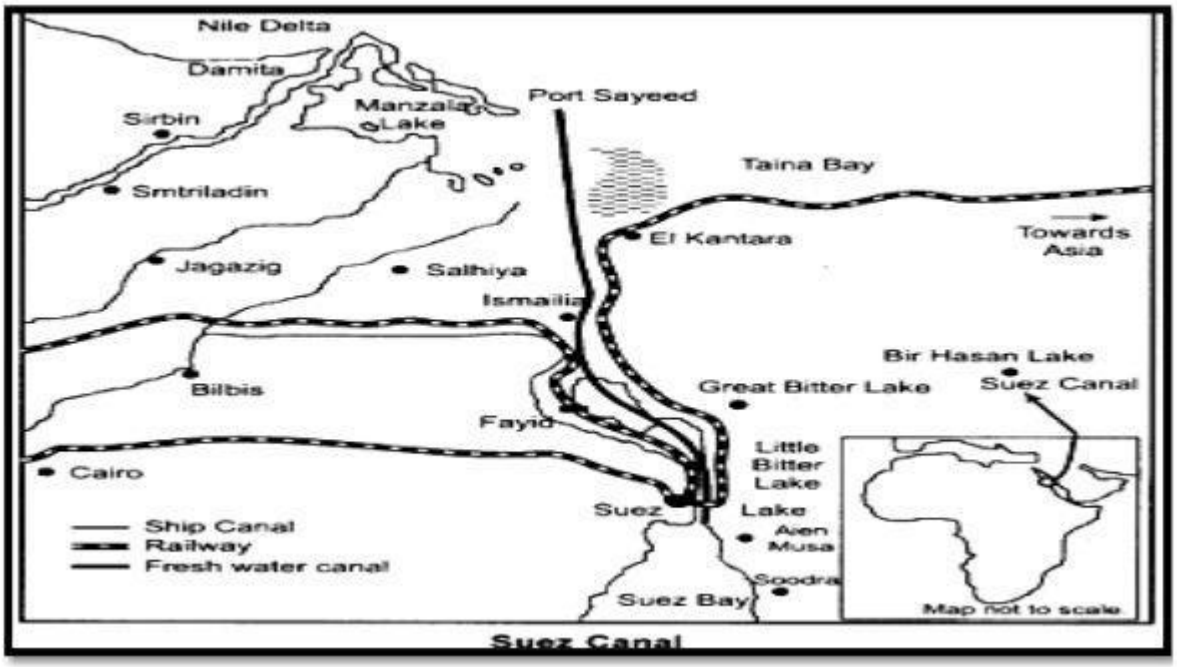

(मैं) स्वेज नहर द्वारा जुड़े हुए दो समुद्रों के नाम बताइए।

(II) हम इसे हिंद महासागर के लिए यूरोप का प्रवेश द्वार क्यों मानते हैं?

(III) स्वेज नहर की एक विशेषता लिखिए। 1+1+1=3

खंड डी

प्रश्न संख्या 24 से 28 तक दीर्घ उत्तर प्रकार के प्रश्न हैं। 5x5=25

24 आदिम और आधुनिक समाजों में आर्थिक गतिविधि के रूप में भोजन एकत्र करने का तरीका किस प्रकार भिन्न है, और आज वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना क्यों कम है? 3+2=5

25 एक। विश्वभर में बड़े पैमाने के उद्योगों के विकास में योगदान देने वाले कारकों का आकलन करें।

या

बी। उद्योगों के विकास के लिए परिवहन और संचार सुविधाओं तक पहुंच आवश्यक है।' उपयुक्त उदाहरण देकर इस कथन को सिद्ध कीजिए। 5

26 एक। भरमौर क्षेत्र में कार्यान्वित एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना से प्राप्त लाभों का मूल्यांकन करें।

या

बी। 'पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम निर्दिष्ट क्षेत्रों की स्थलाकृतिक, पारिस्थितिक, सामाजिक और आर्थिक स्थितियों को ध्यान में रखते हुए शुरू किए गए थे।' इस कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए। 5

27 एक। भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वस्तुओं की संरचना में पिछले कुछ वर्षों में बदलाव आया है। उपयुक्त तर्कों के साथ इस कथन की पुष्टि कीजिए।

या

बी। 'अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में हवाई परिवहन की महत्वपूर्ण भूमिका है।' उपयुक्त तर्कों के साथ इस कथन को सिद्ध कीजिए। 5

28 एक। "कचरे की मात्रा में भारी वृद्धि के कारण ठोस कचरे से होने वाला पर्यावरणीय प्रदूषण अब महत्वपूर्ण हो गया है।"

या

बी। ठोस कचरे में अनियंत्रित वृद्धि के कारण बताइए और शहरी क्षेत्रों में स्रोत पर ही कचरा उत्पादन को नियंत्रित करने के लिए दो रणनीतियों पर चर्चा कीजिए। 5

खंड ई

प्रश्न संख्या 29 और 30 मानचित्र आधारित प्रश्न हैं, जिनमें से प्रत्येक में 5 उपभाग हैं। 2X5=10

29 विश्व के दिए गए राजनीतिक मानचित्र पर सात भौगोलिक विशेषताओं को A, B, C, D, E, F और G के रूप में चिह्नित किया गया है। निम्नलिखित जानकारी की सहायता से किन्हीं पाँच को पहचानें और प्रत्येक विशेषता के निकट खींची गई रेखाओं पर उनके सही नाम लिखें।

एक। एक प्रमुख बंदरगाह।

बी। एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा।

सी। एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग।

डी। दक्षिण अमेरिका में जीवन निर्वाह के लिए फसलें एकत्र करने का एक क्षेत्र।

ई. एशिया का एक महत्वपूर्ण बंदरगाह।

एफ। खानाबदोश पशुपालन का क्षेत्र।

जी। यह क्षेत्र बड़े पैमाने पर व्यावसायिक अनाज की खेती के लिए प्रसिद्ध है।

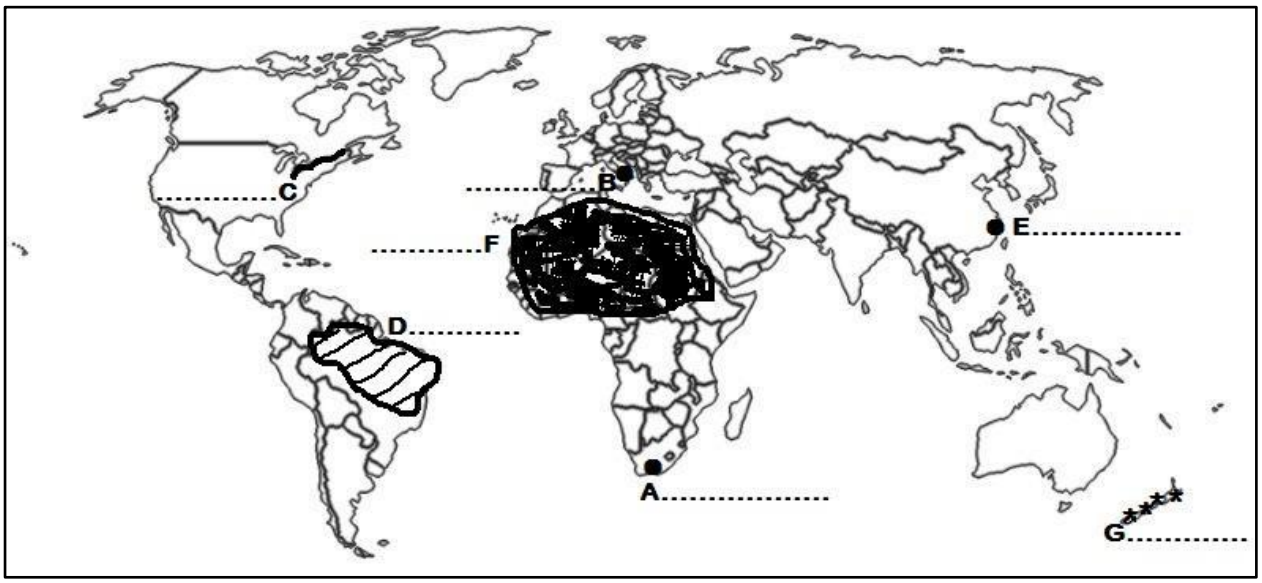

30 भारत के राजनीतिक रूपरेखा मानचित्र पर निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच भौगोलिक विशेषताओं को उपयुक्त प्रतीकों के साथ चिह्नित करें:

एक। ओरिशा में एक महत्वपूर्ण कोयला खदान।

बी। कर्नाटक का एक महत्वपूर्ण बंदरगाह।

सी। झरिया – कोयला खदानें।

डी। उत्तर प्रदेश में एक तेल रिफाइनरी।

ई. सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य।

एफ। यह राज्य चाय उत्पादन में अग्रणी है।

जी। पंजाब में एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा।

नमूना प्रश्न पत्र-3

(भूगोल सिद्धांत (029)

<u>एक खंड</u>

प्रश्न संख्या 1 से 17 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। (17 x 1)

1. अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने मानव विकास के निम्नलिखित में से किस दृष्टिकोण की शुरुआत की?

A. आय
B. कल्याण
C. क्षमता
D. बुनियादी ज़रूरतें

2. यहां दो कथन दिए गए हैं जिन्हें अभिकथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए कोड के अनुसार अपना उत्तर चिह्नित करें।

कथन (ए): अक्सर, लोगों के पास बुनियादी विकल्प चुनने की क्षमता और स्वतंत्रता नहीं होती है।

कारण (आर): यह ज्ञान प्राप्त करने में उनकी असमर्थता, उनकी भौतिक गरीबी, सामाजिक भेदभाव, संस्थानों की अक्षमता के कारण हो सकता है।

ए. (ए) और (आर) दोनों सत्य हैं, लेकिन (आर) (ए) की सही व्याख्या नहीं है।

बी. (ए) और (आर) दोनों सत्य हैं और (आर) (ए) की सही व्याख्या है।

सी. (ए) और (आर) दोनों गलत हैं।

डी. (ए) सही है लेकिन (आर) गलत है।

3. आउटसोर्सिंग के माध्यम से किए जाने वाले कार्यों के लिए कार्यबल की निम्नलिखित विशेषताओं को ध्यानपूर्वक पढ़ें और सही विकल्प चुनें।

I. सस्ते और कुशल श्रमिकों की उपलब्धता

II. कार्यरत कर्मचारियों का अंग्रेजी भाषा का अच्छा ज्ञान

III. उच्च कौशल वाले, उच्च वेतनभोगी पेशेवर

IV. ग्राहक सहायता और कॉल सेंटर सेवाओं की सुविधा

विकल्प :

A. केवल **I, II** और **III** सही हैं।
B. केवल **I, II** और **IV** सही हैं।
C. केवल **I, III** और **IV** सही हैं।
D. केवल **II, III** और **IV** सही हैं।

4. निम्नलिखित में से कौन से कथन सत्य हैं?

1. दुनिया को उच्च शुल्क और अन्य कई प्रकार के प्रतिबंधों से मुक्त करने के लिए, **1948** में **GATT** का गठन किया गया था।

2. 1 जुलाई **1995** से **GATT** को विश्व व्यापार संगठन में परिवर्तित कर दिया गया।

3. विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) एकमात्र अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो राष्ट्रों के बीच व्यापार के वैश्विक नियमों से संबंधित है।

4. विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) अपने सदस्य देशों के बीच विवादों का समाधान करता है।

विकल्प:

A. **1,2,3** और **4**

B. **1, 3** और **4**

C. **1, 2** और **4**

D. **2, 3** और **4**

5. अभिकथन (ए): मुक्त व्यापार के अंतर्गत देशों को डंप किए गए माल के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है।

कारण (आर): माल की डंपिंग से घरेलू उत्पादकों को नुकसान हो सकता है।

विकल्प :

A. **(A)** सत्य है, लेकिन **(R)** असत्य है।

B. **(A)** असत्य है, लेकिन **(R)** सत्य है।

C. **(A)** और **(R)** दोनों सत्य हैं, लेकिन **(R) (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

D. **(A)** और **(R)** दोनों सत्य हैं और **(R) (A)** की सही व्याख्या है।

6. निम्नलिखित में से कौन सी किशोर आबादी के सामने समाज द्वारा सामना की जाने वाली चुनौती नहीं है?

A. विवाह की उच्च आयु

B. नशीली दवाओं का दुरुपयोग और शराब की लत

C. महिलाओं की साक्षरता दर कम है।

D. स्कूल छोड़ने वाले

7. जनगणना की मानक परिभाषा के अनुसार, सीमांत श्रमिक कौन है?

A. जो व्यक्ति वर्ष में कम से कम **183** दिन काम करता है।

B. जो व्यक्ति साल में **183** दिनों से कम काम करता है।

C. जो साल में कम से कम **200** दिन काम करता हो।

D. इनमे से कोई भी नहीं

8. निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

कथन 1:राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन (एनएमएसए) का उद्देश्य कृषि को अधिक उत्पादक, टिकाऊ, लाभकारी और जलवायु परिवर्तन के प्रति अधिक लचीला बनाना है।

कथन II:एनएमएसए मिट्टी और नमी संरक्षण उपायों के साथ-साथ स्थान-विशिष्ट एकीकृत कृषि प्रणालियों को बढ़ावा देता है।

कथन III:एनएमएसए जैविक खेती को हतोत्साहित करता है और केवल रासायनिक-गहन कृषि पर ध्यान केंद्रित करता है।

सही विकल्प चुनें:

A. केवल कथन **I** सही है

B. कथन **1** और **2** सही हैं, लेकिन **3** गलत है।

C. कथन **II** और **III** सही हैं

D. सभी कथन सही हैं

9. यहाँ दो कथन दिए गए हैं जिन्हें अभिकथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए कोड के अनुसार अपना उत्तर चिह्नित करें।

कथन (ए):कृषि गतिविधियों का योगदान समय के साथ घटता जाता है, लेकिन कृषि के लिए भूमि पर दबाव कम नहीं होता है।

कारण (आर):विकासशील देशों में, कृषि पर निर्भर आबादी का हिस्सा आमतौर पर जीडीपी में इस क्षेत्र के हिस्से में गिरावट की तुलना में बहुत धीमी गति से घटता है।

A. **(A)** और **(R)** दोनों सत्य हैं, लेकिन **(R) (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

B. **(A)** और **(R)** दोनों सत्य हैं और **(R) (A)** की सही व्याख्या है।

C. **(A)** और **(R)** दोनों ही गलत हैं।

D. **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

10. वर्षाजल संचयन के संबंध में कौन सा कथन सत्य नहीं है?

1. वर्षा जल संचयन वर्षा जल को विभिन्न उपयोगों के लिए एकत्रित और संग्रहित करने की एक विधि है।

2. यह प्रदूषकों के तनुकरण के माध्यम से भूजल की गुणवत्ता में सुधार करता है।

3. शहरी क्षेत्रों के लिए वर्षा जल संचयन लाभदायक नहीं है।

4. राजस्थान में वर्षा जल संचयन संरचनाओं को कुंड या टंका के नाम से जाना जाता है।

विकल्प:

ए. **2** बी. **2** और **3** सी. **3** डी. **4**

11. उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को 'हरियाली' परियोजना के बारे में जानकारी दी जा रही है, जो कि ..... से संबंधित है।

A. पानी का पुनर्चक्रण और पुन: उपयोग

B. जल छाजन

C. हरित क्रांति

D. जलसंभर विकास परियोजना

12. कॉलम **I (**खनिज खान**/**केंद्र**)** का कॉलम **II (**राज्य**)** से मिलान करें और सही विकल्प चुनें।

स्तंभ **1 (**मेरा**/**केंद्र**)**	स्तंभ **II (**राज्य**)**
(ए**)** खेतरी	**(i)** तमिलनाडु
(बी**)** बैलाडिला	**(ii)** झारखंड
(सी**)** नेवेली	**(iii)** राजस्थान
(घ**)** झरिया	**(iv)** छत्तीसगढ़

A. **(**ए**)-(iii), (**बी**)-(iv), (**सी**)-(**आई**), (**डी**)-(ii)**

B. **(**ए**)-(ii), (**बी**)-(i), (**सी**)-(iv), (**डी**)-(iii)**

C. **(**ए**)-(iv), (**बी**)-(ii), (**सी**)-(iii), (**डी**)-(i)**

D. **(**ए**)-(iii), (**बी**)-(ii), (**सी**)-(i), (**डी**)-(iv)**

13. निम्नलिखित में से कौन सा कथन राष्ट्रीय जलमार्ग**-3 (**एनडब्ल्यू**-3)** का सही वर्णन करता है**?**

A. यह गंगा नदी के माध्यम से प्रयागराज और हल्दिया को जोड़ता है।

B. इसमें पश्चिमी तट नहर के साथ-साथ चंपकारा और उद्योगमंडल नहरें भी शामिल हैं।

C. यह सदिया और धुबरी के बीच ब्रह्मपुत्र नदी पर स्थित है।

D. इसमें केवल गोदावरी नदी का खंड शामिल है।

14. INSAT के संबंध में कौन सा**/**से कथन सत्य है**/**हैं**?**

1. INSAT भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह प्रणाली का संक्षिप्त रूप है।

2. इसकी स्थापना **1984** में हुई थी।

3. यह दूरसंचार, मौसम संबंधी अवलोकन आदि के लिए एक बहुउद्देशीय उपग्रह प्रणाली है।

विकल्प**:**

(ए**) 1, 2** और **3** **(**बी**) 1** और **2** **(**सी**) 1** और **3** **(**डी**) 2** और **3**

15. दिए गए चित्र का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें और प्रश्न संख्या 15-17 के उत्तर दें।

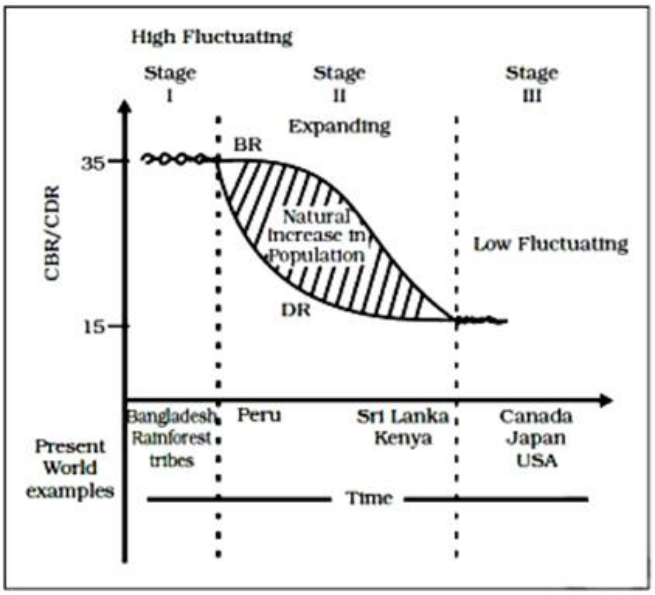

15. किस अवस्था में उच्च प्रजनन दर और उच्च मृत्यु दर देखी जाती है?

ए. चरण II बी. चरण I सी. चरण I और II दोनों डी. चरण III

16. निम्नलिखित में से किस देश में कम प्रजनन दर और कम मृत्यु दर है?

ए. श्रीलंका बी. पेरू सी. कनाडा डी. बांग्लादेश

17. जनसंख्या में प्राकृतिक वृद्धि क्या है?

ए. मृत्यु दर - जन्म दर बी। मृत्यु दर + जन्म दर

सी. जन्म दर x मृत्यु दर डी. जन्म दर - मृत्यु दर

<u>खंड बी</u>

प्रश्न संख्या 18 और 19 स्रोत आधारित प्रश्न हैं।

18. अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें: **3x1=3**

व्यापार मूलतः अन्य स्थानों पर उत्पादित वस्तुओं की खरीद-बिक्री है। खुदरा और थोक व्यापार या वाणिज्य में सभी सेवाएं लाभ कमाने के उद्देश्य से ही प्रदान की जाती हैं। जिन कस्बों और शहरों में ये सभी गतिविधियां होती हैं, उन्हें व्यापारिक केंद्र कहा जाता है। स्थानीय स्तर पर वस्तु विनिमय से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुद्रा विनिमय तक व्यापार के विकास ने कई केंद्रों और संस्थानों को जन्म दिया है, जैसे व्यापारिक केंद्र या संग्रहण एवं वितरण केंद्र। व्यापारिक केंद्रों को ग्रामीण और शहरी विपणन केंद्रों में विभाजित किया जा सकता है। ग्रामीण विपणन केंद्र आस-पास की बस्तियों की जरूरतों को पूरा करते हैं। ये अर्ध-शहरी केंद्र होते हैं और सबसे बुनियादी प्रकार के व्यापारिक केंद्रों के रूप में कार्य करते हैं। यहां व्यक्तिगत और व्यावसायिक सेवाएं अच्छी तरह से विकसित नहीं होती हैं। ये स्थानीय संग्रहण एवं वितरण केंद्र होते हैं। इनमें से अधिकांश में

मंडियां (थोक बाजार) और खुदरा क्षेत्र भी होते हैं। ये स्वयं में शहरी केंद्र नहीं हैं, लेकिन ग्रामीण लोगों द्वारा सबसे अधिक मांग की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं को उपलब्ध कराने के लिए महत्वपूर्ण केंद्र हैं।

(i) ट्रेडिंग सेंटर से आपका क्या तात्पर्य है?

(ii) ग्रामीण विपणन केंद्रों की विशेषताएं लिखिए।

(iii) व्यापार क्या है?

19. अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें: 3x1=3

मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) स्वास्थ्य, शिक्षा और संसाधनों तक पहुंच जैसे प्रमुख क्षेत्रों में देशों के प्रदर्शन के आधार पर उन्हें स्थान देता है। यह रैंकिंग 0 से 1 के बीच के स्कोर पर आधारित होती है, जो किसी देश को मानव विकास के प्रमुख क्षेत्रों में उसके प्रदर्शन के आधार पर मिलता है। स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए जन्म के समय जीवन प्रत्याशा को सूचक के रूप में चुना जाता है। उच्च जीवन प्रत्याशा का अर्थ है कि लोगों के लंबे और स्वस्थ जीवन जीने की संभावना अधिक होती है। वयस्क साक्षरता दर और सकल नामांकन अनुपात ज्ञान तक पहुंच को दर्शाते हैं। पढ़ने-लिखने में सक्षम वयस्कों की संख्या और स्कूलों में नामांकित बच्चों की संख्या यह दर्शाती है कि किसी विशेष देश में ज्ञान तक पहुंच कितनी आसान या कठिन है। संसाधनों तक पहुंच को क्रय शक्ति (अमेरिकी डॉलर में) के रूप में मापा जाता है और इन सभी आयामों को 1/3 का भार दिया जाता है। मानव विकास सूचकांक इन सभी आयामों को दिए गए भारों का कुल योग है। स्कोर एक के जितना करीब होता है, मानव विकास का स्तर उतना ही अधिक होता है। इसलिए, 0.983 का स्कोर बहुत उच्च माना जाएगा, जबकि 0.268 का स्कोर मानव विकास के बहुत निम्न स्तर को दर्शाता है।

(i) उच्च जीवन प्रत्याशा से आपका क्या तात्पर्य है?

(ii) एचडीआई के प्रत्येक आयाम का भार क्या है?

(iii) एचडीआई क्या है?

खंड सी

प्रश्न संख्या 20 से 23 लघु उत्तर प्रकार के प्रश्न हैं। 4x3=12

20. ए. "नव-नियतिवाद पर्यावरण नियतिवाद और संभाव्यतावाद की दो अवधारणाओं के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास करता है।" इस कथन का विश्लेषण कीजिए।

या

ख. "मनुष्य प्रकृति का पालन करके उस पर विजय प्राप्त कर सकता है।" मनुष्य और प्रकृति के बीच संबंधों के संदर्भ में इस कथन का विश्लेषण कीजिए।

21. दिए गए मानचित्र का अवलोकन करें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

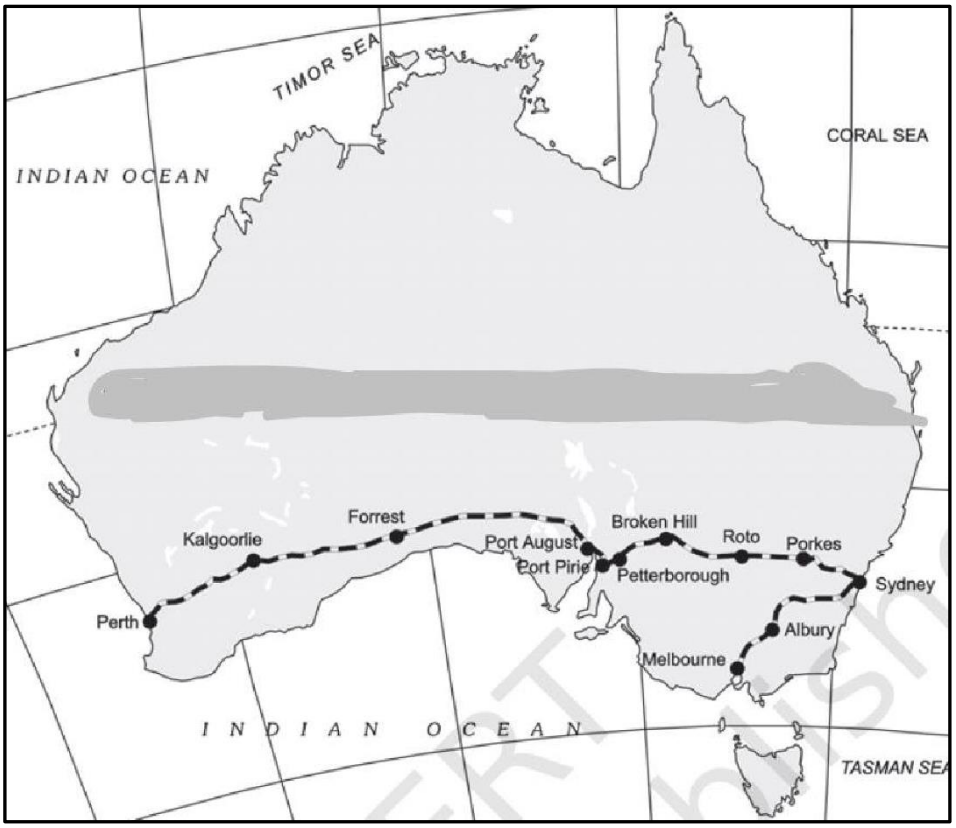

a) मानचित्र पर दर्शाई गई रेलवे लाइन की पहचान करें और उसका नाम लिखें।

b) इस रेल मार्ग के सबसे पूर्वी और सबसे पश्चिमी बिंदु का नाम बताइए।

c) बताइए कि यह रेलवे लाइन इस क्षेत्र में व्यापार को बढ़ावा देने में किस प्रकार सहायक है।

21.1. निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए प्रश्न **21** के स्थान पर है।

a) रूस की प्रसिद्ध अंतरमहाद्वीपीय रेलवे लाइन का नाम बताइए।

b) इस रेल मार्ग के सबसे पूर्वी और सबसे पश्चिमी बिंदु का नाम बताइए।

c) बताइए कि यह रेलवे लाइन इस क्षेत्र में व्यापार को बढ़ावा देने में किस प्रकार सहायक है।

22. भारत में 'स्मार्ट सिटी मिशन' के मुख्य उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए।

23. "यदि विकास में लैंगिक समानता को बढ़ावा न दिया जाए, तो वह खतरे में पड़ जाता है।" मानव विकास और लैंगिक संवेदनशीलता के संदर्भ में इस कथन की जांच कीजिए।

<u>खंड डी</u>

प्रश्न संख्या 24 से 28 तक दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न हैं। 5x5=25

24. आर्थिक गतिविधि के रूप में घुमंतू पशुपालन, व्यावसायिक पशुपालन से किस प्रकार भिन्न है? स्पष्ट कीजिए।

25. ए. उद्योगों के स्थान निर्धारण को प्रभावित करने वाले कारक क्या हैं? प्रत्येक कारक को उदाहरण सहित विस्तारपूर्वक समझाइए।

या

ख. कच्चे माल/आपूर्ति के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण लिखिए। प्रत्येक वर्गीकरण का विस्तृत वर्णन कीजिए।

26. ए. इंदिरा गांधी नहर में सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए उपाय सुझाइए।

कमान क्षेत्र।

या

B. "एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना में परिवहन और संचार, कृषि और संबद्ध गतिविधियों तथा सामाजिक एवं सामुदायिक सेवाओं के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई थी।" भरमौर क्षेत्र के संदर्भ में इस कथन का विश्लेषण कीजिए।

27. ए. भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की बदलती प्रकृति पर एक टिप्पणी लिखिए।

या

ख. भारत के संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए जल परिवहन कितना महत्वपूर्ण है? भारत के किन्हीं पाँच बंदरगाहों के बारे में बताइए।

28. ए. भारत जैसे विकासशील देशों में झुग्गी-झोपड़ियों से जुड़ी चिंताओं पर एक उपयुक्त उदाहरण का प्रयोग करते हुए चर्चा कीजिए।

या

बी. "भारत में, विशेषकर महानगरों में, शहरी अपशिष्ट निपटान एक गंभीर समस्या बन गई है।" इस समस्या के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए और इसे दूर करने के लिए तीन उपाय सुझाइए।

खंड ई

प्रश्न संख्या 29 और 30 मानचित्र आधारित प्रश्न हैं जिनमें से प्रत्येक में 5 उप-भाग हैं।

29. विश्व के दिए गए राजनीतिक मानचित्र पर सात भौगोलिक विशेषताओं को **A, B, C, D, E, F** और **G** के रूप में चिह्नित किया गया है। निम्नलिखित जानकारी की सहायता से किन्हीं पाँच को पहचानें और प्रत्येक विशेषता के निकट खींची गई रेखाओं पर उनके सही नाम लिखें।

ए. सबसे बड़ी शिपिंग नहर

बी. एक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा

सी. एक अंतर्राष्ट्रीय समुद्री बंदरगाह

डी. व्यापक व्यावसायिक अनाज की खेती वाला क्षेत्र

ई. खानाबदोश पशुपालन का क्षेत्र एफ. मिश्रित खेती का क्षेत्र

जी. दक्षिण अमेरिका का एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा।

29.1. निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए प्रश्न संख्या 29 के स्थान पर है।

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

ए. विश्व की सबसे बड़ी समुद्री परिवहन नहर का नाम बताइए।

बी. यमन में स्थित एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम बताइए।

सी. नॉर्वे में स्थित किसी अंतर्राष्ट्रीय समुद्री बंदरगाह का नाम बताइए।

डी. दक्षिण अफ्रीका में व्यापक वाणिज्यिक अनाज की खेती वाले एक क्षेत्र का नाम बताइए।

ई. खानाबदोश पशुपालन वाले एक क्षेत्र का नाम बताइए।

एफ. मिश्रित खेती वाले एक क्षेत्र का नाम बताइए।

जी. दक्षिण अमेरिका के एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम बताइए।

30. भारत के राजनीतिक रूपरेखा मानचित्र पर निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच भौगोलिक विशेषताओं को उपयुक्त चिह्नों के साथ अंकित कीजिए:

ए. देश का अग्रणी चाय उत्पादक राज्य बी. मध्य प्रदेश की मैंगनीज खदान

सी. गुजरात की एक रिफाइनरी डी. सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य।

ई. तमिलनाडु की एक कोयला खदान एफ. तमिलनाडु का एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा

जी. देश के पूर्वी तट पर स्थित सबसे दक्षिणी समुद्री बंदरगाह।

30.1. निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए प्रश्न संख्या 30 के स्थान पर है।

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

ए. भारत के एक प्रमुख चाय उत्पादक राज्य का नाम बताइए।

ख. मध्य प्रदेश की एक मैंगनीज खदान का नाम बताइए।

सी. गुजरात की एक रिफाइनरी का नाम बताइए।

डी. सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाले राज्य का नाम बताइए।

ई. तमिलनाडु की एक कोयला खदान का नाम बताइए।

एफ. तमिलनाडु के एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम बताइए।

जी. देश के पूर्वी तट पर स्थित सबसे दक्षिणी समुद्री बंदरगाह का नाम बताइए।

नमूना प्रश्न पत्र-4

(भूगोल सिद्धांत (029)

अनुमत समय: 3 घंटे समय: 3 घंटे अधिकतम अंक: 70अधिकतम अंक:70

एक खंड

1. तालिका का अध्ययन करें और उत्तर दें - राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र के शहरी क्षेत्रों में मुख्य रूप से केंद्रित लघु धार्मिक समूह की पहचान करें और उनकी जनसंख्या (लाखों में) का सही उत्तर चुनें।

   दोस्तों का अध्ययन करें और उत्तर दें – राजस्थान,गुजरात और महाराष्ट्र के शहरी क्या आप में मुख्य रूप से प्रतिबंध अल्पसंख्यक धार्मिक समूह की पहचान करें और उनकी जनसंख्या(मिलियन में)का सही उत्तर चयन।

1.3 : भारत के धार्मिक समुदाय - 2011

धार्मिक समुदाय	2011	
	जनसंख्या (मिलियन में)	कुल प्रतिशत
हिंदू	966.3	79.8
मुस्लिम	172.2	14.2
ईसाई	27.8	2.3
सिक्ख	20.8	1.7
बौद्ध	8.4	0.7
जैन	4.5	0.4
अन्य धर्म	7.9	0.7
धर्म ज्ञात नहीं	2.9	0.2

प्रोत : भारत की जनगणना, 2011

Religious Group	2011	
	Population (in million)	% of Total
Hindus	966.3	79.8
Muslims	172.2	14.2
Christians	27.8	2.3
Sikhs	20.8	1.7
Buddhists	8.4	0.7
Jains	4.5	0.4
Other Religions and Persuasions (ORP)	7.9	0.7
Religion Not Stated	2.9	0.2

a) 966.3
b) 27.8
c) 8.4
d) 4.5

केवल दृष्टिबाधित छात्रों के लिएकेवल दृष्टिबाधित छात्र के लिए

निम्नलिखित में से किस लघु धार्मिक समूह की भारत में जनसंख्या सबसे अधिक है?

अनुसरण करें में से किस अल्पसंख्यक धार्मिक समूह की भारत में जनसंख्या सबसे अधिक है?

a) बौद्धबौद्ध
b) हिंदुओं हिंदू
c) जैनजैन
d) मुसलमानोंमुस्लिम

2. तालिका को देखकर उत्तर दें - किस राज्य में 'अन्य श्रमिक' श्रेणी में श्रमिकों का प्रतिशत सबसे अधिक है?

दोस्तों का उत्तर करें और उत्तर दें - किस राज्य में 'अन्य व्यवसायी'श्रेणी में हाँ का अधिकतम प्रतिशत है

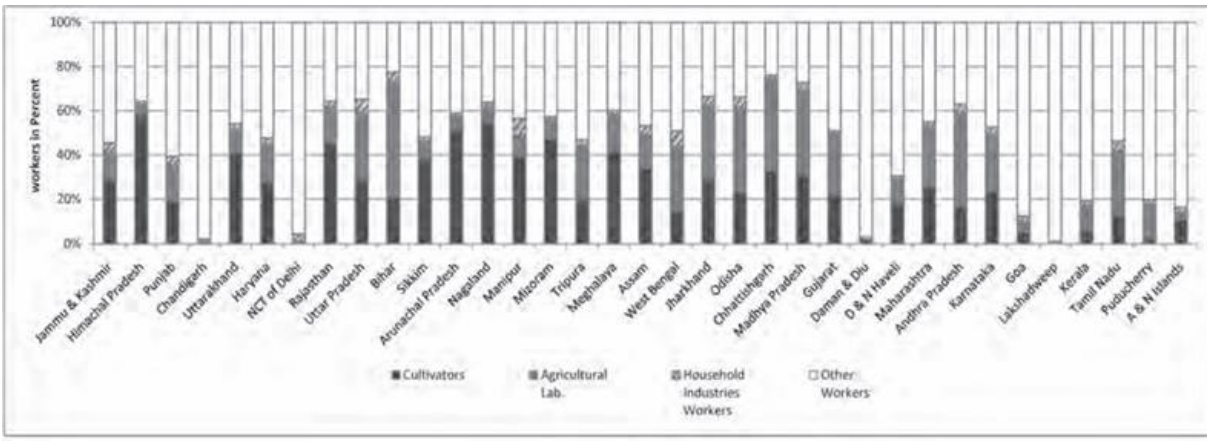

Fig. 1.4 : India – Occupational Structure, 2011

a) केरलकेरल

b) बिहार बिहार

c) उतार प्रदेश। उत्तर प्रदेश

d) गोवा गोवा

केवल दृष्टिबाधित छात्रों के लिए केवल दृष्टिबाधित छात्र के लिए

भारत के निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में श्रमिकों का प्रतिशत सबसे कम है?

अनुसरण करें में से भारत के किस क्षेत्र में सबसे कम प्रतिशत में व्यवसायी अन्य हैं?

a) प्राथमिक प्राथमिक

b) माध्यमिक एक

c) तृतीयक तृतीयक

d) इनमे से कोई भी नहीं पहले में से कोई नहीं

3. निम्नलिखित में से कौन सा कथन विभिन्न क्षेत्रों में कार्य भागीदारी दर की स्थानिक भिन्नता के बारे में सही नहीं है**?**

a) भारत में कृषि क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों का अनुपात पिछले कुछ दशकों में घटता गया है **(2001** में **58.2%** से घटकर **2011** में **54.6%** हो गया)।

b) हिमाचल प्रदेश और नागालैंड जैसे राज्यों में घरेलू उद्योगों के श्रमिकों का बहुत बड़ा हिस्सा है।

c) बिहार, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में कृषि श्रमिकों का अनुपात अधिक है।

d) दिल्ली, चंडीगढ़ और पुडुचेरी में श्रमिकों का एक बहुत बड़ा हिस्सा अन्य सेवाओं में कार्यरत है।

निम्नलिखित में से कौन-सा वर्णन विभिन्न क्षेत्रों में कार्य भागीदारी दर के स्थानिक भिन्नता के बारे में सत्य है?

a) भारत में कृषि क्षेत्र में पिछले कुछ दशकों में नाटकीय तत्वों का अनुपात घटा है (2001 में 58.2% से 2011 में 54.6% तक)।

b) हिमाचल प्रदेश और नागालैंड जैसे राज्यों में घरेलू साझीदारों में मछुआरों की संख्या बहुत अधिक है।

c) बिहार, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में कृषि क्षेत्रों का अनुपात अधिक है।

d) दिल्ली, चंडीगढ़ और पुदुचेरी में अन्य सेवाएँ ताइवान के बहुत अधिक स्टॉक हैं।

4. देश X की जनसंख्या उसके संसाधनों से कहीं अधिक है। स्थिरता के लिए उसे निम्नलिखित उपाय अपनाने चाहिए:

देशX के दस्तावेज़ की तुलना में अधिक जानकारी है। स्थिरता के लिए निम्नलिखित उपाय से परहेज करना चाहिए:

a) परिवार नियोजन सेवाओं तक पहुंचपरिवार नियोजन सेवाएँ तक पहुँचें
b) गर्भनिरोधकों की निःशुल्क उपलब्धतागर्भनिरोधकों की निःशुल्क दवा
c) बड़े परिवारों के लिए कर संबंधी हतोत्साहनबड़े परिवार के लिए संबंधित प्रोत्साहनों की कमी
d) ऊपर के सभीबहुत सारे

5. निम्नलिखित का मिलान करेंफ़ॉलो करें

एचडी का स्तरएचडी वातावरण	**देश**देश
ए) बहुत उच्चअति उच्च	**1)** नाइजर नाइजर
बी) उच्च उच्च	**2)** भारत भारत
सी) मध्यम मध्यम	**3)** मालदीव काम
डी) कम निम्न	**4)** नॉर्वे नार्वे

a) ए-**4**, बी-**2**, सी-**3**, डी-**1**
b) ए-**4**, बी-**3**, सी-**2**, डी-**1**
c) ए-**4**, बी-**1**, सी-**3**, डी-**2**
d) ए-**4**, बी-**1**, सी-**2**, डी-**3**

6. व्यापार केंद्र के प्रकार की पहचान करें: व्यापार केंद्र के प्रकार की पहचान:

- वे सबसे बुनियादी प्रकार के व्यापारिक केंद्रों के रूप में कार्य करते हैं।
  यहसबसे पवित्र नमूने के व्यापार केंद्र के रूप में कार्य करते हैं।
- यहां व्यक्तिगत और व्यावसायिक सेवाएं अच्छी तरह से विकसित नहीं हैं।
  यहांव्यक्तिगत पेशेवर और बिजनेसमैन अच्छे तरह से विकसित नहीं हैं।
- ये स्थानीय संग्रह और वितरण केंद्र बनाते हैं।
  येस्थानीय संग्रह और वितरण केंद्र टूट गए हैं।

a) ग्रामीण विपणन केंद्र ग्रामीणविपणन केन्द्र
b) शहरी विपणन केंद्र शहरीविपणन केन्द्र
c) थोक व्यापार सभीव्यापार
d) सार्वजनिक वितरण प्रणाली सार्वजनिकवितरण प्रणाली

7. निम्नलिखित का मिलान करें फ़ॉलो करें

8.

स्तंभ 1 एक1	स्तंभ 2 एक2
ए) एचडीआई	1) आईएलओ
बी) मूलभूत आवश्यकता दृष्टिकोण वास्तविक अवलोकन उपागम	2) अमर्त्य सेन अमर्ती सेन
सी) जीएनएच	3) यूएनडीपी
डी) क्षमता दृष्टिकोण कठोरता उपागम	4) भूटान सरकार भूटान सरकार

a) ए-1, बी-2, सी-3, डी-4

b) ए-3, बी-1, सी-4, डी-2

c) ए-3, बी-2, सी-4, डी-1

d) ए-3, बी-1, सी-2, डी-3

9. निम्नलिखित में से कौन सी बात विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की सच्ची आलोचना है? निम्नलिखित में से कौन-सा विश्व व्यापार संगठन (WTO) की सही आलोचना क्या है?

a) यह तर्क दिया जाता है कि मुक्त व्यापार आम लोगों के जीवन को अधिक समृद्ध बनाता है।

b) दरअसल, यह अमीर देशों को और अधिक अमीर बनाकर अमीर और गरीब के बीच की खाई को कम कर रहा है।

c) कई विकसित देशों ने विकासशील देशों के उत्पादों के लिए अपने बाजार पूरी तरह से खोल दिए हैं।

d) यह भी तर्क दिया जाता है कि स्वास्थ्य, श्रमिकों के अधिकार, बाल श्रम और पर्यावरण जैसे मुद्दों की अनदेखी की जाती है।

a) यह तर्क दिया जाता है कि मुक्त व्यापार से आम लोगों का जीवन अधिक समृद्ध होता है।

b) यह वास्तव में अमीर देशों को और अधिक अमीर बनाता है अमीर और गरीबों के बीच की खाई को कम कर रहा है।

c) कई विकसित देशों ने अपने बाज़ार के लिए कृषि उत्पादों के उत्पाद पूरी तरह से बंद कर दिए हैं।

d) यह भी तर्क दिया जाता है कि स्वास्थ्य, बौद्ध धर्म के अधिकार, बाल श्रम और पर्यावरण जैसे विद्वानों की अनदेखी की जाती है

10. प्रवास के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सत्य नहीं है?

निम्नलिखित में से कौन-सा यात्रा (प्रवासन) के बारे में क्या सत्य है?

A. प्रवासन को जनसंख्या और संसाधनों के बीच बेहतर संतुलन हासिल करने के लिए एक सहज प्रयास के रूप में समझा जा सकता है।

B. प्रवासन स्थायी, अस्थायी या मौसमी हो सकता है।

C. यह ग्रामीण क्षेत्रों से ग्रामीण क्षेत्रों में, ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में, शहरी क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में और शहरी क्षेत्रों से ग्रामीण क्षेत्रों में हो सकता है।

D. लोग बेहतर आर्थिक और सामाजिक जीवन के लिए पलायन करते हैं।

A. पर्यटन को सर्वोत्तम प्राप्त संतुलन बनाने के लिए एक स्वसर्ट प्रयास के रूप में देखा जा सकता है।

B. यात्रा गंतव्य, बालाजी या बालाजी हो सकते हैं।

C. यह ग्रामीण से ग्रामीण,ग्रामीण से शहर, शहरी से शहर और शहरी से ग्रामीण क्षेत्र में हो सकते हैं।

D. लोग बेहतर आर्थिक और सामाजिक जीवन की यात्रा करते हैं

a) ए और बी

b) बी, सी और डी

c) केवल एक केवलए

d) इनमे से कोई भी नहींवास्तव में से कोई नहीं

11. किसी वस्तु को दो देशों में अलग-अलग कीमतों पर बेचने की प्रथा, यदि कीमतें लागत से संबंधित कारणों से भिन्न हों, तो उसे कहा जाता है____.किसी वस्तु को दो देशों में ऐसी कीमत पर कीमत पर जो कीमत से संबंधित हो, अन्य विशेषताओं से भिन्न हो, इस प्रायोजन को क्या कहा जाता है?

a) डम्पिंग कैम्पस

b) व्यापार घाटा व्यापार घाटा

c) द्विपक्षीय व्यापार अन्य व्यापार

d) भूमंडलीकरणकरण

12. तालिका का अध्ययन करें और उत्तर दें कि निम्नलिखित में से कौन सा/से सही है/हैं।

विद्वानों का अध्ययन करें और उत्तर दें कि निम्नलिखित में से कौन सा/से सही है/हैं

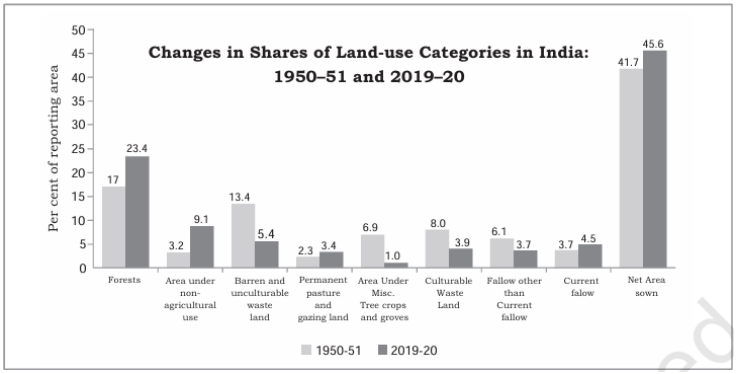

1. वन क्षेत्र का हिस्सा, गैर-कृषि उपयोग के अंतर्गत आने वाला क्षेत्र, वर्तमान परती भूमि और शुद्ध बोए गए क्षेत्र में वृद्धि देखी गई है।
2. जिन चार श्रेणियों में गिरावट दर्ज की गई है, वे हैं बंजर और अनुपयोगी भूमि, कृषि योग्य अनुपयोगी भूमि, वृक्ष फसलों और बागों के अंतर्गत आने वाला क्षेत्र और परती भूमि।
3. कृषि और गैर-कृषि दोनों क्षेत्रों से भूमि पर दबाव बढ़ने के साथ-साथ, बंजर भूमि और कृषि योग्य बंजर भूमि में समय के साथ गिरावट देखी गई है।
4. गैर-कृषि उपयोगों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के मामले में वृद्धि की दर सबसे अधिक है।

1. वन क्षेत्र, अपारंपरिक उपयोग के अंतर्गत क्षेत्र, वर्तमान बंजर भूमि और संरक्षित भूमि का हिस्सा बढ़ाया गया है।
2. चार श्रेणियां कृषि योग्य भूमि, कृषि योग्य बंजर भूमि, वृक्ष फसल और बागवानों का क्षेत्र और बंजार भूमि।
3. जैसे- भूमि पर दबाव बढ़ा, कृषि और गैर-कृषि दोनों क्षेत्रों से, बंजर भूमि और कृषि योग्य बंजर भूमि की समय सीमा में कमी आई।

4. वृद्धि की दर सबसे अधिक अपारंपरिक उपयोग के अंतर्गत क्षेत्र में है।

a) **1, 2** और **3**

b) **2, 3** और **4**

c) **1** और **2**

d) ऊपर के सभी बहुत सारे

केवल दृष्टिबाधित छात्रों के लिए केवल दृष्टिबाधित छात्र के लिए

निम्नलिखित में से कौन सा भूमि उपयोग श्रेणी नहीं है**?**

निम्नलिखित में से कौन-सा भूमि उपयोग (भूमि-उपयोग) की श्रेणी नहीं है?

क) परती भूमि परती भूमि

ख) सीमान्त भूमि, सीमांत भूमि

ग) शुद्ध बोई गई भूमि का शुद्ध क्षेत्रफल

घ) कृषि योग्य बंजर भूमि, कृषि योग्य भूमि

13. निम्नलिखित में से कौन सा आधुनिक कृषि उपकरण है**?**

निम्नलिखित में से कौन-सा आधुनिक कृषि उपकरण है?

a) रोटो टिल ड्रिल रोटो तिल स्टोर

b) खोदक मशीन एक्सकैवेस्टर

c) फोर्कलिफ्ट फ़ोर्क टॉगल

d) डंप ट्रक ट्रक

14. जल संकटग्रस्त गांव में 'जल ग्राम' का निर्माण प्रस्तावित गतिविधि है।

जल संकटग्रस्त गांव में 'जल ग्राम' का निर्माण किस योजना के तहत प्रस्तावित है?

a) राष्ट्रीय जल नीति राष्ट्रीय जल नीति

b) जल क्रांति अभियान जल क्रांति अभियान

c) अरवरी पानी समसाद अरवरी पानी संसद

d) नीरू मीरू नीरू-मीरू

15. **बल देकर कहना:**सौर तापीय प्रौद्योगिकी के अन्य सभी गैर-नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की तुलना में कुछ सापेक्ष लाभ हैं।

कारण:यह लागत के लिहाज से किफायती, पर्यावरण के अनुकूल और निर्माण में आसान है।

विकल्प:

(a) (A) और **(R)** दोनों सत्य हैं, लेकिन **R, (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

b) (A) और **(R)** दोनों सत्य हैं तथा **(R) (A)** की सही व्याख्या है।

(c) (A) और **(R)** दोनों गलत हैं।

d) (A) सही है लेकिन **(R)** गलत है।

कथन (अभिकथन): सौर तापीय प्रौद्योगिकी के अन्य सभी गैर-नेविकरणीय ऊर्जा संसाधनों की तुलना में कुछ सापेक्ष लाभ हैं।

कारण (कारण): यह प्रतिस्पर्धी, पर्यावरण के अनुकूल और निर्माण में आसान है।

:

a) वर्णन और कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण वर्णन का सही व्याख्या नहीं करता है।
b) वर्णन और कारण दोनों सही हैं, और कारण वर्णन का सही व्याख्या करता है।
c) व्याख्या और कारण दोनों ग़लत हैं।
d) कथन सही है लेकिन कारण गलत है

16. बिग इंच पाइपलाइन परिवहन करती है '»' पाइपलाइन किसका परिवहन करता है?

a) दूधदूध
b) पानीपानी
c) पेट्रोलियम बाद
d) तरल पेट्रोलियम गैस (एलजीपी)तरल गैस

17. निम्नलिखित का मिलान करें निम्नलिखित का मिलान करें -

राष्ट्रीय जलमार्ग राष्ट्रीय जलमार्ग	**खींचना** विस्तार
1) एनडब्ल्यू-**1**	ए) सादिया-धुबरी खंड सादि–धु विस्तार
2) एनडब्ल्यू-**1**	बी) कोट्टापुरम-कोल्लम खंड कोटापुरम–कोल्लम विस्तार
3) एनडब्ल्यू-**1**	सी) गोदावरी और कृष्णा नदियों के निर्दिष्ट खंड आवर और कृष्णा नदी के अन्य विस्तार
4) एनडब्ल्यू-**1**	डी) प्रयागराज-हल्दिया मार्ग अंत–डिया विस्तार

a) **1**-डी. **2**-ए, **3**-सी, **4**-बी
b) **1**-बी, **2**-ए, **3**-सी, **4**-डी
c) **1**-ए, **2**-बी, **3**-डी, **4**-सी
d) **1**-डी, **2**-ए, **3**-बी, **4**-सी

18. अरेबिका, रोबस्टा और लिबेरिका इसकी किस्में हैं।

a) कॉफी
b) कपास
c) चावल
d) जूट

खंड - बी

19. वर्तमान में, विश्व की **55** प्रतिशत आबादी शहरों में रहती है और निकट भविष्य में और भी लोग शहरों में बसेंगे। अनुमान है कि **2050** तक यह अनुपात बढ़कर **68** प्रतिशत हो जाएगा। इससे सरकारों पर शहरी क्षेत्रों को बेहतर जीवन स्तर के लिए इष्टतम बुनियादी ढांचागत सुविधाओं से युक्त बनाने का दबाव बढ़ेगा। शहरी आबादी में वृद्धि प्राकृतिक वृद्धि (जब जन्म दर मृत्यु दर से अधिक हो जाती है), शुद्ध प्रवासन (जब लोग बाहर जाने की

तुलना में अंदर आते हैं), और कभी-कभी शहरी क्षेत्रों के पुनर्वर्गीकरण के परिणामस्वरूप होती है, जिसमें पहले ग्रामीण आबादी वाले क्षेत्र शामिल होते हैं। भारत में, यह अनुमान लगाया गया है कि **1961** के बाद शहरी विकास का लगभग **60** प्रतिशत, और ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में होने वाला लगभग **29** प्रतिशत, शहरी प्रवासन के कारण हुआ है।

वर्तमान में, विश्व की 55 प्रतिशत जनसंख्या शहरों में रहती है और निकट भविष्य में इसमें वृद्धि होगी। यह अनुपात 2050 से 68 प्रतिशत तक का अनुमान है। इस अवसर पर दबाव डाला गया कि वे शहरी क्षेत्रों में रहने के लिए बेहतर स्थान और स्थान जीवन स्तर के लिए उपयुक्त संरचनात्मक ढांचे के लिए उपलब्ध हों। शहरी जनसंख्या प्राकृतिक वृद्धि (जब जनसंख्या वृद्धि दर मृत्यु दर से अधिक हो), शुद्ध पर्यटन (जब लोग बाहर जाने की तुलना में अंदर आते हैं), और कभी-कभी शहरी क्षेत्रों का पुनर्वर्गीकरण (पहले ग्रामीण आबादी वाले क्षेत्रों को शामिल करना) के आधार पर होता है। भारत में, अनुमान है कि 1961 के बाद लगभग 60 प्रतिशत शहरी वृद्धि को इसका कारण माना गया था और उनमें से लगभग 29 प्रतिशत शहरीकरण के लिए ग्रामीण क्षेत्रों की यात्रा का कारण है।

19.1 अनुमान है कि **2050** तक विश्व की कितनी प्रतिशत जनसंख्या शहरों में रहेगी**?**

2050तक विश्व की कितनी प्रतिशत जनसंख्या क्या आप में रहने की उम्मीद है?

19.2 शहरी जनसंख्या वृद्धि के किन्हीं दो कारणों का उल्लेख कीजिए।

शहरी जनसंख्या बढ़ोतरी के एक दो बाद में का ध्यान दें करें।

19.3 बढ़ती शहरी आबादी के कारण सरकारों को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा**?**

जारी शहरी जनसंख्या के कारण अंत को कौन सी चुनौती का सामना करना जो?

20. मानव गरीबी सूचकांक, मानव विकास सूचकांक से संबंधित है। यह सूचकांक मानव विकास में कमी को मापता है। यह आय पर आधारित माप नहीं है। **40** वर्ष की आयु तक जीवित न रह पाने की संभावना, वयस्क निरक्षरता दर, स्वच्छ जल तक पहुंच न रखने वाले लोगों की संख्या और कम वजन वाले छोटे बच्चों की संख्या, इन सभी कारकों को किसी भी क्षेत्र में मानव विकास में कमी को दर्शाने के लिए ध्यान में रखा जाता है। अक्सर मानव गरीबी सूचकांक, मानव विकास सूचकांक से अधिक जानकारीपूर्ण होता है।

मानव गरीबी असाध्य मानव असाध्य विकास से संबंधित है। यह मानव विकास में कमी को मापता है। यह आय आधारित माप नहीं है।40 वर्ष की आयु तक जीवित न रहने की संभावना, वयस्क निरक्षरता दर, स्वच्छ जल तक पहुंच न रखने वाले लोगों की संख्या, और कम वजन वाले छोटे बच्चों की सभी संख्या को किसी भी क्षेत्र में मानव विकास में कमी लाने के लिए ध्यान केंद्रित किया जाता है। बारम्बार मानव गरीबी असुर मानव विकास असुर की तुलना में अधिक स्पष्ट होता है।

20.1 मानव गरीबी सूचकांक क्या मापता है**?**

मानव गरीबी अध्ययनकर्ता क्या मापता है?

20.2 मानव गरीबी सूचकांक की गणना में उपयोग किए जाने वाले किन्हीं दो संकेतकों का उल्लेख कीजिए।

मानव गरीबी अध्ययनकर्ता की गणना में उपयोग किया जाने वाले एक दो खोजों से संबंधित का ध्यान दें कीजिए।

20.3 मानव गरीबी सूचकांक को मानव विकास सूचकांक से अधिक जानकारीपूर्ण क्यों माना जाता है**?**

मानव विकास शोधकर्ता की तुलना में मानव गरीबी अध्ययनकर्ता को अधिक प्रकट करने वाला क्योंकि माना ऋण है?

खंड – सी

21. आधुनिक आर्थिक विकास में सेवा क्षेत्र के महत्व और विकास पर चर्चा कीजिए।
आधुनिक आर्थिक विकास में सेवा क्षेत्र के महत्व और वृद्धि पर चर्चा करें।
22. **1970** के दशक में मानव भूगोल के तीन नए विचारधाराओं के उद्भव की व्याख्या कीजिए।
1970 के दशक में मानव भूगोल के तीन नए अवशेष, पौराणिक कथाओं का वर्णन।
23. झुग्गी-झोपड़ी वाले इलाकों में आमतौर पर पाई जाने वाली किन्हीं तीन समस्याओं का वर्णन कीजिए।
मलिन में आम तौर पर पाए जाने वाली किसी भी तीन सवालों को समझाएं।
24. भारत के अत्यधिक गर्म और शुष्क तथा अत्यधिक ठंडे और आर्द्र क्षेत्रों में जनसंख्या घनत्व कम है। इस संदर्भ में, जनसंख्या वितरण पर जलवायु की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
भारत के अत्यधिक गर्म और शुष्क तथा अत्यधिक ठंडे और आद्र क्षेत्र में जनसंख्या की घनत्व कम है। इस दृष्टिकोण से, जनसंख्या के वितरण पर वैश्विक की भूमिका की व्याख्या करें।

या आगे

भारत के कुछ राज्यों में अन्य राज्यों की तुलना में कार्य में भागीदारी की दर अधिक क्यों है**?**
भारत के कुछ राज्यों में कार्य भागीदारी दर अभिलेखों की तुलना में अधिक क्यों है?

खंड - डी

25. घुमंतू पशुपालन और व्यावसायिक पशुपालन के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।
पशुपालक और वाणिज्यिक पशुधन पालन के बीच अंतर स्पष्ट करें।

या

बागान कृषि की महत्वपूर्ण विशेषताओं पर चर्चा कीजिए। विभिन्न देशों की कुछ महत्वपूर्ण बागान फसलों के नाम बताइए।
बगाती एग्रीकल्चर की महत्वपूर्ण संस्था पर चर्चा। विभिन्न देशों से कुछ महत्वपूर्ण बंगाती समुद्र तट के नाम बताएं।
26. उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। उपयुक्त उदाहरणों सहित आधुनिक अर्थव्यवस्था में इसके महत्व पर चर्चा कीजिए।
उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग की अवधारणा को समझें। आधुनिक उद्योग में सबसे महत्वपूर्ण उदाहरणों के साथ चर्चा।

या आगे

कच्चे माल के स्रोत के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण उदाहरणों सहित करें।
कच्चे माल के स्रोत के आधार पर फर्म को स्थापित किया जाएगा, उदाहरण के साथ.
27. शहरी अपशिष्ट निपटान से जुड़ी समस्याओं का वर्णन कीजिए। प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन के लिए कौन सी रणनीतियाँ अपनाई जा सकती हैं**?**

शहरी कचरा प्रबंधन से संबंधित ऑपरेटरों का वर्णन करें। प्रभावशाली कचरा प्रबंधन के लिए कौन-सी रणनीतियाँ अपनाई जा सकती हैं।

या

भारत में भूमि क्षरण के कारणों और परिणामों की व्याख्या कीजिए। इसे नियंत्रित करने के उपाय सुझाइए।
भारत में भूमि के लक्षण और प्रभाव को समझाइये। इसे नियंत्रित करने के उपाय सुझाव।

28. भारत के आर्थिक विकास में बंदरगाहों की भूमिका पर चर्चा कीजिए। प्रमुख बंदरगाहों के उदाहरणों के साथ अपने उत्तर का समर्थन कीजिए।
भारत के आर्थिक विकास में बंदरों की भूमिका पर चर्चा करें। अपने उत्तर को प्रमुख बंदरों के उदाहरणों के साथ समर्थन करें।

29. भारत के विकास में नियोजन के महत्व पर चर्चा कीजिए। यह क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने में किस प्रकार सहायक होता है?
भारत के विकास योजना बनाने के महत्व पर चर्चा करें। यह क्षेत्रीय विकलांगताओं को कम करने में कैसे मदद करता है?

या

इंदिरा गांधी नहर से सिंचित क्षेत्रों में सतत विकास बनाए रखने में आने वाली चुनौतियों का वर्णन कीजिए। इन चुनौतियों से निपटने के उपाय सुझाइए।
गांधी नहर सिंचित क्षेत्र में ईस्टर्न रिटेन में आने वाली झलक का वर्णन करें। उन्हें दूर करने के उपाय सुझाए।

30. विश्व के दिए गए राजनीतिक मानचित्र पर सात भौगोलिक विशेषताओं को **A, B, C, D, E, F** और **G** के रूप में चिह्नित किया गया है। निम्नलिखित जानकारी की सहायता से किन्हीं पाँच को पहचानें और उनके सही नाम लिखें।

ए. उत्तरी अमेरिका के एक प्रमुख बंदरगाह का नाम बताइए।
बी. जापान में स्थित एक महत्वपूर्ण बंदरगाह का नाम बताइए।
सी. लाल सागर और भूमध्य सागर को जोड़ने वाली नहर का नाम बताइए।
डी. एशिया में निर्वाह हेतु संग्रहण के एक क्षेत्र का नाम बताइए।
ई. दक्षिण अमेरिका के एक प्रमुख हवाई अड्डे का नाम बताइए।
एफ. ट्रांस-ऑस्ट्रेलियन रेलवे के सबसे पश्चिमी टर्मिनल स्टेशन का नाम बताइए।
जी. दक्षिण अफ्रीका में व्यापक वाणिज्यिक अनाज कृषि वाले क्षेत्र का नाम बताइए।

निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए प्रश्न संख्या **29** के स्थान पर हैं। निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
ए. संयुक्त राज्य अमेरिका के एक प्रमुख बंदरगाह का नाम बताइए।
बी. जापान में स्थित एक महत्वपूर्ण बंदरगाह का नाम बताइए।
सी. लाल सागर और भूमध्य सागर को जोड़ने वाली नहर का नाम बताइए।
डी. एशिया में निर्वाह हेतु संग्रहण के एक क्षेत्र का नाम बताइए।
ई. ऑस्ट्रेलिया के एक प्रमुख हवाई अड्डे का नाम बताइए।
एफ. ट्रांस-ऑस्ट्रेलियन रेलवे के सबसे पश्चिमी टर्मिनल स्टेशन का नाम बताइए।
जी. दक्षिण अफ्रीका में व्यापक वाणिज्यिक अनाज कृषि वाले क्षेत्र का नाम बताइए।

31. भारत के राजनीतिक रूपरेखा मानचित्र पर निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच भौगोलिक विशेषताओं को उपयुक्त प्रतीकों के साथ चिह्नित करें:

ए. छत्तीसगढ़ में स्थित एक महत्वपूर्ण लौह अयस्क खदान।

बी. गोवा का एक प्रमुख बंदरगाह

सी. उत्तर प्रदेश में एक तेल रिफाइनरी

डी. सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य।

ई. जूट उत्पादन में अग्रणी राज्य।

एफ. पंजाब में एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा।

जी. तमिलनाडु में एक महत्वपूर्ण कोयला खदान।

निम्नलिखित प्रश्न दृष्टिबाधित छात्रों के लिए प्रश्न संख्या **30** के स्थान पर हैं। किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ए. छत्तीसगढ़ में स्थित एक महत्वपूर्ण लौह अयस्क खदान का नाम बताइए।

ख. गोवा के एक प्रमुख बंदरगाह का नाम बताइए।

सी. उत्तर प्रदेश में स्थित एक तेल रिफाइनरी का नाम बताइए।

डी. सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाले राज्य का नाम बताइए।

ई. जूट के उत्पादन में अग्रणी राज्य का नाम बताइए।

एफ. पंजाब में स्थित एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम बताइए।

जी. तमिलनाडु की एक महत्वपूर्ण कोयला खदान का नाम बताइए।

29.

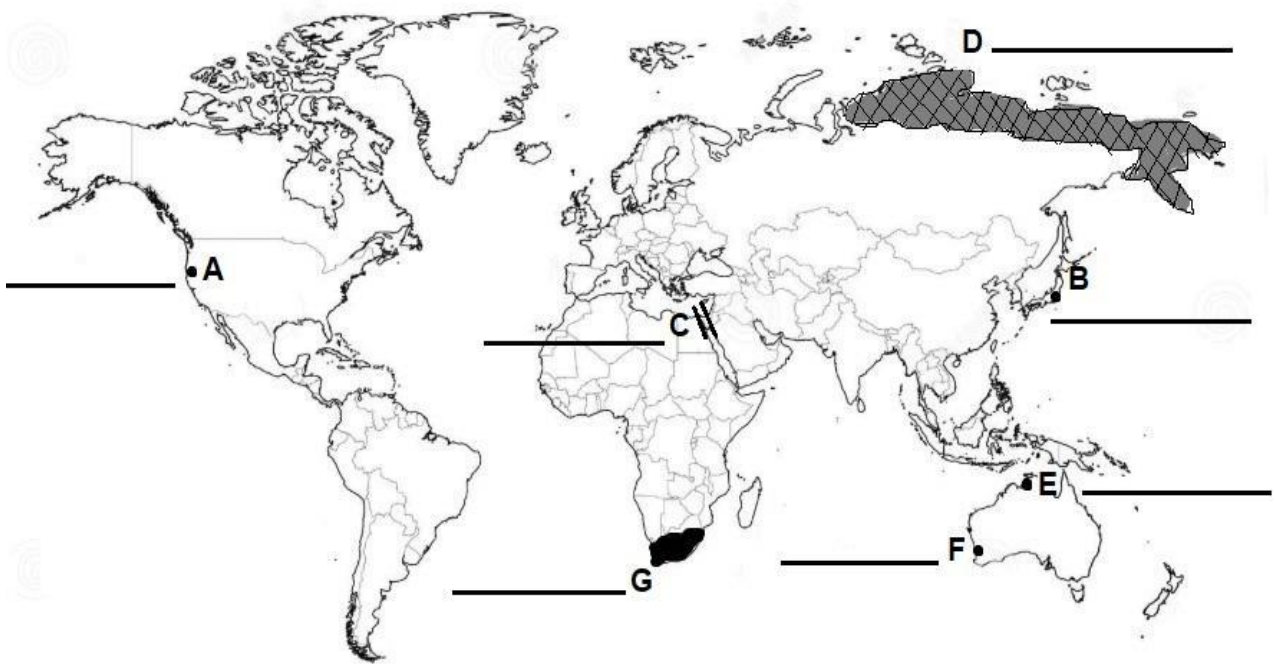

Map Items for identification only on outline political map of the World

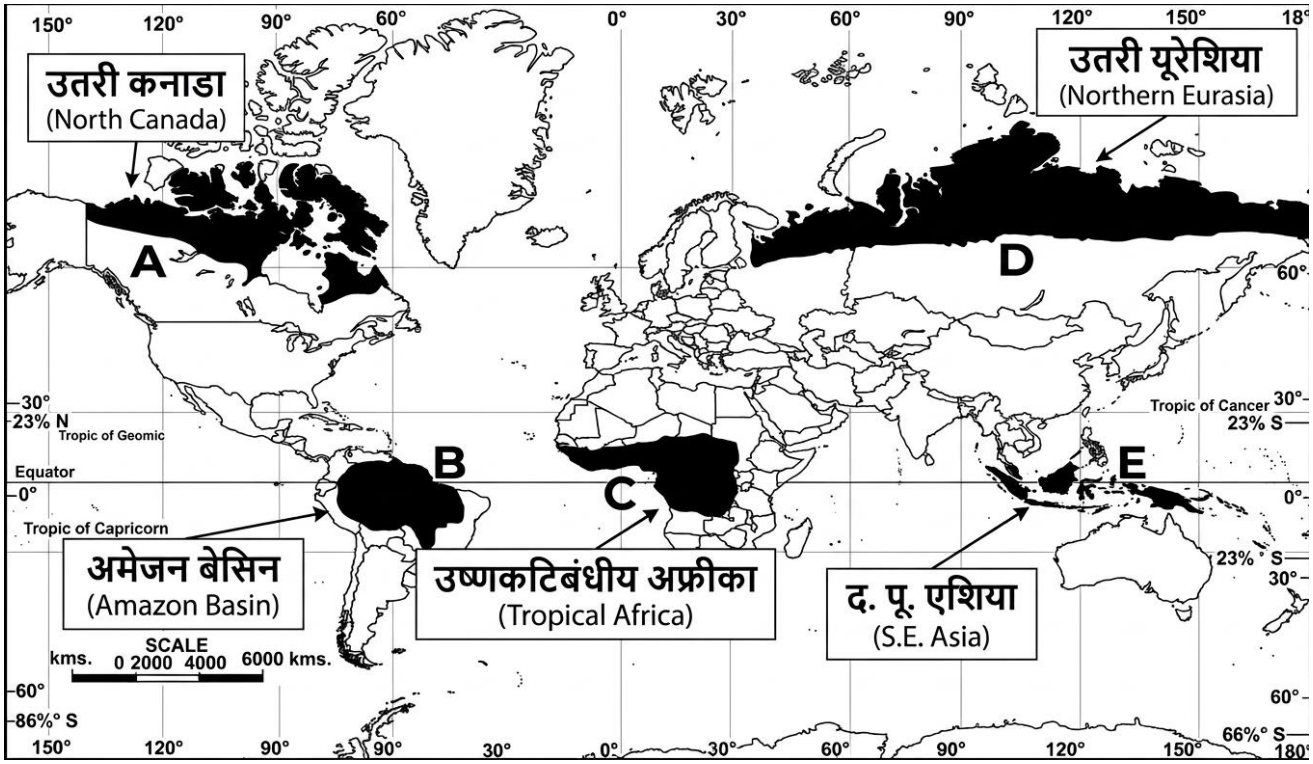

AREAS OF SUBSISTENCE GEATHERING

MAJOR AREAS OF NOMADIC HERDING OF THE WORLD

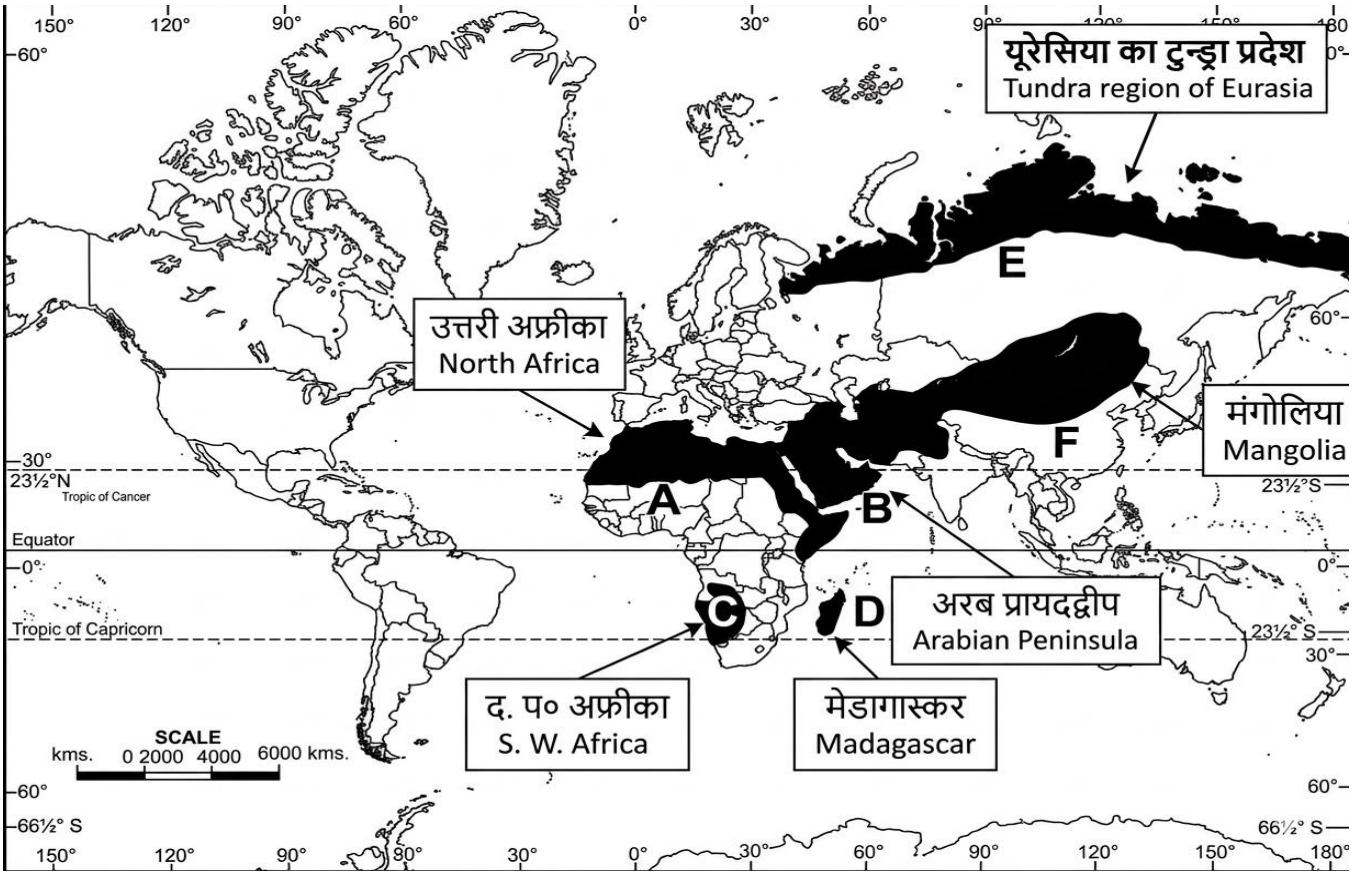
यूरेसिया का टुन्ड्रा प्रदेश
Tundra region of Eurasia
E
उत्तरी अफ्रीका
North Africa
मंगोलिया
Mangolia
F
A
B
C
D
अरब प्रायदद्वीप
Arabian Peninsula
द. प० अफ्रीका
S. W. Africa
मेडागास्कर
Madagascar
Tropic of Cancer
Equator
Tropic of Capricorn
SCALE
kms. 0 2000 4000 6000 kms.

MAJOR AREAS OF COMMERCIAL LIVESTOCK REARING

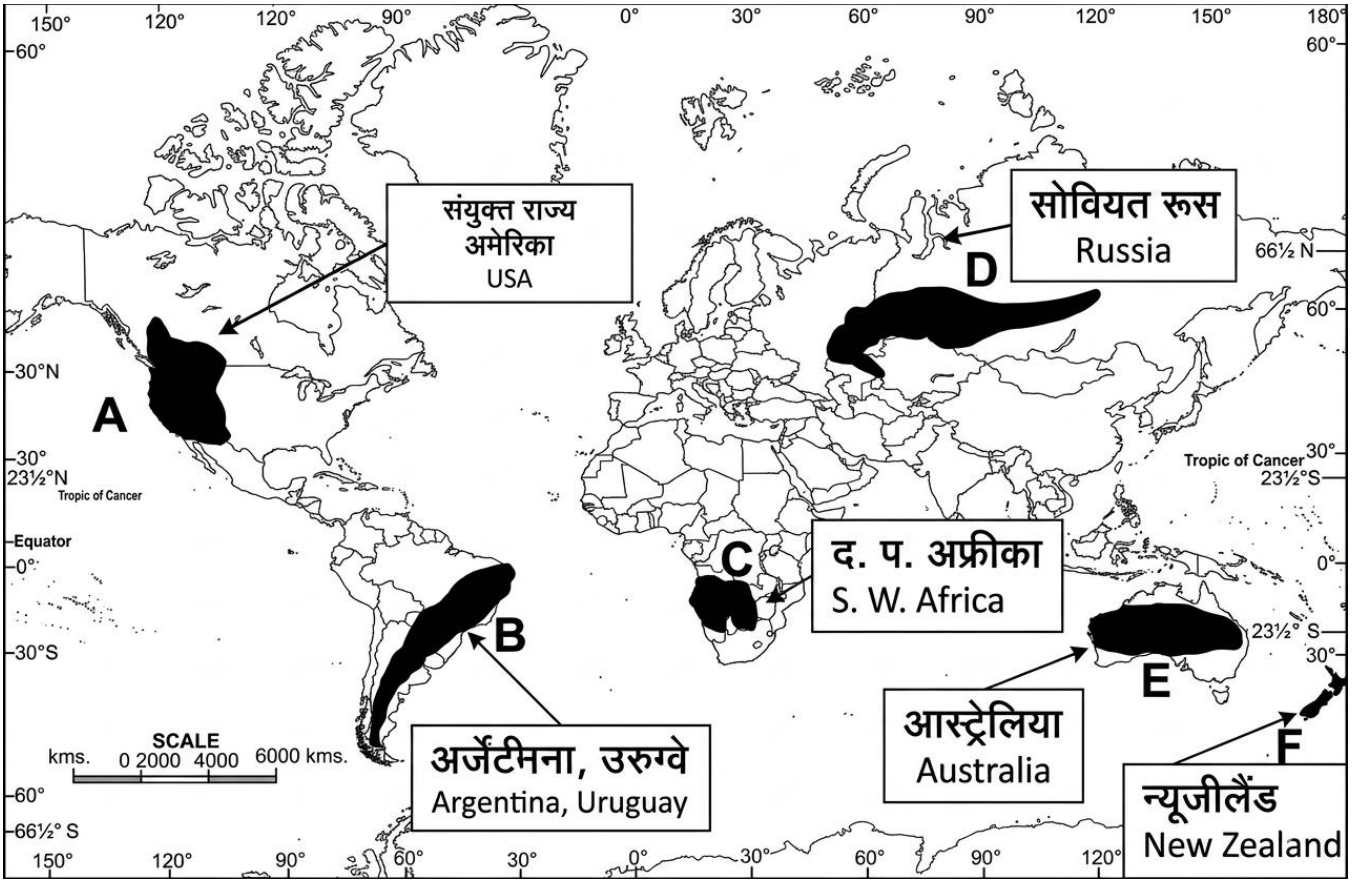

MAJOR AREAS OF EXTENSIVE COMMERCIAL GRAIN FARMING

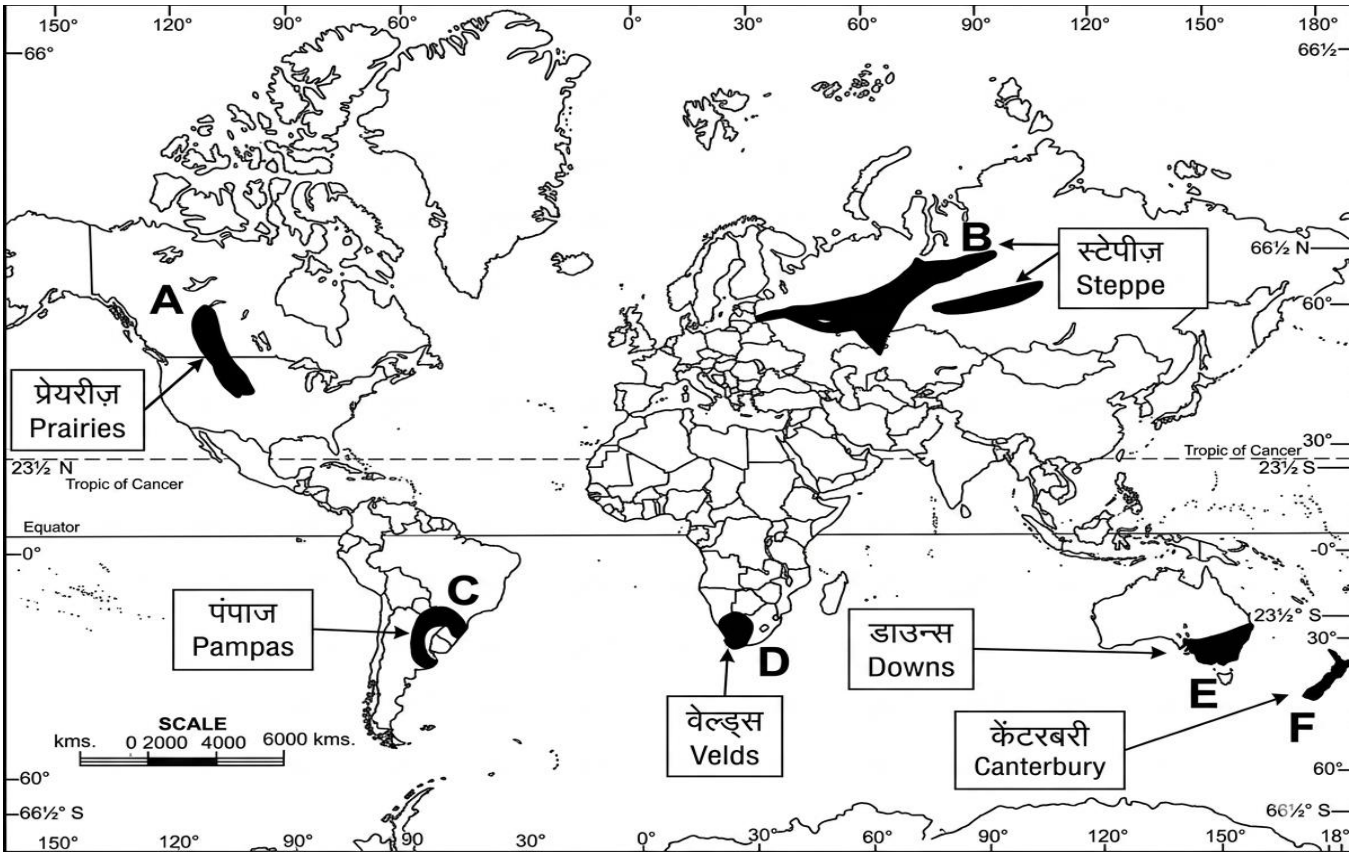

MAJOR AREAS OF MIXED FARMING OF THE WORLD

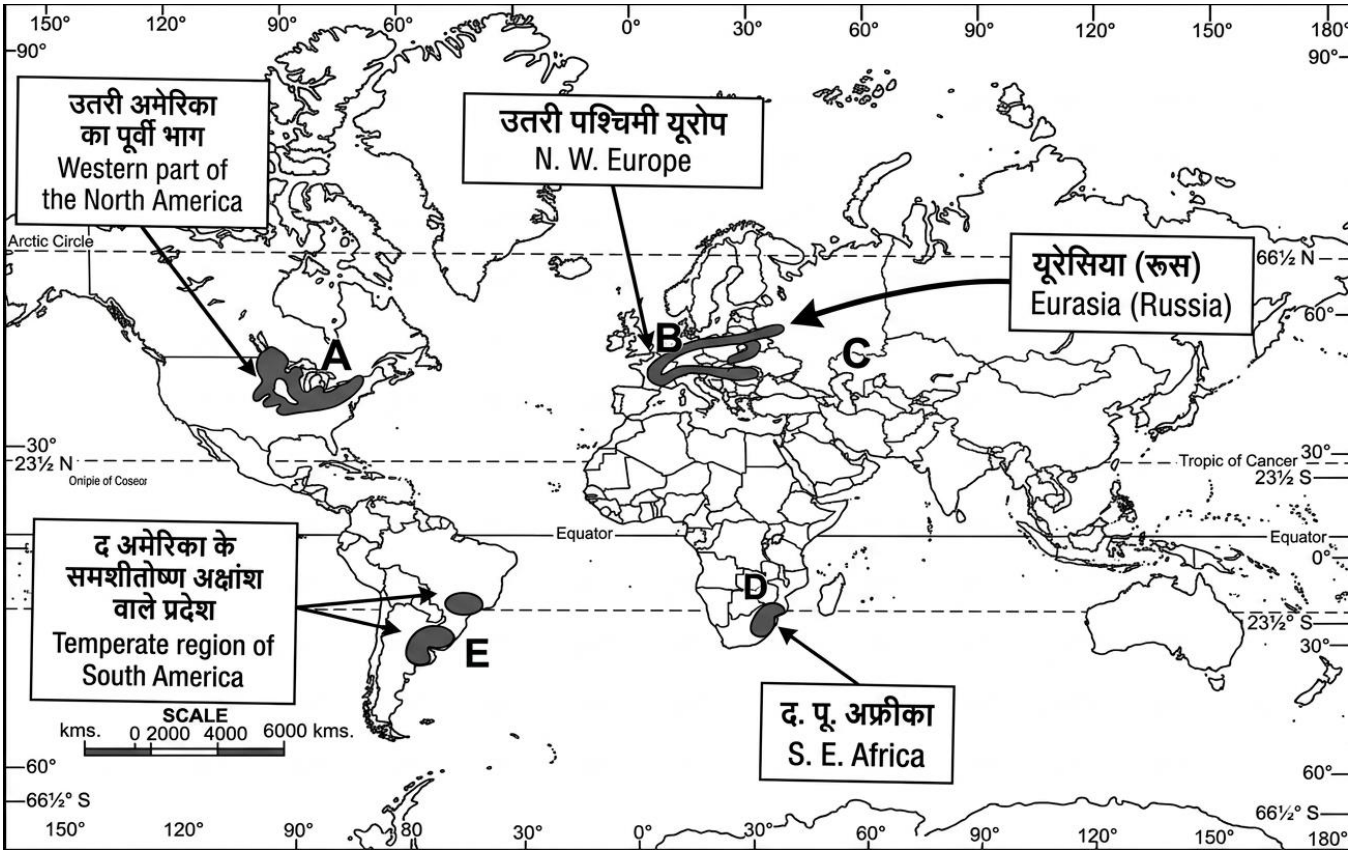

TRANSCONTINENTAL RAILWAYS:

TERMINAL STATIONS OF TRANSCONINENTAL RAILWAYS

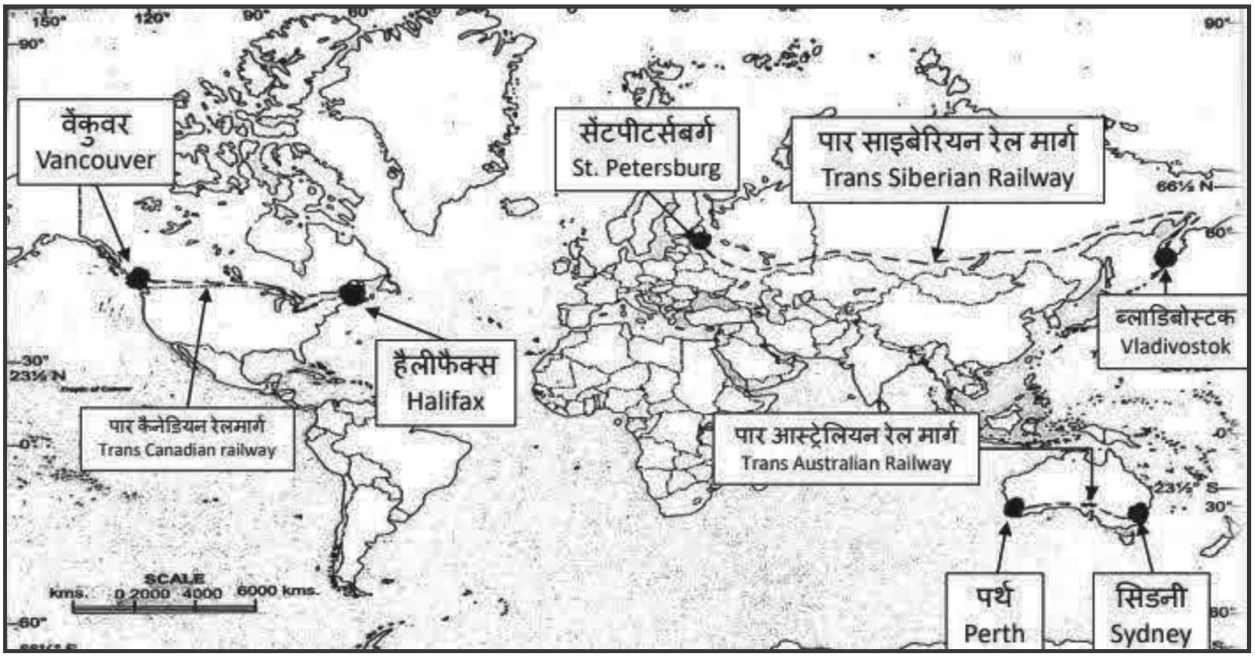

MAJOR SEA PORTS

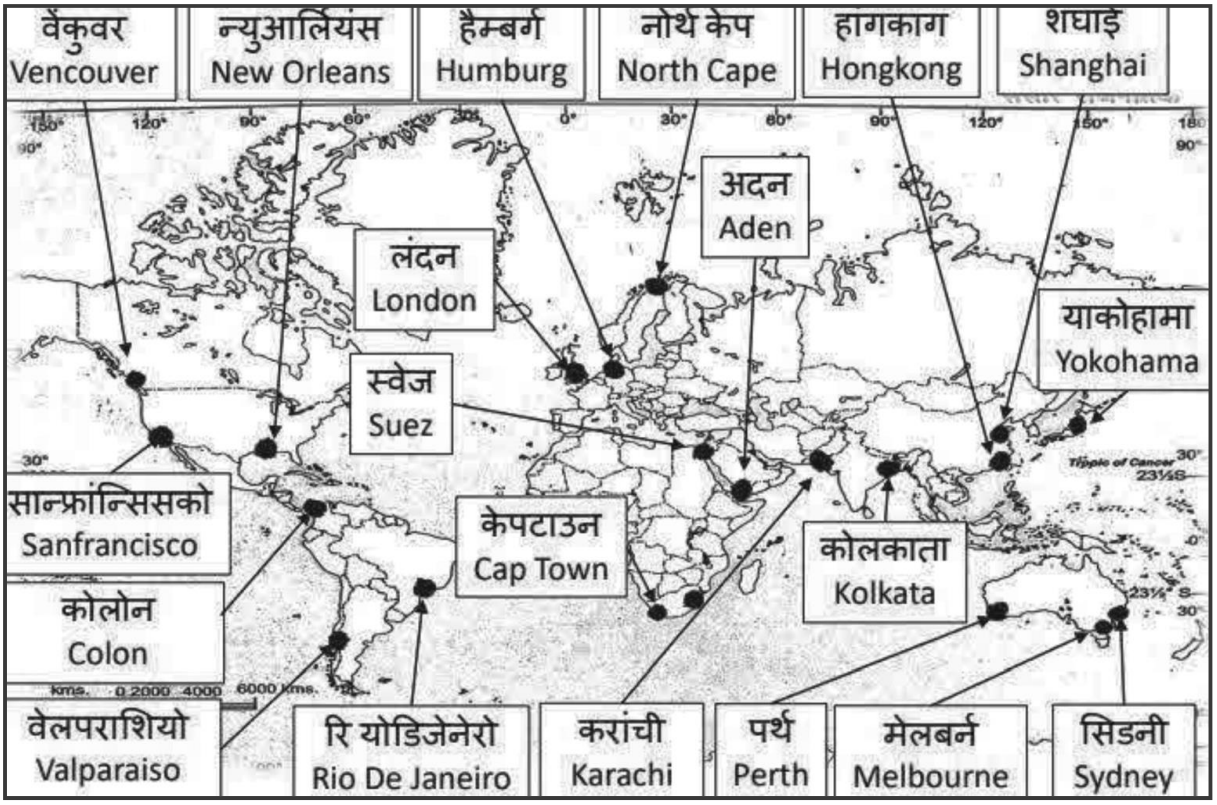

INLAND WATERWAYS

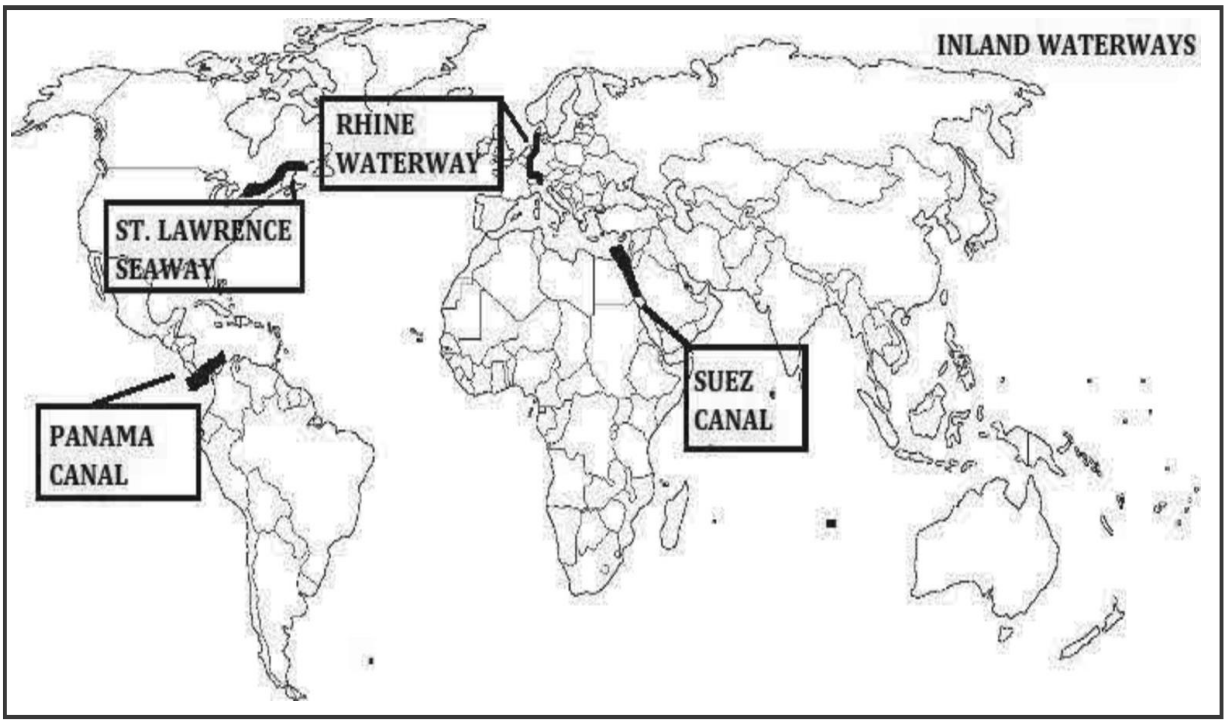

MAJOR AIRPORTS

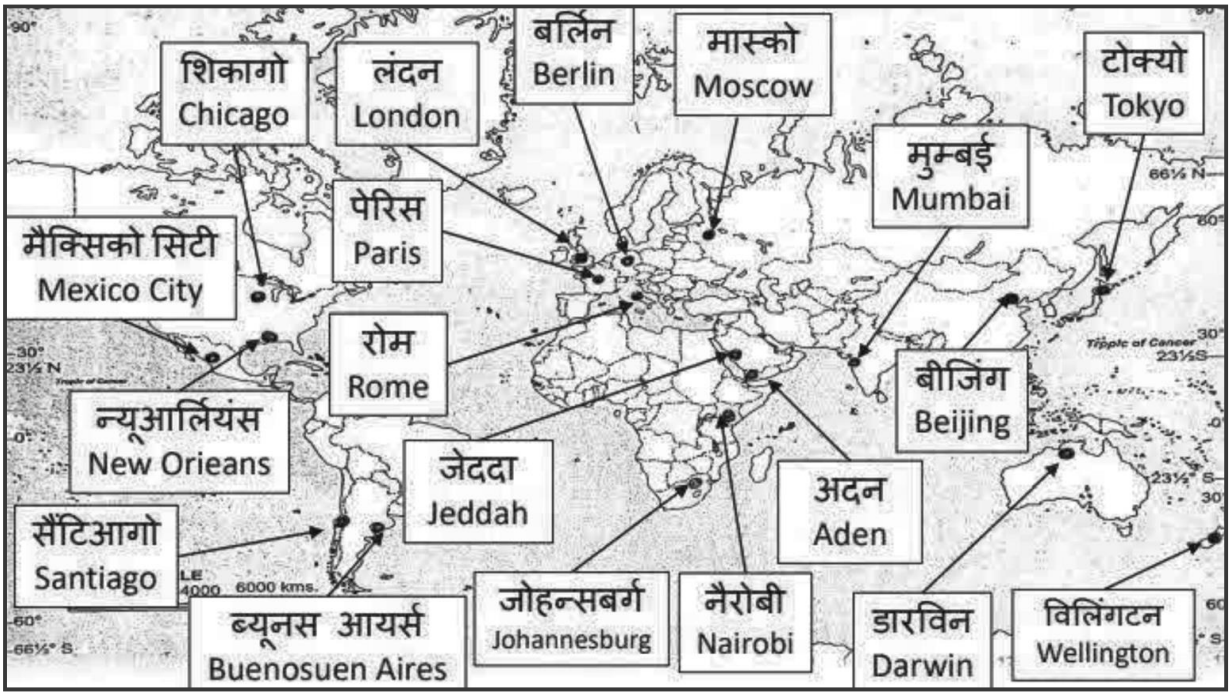

INDIA : POPULATION
(2011)
ARUNACHAL
PRADESH
(STATE WITH LOWEST
POPULATION DENSITY)
BIHAR
(STATE WITH HIGHEST
POPULATION DENSITY)

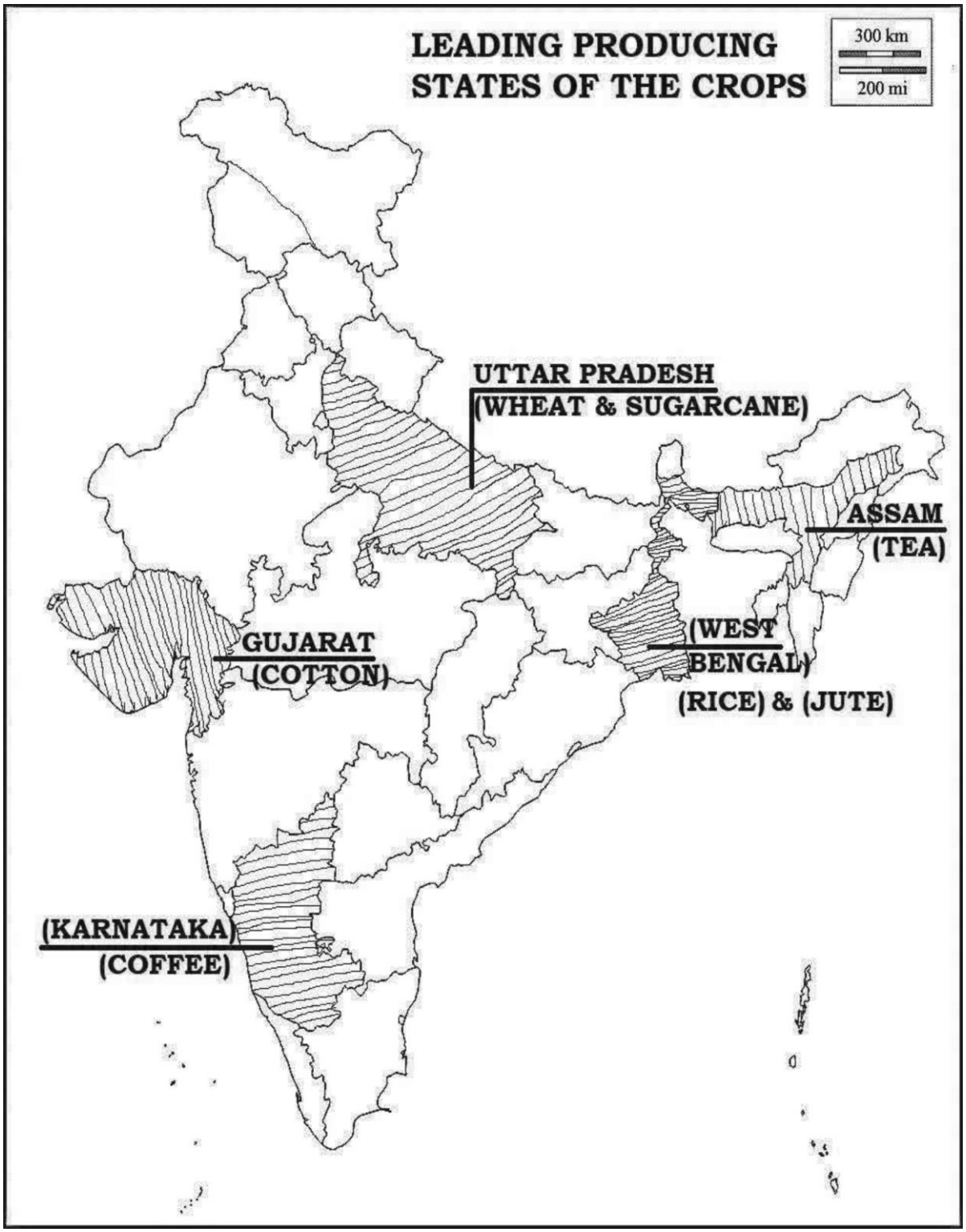
LEADING PRODUCING
STATES OF THE CROPS
300 km
200 mi
UTTAR PRADESH
(WHEAT & SUGARCANE)
ASSAM
(TEA)
GUJARAT
(COTTON)
(WEST
BENGAL)
(RICE) & (JUTE)
(KARNATAKA)
(COFFEE)

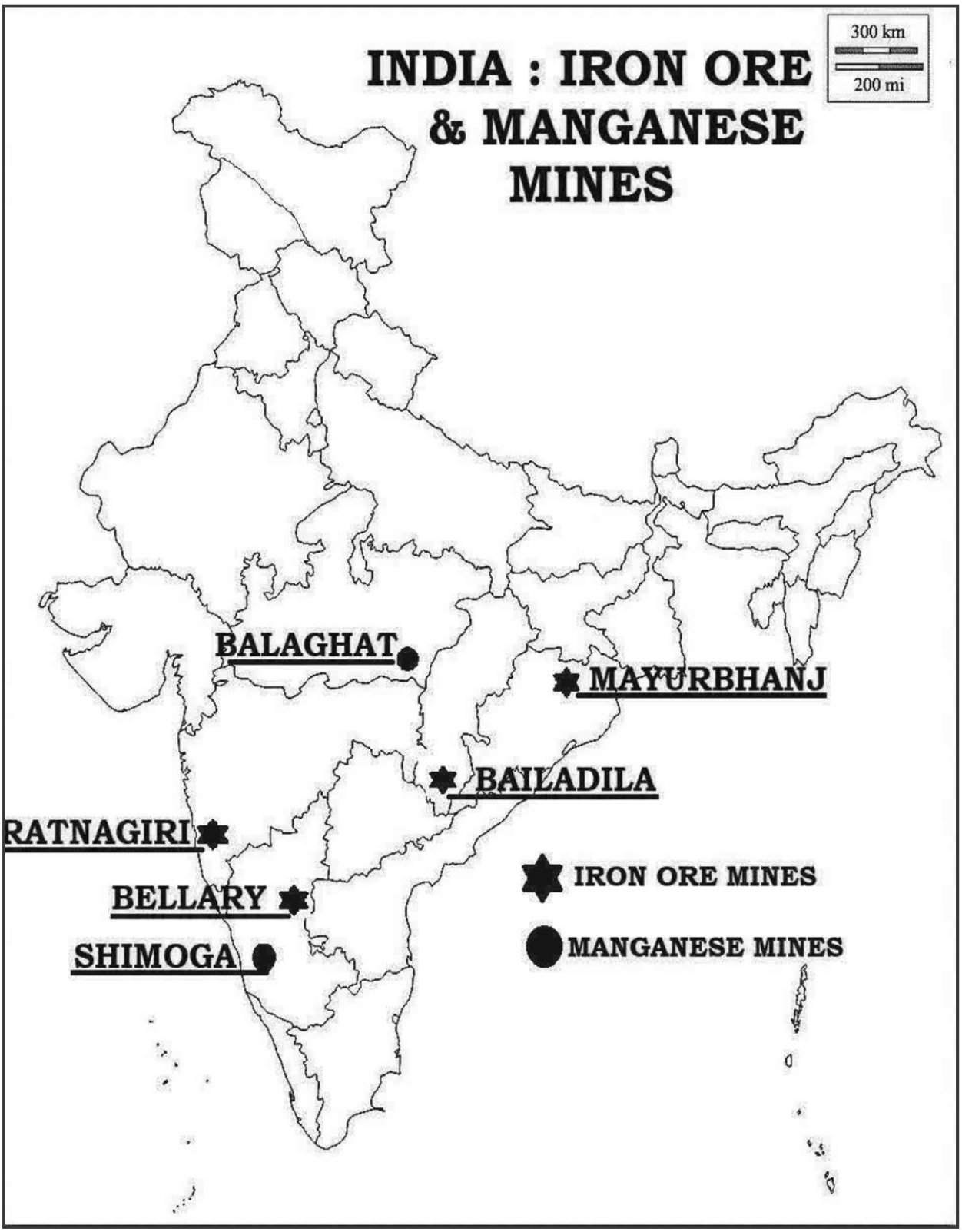
INDIA : IRON ORE & MANGANESE MINES
300 km
200 mi
BALAGHAT
MAYURBHANJ
BAILADILA
RATNAGIRI
BELLARY
SHIMOGA
IRON ORE MINES
MANGANESE MINES

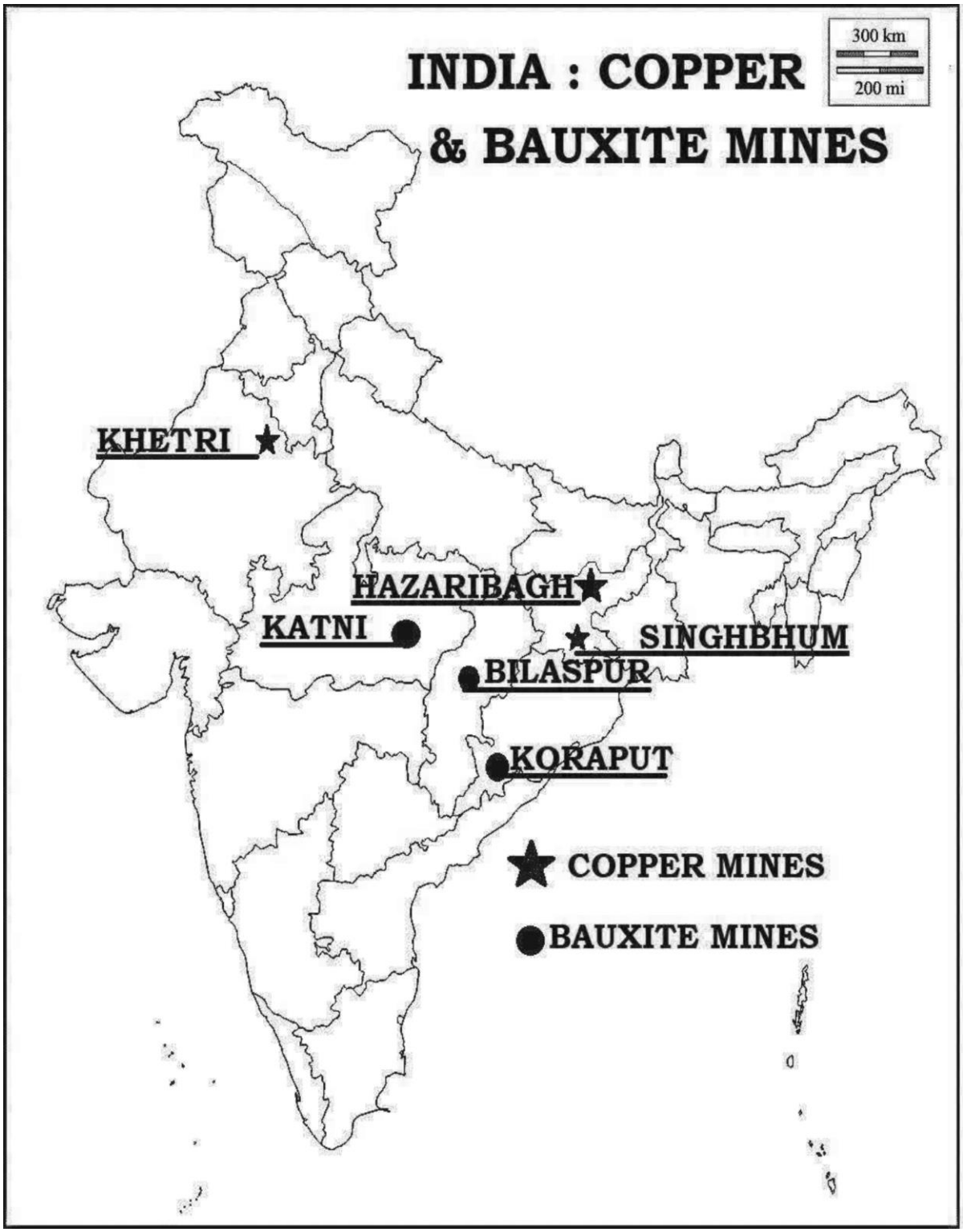
INDIA : COPPER
& BAUXITE MINES
300 km
200 mi
KHETRI
HAZARIBAGH
KATNI
SINGHBHUM
BILASPUR
KORAPUT
COPPER MINES
BAUXITE MINES

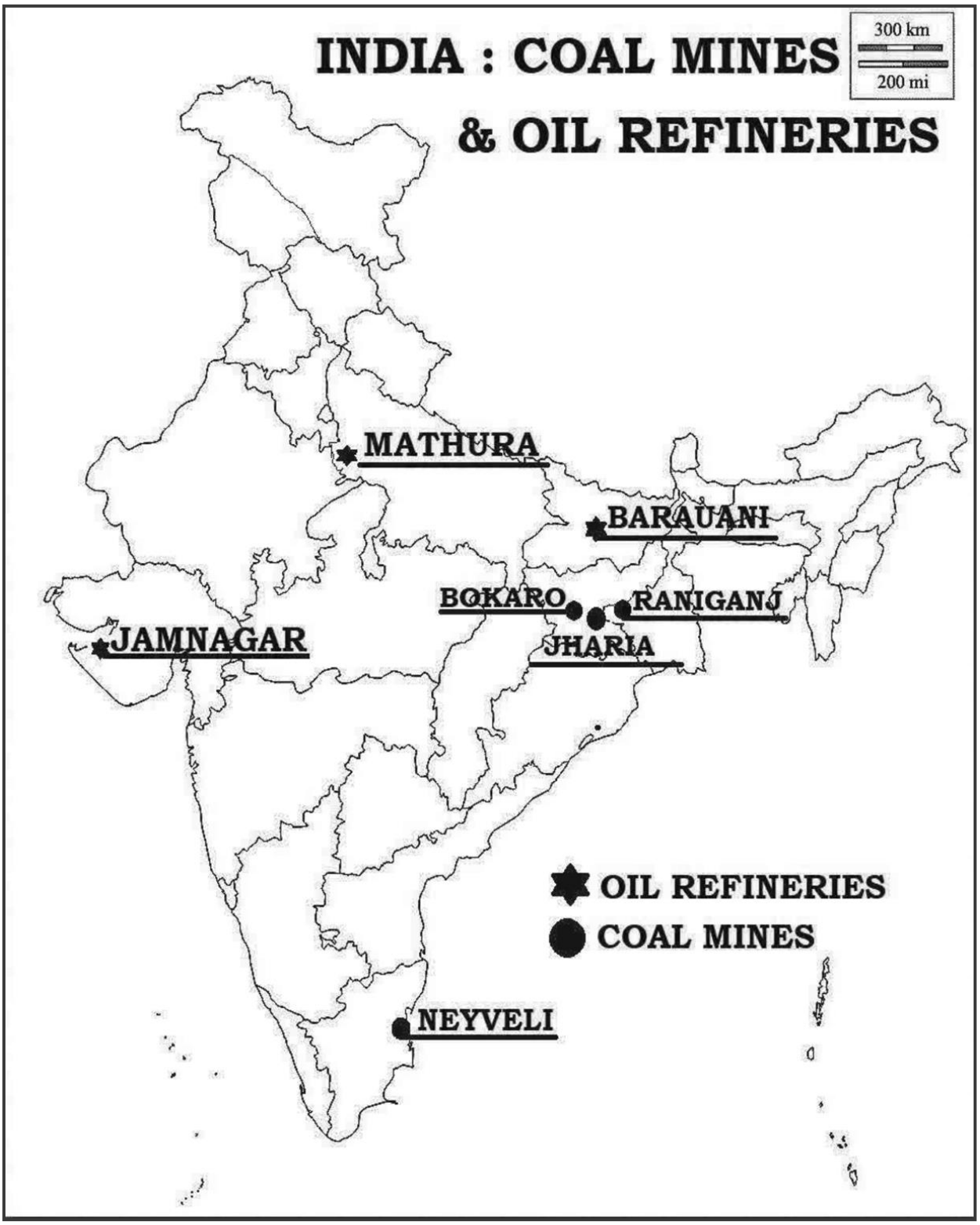
INDIA : COAL MINES
& OIL REFINERIES
300 km
200 mi
MATHURA
BARAUANI
BOKARO
RANIGANJ
JHARIA
JAMNAGAR
NEYVELI
OIL REFINERIES
COAL MINES

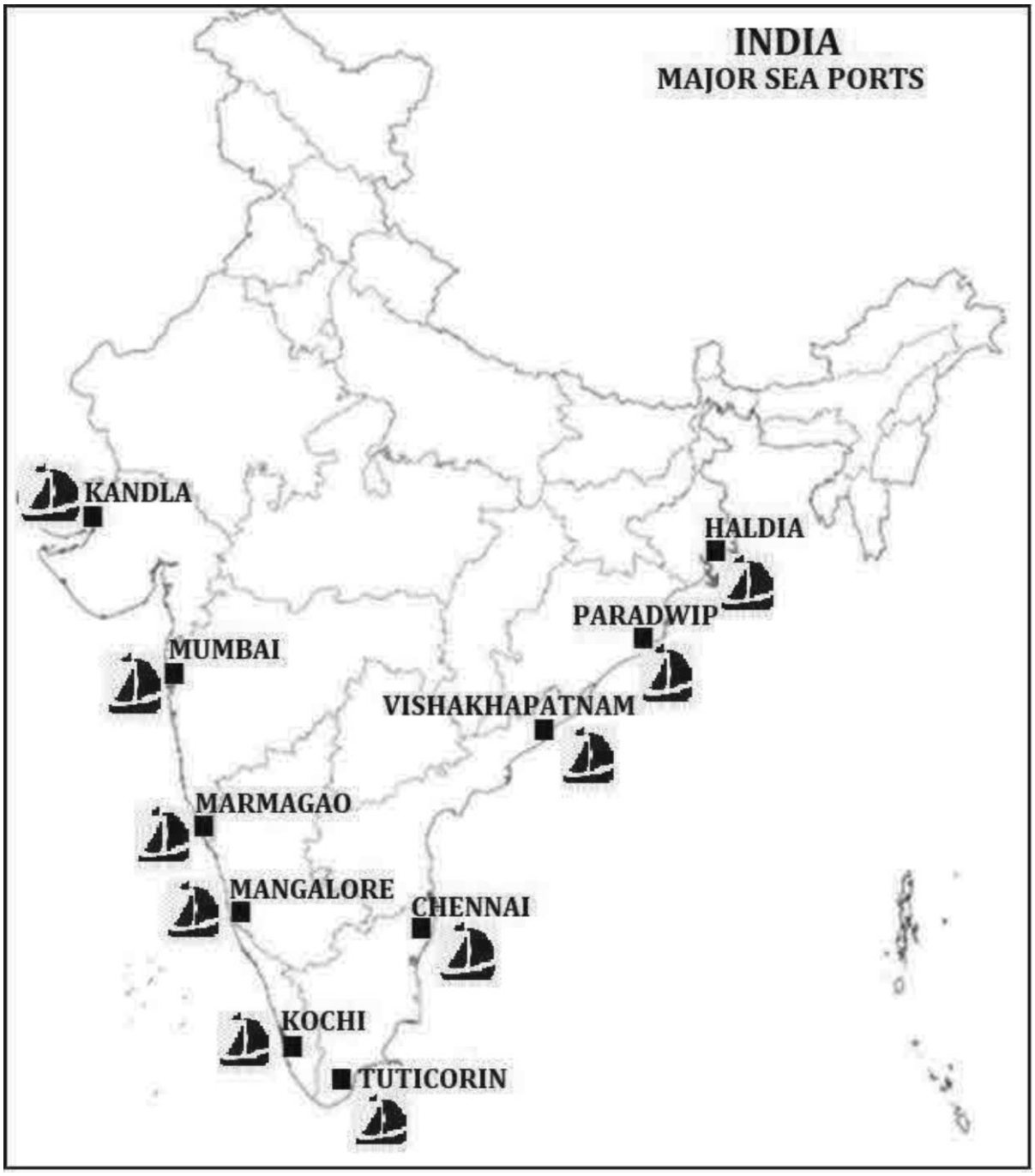
INDIA
MAJOR SEA PORTS
KANDLA
HALDIA
PARADWIP
MUMBAI
VISHAKHAPATNAM
MARMAGAO
MANGALORE
CHENNAI
KOCHI
TUTICORIN

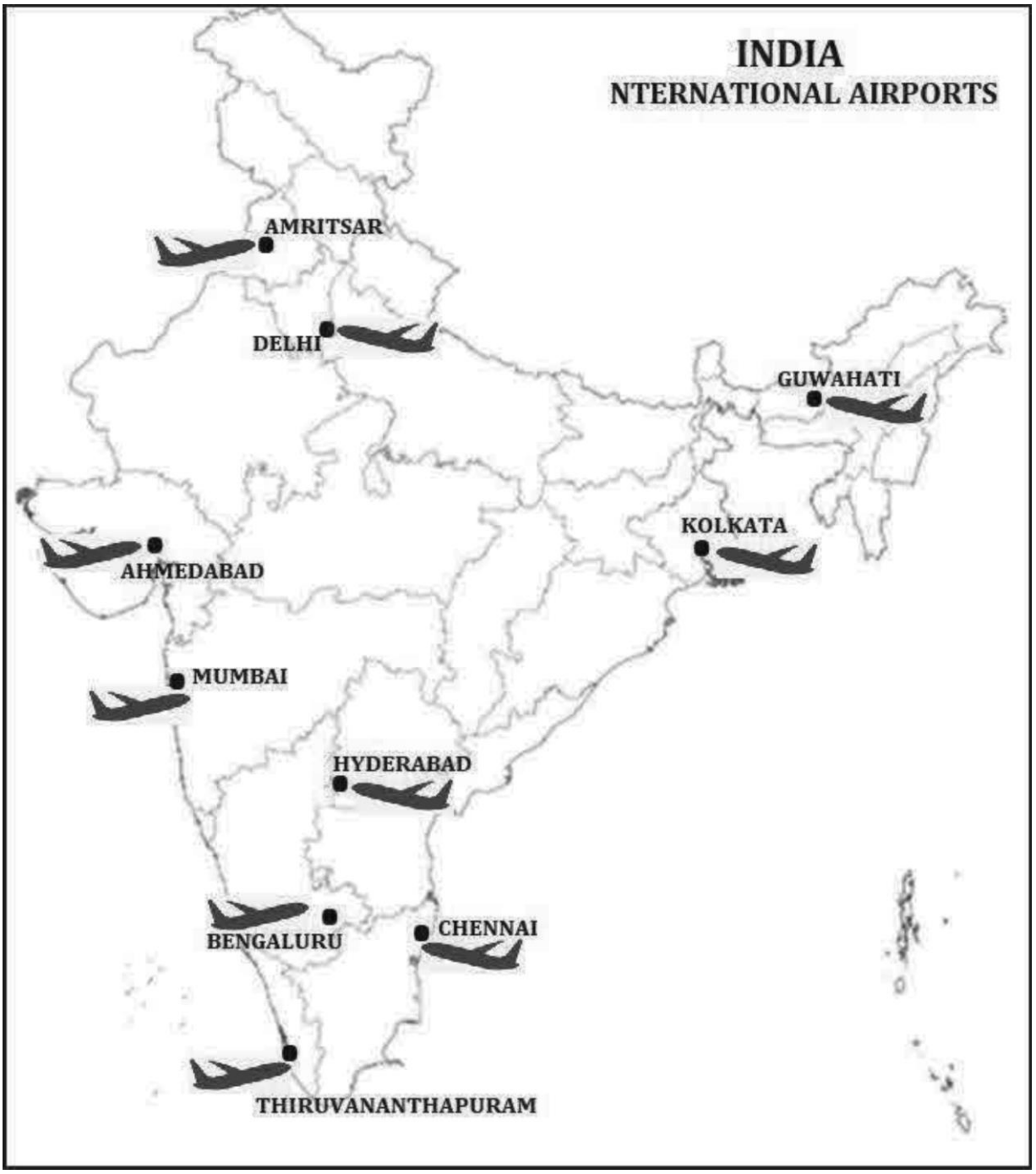
INDIA
NTERNATIONAL AIRPORTS
AMRITSAR
DELHI
GUWAHATI
KOLKATA
AHMEDABAD
MUMBAI
HYDERABAD
BENGALURU
CHENNAI
THIRUVANANTHAPURAM

TEXT BOOK – I (Fundamentals of Human Geography)			
Chapter – 1 (HUMAN GEOGRAPHY - NATURE AND SCOPE)	Chapter – 2 (THE WORLD POPULATION - DENSITY, DISTRIBUTION AND GROWTH)	Chapter – 3 (HUMAN DEVELOPMENT)	Chapter – 4 (PRIMARY ACTIVITIES)
Chapter – 5 (SECONDARY ACTIVITIES)	Chapter – 6 (TERTIARY AND QUATERNARY ACTIVITIES)	Chapter – 7 (TRANSPORT AND COMMUNICATION)	Chapter – 8 (INTERNATIONAL TRADE)

TEXT BOOK – II (India : People and Economy)			
Chapter – 1 (THE POPULATION _ DISTRIBUTION, DENSITY, GROWTH AND COMPOSITION)	Chapter – 2 (HUMAN SETTLEMENTS)	Chapter – 3 (LAND RESOURCES AND AGRICULTURE)	Chapter – 4 (WATER RESOURCES)
Chapter – 5 (MINERALS AND ENERGY RESOURCES)	Chapter – 6 (PLANNING AND SUSTAINABLE DEVELOPMENT IN INDIAN CONTEXT)	Chapter – 7 (TRANSPORT AND COMMUNICATION)	Chapter – 8 (INTERNATIONAL TRADE)
Chapter – 9 (GEOGRAPHICAL PERSPECTIVE ON SELECTED ISSUES AND PROBLEMS)	MAP WORK – World & India		